THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 23 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) वैशाख कृ.7 2080 बुधवार, 12 अप्रैल 2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

50 बार घर ले लो, फिर भी मुद्दे उठाता रहूंगा : राहुल

नई दिल्ली, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। लोकसभा से अयोग्य घोषित होने के बाद पहली बार कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने वायनाड में रोड शो किया। राहुल गांधी के साथ प्रियंका गांधी वाड्रा भी वायनाड पहुंच चुकी हैं। वायनाड में राहुल गांधी ने एक रैली को भी संबोधित किया। राहुल गांधी 2019 में चुनाव जीतकर लोकसभा पहुंचे थे। 2023 में मोदी सरनेम मामले में उन्हें सूरत कोर्ट ने दो साल जेल की सजा सुनाई थी। इसके बाद संसद से उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया था।

रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि सांसद तो बस एक टैग है। यह एक पद है इसलिए भाजपा टैग हटा सकती है, वे पद ले सकते हैं, वे घर ले सकते हैं और वे मुझे जेल में भी डाल सकते हैं, लेकिन वे मुझे वायनाड के लोगों का प्रतिनिधित्व करने से नहीं रोक सकते हैं। उन्हें लगता है कि वे मेरे घर पुलिस भेजकर मुझे डराएंगे, लेकिन मैं वास्तव में खुश था कि उन्होंने मेरा घर ले लिया। आप मेरा घर 50 बार ले लो, लेकिन मुझे कोई परवाह नहीं है। मैं तब भी देश और वायनाड के लोगों के मुद्दे उठाता रहूंगा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि मैंने संसद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पूछा कि आप अदाणी के साथ अपने संबंध के बारे में बताएं। मैंने पूछा कि आपका अदाणी के साथ क्या संबंध हैं? लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उसका जवाब नहीं दिया।

प्रियंका गांधी का हमला :

रैली के दौरान, कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने कहा कि अदालत के एक निर्णय के कारण मेरे भाई को अयोग्य घोषित कर दिया। सवाल पूछना, जवाबदेही की मांग करना, देश और स्थानीय मुद्दे उठाना सांसद का काम है।

सुप्रीम कोर्ट ने वकीलों के डिग्री वेरिफिकेशन के लिए कमेटी बनाई

नई दिल्ली, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने वकीलों की डिग्री वेरिफिकेशन की प्रक्रिया की निगरानी के लिए एक कमेटी बनाई है। कोर्ट ने सभी वकीलों को ये निर्देश दिया है कि वे जल्द से जल्द अपनी डिग्रियों का वेरिफिकेशन कराएं। कोर्ट ने कहा कि जिनके पास वास्तविक डिग्री नहीं है, उन्हें हम असली वकील नहीं मान सकते हैं। मौजूदा वक्त में लगभग 16 लाख वकीलों ने वेरिफिकेशन के लिए डिग्री और फॉर्म जमा नहीं किया है। >14

सीबीआई ने कांग्रेस नेता को किया तलब

टाइटलर : सिख दंगे नहीं दूसरे मामले में लिया आवाज का नमूना

नई दिल्ली, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता जगदीश टाइटलर मंगलवार को सीबीआई के सामने पेश हुए। टाइटलर ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की मौत के बाद हुए सिख दंगों से जुड़े मामले में अपनी आवाज का नमूना दिया। सेंट्रल फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी में आगे की कार्रवाई चल रही है। हालांकि, नेता ने सिख दंगों के आरोप को नकारते हुए कहा कि किसी और मामले में आवाज का नमूना लिया गया है। सीबीआई के अधिकारी का कहना है कि 1984 में हुए सिख दंगे के मामले में कुछ सबूत आएं हैं। इस वजह से 39 साल पुराने मामले में टाइटलर की आवाज का नमूना लिया गया है। इसलिए उन्हें सीबीआई दफ्तर तलब किया गया था। पुल बंगश इलाके में हुए दंगों में कथित तौर पर तीन लोगों की मौत हुई थी। सीबीआई को अपनी आवाज का नमूना देकर दफ्तर से बाहर निकले कांग्रेस नेता टाइटलर ने कहा कि मैंने क्या किया। अगर मेरे खिलाफ सबूत हैं, तो मैं खुद को फांसी देने के लिए तैयार हूं। टाइटलर का कहना है कि मेरी आवाज का नमूना 1984 के सिख दंगों के लिए नहीं बल्कि किसी दूसरे मामले में लिया गया है।

जबरदस्ती चुप कराना मुश्किलों का हल नहीं : सोनिया

नई दिल्ली, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस पार्लियामेंट्री कमेटी की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने मंगलवार को पीएम मोदी और उनकी सरकार को लेकर अपनी राय दी है। उन्होंने कहा कि देश को चुप करा देने से देश की परेशानियां हल नहीं हो जाएंगी। पीएम मोदी जरूरी मुद्दों पर चुप हैं। उनकी सरकार के कामकाज से करोड़ों लोगों की जिंदगी प्रभावित होती है। बड़े मुद्दों पर जो भी जायज सवाल पूछा जाता है, प्रधानमंत्री उस पर चुप्पी साध लेते हैं।

सोनिया ने सरकार पर संसद में विपक्ष की आवाज दबाने, एजेंसियों के दुरूपयोग, मीडिया की आजादी खत्म करने, देश में नफरत और हिंसा का माहौल बनाने का आरोप लगाया है। सोनिया ने कहा कि भारत के लोग अब यह जान चुके हैं कि मौजूदा हालात में पीएम मोदी की कथनी और करनी में बड़ा अंतर है। जब वे विपक्ष के खिलाफ गुस्सा जाहिर नहीं कर रहे होते हैं या आज की परेशानियों के लिए बीते जमाने के नेताओं पर आरोप नहीं लगा रहे होते हैं, तो उनके सभी बयानों से जरूरी मुद्दे या तो गायब होते हैं, या वे बड़ी-बड़ी, लुभावनी बातें करके इन मुद्दों से लोगों का ध्यान भटकाने की कोशिश करते हैं। हालांकि, उनके एक्शन से साफ पता चलता है कि इस सरकार की असली मंशा क्या है।

पीएम हमारे जायज सवालों पर चुप हैं :

सोनिया गांधी ने कहा कि देश को चुप करा देने से देश की परेशानियां हल नहीं हो जाएंगी। पीएम मोदी जरूरी मुद्दों पर चुप हैं, उनकी सरकार के कामकाज से करोड़ों लोगों की जिंदगी प्रभावित होती है, इन्हें लेकर हमारे जो जायज सवाल हैं, उन पर वे चुप हैं। >14

अमित शाह का दावा-2024 में भाजपा 300 से ज्यादा सीटें जीतेगी

मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेंगे

डिब्रूगढ़, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। असम के डिब्रूगढ़ में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर बड़ा दावा किया।

उन्होंने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा असम की 14 में से 12 सीटें जीतेगी। उन्होंने यह भी कहा कि देश में भाजपा 300 से ज्यादा सीटों पर कब्जा जमाएगी और मोदी जी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेंगे। भाजपा डिब्रूगढ़ कार्यालय के उद्घाटन कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि भाजपा संगठन के आधार पर चलने वाली पार्टी है और कार्यालय भाजपा की सभी गतिविधियों का केंद्र होता है। अभी नॉर्थ ईस्ट में 3 राज्यों के चुनाव हुए और तीनों राज्यों में भाजपा सरकार का हिस्सा है। नॉर्थ ईस्ट के आठ राज्यों में पीएम मोदी के नेतृत्व में एनडीए की सरकार है और इसी के कारण नॉर्थ ईस्ट का विकास हुआ है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने राहुल गांधी और कांग्रेस को भी अपने निशाने पर लिया। शाह ने कहा, राहुल बाबा अभी भी समझ जाओ। अभी तो पूर्वोत्तर के तीन राज्यों से सुपड़ा साफ हुआ है। अगर उसी रास्ते पर चलते रहोगे, तो पूरे देश से कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो जाएगा।

इतना ही नहीं शाह ने मोदी को गाली देने को लेकर पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी पर भी तीखा तंज कसा। उन्होंने कहा, कांग्रेस वाले कहते हैं मोदी तेरी कब्र खुदेगी। भाई, आपके कहने से कुछ नहीं होता। देश की 130 करोड़ जनता दिन-रात मोदी जी की लंबी उम्र की प्रार्थना कर रही है। मोदी को गाली निकालो।

पानीपत में किशोर अवैध पिस्तौल समेत काबू

पानीपत, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के पानीपत में गांव सिवाह के नजदीक नया बस स्टैंड के पास पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर एक 16 वर्षीय किशोर को अवैध पिस्तौल समेत काबू किया। पूछताछ में किशोर ने अपनी पहचान गांव सिवाह निवासी के रूप में बताई। उसने बताया कि वह गांव में अभी से अपनी पैठ बढ़ाना चाहता है, इसलिए उसने पिस्तौल रखनी शुरू की है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट में केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। सेक्टर 29 थाना पुलिस को दी शिकायत में सीआईए-3 में तैनात एएसआई नरेश कुमार ने बताया कि वह सिपाही प्रवेश कुमार, सिपाही निशान सिंह व चालक सिपाही सोमबीर के साथ चौटाला मोड़ जीटी रोड पर गश्त कर रहा था। इसी समय मुखबिर ने सूचना दी कि एक नौजवान युवक निवासी गांव सिवाह के पास देसी पिस्तौल है।

दिल्ली-बिहार-यूपी सहित इन राज्यों में पसीना छुड़ाएगी गर्मी

कैसा रहेगा अगले 7 दिनों तक मौसम

नई दिल्ली, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। मौसम विभाग के मुताबिक दिल्ली में सोमवार को इस मौसम का सबसे गर्म दिन दर्ज किया गया। कभी -कभी आसमान में चमकती धूप के बीच बादल आते-जाते दिखाई दे रहे हैं, लेकिन इनके बरसने की संभावना नहीं दिखाई दे रही है। मौसम विभाग ने दिल्ली वासियों के लिए परेशानी भरी खबर दी है और संभावना जताई है कि अगले 6 दिनों तक दिल्ली में झुलसाने वाली गर्मी पड़ सकती है और अधिकतम तापमान 38 डिग्री जा सकता है, कहीं-कहीं तापमान 40 डिग्री भी पहुंच सकता है। दिल्ली, बिहार-यूपी सहित पूर्वोत्तर राज्यों में जहां भीषण गर्मी लोगों के पसीने छुड़ाएगी वहीं आज दक्षिणी राज्यों, आंतरिक कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु में बारिश भी हो सकती है। अगले चार दिनों में गुजरात, मध्य महाराष्ट्र , मराठवाड़ा, कोंकण,में गरज/चमक और आंधी/तूफान के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

दिल्ली-मुंबई-बिहार सहित इन राज्यों में का तापमान

दिल्ली में आज न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है, जबकि अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। यूपी की राजधानी लखनऊ में आज न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है, जबकि अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस रहेगा। बिहार की राजधानी पटना में आज न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है, जबकि अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। मुंबई में आज न्यूनतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है, जबकि अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस रहेगा। इंदौर में आज न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है, जबकि अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। जयपुर में आज न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है, जबकि अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। अहमदाबाद में आज न्यूनतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है, जबकि अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। हैदराबाद में आज न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है, जबकि अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है।

अगले सात दिन कैसा रहेगा मौसम

दिल्ली में बुधवार को तापमान 28 डिग्री सेल्सियस, गुरुवार को 28 डिग्री सेल्सियस, शुक्रवार को 29 डिग्री सेल्सियस, शनिवार को 30 डिग्री सेल्सियस, शनिवार को 30 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है। रविवार को और सोमवार को तापमान 30 डिग्री सेल्सियस पहुंच सकता है। लखनऊ में बुधवार को तापमान 26 डिग्री सेल्सियस, गुरुवार को 28 डिग्री सेल्सियस, शुक्रवार को 28 डिग्री सेल्सियस, शनिवार को 29 डिग्री सेल्सियस, शनिवार को 28 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है। रविवार को और सोमवार को 29 डिग्री सेल्सियस पहुंच सकता है। पटना में बुधवार को तापमान 25 डिग्री सेल्सियस, गुरुवार को 27 डिग्री सेल्सियस, शुक्रवार को 28 डिग्री सेल्सियस, शनिवार को 29 डिग्री सेल्सियस, शनिवार को 30 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है। रविवार को और सोमवार को 31 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है। इंदौर में बुधवार को तापमान 26 डिग्री सेल्सियस, गुरुवार को 27 डिग्री सेल्सियस, शुक्रवार को 29 डिग्री सेल्सियस, शनिवार को 27 डिग्री सेल्सियस, शनिवार को 26 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है। रविवार को और सोमवार को 26 डिग्री सेल्सियस पहुंच सकता है। जयपुर में बुधवार को तापमान 25 डिग्री सेल्सियस, गुरुवार को 26 डिग्री सेल्सियस, शुक्रवार को 26 डिग्री सेल्सियस, शनिवार को 27 डिग्री सेल्सियस, शनिवार को 26 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है। रविवार को और सोमवार को 27 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है। मुंबई में बुधवार को तापमान 28 डिग्री सेल्सियस, गुरुवार को 29 डिग्री सेल्सियस, शुक्रवार को 28 डिग्री सेल्सियस, शनिवार को 29 डिग्री सेल्सियस, शनिवार को 28 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है। रविवार को और सोमवार को 28 डिग्री सेल्सियस होने पहुंचने की संभावना है। अहमदाबाद में बुधवार को तापमान 27 डिग्री सेल्सियस, गुरुवार को 27 डिग्री सेल्सियस, शुक्रवार को 27 डिग्री सेल्सियस, शनिवार को 27 डिग्री सेल्सियस, शनिवार को 26 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है। रविवार को और सोमवार को 27 डिग्री सेल्सियस पहुंचने की संभावना है। हैदराबाद में बुधवार को तापमान 28 डिग्री सेल्सियस, गुरुवार को 29 डिग्री सेल्सियस, शुक्रवार को 31 डिग्री सेल्सियस, शनिवार को 28 डिग्री सेल्सियस, 27 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है। रविवार को और सोमवार को 29 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है।

रामनवमी हिंसा के बाद अमित शाह का पहला बंगाल दौरा

14 अप्रैल को जनसभा करेंगे संबोधित

नई दिल्ली, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 14 अप्रैल से पश्चिम बंगाल के दो दिवसीय दौरे पर होंगे। राज्य में रामनवमी की हिंसा के बाद केंद्रीय गृह मंत्री का ये पहला दौरा है। सूत्रों के अनुसार इस दौरान बीरभूम जिले में वह एक जनसभा को संबोधित करेंगे और संगठन की बैठकों में हिस्सा लेंगे। जबकि 15 अप्रैल को बंगाली नव वर्ष पर दक्षिणेश्वर मंदिर में दर्शन करेंगे।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रदेश इकाई के एक नेता ने कहा कि अमित शाह जी 14 अप्रैल से पश्चिम बंगाल के दो दिवसीय दौरे पर होंगे। उनका बीरभूम में एक जनसभा को संबोधित करने का कार्यक्रम है। वह संगठनात्मक स्थिति का भी जायजा लेंगे और प्रदेश नेतृत्व के साथ बैठकें करेंगे। 15 अप्रैल को वह दक्षिणेश्वर मंदिर जाएंगे और बंगाली नववर्ष के अवसर पर पूजा करेंगे।" शाह ऐसे समय में बंगाल का दौरा करेंगे जब पार्टी पंचायत चुनाव से पहले अपने संगठनात्मक तंत्र को मजबूत करने में जुटी हुई है। हालांकि सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने शाह की इस प्रस्तावित यात्रा को ज्यादा महत्व देने से परहेज किया है। तृणमूल कांग्रेस के प्रवक्ता कुणाल घोष ने कहा, ''जैसे-जैसे पश्चिम बंगाल में ग्रामीण चुनाव नजदीक आ रहे हैं, राज्य में भाजपा नेताओं के दौरे बढ़ेंगे। लेकिन उन्हें इसका कोई फायदा नहीं होने वाला है।" उन्होंने कहा, ''हमने देखा है कि कैसे भाजपा के केंद्रीय नेताओं ने 2021 के विधानसभा चुनाव से पहले पश्चिम बंगाल में डेरा डाला था। लेकिन पार्टी को हार का सामना करना पड़ा। प्रदेश भाजपा अब राज्य का माहौल खराब करने की कोशिश कर रही है।" भाजपा 2021 के विधानसभा चुनाव के बाद आंतरिक गुटबाजी और कई नेताओं के दल बदल लेने से परेशान है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री बाबुल सुप्रियो, पार्टी सांसद अर्जुन सिंह, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मुकुल रॉय और छह विधायक चुनाव के बाद से तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो गए हैं। बंगाल में शाह का कार्यक्रम कमजोर मानी जाने वाली देश की 144 लोकसभा सीट पर अपने संगठन को मजबूत करने के भाजपा के 'लोकसभा प्रवास' अभियान का हिस्सा है। वर्ष 2019 के आम चुनाव में भाजपा को इन सीट पर हार का सामना करना पड़ा था। पार्टी ने तब बंगाल में लोकसभा की कुल 42 सीट में से 18 पर जीत हासिल की थी। भाजपा नेता ने कहा कि शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा राज्य के 24 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों को कवर करते हुए 12-12 रैलियों को संबोधित करेंगे।

तृणमूल कांग्रेस 2021 में 292 सीट में से 215 सीट जीतकर राज्य में लगातार तीसरी बार सत्ता में आई थी, जबकि भाजपा ने 77 सीट जीती थीं। नड्डा इस साल जनवरी और फरवरी में प्रवास अभियान के तहत पश्चिम बंगाल में दो रैलियों को संबोधित कर चुके हैं। बीरभूम को सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस का गढ़ माना जाता है। लेकिन पिछले कुछ महीनों में सीबीआई द्वारा तृणमूल कांग्रेस के जिला अध्यक्ष अनुब्रत मंडल को मवेशी तस्करी मामले में गिरफ्तार किए जाने के बाद दक्षिण बंगाल के इस जिले में राजनीतिक समीकरण बदल गए हैं।

जींद में महिला से दुष्कर्म, अश्लील वीडियो बनाई

जींद, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के जींद में एक महिला को होटल में ले जाकर नशीला पदार्थ पिलाकर उसके साथ दुष्कर्म किया गया। इस दौरान उसकी अश्लील वीडियो और फोटो भी बना गए। महिला ने विरोध किया तो उसे जान से मारने की धमकी दी गई। महिला थाना पुलिस ने 3 लोगों के खिलाफ दुष्कर्म व अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया है। अभी किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। पुलिस जांच कर रही है। पीड़ित महिला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी गांव पड़ाना के अनूप के साथ जान-पहचान थी। जुलाई 2020 में अनूप अपने साथियों गांव के ही नवीन और एक अन्य युवक सन्नी, जिसका पता वह नहीं जानती, उनके साथ उसे जींद शहर में बतख चौक पर स्थित एक होटल में ले गया। महिला का आरोप है उसे यहां कोल्ड ड्रिंक में यहां कोई नशीला पदार्थ पिलाया गया। इसके बाद वह होश खो बैठी। अनूप व अन्य ने उसके साथ बलात्कार किया।

'एकनाथ शिंदे को उड़ा दूंगा'

महाराष्ट्र के सीएम को मिली जान से मारने की धमकी

मुंबई, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को जान से मारने की धमकी मिली है। महाराष्ट्र पुलिस के कंट्रोल रूम में फोन करके कॉलर ने कहा कि मैं एकनाथ शिंदे को उड़ा दूँगा और इतना कहकर उसने फ़ोन कट कर दिया। महाराष्ट्र पुलिस को कंट्रोल नंबर 112 नंबर एक कॉल मिली थी। यह कॉल देर शाम आई थी। फोन करने वाले ने पुलिस से कहा कि वह महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को उड़ा देगा।

पुलिस ने कॉलर को किया गिरफ्तार

सीएम को धमकी की कॉल के बाद पुलिस तुरंत एक्टिव हो गई और कॉलर की लोकेशन ट्रेस की। इसके बाद पुणे पुलिस ने कॉलर को गिरफ्तार कर लिया। कॉलर मुंबई के धारावी इलाके का रहने वाला है। पूछताछ में पता चला कि कॉलर ने जब फोन किया था, उस समय वह शराब के नशे में था।

पुणे से पकड़ा गया फोन करने वाला

मुख्यमंत्री को धमकी देने वाले शख्स का नाम राजेश आगावने है। उसे पुणे के वारजे इलाके से हिरासत में लिया गया। राजेश के कॉल करने के बाद से उसकी तलाश महाराष्ट्र एटीएस और मुंबई क्राइम ब्रांच भी कर रही थी। मुंबई क्राइम ब्रांच की एक टिम रात में धारावी स्थित उसके घर पर भी गई थी लेकिन वहां नहीं मिला। पुलिस को उसकी लोकेशन पुणे में मिली, जिसके बाद पुणे पुलिस और नागपुर एटीएस की टीम ने उसे वहां से हिरासत में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू की।

पलवल में चलती स्कूल बस में आग लगी

पलवल, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के पलव ल में छात्रों से भरी निजी स्कूल की बस में अचानक चलते समय आग लग गई। आसपास के लोगों ने अंदर बैठे तुरंत सभी छात्रों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। कुछ ही देर में बस आग को गोला बन गई। बाद में सूचना फायर ब्रिगेड को दी गई। बस में रखे सभी बच्चों के स्कूल बैग जलकर राख हो गए। जानकारी के अनुसार, मंगलवार सुबह पुराने जीटी रोड पर शहर थाना के पास चलती बस में आग लग गई। लोग तुरंत बस की तरफ दौड़े और अंदर बैठे बच्चों को बाहर निकाल लिया। कुछ देर में आग बढ़ती ही चली गई और दुकानों के साइन बोर्ड को भी अपनी चपेट में ले लिया। तुरंत घटना की सूचना फायर ब्रिगेड को दी गई। करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद दो फायर ब्रिगेड की गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। स्कूल बस में लगी आग से बच्चों को तो कोई नुकसान नहीं पहुंचा, लेकिन उनके बैग जलकर राख हो गए।

सुप्रीम कोर्ट से तमिलनाडु सरकार को झटका

आरएसएस की रैली पर रोक लगाने की याचिका खारिज

चेन्नई, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने आरएसएस रूट मार्च के खिलाफ दायर तमिलनाडु सरकार की अपील खारिज कर दी है। बता दें कि राज्य सरकार ने मद्रास हाई कोर्ट के उस आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी, जिसमें हाईकोर्ट ने आरएसएस को मार्च निकालने की अनुमति दी थी। गौरतलब है कि मद्रास हाईकोर्ट ने 10 फरवरी को आरएसएस को तमिलनाडु में फिर से निर्धारित तिथि पर अपना मार्च निकालने की इजाजत दे दी थी। उच्च न्यायालय ने कहा था कि विरोध प्रदर्शन मजबूत लोकतंत्र के लिए जरूरी है। न्यायमूर्ति वी रामसुब्रमण्यम और न्यायमूर्ति पंकज मित्तल की पीठ ने मामले की सुनवाई की। इस दौरान राज्य सरकार के वकील मुकुल रोहतगी ने दलील दी थी कि मार्च निकालने का पूरी तरह अधिकार नहीं हो सकता, ठीक जिस तरह ऐसे मार्च निकालने पर पूरी तरह प्रतिबंध नहीं हो सकता। इसके बाद पीठ ने फैसला सुरक्षित रखा। वहीं, आरएसएस की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता महेश जेठमलानी ने कहा था कि अनुच्छेद 19 (1)(बी) के तहत बिना हथियारों के शांतिपूर्ण तरीके से एकत्रित होने के अधिकार को बिना किसी बहुत मजबूत आधार के रोका नहीं जा सकता। बता दें कि बीते साल 2 अक्टूबर को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने एक रैली निकालने का एलान किया था। जिसके बाद तमिलनाडु सरकार ने आरएसएस को रूट मार्च आयोजित करने की अनुमति देने से इनकार कर दिया। तमिलनाडु सरकार ने 3 मार्च को शीर्ष अदालत को बताया था कि यह राज्य भर में आरएसएस के रूट मार्च और जनसभाओं की अनुमति देने के पूरी तरह से खिलाफ नहीं है।

'बाबरी विध्वंस में शिवसेना का एक भी कार्यकर्ता नहीं था'

संजय राउत को चंद्रकांत पाटिल का जवाब

मुंबई, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के अयोध्या टूर के बाद अब बीजेपी और शिवसेना के बीच एक अलग जंग छिड़ गई है। इसी बीच सोमवार को उच्च शिक्षा मंत्री और बीजेपी के सीनियर लीडर चंद्रकांत पाटिल ने एक न्यूज चैनल को दिए गए टीवी इंटरव्यू में कहा है कि बाबरी मस्जिद को गिराने के समय वहां कोई भी शिवसैनिक मौजूद नहीं था। उन्होंने कहा कि वो उस समय अयोध्या में मौजूद थे, और मैनेजमेंट से जुड़े कामों को देख रहे थे। चंद्रकांत पाटिल ने कहा कि बाबरी मस्जिद को विध्वंस करने में बजरंग दल और दुर्गा वाहिनी का प्रमुख भूमिका है। उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा कि बाबरी मस्जिद विध्वंस के समय अयोध्या में कारसेवकों की देखभाल के लिए वो तीन-चार महीने वहां मौजूद रहे थे। उन्होंने कहा कि बाबरी मस्जिद को गिराने में बजरंग दल, विश्व हिंदू परिषद या दुर्गा वाहिनी के लोग शामिल थे। उस दौरान वहां शिवसेना का एक भी कार्यकर्ता मौजूद नहीं था। उन्होंने कहा, उस समय आरएसएस ने हमारी मदद की। आरएसएस की ताकत पूरी तरह से हमारे साथ थी, हालांकि उसने खुलकर हिस्सा नहीं लिया था। संगठन ने अपने काम को समान विचारधारा वाले संगठनों में बांट दिया था। मंत्री ने कहा कि शिवसेना के राज्यसभा सांसद संजय राउत बाबरी मस्जिद विध्वंस को लेकर आए दिन बात करते रहते हैं, लेकिन क्या वो उस समय अयोध्या में मौजूद भी थे या नहीं। वहीं मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे सीएम बनने के बाद पहली बार रविवार को अयोध्या एक दिवसीय दौरे पर गए थे। अपने अयोध्या दौरे के दौरान उन्होंने रामलला के दर्शन और पूजन किया। इस दौरान डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस और कैबिनेट के कई मंत्री भी उनके साथ मौजूद रहे। इस दौरान सीएम ने कहा कि हम सभी ने राम मंदिर के निर्माण का काम देखा है। पहले सबको लगता था कि राम मंदिर कैसे बनेगा, लोग ये भी कहते थे कि मंदिर वहीं बनाएंगे , लेकिन तारीख और समय कोई नहीं बताता था, लेकिन देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तारीख बता दी है कि मंदिर कब बनकर तैयार हो जाएगा। ऐसे में जो लोग पूछ रहे थे, अब उनके मुंह बंद हो गए हैं।

चंद्रकांत पाटिल के बयान पर बोले संजय राउत

राज्यसभा सांसद संजय राउत ने चंद्रकांत पाटिल के बयान पर पलटवार करते हुए कहा है कि बाबरी मस्जिद विध्वंस के समय भाजपाई वहां से भाग गए थे। बाबरी मस्जिद को किसी ने तोड़ा है तो वो शिवसैनिक हैं। वहीं उन्होंने कहा कि उस समय बीजेपी के नेताओं का अधिकारिक बयान था कि उनका कोई बाबरी मस्जिद गिराने में कोई रोल नहीं है। जिसके बाद शिवसैनिकों की पीठ थपथपाते हुए बाला साहब ठाकरे ने डंके की चोट पर कहा था कि बाबरी मस्जिद गिराने में शिवनसैनिक शामिल हैं और उस पर उन्हे गर्व है।

रामनवमी के दौरान हुई हिंसा के खिलाफ दायर याचिका पर 17 अप्रैल को एससी में सुनवाई

नई दिल्ली, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। रामनवमी शोभायात्रा के दौरान हुई हिंसा का मामले पर दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट सुनवाई को तैयार हो गया है. 17 अप्रैल को मामले में सुनवाई होगी. रामनवमी पर पश्चिम बंगाल, बिहार, गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, झारखंड और तेलंगाना राज्यों में हुई हिंसा के खिलाफ 'हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस' की ओर याचिका दायर की गई है. संगठन के वकील हरिशंकर जैन की तरफ से सुप्रीम कोर्ट से जल्द सुनवाई की मांग की थी रामनवमी की शोभा यात्रा के दौरान हुए दंगों की जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस ने अर्जी दाखिल की है. अर्जी में पश्चिम बंगाल, बिहार, महाराष्ट्र, कर्नाटक, झारखंड, तेलंगाना और गुजरात में 30 मार्च को रामनवमी के दिन निकले शोभायात्रा में दंगों पर कार्रवाई करने के आदेश की मांग की गई है. साथ ही इन दंगों में घायल होने वाले लोगों और उनकी संपत्ति को हुए नुकसान का हर्जाना देने की भी मांग की गई है. बता दें कि हिंसा प्रभावित राज्यों के मुख्य सचिवों से रिपोर्ट तलब करने की मांग भी अर्जी में की गई है. याचिका में मांग की गई है कि जिन लोगों पर हसिा फैलाने और संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का आरोप है उनसे ही हर्जाना वसूला जाए. राज्य सरकारों को ये निर्देश दिया जाए कि किसी भी इलाके को सिर्फ मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र बताकर हिंदुओं की शोभायात्राओं और जुलूसों को अनुमति देने से ना रोका जाए.

बारामुला में टेरर मॉड्यूल का भंडाफोड़

महिला समेत दो आतंकी मददगार गिरफ्तार, हथियार भी बरामद

जम्मू कश्मीर, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तरी कश्मीर के बारामुला में आतंकवादी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया गया है। पुलिस और सुरक्षाबलों की संयुक्त टीम ने महिला समेत दो आतंकी मददगारों को हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी लश्कर-ए-तैयबा के दो सहयोगी के तौर पर काम कर रहे थे। इस संबंध में मामला दर्ज कर आगामी कार्रवाई की जा रही है। जानकारी के अनुसार, पुलिस ने विशेष सूचना के आधार पर पुलिस और सुरक्षाबलों की संयुक्त टीम ने बारामुला के पट्टन में दो आतंकी मददगारों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। आरोपियों की पहचान फारूक अहमद पारा निवासी पट्टन और साइमा बशीर निवासी सोपोर के रूप में हुई है। पुलिस ने उनके पास से एक पिस्टल, 2 पिस्टल मैगजीन, 5 पिस्टल राउंड, आईईडी और एक रिमोट कंट्रोल आईईडी बरामद की है। पुलिस ने बताया कि जांच में आरोपियों से खुलासा किया है कि दोनों वुसन पट्टन में सक्रिय लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादी आबिद कयूम लोन के साथ काम कर रहे थे। इस संबंध में पुलिस स्टेशन पट्टन में मामला दर्ज कर आगामी जांच की जा रही है।

दिल्ली से देसी हैंड ग्रेनेड मिलने का मामला

पुलिस ने एक शख्स को हिरासत में लिया, हर एंगल से हो रही है जांच

नई दिल्ली, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली से देसी हैंड ग्रेनेड मिलने के मामले में पुलिस ने दिलीप नाम के एक शख्स को हिरासत में लिया है। आरोपी दिलीप ने खुलासा किया कि उसके दोस्त काशीराम उर्फ सोनू ने उसे 10 देसी हैंड ग्रेनेड सुरक्षित रखने के लिए दिए थे। उसने सभी ग्रेनेड को एक प्लास्टिक के कंटेनर में रखा और कंटेनर को मेट्रो विहार में एक नाले के पास एक सुनसान जगह पर गड्ढा खोदकर जमीन में गाड़ दिया था। आरोपी दिलीप की निशानदेही पर वन विभाग की जमीन में कंटेनर से सभी देसी ग्रेनेड बरामद किए गए।

काशीराम ऊर्फ सोनू की तलाश में जुटी पुलिस

दिल्ली पुलिस ने विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की धारा 286 आईपीसी 3/4/5 के तहत मामला दर्ज किया। अब पुलिस काशीराम ऊर्फ सोनू की तलाश में जुटी है। उसकी गिरफ्तारी से पूरी साजिश का पता लगेगा। सूत्रों के अनुसार पुलिस को पता लगा है कि काशीराम पहले भी ऐसी वारदात में शामिल रहा है। आरोपी पहले चोरी के करीब आधा दर्जन मामलों में शामिल रहा है। ये सभी मामले साल 2010 के समय के हैं। उसके बाद आरोपी ने चोरी करना छोड़ दिया और ग्रेनेड की आपूर्ति करने लगा।

दिल्ली में पहली बार इतनी तादाद में मिले हैंड ग्रेनेड

दिल्ली में किसी एक जगह से पहली बार इतनी बड़ी संख्या में हैंड ग्रेनेड मिले हैं। इससे पहले दिल्ली पुलिस ने 12 जनवरी को जहांगीरपुरी इलाके से दो आतंकियों को गिरफ्तार किया था।आरोपियों के पास से दो हैंड ग्रेनेड बरामद किए गए थे। सूत्रों के मुताबिक जिस तरह से उमेश पाल हत्याकांड को अंजाम दिया गया था और उसमे जिस तरह के विस्फोटक का इस्तेमाल किया गया था दिल्ली से बरामद हैंड ग्रेनेड का पैटर्न उससे मिलता जुलता है। इस मामले की हर एंगल से जांच की जा रही है।

'1 करोड़ की फिरौती'

नहीं मिली रकम तो फिर 75 साल के कारोबारी को मौत के घाट उतारा

नई दिल्ली, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली में एक करोड़ की फिरौती नहीं मिलने पर किडनैपर्स ने 75 साल के कारोबारी की हत्या कर दी है। घटना कृष्णा नगर इलाके की है जहां पुलिस को कुलदीप सिंह नाम के व्यक्ति के अपहरण की खबर मिली। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए मामले की जांच शुरू की। दिल्ली पुलिस ने कुलदीप सिंह के परिजनों के संदेह वाले इलाकों की सीसीटीवी फुटेज खंगाले जिसमें टीम को एक फुटेज में पीड़ित दिखाई पड़ा। फुटेज कृष्णा नगर इलाके की थी जहां कुलदीप एक दुकान के अंदर दाखिल होते हुए दिखाई दिए लेकिन वो वहां से बाहर नहीं निकला।

पुलिस ने दुकान के बारे में जानकारी हासिल की तो पता चला कि दुकान पर दोपहर 1.40 के बाद से ताला लगा हुआ है। पुलिस ने शक के आधार पर दुकान का ताला तोड़ा जहां कुलदीप सिंह की अंदर लाश मिली। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, पीएस जगतपुरी में मामला दर्ज किया गया है और आरोपी की पहचान कर ली गई है। दिल्ली पुलिस की कई टीमें आरोपी को पकड़ने के लिए काम कर रही हैं।

कीर्ति नगर में फ्लैट में लगी आग, बुजुर्ग महिला की झुलसने से मौत, बेटा झुलासा

नई दिल्ली, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली के कीर्ति नगर के मानसरोवर गार्डन स्थित एक फ्लैट की तीसरी मंजिल पर देर रात आग लग गई। आग में झुलस कर एक बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। मृत महिला का की पहचान महिंदर कौर के रूप में हुई है। आग की चपेट में आने से बेटा सुरेंदर सिंह झुलस गया है। मौके पर पहुंची दमकल की दो गाड़ियों ने आग पर काबू पाया है। पुलिस आग लगने के कारणों की जांच कर रही है।

सुविचार

जिन्दगी में सबसे ज्यादा खुश वही रहता है, जो कम साधनों में भी खुश रहता है!

डीके अरुणा ने मंत्री केटीआर पर साधा निशाना

हैदराबाद, 11 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डीके अरुणा ने आज राज्य के आईटी और उद्योग मंत्री केटीआर पर निशाना साधा और दावा किया कि सनसनीखेज टीएसपीएससी प्रश्न पत्र लीक होने के बाद से मंत्री का दिमाग खाली हो गया था। उन्होंने कहा कि केटीआर समझ नहीं पा रहा है कि वह क्या बोल रहे है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार निजाम शुगर्स फैक्ट्री, आजम जाही मिलों और सिरपुर कागजनगर मिलों को फिर से खोलने के अपने वादों को पूरा करने में विफल रही है। उन्होंने मज़ाक उड़ाया कि केटीआर अब वैजाग स्टील प्लांट में हिस्सेदारी लेने की बात कर रहे हैं। एक बयान में, अरुणा ने आश्चर्य जताया कि ओडिशा के लौह अयस्क भंडार, आंध्र प्रदेश स्थित वैजाग इस्पात संयंत्र और तेलंगाना राज्य के बीच क्या संबंध है? उन्होंने केटीआर से पूछा कि ओडिशा में खनन निविदाओं के लिए किसने बोली लगाई और आश्चर्य व्यक्त किया कि बोली प्रक्रिया में भ्रष्टाचार होने पर ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के नेतृत्व वाली राज्य सरकार चुप क्यों रही? उन्होंने केटीआर से पूछा कि क्या बीजेपी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ओडिशा पर शासन कर रही है और आश्चर्य है कि केटीआर को बैलाडिला खनन घोटाले के बारे में कैसे पता चला, जो ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक को भी नहीं पता है।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें

द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

खुली ई-निविदा सूचना

सं.डीआरएम/वर्क्स/एससी/54-57/2023/ओटी दि.06.04.2023

PUB/0366

भारत के राष्ट्रपति के लिए व की ओर से, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए दि. 03.05.2023 के 14.00 बजेतक ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं।

ई-निविदा सं. 54_ एन_एससी _23 _ओटी कार्य का नामः रामगुंडम, मंचेरियाल व पेद्दापल्लीः अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत मौजूदा स्टेशन बिल्डिंग का सुधार/संबध्द अतिरिक्त कार्यो सहित स्टेशन का अपग्रेडेशन या अद्यतन करना, प्लाटफार्म सरफेसिंग का सुधार, फैकेड का सुधार, पोर्टिको/पोर्च, टायलेट ब्लाक, सर्कुलेटिंग एरिया, लैंड स्केपिंग आदि कार्य।
अनुमानित निविदा मूल्यः (रु.) 17,81,95,454/-, पूधराः (रु) 10,41,000/-, पूरा करने की अवधिः 10(दस) महिने, रखरखाव अवधिः 36 महिने

ई-निविदा सं. 55_ डब्ल्यू_एससी _23 _ओटी कार्य का नामः अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत(परली, तांडूर, बिदर, विकाराबाद व जहीराबाद स्टेशनों पर) मौजूदा स्टेशन बिल्डिंग का सुधार/एडीशन्स या संबध्द अतिरिक्त कार्यो सहित स्टेशन का अपग्रेडेशन या अद्यतन करना, प्लाटफार्म सरफेसिंग का सुधार, फैकेड का सुधार, पोर्टिको/पोर्च, टायलेट ब्लाक, सर्कुलेटिंग एरिया, लैंड स्केपिंग आदि कार्य।
अनुमानित निविदा मूल्यः (रु.) 26,67,37,460/-, पूधराः (रु) 14,83,700/-, पूरा करने की अवधिः 10(दस) महिने, रखरखाव अवधिः 36 महिने

ई-निविदा सं. 56_ सीआर_एससी _23 _ओटी कार्य का नामः एससी-केजेडजे सेक्शनः एसडब्ल्यू 1) अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत केजेडजे, जेडएन एंड वायएडीडी स्टेशनों पर मौजूदा स्टेशन बिल्डिंग का सुधार/एडीशन्स या संबध्द अतिरिक्त कार्यो सहित स्टेशन का अपग्रेडेशन या अद्यतन करना, फैकेड का सुधार, पोर्टिको/पोर्च, टायलेट ब्लाक, सर्कुलेटिंग एरिया, लैंड स्केपिंग आदि कार्य। एसडब्ल्यू 2) अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत केजेडजे, जेडएन एंड वायएडीडी स्टेशनों पर सरफेस प्लाटफार्म्स का सुधार कार्य।
अनुमानित निविदा मूल्यः (रु.) 18,93,35,862/-, पूधराः (रु)10,96,700/-, पूरा करने की अवधिः 9(नौ) महिने, रखरखाव अवधिः 36 महिने

ई-निविदा सं. 57_ एस_एससी _23 _ओटी कार्य का नामः एससी-केजेडजे -बीजेडजे- एंड डीकेजे-एमयुजीआर सेक्शनः एसडब्ल्यू 1) अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत वरंगल, खम्मम, मधिरा, महबूबाबाद व भद्राचलम रोडः तत्संबंधित मौजूदा स्टेशन बिल्डिंग का सुधार/एडीशन्स या संबध्द अतिरिक्त कार्यो सहित स्टेशन का अपग्रेडेशन या अद्यतन करना, फैकेड का सुधार, पोर्टिको/पोर्च, टायलेट ब्लाक, सर्कुलेटिंग एरिया, लैंड स्केपिंग आदि कार्य। एसडब्ल्यू 2) अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत डब्ल्यूएल, एमएबीडी, केएमटी, बीडीसीआर एंड एमडीआर स्टेशनों के प्लाटफार्म सरफेस का सुधार कार्य तथा दिव्यांग सुविधाओं की व्यवस्था। अनुमानित निविदा मूल्यः (रु.) 29,18,99,668/-, पूधराः (रु)16,09,500/-, पूरा करने की अवधिः10(दस) महिने, रखरखाव अवधिः 36 महिने।

निविदादाताओं व्दारा केवल ई-टेंडरिंग के माध्यम से ही भाग लेना चाहिए तथा मैन्युएल आफर्स पर विचार नहीं किया जायेगा।

सभी भावी निविदादाताओं से अनुरोध है कि, पूधरा का भुगतान केवल आनलाईन पेमेंट्स/बीजी व्दारा ही करें।

रेल प्रशासन के पास, कोई भी कारण न देते हुए किसी भी निविदा को निरस्त या रध्द करने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।

सभी भावी निविदादाताओं को सलाह दी जाती है कि, जीएसटीएन पहचान संख्या प्राप्त करें तथा इसे अपने आफर के साथ प्रस्तुत करें।

सीनि. डीईएन/को-आर्ड/सिकंदराबाद

A0514

निविदा शर्तो/अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग के लिए कृपया वेबसाइट्स https://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

रियल एस्टेट का कारोबार कर रहे हैं सीएम केसीआर : रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 11 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी प्रaमुख ए. रेवंत रेड्डी ने आज राज्य के मुख्यमंत्री केसीआर पर जमकर निशाना साधा और आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने के बजाय तेलंगाना में रियल एस्टेट का कारोबार कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सीएम ने सरकारी जमीन निजी कारपोरेट अस्पताल को सौंप दी है। मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार राज्य के कैबिनेट मंत्रियों सहित सत्ताधारी पार्टी के सभी नेताओं को भी जमीन आवंटित कर रही है। उन्होंने सीएम केसीआर की नीतियों को लोकतंत्र के लिए खतरनाक बताया। यह कहते हुए कि तत्कालीन राज्य सरकार ने खानामेट क्षेत्र में 12 करोड़ प्रति एकड़ कीमत तय की थी। उन्होंने कहा कि एचएमडीए ने अलेक्जेंड्रिया फार्मा, मारुति सुजुकी कंपनियों को नोटिस दिया था। उन्होंने कहा कि मारुति सुजुकी कंपनी ने प्रति एकड़ 12 करोड़ का भुगतान किया और कहा कि अलेक्जेंड्रिया फार्मा भूमि के आवंटन को लेकर अदालत में गई। उन्होंने कहा कि सीएम केसीआर के परिवार की नजर एलेक्जेंड्रिया फार्मा को आवंटित जमीनों पर पड़ी और परिवार ने फार्मा कंपनी पर एक निजी अस्पताल को जमीन सौंपने का दबाव बनाया। उन्होंने आरोप लगाया कि रवींद्र राव और जगन्नाथ राव नाम के एक युगल ने जमीन पर कब्जा करने की योजना बनाई और यह देखते हुए कि दोनों ने उच्च न्यायालय में एक केस जीता और जमीन पर कब्जा कर लिया। उन्होंने राज्य सरकार से पूछा कि उन्होंने भारत के सर्वोच्च न्यायालय में उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ अपील क्यों नहीं की। उन्होंने आरोप लगाया कि सीएम ने पांच एकड़ बेशकीमती जमीन अपने रिश्तेदारों को सौंप दी है। उन्होंने कहा कि हाईटेक सिटी के पास जमीन की कीमत 80,000 रुपये प्रति वर्ग गज है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने सिर्फ 36,000 रुपये प्रति वर्ग गज के हिसाब से जमीन सौंपी।

कांग्रेस ने स्ट्रांग रूम की चाभी गुम होने के मामले में सीईसी से जांच की मांग की

हैदराबाद, 11 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस पार्टी की राज्य इकाई ने जगत्याल जिले में स्ट्रांग रूम के ताले की चाबी गुम होने की घटना की शिकायत आज मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) से की। इसने ईसीआई से आयोग के एक अधिकारी को नियुक्त करके जांच करने और जिम्मेदार व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह किया। टीपीसीसी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष जी. निरंजन ने इस मामले में मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार को एक खुला पत्र लिखा है। अपने पत्र में, उन्होंने सीईसी को बताया कि धर्मपुरी विधानसभा क्षेत्र से उनकी पार्टी के उम्मीदवार ए. लक्ष्मण कुमार ने वोटों की पुनर्गणना की मांग की क्योंकि वह 2018 के विधानसभा चुनावों में केवल 441 मतों से चुनाव हार गए थे।

उन्होंने कहा कि निर्वाचन क्षेत्र के रिटर्निंग ऑफिसर ने सत्तारूढ़ बीआरएस पार्टी के उम्मीदवार कोप्पुला ईश्वर को वोटों की पुनर्गणना के लिए लक्ष्मण कुमार द्वारा किए गए अनुरोध के बावजूद निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचित घोषित किया। उन्होंने कहा कि लक्ष्मण कुमार ने बाद में तेलंगाना उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया और वोटों की पुनर्गणना के लिए आदेश जारी करने का आग्रह किया। कांग्रेस पार्टी के नेता की याचिका पर प्रतिक्रिया देते हुए, उच्च न्यायालय ने संबंधित अधिकारियों को वोटों की गिनती से संबंधित 17ए और 17 सी दस्तावेजों, सीसी टीवी फुटेज सहित सभी विवरण प्रस्तुत करने को कहा। उन्होंने सीईसी को बताया कि जगित्याल जिले के मल्याल मंडल के वीआरके इंजीनियरिंग कॉलेज में स्थित तीन स्ट्रांग रूम में ईवीएम और चुनाव दस्तावेज रखे गए थे और कहा कि जिला कलेक्टर एसके यास्मीन बाशा के नेतृत्व में जिले के अधिकारियों की एक टीम ने ताले खोलने की कोशिश की स्ट्रांग रूम लेकिन वे सिर्फ एक स्ट्रांग रूम का ताला खोल सके। उन्होंने सीईसी को बताया कि अधिकारियों ने कहा कि वे शेष दो स्ट्रांग रूम को खोलने में सक्षम नहीं थे क्योंकि उन्होंने ताले की चाबी खो दी थी और कहा कि उनकी पार्टी के उम्मीदवार लक्ष्मण कुमार ने अधिकारियों को ताला खोलने से रोका जब उन्होंने ऐसा करने की कोशिश की। उन्होंने सीईसी को बताया कि अधिकारियों ने विशेष सावधानी बरतने के बजाय, हाईकोर्ट के समक्ष लंबित चुनाव याचिका पर विचार किए बिना मौजूदा चुनाव कानूनों का उल्लंघन करने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि संबंधित अधिकारियों ने स्ट्रांग रूम के तालों की चाबियों को सुरक्षित रखने में विफल रहने सहित चुनावी कानूनों के अनुसार अपने कर्तव्यों के निर्वहन में गंभीर लापरवाही दिखाई है। उन्होंने सीईसी को बताया कि निर्वाचन क्षेत्र से विजेता घोषित सत्तारूढ़ पार्टी का उम्मीदवार अब राज्य के कैबिनेट मंत्री के रूप में काम कर रहा है। उन्होंने सीईसी से मामले की गहन जांच करने और दोषियों को दंडित करने के लिए एक अधिकारी नियुक्त करने का आग्रह किया।

क्रिकेट सट्टेबाजी रैकेट का भंडाफोड़, 10 धरे गए

हैदराबाद, 11 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद एसओटी टीम ने क्रिकेट सट्टेबाजी रैकेट का भंडाफोड़ किया और दो तेलुगु राज्यों के 10 लोगों को पकड़ा। पुलिस ने 60 लाख रुपये नकद, लैपटॉप, लाइन बोर्ड, मोटरसाइकिल और अन्य सामान जब्त किया है। विजयवाड़ा के एक व्यक्ति पांडु द्वारा बैचुपल्ली के एक घर से सट्टेबाजी का आयोजन किया जा रहा था। साइबराबाद के पुलिस आयुक्त स्टीफन रवींद्र ने कहा कि आईपीएल 2023 में चल रहे मैचों पर ऑनलाइन सट्टेबाजी का आयोजन किया जा रहा था। उन्होंने कहा कि मैचों के मद्देनजर ऑनलाइन क्रिकेट सट्टेबाजी करने वाले गिरोहों पर विशेष नजर रखी जा रही है और विशेष सूचना पर साईं अनुराग कॉलोनी बचुपल्ली में छापेमारी कर 10 लोगों को पकड़ा गया है। पुलिस ने लोगों से सट्टेबाजी के जाल में नहीं फंसने की अपील की है। सट्टेबाजों द्वारा लोगों के विवरण का दुरुपयोग करने और उनके वित्त का गलत प्रबंधन करने की गुंजाइश है। गिरफ्तार लोगों में वाई. वेंकट शिवराम कृष्णा, सिंगमनेनी किरण कुमार, नंदम श्रीनिवास बाबू, कादियाला महेश, चेरेड्डी कासी, अडेपल्ली प्रताप गण कुमार, के.विजय कुमार, जी. श्रीकांत, ए विनय, बी. वेंकट रत्न कुमार शामिल है। इस मामले में एक आरोपी फरार बताया जा रहा है।

हाईकोर्ट के जज ने एसओपी जारी की

हैदराबाद, 11 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (टीएसएलएसए) के कार्यकारी अध्यक्ष और उच्च न्यायालय के न्यायाधीश पी नवीन राव ने मंगलवार को कानूनी सहायता रक्षा परामर्श प्रणाली (एलएडीसीएस) के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) और प्री-इंस्टीट्यूशन के लिए संबंधित हितधारकों के त्वरित संदर्भ और मार्गदर्शन के लिए वाणिज्यिक विवादों में मध्यस्थता और निपटान दिशानिर्देश जारी किए। इस अवसर पर, न्यायमूर्ति नवीन राव ने एलएडीसीएस के लिए एसओपी जारी करने और तेलंगाना में पूर्व-संस्थागत मध्यस्थता और वाणिज्यिक विवादों के निपटान के लिए दिशानिर्देश जारी करने पर प्रसन्नता महसूस की और कहा कि इन दिशानिर्देशों के कार्यान्वयन से तेलंगाना में आम जनता को लाभ होगा।

तेलंगाना भवन में महात्मा ज्योतिबा फूले की जयंती के अवसर पर विधायक व टीएसआरटीसी अध्यक्ष बजीरेड्डी गोवर्धन ने विधायक कोनेरू कोनप्पा और नोमुला भगत के साथ उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।

बीआरएस ने की ज्योतिबा फुले को भारत रत्न देने की मांग

करीमनगर, 11 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष बोइनपल्ली विनोद कुमार ने मांग की कि समाज सुधारक ज्योतिबा फुले को मरणोपरांत भारत रत्न, भारत के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार से सम्मानित किया जाना चाहिए।

मंगलवार को यहां शातवाहन विश्वविद्यालय में ज्योतिबा फुले की 197 वीं जयंती समारोह में भाग लेने के बाद एक कार्यक्रम में बोलते हुए, विनोद कुमार ने कहा कि फुले को भारत में समाज सुधारक और महिला शिक्षा के चैंपियन के रूप में याद किया जाता था। उन्होंने कहा कि फुले ने अपना पूरा जीवन दलितों के उत्थान, छुआछूत के उन्मूलन और सभी के लिए समान अधिकारों के लिए प्रयास करने के लिए समर्पित कर दिया। बीआरएस नेता ने यह भी याद दिलाया कि जब वह लोकसभा के सदस्य थे, तब उन्होंने केंद्र सरकार से फुले को भारत रत्न पुरस्कार देने की मांग की थी और इस मुद्दे को उठाने के लिए महाराष्ट्र के नेताओं ने उनकी सराहना की थी।

आरपीएफ में उप-निरीक्षकों और कांस्टेबलों की भर्ती की खबर गलत

हैदराबाद, 11 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। आरपीएफ में उप-निरीक्षकों और कांस्टेबलों की भरती की खबर गलत है। दक्षिण मध्य रेलवे के अनुसार रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) में सब इंस्पेक्टर और कांस्टेबल के 9000 पदों पर भर्ती के संबंध में सोशल और प्रिंट मीडिया में एक झूठा संदेश प्रसारित किया जा रहा है। सभी संबंधितों के मार्गदर्शन के लिए सूचित किया जाता है कि आरपीएफ या रेल मंत्रालय द्वारा अपनी आधिकारिक वेबसाइटों या किसी प्रिंट या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से ऐसी कोई अधिसूचना जारी नहीं की गई है।

उत्पीड़ित वर्ग की उम्मीद की किरण है लाल झंडा : चाडा वेंकट रेड्डी

हैदराबाद, 11 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भाकपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य चाडा वेंकट रेड्डी ने आज पार्टी का लाल रंग का झंडा देश और प्रदेश के उत्पीड़ित वर्ग की आशा की किरण के रूप में दिखाया। यह कहते हुए कि लाल झंडे का एक समृद्ध इतिहास है। उन्होंने कहा कि इसे कई लोकप्रिय विरोध कार्यक्रमों और सफलतापूर्वक कई सार्वजनिक समस्याओं को आयोजित करने का श्रेय मिला है। उन्होंने कहा कि सीपीआई पार्टी ने देश की आजादी से पहले ही जन्म ले लिया है। उन कुछ राजनीतिक दलों में से एक है जो कई दशकों के बाद भी देश में मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी की स्थापना 26 दिसंबर, 1925 को कानपुर में हुई थी और अब तक जनसेवा में 98 वर्ष पूरे कर चुकी है। उन्होंने परिवहन कर्मचारियों जेएसी के अध्यक्ष बी. राजू गौड़ और 200 अन्य नेताओं का पार्टी में स्वागत करने के बाद राज्य पार्टी मुख्यालय में एक सभा को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। इस अवसर पर बोलते हुए, रेड्डी ने प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि केंद्र सरकार जब से सत्ता में आई है तब से देश की बड़ी कॉर्पोरेट कंपनियों के पक्ष में काम कर रही है और सभी मौजूदा श्रमिक समर्थक कानूनों को समाप्त कर रही है। उन्होंने देश के विभिन्न क्षेत्रों के श्रमिकों से केंद्र सरकार द्वारा पेश किए गए काले श्रम कानूनों के खिलाफ देश के किसानों की तरह हाथ जोड़कर एक विरोध कार्यक्रम आयोजित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भाजपा नीत केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियां देश को विनाश के रास्ते पर ले जा रही हैं। पीएम नरेंद्र मोदी के शासन में समाज के सभी वर्गों को पीड़ित बताते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार का ध्यान केवल देश के लोगों को सांप्रदायिक और धार्मिक आधार पर विभाजित करने पर है। उन्होंने कहा कि भाजपा की अत्याचारी राजनीति देश के लिए खतरा बनती जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत में लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता और देश के संविधान को पीएम मोदी द्वारा नष्ट किया जा रहा है और कहा कि उनकी रक्षा के लिए कदम उठाने की तत्काल आवश्यकता है। इस अवसर पर पार्टी के नेताओं वीएस बोस, ईटी नरसिम्हा और अन्य ने भी बात की।

महात्मा फुले भावी पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत : लोकेश कुमार

हैदराबाद, 11 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी कमिश्नर लोकेश कुमार ने कहा कि महात्मा ज्योति राव गोविंदा राव फुले समसमाज की स्थापना में आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा के निरंतर स्रोत है।

उनका एक उदाहरण के रूप में लिया जाना चाहिए। महात्मा ज्योति राव फुले ने जीएचएमसी मुख्यालय में उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उनकी 197 वीं जयंती मनाई। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि वे एक महान व्यक्ति थे जिन्होंने निचली जातियों के लोगों को समान अधिकार दिलाने के लिए समाज की स्थापना की। उन्हें पहले सुधारक के रूप में जाना जाता है जिन्होंने शिक्षा की आवश्यकता और प्राथमिकता की वकालत की। आयुक्त ने कहा कि महापुरुष के प्रयास तभी सार्थक होंगे जब समानता के लिए इतनी मेहनत करने वाले महापुरुष की महत्वाकांक्षा को आज की पीढ़ी साकार करने का प्रयास करेगी। आयुक्त के साथ, संबंधित विभागों के एचओडी सीसीपी देवेंद्र रेड्डी, अतिरिक्त आयुक्त बी कृष्णा, जयराज कैनेडी, सरोजा, लेखा परीक्षक वेंकटेश्वर रेड्डी, सचिव लक्ष्मी, सीपीआरओ मोहम्मद मुर्तुजा, एएमसी के वेंकटरमण, जीवन कुमार, पीआरओ पद्मा और अन्य ने भाग लिया।

हैदराबाद 2023 का पहला सूर्य ग्रहण नहीं देख पाएगा

हैदराबाद, 11 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में एस्ट्रोफाइल्स के लिए, 2023 का पहला सूर्य ग्रहण एक उत्सुकता से प्रतीक्षित घटना है। इसके आने के साथ, कई लोग सोच रहे हैं कि क्या शहर से ग्रहण दिखाई देगा। सौभाग्य से, नासा ने इन सवालों के जवाब प्रदान करते हुए ग्रहण पर जानकारी जारी की है। ग्रहण 20 अप्रैल को होने वाला है, और यह वर्ष के लिए अपनी तरह का पहला होगा। नासा के आंकड़ों के अनुसार, यह दक्षिण पूर्व एशिया, ईस्ट इंडीज, ऑस्ट्रेलिया, फिलीपींस, न्यूजीलैंड, इंडोनेशिया और पापुआ न्यू गिनी सहित दुनिया भर के कई स्थानों से दिखाई देगा। दुर्भाग्य से, हैदराबाद इस घटना के लिए दृश्यता के मार्ग में नहीं होगा। हालाँकि, ग्रहण को याद नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि यह एक संकर सूर्य ग्रहण होगा, जिसका अर्थ है कि कुछ क्षेत्रों में पूर्ण सूर्य ग्रहण होगा, जबकि अन्य में वलयाकार ग्रहण दिखाई देगा। यह घटना उन स्थानों के पास रहने वालों के लिए एक शानदार दृश्य बनाएगी जहां ग्रहण दिखाई देगा। जिन स्थानों पर ग्रहण दिखाई देगा, उनके पास रहने वाले एस्ट्रोफाइल्स को इस खगोलीय घटना को देखने के लिए तैयार हो जाना चाहिए। अपनी दुर्लभता और सुंदरता के साथ 2023 का पहला सूर्य ग्रहण निश्चित रूप से देखने लायक है।

आयकर निदेशालय ने एसएफटी दाखिल करने पर सेमिनार आयोजित किया

हैदराबाद, 11 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। आयकर निदेशालय (खुफिया और आपराधिक जांच), हैदराबाद द्वारा आयकर कार्यालय, आईटी टावर, मसाब टैंक में आयकर अधिनियम के प्रावधानों की व्याख्या करते हुए वित्तीय लेनदेन के विवरण दाखिल करने पर एक संगोष्ठी आयोजित की गई। हैदराबाद, रंगारेड्डी और आस-पास के जिलों के सब-रजिस्ट्रारों की बड़ी सभा को संबोधित करते हुए, एम. विजय कुमार निदेशक (आई एंड सीआई) ने राजस्व संग्रह को बढ़ाने में सब-रजिस्ट्रारों द्वारा एसएफटी दाखिल करने के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि उप-पंजीयक रुपये से अधिक की अचल संपत्ति लेनदेन की रिपोर्ट करने के लिए वैधानिक रूप से बाध्य हैं।

30 लाख और एक लाख रुपये से अधिक के लेनदेन के लिए सभी लेन-देन करने वाले दलों के पैन एकत्र करें। 31 मई 2023 तक उप-पंजीयकों द्वारा सभी रिपोर्ट करने योग्य लेनदेन वाले एक बयान को दायर किया जाना आवश्यक है।

ब्रह्मर्षि समाज ने लिया अक्षय तृतीया और परशुराम जयंती मनाने का निर्णय

हैदराबाद, 11 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। ब्रह्मर्षि सेवा समाज हैदराबाद ने जगतगीर गुट्टा स्थित ब्रह्मर्षि के अपने परशुराम मंदिर पर एक विशेष बैठक का आयोजन किया, जिसमें समाज ने अक्षय तृतीया और परशुराम जयंती मनाने का निर्णय लिया। समाज के सह सचिव पंकज कुमार ने प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि यह बैठक समाज के अध्यक्ष मानवेंद्र मिश्रा की अध्यक्षता में बुलाई गई। बैठक में अध्यक्ष ने प्रतिवर्ष आयोजन होने वाले परशुराम जयंती एवं अक्षय तृतीया का संयुक्त रूप से भव्य आयोजन हेतु सभी सदस्यों से सुझाव माँगा। इस बार यह आयोजन शनिवार 22 अप्रैल 2023 को किया जाएगा जिसमें प्रातः 8:00 बजे से परम्परानुसार सामूहिक पूजा एवं हवन किया जाएग। पूर्व अध्यक्ष गोविंद राय, कॉर्डिनेटर रंजीत शुक्ला एवं कोषाध्यक्ष प्रेमशंकर सिंह के साथ सभी सदस्यों से गुज़ारिश की गई कि वे अपने अपने तरीक़े से व्यक्तिगत तौर पर लोगों को आमंत्रित करें। इसके लिए विभिन्न माध्यमों का प्रयोग करना उचित रहेगा। निमंत्रण कार्ड बनाने की जिम्मेदारी सहसचिव ने लिया और उपाध्यक्ष श्रीमती अनीता राय ने महिला सदस्यों की ओर से सहयोग हेतु आश्वस्त किया। पूर्व अध्यक्ष गोपाल चौधरी ने पूजा की ज़िम्मेदारी ली। बैठक में इस आयोजन हेतु उपर्युक्त सदस्यों के अतिरिक्त पूर्व महासचिव इंद्रदेव प्रसाद सिंह, आरएस शर्मा, विनोद राय, डॉ आशा मिश्रा और संजय पांडे ने अपना बहुमूल्य सुझाव दिया।

नाम परिवर्तन

सैनिकों एवं सेवारत सैनिकों की पत्नियों के नाम परिवर्तन हेतु यह प्रमाणित किया जाता है कि मैं रीतू (धर्म पत्नी अगले रिकार्ड/दस्तावेज में नाम बदलवा के अनुसार मौजूदा नाम) बन्टी कुमार राठी पति का नाम है। गांव- सैफाबाद, पोस्ट-मण्डावली, तहसील- नजीबाबाद, जिला- बिजनौर, स्टेट : उत्तर प्रदेश, पिनः 246749 मैंने अपना नाम रीतू कुमारी से रीतू में बदल लिया है। (निकटतम संबंधी रिकार्ड/सेवा दस्तावेजों में परिवर्तन के अनुसार पति/पत्नी का मौजूदा नाम है) शपथ पत्र दिनांक : 04, अप्रैल, 2023. (शपथ पत्र की तिथि डी.डी/एम.एम/वाई.वाई.वाई.वाई प्रारूप में) सिटी सिविल कोर्ट के सामने मदीना 9F9H+GH चत्ता बाजार पत्थर गट्टी, हैदराबाद, तेलंगाना, पिन - 500002 (न्यायालय का नाम)।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

Begari venkataiah (old name) s/o begari yadaiah r/o house no 4-55 chevella villlage & mandal rangareddy dist T.S. changed my name as Begari Veenkatesh (new name)

I, MOHAMMED SHAMSUDDIN, R/o. 18-8-220/5/1 RIYASATH NAGAR, PHISAL BANDA INDIRA NAGAR, Hyd, T.S, changed my name as MOHAMMED SHAMSHUDDIN S/o. MOHAMMED ABDUL NABI

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

अब मुख्तार अंसारी के दूसरे बेटे पर कसा शिकंजा, उमर अंसारी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी

लखनऊ, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। माफिया डॉन व पूर्व विधायक मुख्तार अंसारी जहां खुद बांदा जेल में बंद हैं तो वहीं उनके विधायक बेटे अब्बास अंसारी कासगंज जेल में बंद हैं। अब मुख्तार अंसारी के दूसरे बेटे उमर अंसारी पर भी शिंकजा कसता जा रहा है। राजधानी लखनऊ में अवैध निर्माण से जुड़े एक मामले में उमर अंसारी के खिलाफ एमपी/एमएलए कोर्ट ने गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। बता दें कि इस मामले की सुनवाई लखनऊ एमपी-एमएलए कोर्ट में इसी महीने 24 अप्रैल को होनी है। बता दें कि जिस केस में उमर अंसारी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी हुआ है, वह मामला शत्रु संपत्ति पर अवैध कब्जे से जुड़ा है। इस मामले में राजधानी लखनऊ के हजरतगंज थाने में एक एफआईआर दर्ज की गई है। इस एफआईआर में मुख्तार अंसारी, अब्बास अंसारी और उमर अंसारी तीनों को आरोपी बनाया गया है। मुख्तार और अब्बास अभी जेल में बंद हैं, जबकि उमर बाहर है, लेकिन अब उसके खिलाफ भी गिरफ्तारी वारंट जारी हुआ है। आरोप है कि इन तीनों ने मिलकर पहले तो षड्यंत्र के जरिए शत्रु संपत्ति पर कब्जा किया। फिर उस पर अवैध निर्माण कराया। बीते सोमवार को बांदा जेल में बंद माफिया डॉन मुख्तार अंसारी को दो मामलो में कोर्ट में पेश किया गया था।

सीएम योगी ने यूपी के मंत्रियों और विधायकों को दिया बड़ा झटका

एक एलान ने अरमानों पर पानी फेरा

लखनऊ, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश बीजेपी आगामी स्थानीय निकाय चुनाव में मंत्रियों, सांसदों और विधायकों के रिश्तेदारों को टिकट नहीं देगी। इस आशय का फैसला मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सरकारी आवास पर हुई पार्टी नेतृत्व की देर रात हुई बैठक में लिया गया। बैठक में पार्टी के लिए अधिकतम जीत प्रतिशत सुनिश्चित करने की रणनीति पर भी चर्चा हुई। बैठक में शामिल एक वरिष्ठ मंत्री के मुताबिक, नेतृत्व ने मंत्रियों से फीडबैक भी लिया और उनके बहुमूल्य सुझाव भी दिए। बीजेपी नेतृत्व का स्पष्ट कहना था कि किसी भी सांसद, विधायक और मंत्री को अपने परिजनों की पैरवी नहीं करनी चाहिए। यह उत्तर प्रदेश के मंत्री नंद गोपाल नंदी के लिए एक झटका है, जिनकी पत्नी अभिलाषा गुप्ता प्रयागराज की निवर्तमान मेयर हैं। इसी तरह, उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक लखनऊ में मेयर पद के लिए अपनी पत्नी नम्रता पाठक को मैदान में उतारना चाहते हैं। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि जिलों के प्रभारी मंत्री भी अपने अधिकार क्षेत्र में पार्टी के संगठनात्मक कार्यों के लिए जिम्मेदार होंगे।

जिन लोगों को टिकट नहीं मिला है, वे असंतुष्ट न हों- भूपेंद्र चौधरी

मुख्यमंत्री ने कहा कि मोदी सरकार और राज्य सरकार द्वारा किए गए कार्यों से मतदाता को अवगत कराया जाए। उन्होंने कहा, प्रभारी मंत्रियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बीजेपी स्थानीय निकाय चुनावों में अधिक से अधिक सीटें जीते। प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि जीतने योग्य उम्मीदवारों को टिकट सुनिश्चित करने की अतिरिक्त जिम्मेदारी प्रभारी मंत्रियों की होती है। प्रभारी यह भी सुनिश्चित करें कि जिन लोगों को टिकट नहीं मिला है, वे असंतुष्ट न हों और उन्हें पार्टी की जीत के लिए काम करने के लिए प्रोत्साहित करने का प्रयास किया जाए। मंत्रियों को निर्देशित किया गया कि उनके पास न केवल उन जिलों की देखभाल करने की जिम्मेदारी है, जिनके वे प्रभारी हैं, बल्कि उनके मूल जिलों की भी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, सभी को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि पार्टी 17 नगर निगमों सहित सभी 762 शहरी स्थानीय निकायों में जीत हासिल करे।

14 दिन का बच्चा हुआ प्रेग्नेंट

पेट से मिले तीन भ्रूण, बीएचयू के डॉक्टरों के उड़े होश

वाराणसी, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। यूपी के वाराणसी में हैरान करने वाला मामला सामने आया है। 14 दिन के बच्चे के पेट से बीएचयू (बीएचयू) के डॉक्टरों ने ऑपरेशन कर 3 भ्रूण बाहर निकाले हैं। सात डॉक्टरों की टीम ने तीन घंटे की कवायद के बाद यह सफलता मिली। डॉक्टरों के मुताबिक, बच्चे का जन्म के समय वजन 3.3 किलोग्राम था, लेकिन ऑपरेशन के बाद अब उसका वजन 2.8 किलोग्राम हो गया है। बीएचयू के डॉ। शेत कच्छप ने बताया कि मऊ जिले के रहने वाले दम्पति अपने 10 दिन के बच्चे को लेकर बीएचयू आए थे। इस बच्चे को सूजन और सांस लेने में परेशानी थी। बच्चे का जब अल्ट्रासाउंड हुआ तो उसके पेट में भ्रूण का पता चला। उसके बाद सीटी स्कैन के जरिए इस पर मुहर लगी। तीन दिन ट्रीटमेंट के बाद सर सुंदरलाल अस्पताल के डॉक्टरों की टीम ने बच्चे का ऑपरेशन किया। इस दौरान निकाले गए भ्रूण अलग अलग अवस्था में पाए गए डॉ ग्रीष्मा ने बताया कि ये बीमारी बहुत ही असाधारण है। 5 लाख लोगों में 1 बच्चे में ऐसी समस्या देखी जाती है। बच्चे के पेट मे भ्रूण उसकी मां की प्रेग्नेंसी के दौरान ही आ जाता है, जो कि विकसित नहीं होता है। इस ऑपरेशन में डॉ। रुचिरा के अगुवाई में डॉ। शेत कच्छप, डॉ। चेतन, डॉ। ग्रीष्मा के अलावा एनस्थीसिया डॉ। अमृता, डॉ। आभा और रितिक ने सहयोग किया। बता दें कि बीएचयू के सर सुंदरलाल अस्पताल में फ्री में इस बच्चे का ऑपरेशन किया गया है।

लखनऊ मेयर के लिए मुलायम की बहू अपर्णा यादव प्रमुख दावेदारों में

एक और पूर्व डिप्टी सीएम की बहू चर्चा में

लखनऊ, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। महापौर की सीट के लिए भाजपा से पूर्व व मौजूदा डिप्टी सीएम की पत्नियों के अलावा दो पूर्व सीएम की बहुएं भी चुनावी मैदान में ताल ठोंक सकती हैं। सीट महिला होने के बाद इनके नामों पर तेजी से चर्चा हो रही है। दावेदारी तो औरों की भी है, लेकिन इन्हें प्रमुख दावेदार माना जा रहा है। ऐसे में महापौर सीट को लेकर होने वाला चुनाव रोचक होगा। पिछले चार चुनावों में महापौर की सीट पर लगातार भाजपा का कब्जा रहा है। इससे पहले यह सीट कांग्रेस के पास थी। शहर की दूसरी महिला महापौर बनने के लिए कई बड़े नाम चर्चा में हैं। इनमें पूर्व

उपमुख्यमंत्री व पूर्व महापौर डॉ। दिनेश शर्मा की पत्नी जय लक्ष्मी शर्मा का नाम प्रमुख है। मौजूदा डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक की पत्नी नम्रता पाठक का नाम भी चर्चा में है। पिछले चुनाव में भी इनका नाम उछला था। उधर, पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय बाबू बनारसी दास की बहू अलका दास और पूर्व सीएम स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव की बहू अपर्णा यादव का नाम भी प्रमुख दावेदारों में माना जा रहा है। अपर्णा इस समय भाजपा में हैं। निर्वतमान महापौर संयुक्ता भाटिया के साथ उनकी बहू रेशू भाटिया के नाम की भी चर्चा है। इसके अलावा विधायक नीरज बोरा की पत्नी बिंदु बोरा और भाजपा नेता सुधीर हलवासिया की पत्नी माधुरी हलवासिया भी नाम जोरों पर है।

इनकी भी दावेदारी है मजबूत

सपा से पिछली बार मीरा वर्धन ने चुनाव लड़ा था। इस बार भी उनकी दावेदारी मजबूत मानी जा रही है। चर्चा है कि पार्टी में उनसे बेहतर प्रत्याशी सामने नहीं आया है। कांग्रेस से पिछली बार प्रेमा अवस्थी ने ताल ठोंकी थी। इस बार उनके नाम की चर्चा कम है। पार्टी की प्रदेश प्रवक्ता प्रियंका गुप्ता की चर्चा ज्यादा है। दावेदारी को लेकर उनकी ओर से मजबूती से प्रयास किया जा रहा है।

बीते साल जब सीट अनारक्षित प्रस्तावित थी, तब कारोबारी राजेश कुमार जायसवाल का नाम पार्टी में पहले नंबर पर था। सीट महिला होने के बाद प्रियंका की दावेदारी मजबूत मानी जा रही है। इसका एक कारण यह भी है कि प्रियंका गुप्ता को प्रियंका गांधी का खास माना जाता है। उधर, बसपा से पिछली बार बुलबुल गोदियाल चुनाव में थीं, मगर इस बार अभी किसी दावेदार के नाम की चर्चा नहीं है।

मुस्लिम पति अपनी पत्नी को बनाना चाहता था मॉडर्न, कहता था पहनो छोटे कपड़े, बनाओ शराब के पैग

दरभंगा, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। कहते है महिला घर की इज्जत होती है, लेकिन अगर घरवाले ही फैशन के इस चकाचौंध वाली दुनिया में अपने घर की इज्जत को घरवाले ही तार-तार करने पर आमादा हो तो घर परिवार बिखरना तय है। ऐसी ही कुछ कहानी है दरभंगा की रहने वाली रुकैया खातून की, जिसकी शादी वर्ष 2015 में परिवार ने बड़े ही धूमधाम से दिल्ली के रहनेवाले अमीरुद्दीन के साथ की थी। शादी दिल्ली के ही एक बड़े फार्म हाउस में बड़े दान दहेज के साथ की गई थी। शादी के मात्र छह माह के अंदर ही रुकैया अपने पति और ससुरालवालों से तंग और तबाह होने लगी और इसकी बड़ी वजह थी की रुकैया का मॉडर्न लड़की नहीं बन पाई। दरअसल, रुकैया खातून के पति, देवर और ससुराल वाले रुकैया को न सिर्फ मॉडर्न लड़की के रूप में घर में मिनी स्कर्ट और छोटे कपड़ों में रहने का दबाब बनता था।

माफिया अतीक के बेटे असद की लाल डायरी से खुलेंगे कई राज

पुश्तैनी घर के स्टोर से पुलिस ने किया बरामद

प्रयागराज, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। उमेश पाल मर्डर केस के बाद पुलिस के रडार पर आ चुके माफिया डॉन अतीक के बेटे असद की लाल डायरी से अब कई अहम राज से पर्दा उठने की संभावना है। असद के पुश्तैनी घर के स्टोर से लाल डायरी बरामद हुई है। साथ ही उमेश पाल की हत्या के लिए रेकी के सबूत भी पुलिस के हाथ लगे हैं। हाल ही में प्रयागराज पुलिस ने चकिया में अतीक अहमद के पुश्तैनी घर पर छापेमारी कर अहम सबूत जुटाए। दरअसल, अतीक अहमद के जिस घर को प्रशासन ने तोड़ा था उसके जीने सीढ़ियों) के नीचे बने स्टोर रूम से एक हरे रंग का कपड़े का बैग बरामद किया गया है। हरे रंग के इस बैग में से एक डायरी मिली है जिसे लाल रंग के कवर से ढका गया था। पुलिस सूत्रों की माने तो ये डायरी अतीक़ अहमद के बेटे और उमेश पाल हत्याकांड के मुख्य आरोपी असद की है। इस डायरी में शूटर्स को दिए गए पैसे और हथियारों का ब्यौरा है। साथ ही बैग से कुछ फोटोग्राफ भी मिली है जो उमेश पाल की रेकी से जुड़ी हुई है।

अतीक की पत्नी शाइस्ता, बेटे अली और साबिर पर और एक मुकदमा दर्ज

प्रयागराज पुलिस ने उमेश पाल हत्याकांड मामले में माफिया अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता परवीन, बेटे अली, एक अन्य व्यक्ति मोहम्मद साबिर, राकेश उर्फ नाकेश उर्फ लाला और पांच अज्ञात लोगों के खिलाफ धूमनगंज थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। प्रयागराज पुलिस की मीडिया सेल द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, 24 फरवरी, 2023 को उमेश पाल और दो पुलिसकर्मियों की हत्या के संबंध में धूमनगंज थाना में दर्ज प्राथमिकी के आधार पर अभियुक्त राकेश उर्फ नाकेश उर्फ लाला को पुलिस रिमांड पर लिया गया था। अभियुक्त राकेश ने पूछताछ में बताया कि उसने शाइस्ता परवीन द्वारा दिए गए बैग को छुपाया था। इस अभियुक्त की निशादेही पर बरामद हुए सामानों में अली अहमद की फोटो लगे हुए दो आधार कार्ड भी थे, जिसमें एक आधार कार्ड में मोहम्मद साबिर पुत्र मुन्ने सिद्धिकी का नाम है जिसपर अली अहमद पुत्र अतीक का फोटो लगी है। इस संबंध में शाइस्ता परवीन पत्नी अतीक अहमद, अली अहमद पुत्र अतीक अहमद, मोहम्मद साबिर, राकेश उर्फ नाकेश उर्फ लाला और पांच अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ शनिवार को थाना धूमनगंज में भारतीय दंड विधान की धारा 419/420/467/468/471 के तहत मुकदमा दर्ज किया।

चैट में गर्लफ्रेंड को लिखा गुड बाय और फंदे से लटक गया छात्र, मोबाइल से खुला चौंकाने वाला राज

पूर्णिया, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रेम प्रसंग के मामले में बिहार के पूर्णिया से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। घटना दोपहर एक छात्र का शव उसके कमरे में फंदे से लटका हुआ मिला। उसकी पहचान 21 वर्षीय नीतीश कुमार के रूप में की गई जो मधेपुरा का रहने वाला है। पूर्णिया के मरंगा थाना क्षेत्र अंतर्गत लाइन बस्ती में किराए के मकान में रहता था। घटना की सूचना मिलने के बाद मरंगा थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। इस दौरान मृतक छात्र के मोबाइल को पुलिस ने खंगालना शुरू किया तो कई राज सामने आए। नीतीश ने व्हाट्सएप के जरिए आखिरी चैट अपनी प्रेमिका से की थी।

कैश वैन का 1.5 करोड़ झोला में भरकर बाइक से भागा ड्राइवर

अब गली-गली तलाश रही पटना पुलिस

पटना, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। पटना सिटी के आलमगंज थाना क्षेत्र से एक बैंक के एटीएम में पैसा जमा कराने जा रहे कैश वैन अचानक लापता हो गया। घटनास्थल से कुछ ही दूरी पर पुलिस ने लावारिस हालत में कैश वैन को बरामद कर लिया। लेकिन, उसमें रखे गए लगभग 1.5 करोड़ रुपए गायब हैं। बताया जाता है कि आईसीआईसीआई बैंक के स्टाफ और सिक्योरिटी गार्ड कैश वैन लेकर देर शाम कैश लेकर पटना सिटी के डंका इमली चौराहे के पास बैंक शाखा में कैश लाने गई थी। इसी बीच स्टाफ और सिक्योरिटी गार्ड कैश लाने बैंक के अंदर गए। कुछ देर बाद वापस आए तो कैश वैन गायब थी। काफी खोजबीन तो कैश वैन बैंक से एक किमी दूर मिली। तलाश लेने पर पता चला

कि कैश वैन का ड्राइवर सूरज कुमार (जहानाबाद) फरार था और वैन में लोड 1.5 करोड़ कैश भी गायब थे। इसके बाद बैंक प्रबंधन ने पुलिस को मामले की जानकारी दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन में जुट गई। पुलिस छानबीन में जुट गई। पुलिस ने फौरन एफएसएल की टीम बुलाया। पुलिस के अनुसार, कैश के ड्राइवर की तलाश की जा रही है। आशंका है कि ड्राइवर ही कैश लेकर भागा हो। कैश वैन बरामद कर ली गई है लेकिन उसमें से कैश गायब हैं। आसपास के इलाके के सीसीटीवी फुटेज को खंगाला गया है। कुछ अहम सुराग हाथ लगे हैं। 4 लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। मामले में आगे की कार्रवाई चल रही है। बैंककर्मी के अनुसार, अगमकुआं थाना क्षेत्र से भूतनाथ रोड स्थित सिक्योर वैली सुरक्षा एजेंसी ने आईसीआईसीआई बैंक का पैसा जमा कराने के लिए वाहन से अगमकुआं स्थित एटीएम में कैश जमा करने के लिए निकली थी। कैश वाहन में ड्राइवर सूरज कुमार के अलावा सुरक्षा गार्ड सुभाष यादव, ऑडिटर अमरिंदर सिंह एवं अन्य स्टाफ सोनू कुमार एवं दिलीप कुमार कैश वैन में सवार थे। इसी क्रम में डंका इमली चौराहा के नजदीक यह सभी उतर कर आईसीआईसीआई बैंक के एक शाखा में कैस लाने गए थे। वापस लौटा तो देखा कि वाहन वहां से गायब हैं। बैंककर्मी ने पुलिस से अपील की है कि वह इस मामले को गंभीरता से ले और कैश की बरामदगी कर दे।

यूपी निकाय चुनाव को लेकर ओम प्रकाश राजभर ने किया बड़ा एलान

बताया किसके साथ करेंगे गठबंधन?

लखनऊ, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। यूपी नगर निकाय चुनाव से पहले ओम प्रकाश राजभर ने बड़ा एलान किया है। उन्होंने साफ कहा कि उनकी पार्टी निकाय चुनाव में अकेले दम पर चुनाव लड़ेगी। जहां-जहां उनकी पार्टी मजबूत है वहां वो अकेले दम पर अपने प्रत्याशी उतारेंगे। इस दौरान उन्होंने समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी पर भी निशाना साधा। इस दौरान राजभर बीजेपी पर भी हमलावर नजर आए और आरोप लगाया कि भाजपा के इशारे पर उन्हें और उनके बेटों को फर्जी मुकदमे में फंसाया गया है। गाजीपुर की जहूराबाद सीट से विधायक और सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर आज गाजीपुर की एमपीएमएलए कोर्ट में अपने दोनों बेटों संग जमानत कराने पहुंचे थे। ये मामला पिछले साल 2022 का है। जहां उन्हीं की विधानसभा क्षेत्र के करीमुद्दीनपुर थाने में गांव समाज के जमीन कब्जाने का आरोप है, ये केस ओपी राजभर और उनके दोनों बेटों पर लगाया गया है। इसी मामले में आज उन्होंने बेटों के साथ अपनी जमानत कराई है। इस दौरान राजभर ने कहा कि बीजेपी सरकार के इशारे पर मेरे और मेरे दोनों बेटों अरविंद व अरुण राजभर पर ये फर्जी मुकदमा लगाया गया था। यूपी नगर निकाय चुनाव को लेकर ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि वो अकेले दम पर लड़ने जा रहे हैं, और जहां जहां उनकी पार्टी मजबूत है वहां वे अकेले दम पर प्रत्याशी उतारेंगे। उन्होंने साफ किया कि अभी लोकसभा के लिए किसी से गठबंधन नहीं है, हालांकि उन्होंने समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी पर जमकर हमला बोला और कहा कि यह दोनों पार्टियों की जब सरकार थी तो इन्होंने गरीबों, दलितों और मजदूरों का हक नहीं दिया और आज सब पिछड़ों, दलितों और पसमांदा मुस्लिमों की बात वोट लेने के लिए कर रहे हैं। बीजेपी से गठबंधन की बात पर राजभर ने कहा कि गठबंधन दिल्ली से तय होता है। उन्होंने स्वीकार किया कि भाजपा में डिप्टी सीएम बृजेश पाठक और केशव प्रसाद मौर्य जैसे कई नेताओं के साथ उनके अच्छे संबंध हैं, लेकिन गठबंधन वो किससे करेंगे यह अभी तय नहीं है। वहीं उन्होंने लोकसभा चुनावों में अपने वोट बैंक की ताकत बताते हुए कहा कि हमने भाजपा के साथ गठबंधन किया तो उसे भी वोट दिलवाया और सपा के साथ किया तो उसे भी वोट दिलवाया। इसलिए लोकसभा में वो जिसकी जितनी भागीदारी उसकी उतनी भागीदारी के तर्ज पर सीट मांगेंगे।

हाइवा ने पुलिस की गाड़ी को रौंदा

एएसआई की दर्दनाक मौत, चार जवान गंभीर; कैदी को छोड़ने आई थी टीम

भागलपुर, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार के भागलपुर में मंगलवार की सुबह एक दर्दनाक हादसे में पुलिस के एक जवान की मौत हो गई। वहीं, चार पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हैं। बताया जा रहा है कि पुलिस की बोलेरो गाड़ी को हाइवा ने टक्कर मार दी। जिले के नवगछिया में परवत्ता थाना के विक्रमशिला सेतु पहुंच पथ पर साहू परवत्ता पेट्रोल पंप के पास यह हादसा हुआ। बताया गया कि पुलिस जवानों से भरी बोलेरो सीतामढ़ी से एक कैदी को सैंट्रल जेल भागलपुर छोड़ने आई थी। सैंट्रल जेल में कैदी को छोड़कर पुलिस की गाड़ी वापस सीतामढ़ी लौट रही थी। इसी दौरान नवगछिया में सामने से आ रहे हाइवा ने पुलिस की गाड़ी को टक्कर मार दी, जिससे गाड़ी पर सवार पांच पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा इतना भयानक था कि एएसआई सतिश कुमार दुर्घटनाग्रस्त गाड़ी में बुरी तरह फंस गए थे। काफी मशक्कत के पश्चात लोगों ने उन्हें वाहन से निकाला। फिर सभी को इलाज के लिए भागलपुर पहुंचाया गया। इलाज के दौरान सतिश की मौत हो गई।

इफ्तार में आमंत्रण फिर महागठबंधन में आने का ऑफर

क्या चिराग को साधना चाह रहे नीतीश कुमार

पटना, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार में इफ्तार पार्टी के जरिए सियासत तेज है। जेडीयू एमएलसी की इफ्तार पार्टी में लालकिले वाली तस्वीर के नीचे नीतीश कुमार की इफ्तार के बाद यह संदेश देने की कोशिश हुई है कि आरजेडी ने भले ही नीतीश कुमार को पीएम पद के लिए ना कह दिया है लेकिन जेडीयू उन्हें अब भी पीएम पद का उम्मीदवार मानती है। इधर नीतीश कुमार ने इफ्तार पार्टी में चिराग पासवान को भी आमंत्रित किया था। उस चिराग पासवान को जो नीतीश कुमार को फूटी आंख भी नहीं सुहाते। नीतीश कुमार चिराग पासवान को बीजेपी का एजेंट बताते रहे। दरअसल चिराग पासवान ने 2020 विधानसभा चुनाव में नीतीश कुमार की पार्टी को गहरा जख्म दिया था। चिराग ने हर उस सीट पर अपने प्रत्याशी उतारे थे जहां जेडीयू के कैंडिडेट थे। इसके बाद नीतीश कुमार की पार्टी बिहार की तीसरी बड़ी पार्टी बन गई। इधर चिराग पासवान भी नीतीश विरोध का चेहरा बन गए हैं। वह लगातार नीतीश कुमार पर हमलावर हैं। लेकिन अब दोनों के बीच की दूरी कम होते दिख रही है। बिहार के सीएम नीतीश कुमार के आवास पर इफ्तार पार्टी का आयोजन किया गया था। इस इफ्तार पार्टी में चिराग पासवान को भी आमंत्रित किया गया। कहा जा रहा है कि चिराग को भेजे आमंत्रन में एक नोट नीतीश कुमार की तरफ से लिखा गया था- 'आप अगर आएंगे तो अच्छा लगेगा'।

नीतीश का ना तेजस्वी को हां

हालाकि चिराग पासवान नीतीश कुमार की इफ्तार पार्टी में नहीं पहुंचे। इधर बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के आवास पर भी इफ्तार पार्टी का आयोजन किया गया था। नीतीश कुमार की तरह लालू परिवार की तरफ से भी चिराग पासवान को आमंत्रित किया गया। गौर करने वाली बात यह है कि चिराग पासवान सीएम आवास पर आयोजित इफ्तार पार्टी में तो नहीं पहुंचे लेकिन तेजस्वी की इफ्तार पार्टी में वह शामिल हुए। चिराग जब राबड़ी आवास पहुंचे तब तेजस्वी यादव बांकी मेहमानों को छोड़कर उनका स्वागत करने पहुंचे।

नीतीश के पैर छूकर लिए आशीर्वाद

तेजस्वी की इफ्तार पार्टी में नीतीश कुमार भी पहुंचे थे। यहां एलजेपी (आर) प्रमुख चिराग पासवान ने नीतीश कुमार के पैर छूकर आशीर्वाद लिए। इसके बाद बिहार की सियासत में चर्चा तेज हो गई कि नीतीश कुमार के लिए चिराग पासवान के तेवर नरम हो गए हैं। हालाकि राजनीति के जानने वालों का कहना है कि चिराग पासवान ने पिछले साल भी इफ्तार पार्टी के दौरान नीतीश कुमार के पैर छूकर आशीर्वाद लिए थे इसबार भी उन्होंने यह किया। यह एक सामान्य शिष्टाचार है। उन्होंने राबड़ी देवी के भी पैर छूए।

दूसरी संभावनाओं पर विचार कर रहे हैं चिराग?

दरअसल चिराग पासवान अभी घोषित तौर पर किसी गठबंधन में नहीं है लेकिन वह ज्यादातर मुद्दों पर बीजेपी के साथ खड़े नजर आते हैं। बीजेपी ने दंगों की वजह से नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव की इफ्तार पार्टी का विरोध किया यही वजह है कि बीजेपी का कोई नेता किसी इफ्तार पार्टी में नहीं पहुंचा। बिहार में बीजेपी के साथ खड़े रहने वाले चिराग पासवान तेजस्वी यादव के इफ्तार पार्टी में पहुंचे। इससे पहले चिराग नीतीश के घर नहीं गए। अगर जाते तो यह संकेत जाता कि नीतीश के सामने उन्होंने सरेंडर कर दिया। तेजस्वी के यहां पहुंचकर उन्होंने राजनीति में अपने लिए एक ऑप्शन खोलकर रखा है।

मंत्री बनने की थी चर्चा

कहा जा रहा है कि बीजेपी की तरफ से स्थिति स्पष्ट नहीं किए जाने के बाद चिराग पासवान अब दूसरी राजनीतिक संभावनाओं की तलाश कर रहे हैं। चिराग पासवान बिहार में नीतीश विरोध का चेहरा जरूर बन गए हैं लेकिन वह जानते हैं कि उनकी पार्टी एलजेपी (र) चुनाव में अकले लड़कर किसी को हरा तो सकती है लेकिन जीत दर्ज नहीं कर सकती है। 2020 विधानसभा चुनाव में एलजेपी महज एक सीट पर जीत दर्ज कर पाई थी। कुढ़नी और गोपालगगंज में बीजेपी की जीत में मददगार साबित हुए चिराग पासवान को केंद्र में मंत्री बनाए जाने की चर्चा थी लेकिन उन्हें मंत्री नहीं बनाया गया।

चिराग को जेडीयू से भी ऑफर

इधर पशुपति पारस को लेकर भी चिराग पासवान असमंजस की स्थिति में हैं। ऐसे में कहा जा रहा है कि चिराग अब दूसरे संभावनाओं पर भी विचार कर रहे हैं। इधर जेडीयू भी चिराग के लिए लगातार उदारता दिखा रही है। नीतीश कुमार की इफ्तार पार्टी नें नहीं आने के बाद भी जेडीयू ने साथ आने का आमंत्रन दिया है। जेडीयू के सीनियर नेता और नीतीश कुमार के करीबी केसी त्यागी ने कहा है कि नीतीश कुमार, लालू यादव और रामविलास पासवान ने एक साथ राजनीति की है। केसी त्यागी ने कहा कि 40 सालों तक हमलोगों ने साथ राजनीति की। अब अगर चिराग पासवान भी नीतीश की नेतृत्व वाले महागठबंधन में आते हैं तो यह स्वागत योग्य होगा।

बार में रामायण का डब किया गया वीडियो चलाने पर हंगामा

मामला दर्ज, 2 लोग गिरफ्तार

नोएडा, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। यूपी के नोएडा के एक रेस्तरां-बार में बड़ी स्क्रीन पर टीवी धारावाहिक रामायण का डब किया गया वीडियो कथित तौर पर चलाये जाने के मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई है और इस मामले में दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। नोएडा पुलिस ने यह जानकारी दी। सोशल मीडिया पर धारावाहिक के डब किए गए वीडियो की क्लिप सामने आने के बाद पुलिस ने कार्रवाई की और कई लोगों ने इस वीडियो पर नाराजगी व्यक्त की है। इस कथित वीडियो में भगवान राम और राक्षस रावण के पात्र दिख रहे हैं और उनके बैकग्राउंड में आधुनिक संगीत बजता सुनाई दे रहा है।

अपर पुलिस उपायुक्त (नोएडा) शक्ति मोहन अवस्थी ने कहा, 'वीडियो सोशल मीडिया पर सोमवार सुबह वायरल हुआ और बताया जा रहा है कि यह गार्डन गैलेरिया मॉल में स्थित 'लॉर्ड ऑफ द ड्रिंक्स रेस्टो-बार' का है। मामले का तुरंत संज्ञान लेते हुए सेक्टर 39 थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है।' उन्होंने बताया कि इस संबंध में तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया हो और बार के मालिक मीनांक कुमार और प्रबंधक अभिषेक सोनी को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि डीजे संचालक फरार है और उसकी तलाश की जा रही है।

पुलिस ने कहा कि भारतीय दंड संहिता की धारा 153 ए (सद्भावना के लिए हानिकारक कार्य या सार्वजनिक शांति भंग कर सकने वाला कार्य) और 295 (किसी भी वर्ग के धर्म का अपमान करने के इरादे से पूजा स्थल को नुकसान पहुंचाना या अपवित्र करना) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। क्लिप का वीडियो ट्विटर पर साझा करते हुए एक इंटरनेट उपयोगकर्ता ने रेस्टो-बार में तोड़-फोड़ की धमकी दी।

गाजियाबाद में 45 लाख का गोल्ड और सिल्वर चोरी एलपीजी कंपनी यूनिफार्म पहन कर दाखिल हुआ था चोर

नई दिल्ली, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। गाजियाबाद में एलपीजी गैस कंपनी के कर्मचारी की यूनिफॉर्म पहनकर चोर द्वारा बिल्डिंग में दाखिल होने और चोरी किए जाने का मामला सामने आया है। चोर ने फ्लैट से करीब 45 लाख रुपये के सोने-चांदी के जेवरात चोरी किए हैं। इसके साथ ही हजारों रुपये की नकदी की भी चोरी की गई है। बताया जा रहा है कि यह एक व्यापारी का घर है। इस बारे में सोमवार रात पुलिस को सूचना दी गई, जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

मुझसे चालाकी छोड़िये और मेरे अधिकार क्षेत्र में दखल देने की कोशिश मत कीजिये

क्यों सीजेई चंद्रचूड़ ने वकील को दी यह चेतावनी

नई दिल्ली, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ मंगलवार (11 अप्रैल) को एक वकील पर बहुत नाराज हो गए और दो टूक कहा कि मेरे अधिकार के साथ खिलवाड़ करने का प्रयास ना करें। दरअसल, वकील अपने मामले की जल्दी सुनवाई चाह रहा था। जस्टिस चंद्रचूड़ ने बताया कि मामला पहले ही 17 अप्रैल को सुनवाई लिस्ट है।

वकील की किस बात पर नाराज हो गए सीजेई?

सीजेआई चंद्रचूड़ के यह बताने के बाद वकील ने कहा कि अगर मुझे इजाजत मिले तो मैं इसे दूसरी बेंच के सामने मेंशन कर सकता हूं। इसी बात पर सीजेआई नाराज हो गए। उन्होंने कहा कि मेरे साथ इस तरह की चालाकी की जरूरत नहीं है। पहले आपने यहां मेंशन किया और अब जल्दी सुनवाई के लिए दूसरी जगह मेंशन करना चाहते हैं... यह कतई ठीक नहीं है।

वकील ने मांगी माफी

सीजेआई चंद्रचूड़ की नाराजगी भांप वकील ने फौरन माफी मांग ली। कहा कि मिलॉर्ड! मुझे क्षमा करें। इस पर सीजेआई ने जवाब दिया कि ठीक है, लेकिन आइंदा मेरे प्रशासनिक अधिकारों में दखल देने का कोई प्रयास न करें।

'किसी को डिक्टेट करने का प्रयास नहीं करना चाहिए'

आपको बता दें कि यह पहला मौका नहीं है जब सीजेआई किसी केस की जल्दी सुनवाई के मसले पर अपनी नाराजगी जाहिर कर चुके हैं। कुछ वक्त पहले ही सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के प्रेसिडेंट और सीनियर एडवोकेट को सीजेआई ने फटकार लगाई थी और कहा था कि वह उनकी कोर्ट है और वही तय करेंगे कि कब और किस तरीके से काम होगा। किसी और उन्हें डिक्टेट करने का प्रयास नहीं करना चाहिए।

क्या है सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करने की प्रक्रिया?

सुप्रीम कोर्ट में दो तरीके से याचिका दायर की जा सकती है। पहला सुप्रीम कोर्ट के फाइलिंग काउंटर के जरिए और दूसरा कोर्ट की वेबसाइट के जरिए। याचिका दायर होने के बाद सुप्रीम कोर्ट की रजिस्ट्री याचिका से संबंधित सभी दस्तावेजों का परीक्षण करती है और यदि दस्तावेजों में कोई खामी मिलती है तो संबंधित याचिकाकर्ता को इसकी जानकारी दी जाती है। याचिकाकर्ता को खामी दुरुस्त करने या दस्तावेज जमा करने के लिए 28 दिन का समय दिया जाता है।

क्या है केस की मेंशनिंग?

एडवोकेट संजीव बताते हैं कि कई बार लिस्टिंग की प्रक्रिया में वक्त लग जाता है। ऐसे में यदि याचिकाकर्ता को लगता है कि उसका मामला महत्वपूर्ण है और जल्द सुनवाई होनी चाहिए तो वह इसकी भी अर्जी दे सकता है, जिसे मेंशनिंग कहते हैं।

कहां दी जाती है मेंशनिंग की अर्जी?

मेंशनिंग की अर्जी सुप्रीम कोर्ट के रजिस्ट्रार को दी जा सकती है। यदि रजिस्ट्रार मना कर देते हैं, तब चीफ जस्टिस के सामने 'मेंशनिंग' की अर्जी दी जा सकती है। मेंशनिंग का समय भी निर्धारित है। चीफ जस्टिस सुबह 10.30 बजे कोर्ट शुरू होने के वक्त मेंशनिंग से जुड़ी अर्जियों को देखते हैं।

यात्रियों के बीच से उठकर युवक ने कनपटी पर रखी बंदूक और कर दी ताबड़तोड़ फायरिंग

गुवाहाटी, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। केरल के कोझिकोड में बीते दिनों चलती ट्रेन में यात्रियों को आग लगाए जाने का मामला सामने आया था। अब चलती ट्रेन में एक शख्स के खुद गोली मारने का केस सुनने के लिए मिला है। पुलिस उस शख्स की पहचान करने में लगी हुई है। परेशानी वाली बात यह है कि उस शख्स के पास कोई कागज अब तक नहीं मिल पाया है। यहां तक कि उसके पास ट्रेन पर यात्रा करने का टिकट भी नहीं था। घटना के उपरांत यात्रियों में हड़कंप मच गया। इमरजेंसी चेन पुलिंग की गई, इसके उपरांत आरपीएफ और पुलिस ट्रेन में पहुंची। जिस बोगी में वारदात हुई है, उसे काटकर अलग कर लिया गया और यात्रियों को दूसरे डिब्बे में शिफ्ट करके ट्रेन को रवाना कर दिया गया था। खबरों का कहना है कि यात्री के खुद को गोली मारने की घटना नई दिल्ली जाने वाली नॉर्थ ईस्ट एक्सप्रेस में घटी। कहा जा रहा है कि एक यात्री ने पश्चिम बंगाल में न्यू जलपाईगुड़ी स्टेशन के पास कथित रूप से खुद को गोली मारकर मौत के घाट उतार लिया। व्यक्ति पहचान होनी अभी बाकी है। जनरल डिब्बे में हुई घटनाः एनएफआर के प्रवक्ता सब्यसाची डे ने कहा है कि व्यक्ति ने सोमवार रात तकरीबन 8 बजे ट्रेन के सामान्य डिब्बे में खुद को गोली मारी। अपनी बात को जारी रखते हुए उन्होंने बोला है कि व्यक्ति के पास कोई टिकट या अपने बारे कोई दस्तावेज नहीं था। हम उसकी पहचान सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहे हैं।

देश में कोरोना मामले ने फिर पकड़ी रफ्तार 37 हजार से ज्यादा हुए एक्टिव केस

नई दिल्ली, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। हर रोज बढ़ता कोरोना अब डराने लगा है। बीते 24 घंटे में 5,676 नए मामले सामने आए हैं। इसके बाद देशभर में एक्टिव मरीजों की संख्या 37 हजार के पास पहुंच गई है। एक दिन पहले 5,880 नए मामले सामने आए हैं। गुजरात, दिल्ली और हिमाचल में कल चार-चार लोगों की मौत भी हुई थी। कई प्रदेशों में मास्क भी पहनना अनिवार्य कर दिया गया है। दो दिन पहले केरल में 1800 के ऊपर केस पहुंच गए तो वहां की सरकार ने प्रेग्नेंट औरतों और बुजुर्ग लोगों को मास्क पहनना अनिवार्य कर दिया। देश के कई प्रदेशों में कोरोना मामले तेजी से बढ़े हैं। टेंशन वाली बात ये है कि तीन से नौ अप्रैल के बीच मौतों का आंकड़ा भी बढ़ा है। दिल्ली में कोरोना केसों में 94 फीसदी तक बढ़े हैं। एक सप्ताह में यहां 3896 मामले आए हैं। हरियाणा में भी तेजी से केस बढ़े हैं। यहां पर एक हफ्ते में 2140 मामले आए हैं। बिहार की राजधानी पटना में भी पॉजिटिविटी रेट में उछाल आया है। लोग अभी भी कोरोना के प्रति सतर्क नहीं हो रहे हैं। सरकार बार-बार मास्क के लिए लोगों को कह रही है मगर अभी भी पब्लिक प्लेस से मास्क गायब है। कुछ प्रदेशों में तेजी से बढ़े केस दिल्ली, महाराष्ट्र, केरल, हरियाणा, यूपी समेत अन्य राज्यों में तेजी से उछाल है। हालांकि स्वास्थ्य विभाग तैयारियों को मजबूत करने में जुटा हुआ है। दिल्ली सरकार भी पहले कह चुकी है कि इसमें डरने जैसा कुछ नहीं है। अस्पतालों में तैयारियां पूरी है। विशेषज्ञ इस बात मान रहे हैं कि कोरोना के केस बढ़ रहे हैं और लोग अस्पताल भी आने लगे हैं मगर उनका कहना है कि भारत की अन्य देशों की तुलना नहीं करनी चाहिए। दो दिन पहले रिपोर्ट सामने आई थी। जिसमें बताया गया था कि भारत में प्रति 10 लाख लोगों में दो कोरोना पॉजिटिव हैं। जबकि बाकी देशों में ये आंकड़ा बहुत ज्यादा है।

कोवैक्सीन-कोविशील्ड लगवा चुके लोग ले सकेंगे कोवोवैक्स की डोज, कीमत 225 रुपये

नई दिल्ली, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। आपने कोरोना से बचाव के लिए भले ही कोविशिल्ड या कोवैक्सीन की डोज ली हो, लेकिन अब बूस्टर डोज के तौर पर कोवोवैक्स वैक्सीन लगवा सकेंगे। कोरोना रोधी वैक्सीन कोवोवैक्स 'हेटेरोलागस बूस्टर' डोज के तौर पर रजिस्ट्रेशन के लिए जल्द ही कोविन पोर्टल पर उपलब्ध होगी। इसकी कीमत 225 रुपये प्रति डोज होगी। इसके अलावा इस पर जीएसटी भी लगेगा। 'हेटेरोलागस बूस्टर' का अर्थ है कि दूसरी वैक्सीन लगाने वाले लोगों को बूस्टर डोज के तौर पर 'कोवोवैक्स' लगाई जा सकेगी। सूत्रों ने बताया कि कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने सीरम इंस्टिट्यूट की 'कोवोवैक्स' वैक्सीन को वयस्कों के लिए 'हेटेरोलागस बूस्टर' डोज के तौर पर कोविन पोर्टल में शामिल करने को मंजूरी दे दी है।

सीरम इंस्टिट्यूट के निदेशक प्रकाश सिंह द्वारा 27 मार्च को स्वास्थ्य मंत्रालय को लिखे पत्र के बाद यह कदम उठाया गया है। सीरम के निदेशक ने मंत्रालय को लिखे अपने पत्र में जिक्र किया था कि कोवोवैक्स विश्वस्तरीय टीका है और इसे कोविन पोर्टल पर वयस्कों के लिए 'हेटेरोलागस बूस्टर' डोज के रूप में शामिल किया जाना चाहिए। पिछले माह कोविड-19 कार्यकारी समूह ने भी स्वास्थ्य मंत्रालय से उन वयस्कों के लिए कोवोवैक्स को हेटेरोलागस बूस्टर डोज के तौर पर पोर्टल में शामिल किए जाने की सिफारिश की थी जिन्होंने कोविशील्ड या कोवैक्सिन की दो डोज ले ली है। इस टीके को विश्व स्वास्थ्य संगठन और यूएसएफडीए की मंजूरी मिल चुकी है।

एमपीपीएससी स्पेशल परीक्षा 2019 कराने पर फैसला सुप्रीम कोर्ट के पाले में

28 को होगी अगली सुनवाई

जबलपुर, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने एससी-एसटी व ओबीसी के लगभग 2700 अभ्यर्थियों की विशेष परीक्षा कराने के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर हुई थी। उस पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने विशेष परीक्षा को याचिका के निर्णय के अधीन रखने के निर्देश दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस दिनेश माहेश्वरी और जस्टिस संजय कुमार की बैंच ने अनावेदकों को नोटिस जारी किए हैं। अगली सुनवाई 28 अप्रैल को होगी। सुप्रीम कोर्ट में यह याचिका ओबीसी एडवोकेट वेलफेयर एसोसिएशन ने दायर की है। आवेदकों की ओर से कहा गया है कि हाईकोर्ट द्वारा पारित आदेश संविधान के अनुच्छेद-14 के विरुद्ध है। एक चयन में दो अलग-अलग परीक्षाएं नहीं ली जा सकती। हाईकोर्ट के आदेश के अनुसार आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों की विशेष परीक्षा आयोजित कर तत्पश्चात नॉर्मलाइजेशन कर सभी अभ्यर्थियों का साक्षात्कार कराया जाए। उपरोक्त प्रक्रिया छह महीने में संपन्न कर ली जाए। आवेदकों का कहना है कि उक्त वर्ग के अभ्यर्थियों की विशेष परीक्षा कराई जाती है तो उत्तर पुस्तिकाओं को जांचने वाला पूर्वाग्रह से ग्रसित होकर मूल्यांकन करेगा। इससे आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों के साथ अन्याय हो सकता है। विशेष परीक्षा संविधान की मूल भावना के विरुद्ध है। मप्र राज्य परीक्षा सेवा नियम 2015 के किसी भी नियम में विशेष परीक्षा कराने का प्रावधान नहीं है। न ही नियमों में नॉर्मलाइजेशन से संबंधित कोई प्रावधान है। सुप्रीम कोर्ट ने उक्त तर्कों को गंभीरता से लिया। साथ ही लोक सेवा आयोग तथा मध्यप्रदेश शासन से 15 दिन में जवाब मांगा है। कोर्ट ने संपूर्ण भर्ती प्रक्रिया याचिका के निर्णय अधीन रखने के निर्देश दिए हैं। वकील रामेश्वर सिंह ठाकुर ने यह जानकारी दी।

अकोला में बारिश ने बरपाया कहर, मंदिर में टिन शेड पर गिरा पेड़, 7 लोगों की दर्दनाक मौत

अकोला, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के अकोला जिले में देर रात तेज हवाओं के साथ मूसलाधार बारिश हुई, जिससे भारी नुकसान हुआ। बालापुर पुलिस थाने के अंतर्गत आने वाले पारस गांव में बाबूजी महाराज मंदिर में एक टिन शेड पर पेड़ गिर गया। इससे शेड धराशायी हो गया। इस दौरान बारिश से बचने के लिए टिन शेड के नीचे रुके कई यात्री दब गए। इस दुर्घटना में 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि 37 लोग घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही बालापुर पुलिस थाना निरीक्षक अनिल जुमले अपने सहयोगियों के साथ मौका-ए-वारदात पर पहुंचे और स्थानीय नागरिकों की सहायता से दबे हुए लोगों को बाहर निकालने का अभियान चलाया। अब महाराष्ट्र सरकार ने इस दुर्घटना के जांच के आदेश दिए हैं। साथ ही घायलों का इलाज राज्य सरकार कराएगी और मृतकों के परिवार को भी सहायता दी जाएगी।

यूपी के इमरान के लिए कलेक्टर बने बजरंगी भाई जान

बिछड़े बेटे को पिता से मिलाया, अफसर से लिपटकर रोया बच्चा

कटनी, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। यूपी के इमरान के लिए कटनी कलेक्टर बजरंगी भाईजान बने और उसे उसके बिछड़े परिवार से मिलवाया। पहले तो इमरान अपने पिता को देख बेहद खुश हुआ, लेकिन जब पिता ने उसे अपने साथ घर ले जाने के लिए कहा तो परिवार से मिलने की खुशी और अपने साथियों सहित कलेक्टर अवि प्रसाद से दूर जाने से इमरान भावुक हो गया और कलेक्टर से लिपट गया। पिछले छह माह से अपने घर से बिछड़कर कटनी में रह रहे इमरान उत्तरप्रदेश के बेराइच जिले का रहना वाला है, जो खेल-खेल में ट्रेन में सवार होकर कटनी पहुंच गया था। इस दौरान कटनी की एनजीओ संस्था की नजर उस पर पड़ी। संस्था को बच्चा सिर्फ अपना नाम इमरान बता रहा था, इसके अलावा उसके पास अपने घर से संबंधित कोई जानकारी नहीं थी। तलाशी में उसके पास ऐसा कोई कागज भी नहीं मिला, जिससे उसके बारे में कुछ जानकारी मिल सके। जिसके बाद इमरान को बाल आश्रय गृह में रखकर उसके खाने पीने और शिक्षा की व्यवस्था हुई। आसरा बालगृह में अधिकांश बच्चों को अपना जन्मदिन की तारीख याद नहीं रहती तो ऐसे आठ बच्चों का जन्मदिन एक जनवरी 2023 में मनाने के लिए कलेक्टर अवि प्रसाद बालगृह पहुंचे थे, इस दौरान कलेक्टर की मुलाकात इमरान से हुई और उसने अपने अम्मी-अब्बू से मिलने की इच्छा जाहिर की थी। कलेक्टर के निर्देश पर ई-गवर्नेंस प्रभारी सौरभ नामदेव ने आधारकार्ड के थम मशीन से बच्चे की जानकारी निकलवाई। इसमें उसका नाम इमरान और उसका रहवास उत्तरप्रदेश का बेराइच जिला निकला। विभागीय टीम ने जैसे-तैसे बच्चे की सूचना परिवार तक सूचना पहुंचाई, जिसे लेने अब्बू कटनी आए और बेटे इमरान को देख बेहद खुश हुए और दोनों ने मिलकर कलेक्टर अवि प्रसाद का आभार व्यक्त किया।

हाथ में सिगरेट लेकर लड़कियों ने हंसते हुए गाया राष्ट्रगान

बीजेपी नेता बोले- 'तुरंत गिरफ्तार किया जाए'

कोलकाता, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। सोशल मीडिया और रील बनाने का क्रेज युवा, किशोर और यहां तक कि छोटे-छोटे बच्चों पर सवार है। रील बनाने और लाइक्स बटोरने की होड़ में लोग सही-गलत का अंतर भूलते जा रहे हैं। देश के सिद्धांतों और नियमों का मजाक बनाना बहुत आम हो गया है। दरअसल सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें दो लड़कियां हंसते हुए राष्ट्रगान गा रही हैं। इस दौरान लड़कियों के हाथ में सिगरेट है और वो दोनों जोर-जोर से हंसते हुए जन-गण-मन गा रही हैं। वायरल वीडियो को बीजेपी महासचिव अनुपम भट्टाचार्जी ने ट्विटर अकाउंट से शेयर किया है। वीडियो में दो लड़कियां जो दिखने में नाबालिग लग रही हैं वे हंसते हुए राष्ट्रगान गा रही हैं। उनके गाने के अंदाज से ऐसा लग रहा है जैसे वे राष्ट्रगान का मजाक बना रही हैं। हद तो ये है कि दोनों लड़कियों के हाथ में सिगरेट है और वे उसे दिखा-दिखा कर जन-गण-मन गा रही हैं। वीडियो को शेयर करते हुए अनुपम भट्टाचार्जी ने लड़कियों की पहचान करके उनपर कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने ट्वीट कर लिखा- 'कौन हैं ये? राष्ट्रगान का अपमान करने के आरोप में इन्हें तुरंत गिरफ्तार किया जाना चाहिए। वीडियो को रीट्वीट करें ताकि इन्हें और इनके परिवारों को ढूंढा जा सके।'

सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल

सोशल मीडिया पर यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है और लोग इनपर एक्शन लेने की मांग कर रहे हैं। पूर्व राज्यपाल तथागत रॉय ने इस वीडियो को रीट्वीट किया है और लिखा है कि ये दोनों लड़कियां हमारे राष्ट्रगान को तिरस्कारपूर्ण तरीके से गाने की कोशिश कर रही हैं और इस बीच सिगरेट पी रही हैं। उन्हें धूम्रपान नहीं करना चाहिए और अगर ये नाबालिग हैं तो किशोर न्याय कानून के तहत उन्हें कानून की कठोरता के अधीन होना चाहिए। इसके अलावा आम लोग भी इस वीडियो पर अपनी आपत्ति जता रहे हैं। एक यूजर का कहना है कि- यही लोग हमारी संस्कृति को खत्म कर रहे हैं। यह पता लगाना जरूरी है कि इसके पीछे कौन है और उन्हें जेल की सलाखों के पीछे डालना चाहिए।

बीजेपी नेता दिलीप घोष ने ममता बनर्जी पर कसा तंज, कहा- प्रधानमंत्री बनने का सपना टूटा

कोलकाता, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस ने 'अखिल भारतीय' राष्ट्रीय पार्टी का खिताब खो दिया। इसके साथ ही तृणमूल कांग्रेस ने मणिपुर और अरुणाचल प्रदेश के राज्य पार्टी के खिताब भी खो दिया है। चुनाव आयोग की रात की घोषणा के बाद बंगाल बीजेपी के नेता लगातार टीएमसी पर हमला बोल रहे हैं। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी के बाद अखिल भारतीय उपाध्यक्ष दिलीप घोष ने टीएसी पर हमला बोला है। बिना तृणमूल सुप्रीमो ममता बनर्जी का नाम लिए दिलीप घोष ने कहा कि इस बार अखिल भारतीय पार्टी बनने का सपना, प्रधानमंत्री बनने का सपना, दिल्ली जीतने का सपना, फिलहाल ताक पर रख देना चाहिए। भाजपा नेता रोजाना की तरह मॉर्निंग वॉक के लिए निकले थे। कई मुद्दों पर पत्रकारों के सामने बोलते हुए उन्होंने तृणमूल कांग्रेस से राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा छिनने के मुद्दे पर खुलकर टिप्पणी की। बीजेपी नेता ने कहा, "कुछ राज्यों में तृणमूल कांग्रेस को एक या दो बार वोट मिले। उन्होंने सोचा था कि यह पांच और पार्टियों की तरह होगा, लेकिन पश्चिम बंगाल में जिस तरह का भ्रष्टाचार, हिंसा और लड़ाई तृणमूल कांग्रेस कर रही है, उससे भारत की जनता तृणमूल का असली रूप जान चुकी है। गोवा और त्रिपुरा, मणिपुर और असम ने चुनाव के लिए बहुत पैसा खर्च किया, लेकिन कहीं वोट नहीं मिला। स्वाभाविक रूप से मतदान प्रतिशत कम हो गया है और इस कारण राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा छिन गया है।" दिलीप घोषने कहा कि अब पश्चिम बंगाल को अस्तित्व की लड़ाई लड़नी है। उन्होंने कहा, "अखिल भारतीय पार्टी बनने का सपना, प्रधानमंत्री बनने का सपना, दिल्ली जीतने का सपना, फिलहाल ताक पर रख देना चाहिए।"

बंगाल की सरकार का अब पतन निश्चित-सुकांत मजूमदार ने टीएमसी पर बोला हमला

बंगाल भाजपा के अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने ट्वीट किया, "टीएमसी ने राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा खो दिया और इसे एक क्षेत्रीय पार्टी के रूप में मान्यता दी जाएगी। टीएमसी को विकसित करने की दीदी की आकांक्षा के लिए कोई जगह नहीं है, क्योंकि लोग जानते हैं कि टीएमसी सबसे भ्रष्ट, तुष्टिकरण और आतंक से भरी सरकार चलाती है। सरकार का पतन भी निश्चित है क्योंकि पश्चिम बंगाल के लोग इस सरकार को लंबे समय तक बर्दाश्त नहीं करेंगे।" बता दें कि नियमों के अनुसार, एक राजनीतिक दल को राष्ट्रीय पार्टी के रूप में मान्यता प्राप्त करने के लिए चार या अधिक राज्यों में एक राज्य पार्टी के रूप में मान्यता प्राप्त करनी होती है या लोकसभा चुनाव में कम से कम तीन राज्यों से 2 प्रतिशत सीटें प्राप्त करनी होती है, लेकिन तृणमूल कांग्रेस इसमें विफल रही है।

घर में आकर प्रेमी ने उठाकर ले जाने की धमकी दी

किशोरी पांचवी मंजिल से कूद गई

जबलपुर, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रेम संबंध में अनबन होने के बाद एक नाबालिग ने अपने प्रेमी से बातचीत बंद कर दी थी। नवयुवक आवेश में उसके घर पहुंच गया। उसके पिता को धमकी दे दी कि उसकी बेटी को उठाकर ले जाएगा। नाबालिग को यह बात नागवार गुजरी। उसने घर से एक किलोमीटर दूर स्थित बिल्डिंग की पांचवी मंजिल से छलांग लगा दी। उपचार के दौरान सोमवार सुबह नाबालिग की मौत हो गई। गोराबाजार थाना प्रभारी विजय परस्ते ने बताया कि रविवार दोपहर दत्त टाउनशिप स्थित बिल्डिंग की पांचवीं मंजिल से 17 वर्षीय किशोरी ने आत्महत्या करने के लिए छलांग लगा दी थी। किशोरी को गंभीर अवस्था में उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। किशोरी के पिता ने पुलिस को बताया कि उनकी बेटी कक्षा 12 में पढ़ती थी। उसके सदर निवासी हर्षित पिल्ले उम्र 18 साल से प्रेम संबंध थे। वह युवक बीकॉम फर्स्ट ईयर में पढ़ता है। दोनों में पिछले दिनों किसी बात को लेकर अनबन हो गई थी। इस कारण किशोरी ने उससे बात बंद कर दी थी। युवक रविवार सुबह उसके घर आया। बेटी को उठाकर ले जाने की धमकी दी थी। जिसके बाद किशोरी बिना बताए घर से चली गई और यह आत्मघाती कदम उठाया है। उपचार के दौरान सोमवार सुबह किशोरी की मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी युवक पर धारा पॉस्को एक्ट के साथ 354, 506 सहित अन्य धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया है।

मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में सीएम फेस की तस्वीर साफ ये हैं कांग्रेस और बीजेपी के मुख्यमंत्री पद का चेहरा

भोपाल, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के दोनों प्रमुख राजनीतिक दलों यानी कांग्रेस-बीजेपी में अगले विधानसभा चुनाव में सीएम चेहरे को लेकर विवाद खत्म होता नजर आ रहा है।दोनों ही दलों के दो दिग्गज नेताओं ने सोमवार को अपनी-अपनी पार्टी के सीएम चेहरे के नाम पर जमी धूल को साफ कर दिया।लगता है कि अब बिना किसी किंतु-परंतु के बीजेपी की ओर से मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और कांग्रेस की ओर से पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ही सीएम का चेहरा होंगे।

किनके चेहरे पर चुनाव लड़ेगी बीजेपी

सीएम चेहरे पर बीजेपी की ओर से सफाई देने की जिम्मेदारी राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने अपने कंधों पर ली।उन्होंने जबलपुर में पत्रकारों से बातचीत में खुद को अगले सीएम की रेस से बाहर करते हुए कहा कि हमारी पार्टी का चेहरा मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ही होंगे।पार्टी उन्हीं के नेतृत्व में अगला विधानसभा चुनाव लड़ेगी।सीएम चेहरे को लेकर अपने नाम पर लगने वाले कयास पर कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि उन्हें भी अखबारों में छपी खबर से पता चलता है कि वह इस पद की रेस में हैं।जबकि,पार्टी ने इसके लिए स्पष्ट नीति है। वहीं,दिग्गज कांग्रेस नेता और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने भी सोमवार को कांग्रेस पार्टी के सीएम चेहरे को लेकर साफ स्थिति साफ कर दी। उन्होंने विदिशा में पत्रकारों से कहा कि मध्य प्रदेश में हमारा एक ही चेहरा है,वो हैं कमलनाथ।

सोशल मीडिया पर भी लड़ी जा रही है लड़ाई

यह बताते चलें कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ लगातार अपने भाषणों में इस बात का संकेत देते चले रहे हैं कि अगला चुनाव उनकी ही तकदीर पर लड़ा जाएगा। दोनों अपने अपने चुनाव अभियान दल का नेतृत्व करते हुए, एक दूसरे के खिलाफ जमकर हमलावर हैं।सोशल मीडिया प्लेटफार्म ट्विटर पर तो हर रोज सुबह-सुबह शिवराज सिंह चौहान और कमलनाथ के बीच दावों एवं वादों को लेकर जुबानी जंग होती है।अब कैलाश विजयवर्गीय और दिग्विजय सिंह के स्पष्टीकरण से साफ है कि मध्य प्रदेश के विधानसभा चुनाव में शिवराज सिंह चौहान और कमलनाथ ही अपनी-अपनी पार्टी को लीड करेंगे।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 12 अप्रैल- 2023

बाघों का संरक्षण

प्रकृति को संतुलित बनाये रखने में मनुष्य की जितनी भूमिका होती है, उससे ज्यादा भूमिका पशु-पक्षियों की होती है। एक समय था जब भारत में बाघों की संख्या को लकर चिंता बनी रहती थी और यह चिंता जताना एक तरह से सिलसिला बन गया था। इसके मद्देनजर बाघों के संरक्षण के लिए भी विशेष और लक्ष्य आधारित कार्यक्रम चलाए गए। शायद व्यापक स्तर पर किए गए लगातार प्रयासों का ही यह नतीजा है कि एक ताजा रिपोर्ट में बाघों की संख्या को लेकर आए नए आंकड़े पर काफी राहत महसूस की जा रही है। प्रधानमंत्री ने रविवार को बाघ परियोजना के पचास साल पूरे होने पर एक रिपोर्ट जारी की, जिसके मुताबिक 2022 में देश में बाघों की संख्या तीन हजार एक सौ सड़सठ दर्ज की गई है, जबकि 2018 में यह संख्या दो हजार नौ सौ सड़सठ थी। यानी चार साल के दौरान बाघों की तादाद में दो सौ की बढ़ोतरी हुई। जाहिर है, इस पशु के जीवन के सामने जिस तरह के संकट मंडरा रहे हैं, उसमें इसके संरक्षण को लेकर किए गए उपायों से अब इसकी आबादी में लगातार इजाफा हो रहा है और चिंता के बरक्स एक स्तर पर संतोषजनक कामयाबी मिली है। यों भी सांस्कृतिक दृष्टि से देखें तो प्रकृति की रक्षा करना भारत में आम जनजीवन का हिस्सा रहा है। रिपोर्ट जारी करने के मौके पर प्रधानमंत्री ने भी इसका जिक्र किया। लेकिन पर्यावरण में होने वाले उतार-चढ़ावों के समांतर बढ़ती इंसानी आबादी के साथ रिहाइशी इलाकों के विस्तार की वजह से अनेक जंगली पशुओं के प्राकृतिक आवास का दायरा सिमटा और उनका सामान्य जीवन बाधित हुआ। मैदानी इलाकों में बाढ़ जैसी कई वजहों से भी घास के मैदानों पर आफत के साथ हिरणों की आबादी में कमी आई और इसका सीधा असर वन्यजीवों की खाद्य शृंखला पर पड़ा।इसका मुख्य खमियाजा पहले से ही संकट में पड़े बाघों को ज्यादा भुगतना पड़ा। हालांकि बाघों के जीवन पर यह संकट भारत के अलावा दुनिया भर में चिंता का कारण बना है। इसलिए बाघों को बचाने के मामले में विश्व स्तर पर पर्यावरणविदों के बीच व्यापक सहमति बनी। इन्हीं प्रयासों के तहत इंटरनेशनल बिग कैट्स अलायंस यानी आइबीसीए बनी, जिसमें ऐसे देश शामिल हैं, जहां इस प्रजाति के सात पशु-बाघ, शेर, तेंदुआ, हिम तेंदुआ, पुमा, जगुआर और चीता पाए जाते हैं। जहां तक भारत का सवाल है तो देश में कुल तिरपन बाघ संरक्षित क्षेत्र हैं, जहां लगभग तीन चौथाई बाघों की भिन्न प्रजातियां रहती हैं। गौरतलब है कि करीब पांच दशक पहले जब बाघ संरक्षण को लक्षित इस परियोजना की शुरुआत की गई थी, तब हालत थी कि बड़ी बिल्ली प्रजाति में गिने जाने वाले इस पशु की संख्या इतनी कम थी कि इसके खत्म होने की आशंका जताई जाने लगी थी। लेकिन इस परियोजना पर अमल के बाद भारत ने न सिर्फ बाघों को बचाया है, बल्कि उसकी आबादी में विस्तार के लिए बेहतरीन पर्यावरण तैयार किया। सन 2006 में तो बाघों की गिनती महज एक हजार चार सौ ग्यारह रह गई थी और तब इस मसले पर उपजी चिंता के बाद सरकार की ओर से ज्यादा गंभीर और व्यवस्थित प्रयास शुरू हुए। उसके बाद हर चार साल के अंतराल के आंकड़ों में इसकी संख्या में तेजी से सुधार होता गया। अब नए आंकड़ों में बाघों की गिनती तीन हजार से ऊपर पहुंच जाने के बाद कहा जा सकता है कि देश में इस पशु के संरक्षण के लिए लागू योजना के तहत संतोषजनक उपलब्धि हासिल की जा सकी है। मगर यह ध्यान रखने की जरूरत है कि पर्यावरण से लेकर पर्यावास तक के मामले में बाघों का जीवन जिस तरह स्थानीय परिस्थितियों से अभिन्न है, उसे संतुलित बनाए रखना जरूरी है, ताकि लंबे समय में हासिल इस राहत को कायम रखा जा सके।

ऊंटों के संवर्द्धन, संरक्षण की दिशा में नायाब कदम

सुनील कुमार महला

राजस्थान का राज्य पक्षी 'ग्रेट इंडियन बस्टर्ड' यानी कि गोडावण है। इस विशाल व राजस्थान के राज्य पक्षी को बचाने के लिए राजस्थान सरकार ने वर्ष 2013 जून में गोडावण संरक्षण के लिए 12 करोड़ 90 लाख रूपये का जीआईबीपी (ग्रेट इंडियन बस्टर्ड प्रोजेक्ट) शुरू किया था और इस प्रोजेक्ट का ध्येय वाक्य था 'मेरी उड़ान न रोकें।' अब गोडावण के साथ ही रेगिस्तान का जहाज कहलाने वाला राज्य का प्रमुख पशु ऊंट जिसे डोमेस्टिक एनिमल के रूप में संरक्षित श्रेणी में रखा गया है, पर लगातार खतरा मंडरा रहा है। कुल मिलाकर राजस्थान के हरेक गांव-खेतों में पाये जाने ये पशु आज गोडावण की राह पर चलता प्रतीत होता है और इनकी संख्या में लगातार गिरावट देखने को मिल रही है। यदि राज्य के इस प्रमुख पशु(रेगिस्तान के जहाज ऊंट) के संरक्षण की ओर समय रहते ध्यान नहीं दिया गया तो हो सकता है कि यह विशालकाय पशु(ऊंट) डायनोसोर (विशालकाय जीव) और मॉरीशस के डोडो (पक्षी) की तरह हमारी आने वाली पीढ़ियां इसे इंटरनेट, किताबों व कल्पनाओं में ही देख,सोच पाएगी।

आंकड़े.बताते हैं कि जैसलमेर सहित आज प्रदेशभर में ऊंटों की संख्या घटी है। जानकारी देना चाहूंगा कि राजस्थान के जैसलमेर और बाड़मेर जैसे रेगिस्तानी जिलों में सबसे ज्यादा ऊँट पाए जाते हैं जबकि, इनकी सबसे कम संख्या राजस्थान के प्रतापगढ़ जिले में है। बीकानेर के जोहारबीड़ में सेंट्रल कैमल ब्रीडिंग एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट स्थित है। ऊंट रेगिस्तानी इको सिस्टम का एक महत्वपूर्ण घटक है। इसकी अनूठी जैव-भौतिकीय विशेषताएं होने के कारण ही यह शुष्क, अर्द्ध शुष्क और अति शुष्क क्षेत्रों की विषमताओं के बीच भी जीवन का अनुकूलन कर लेता है।आंकड़े. बताते हैं कि भारत के समस्त ऊंटों (2.5 लाख) का 85.2 प्रतिशत भाग राजस्थान में पाया जाता है तथा राजस्थान की कुल पशु-सम्पदा में ऊँटों की संख्या 0.36 प्रतिशत है।

जानकारी देना चाहूंगा कि राजस्थान सरकार ने 30 जून 2014 को ऊँट को इनकी घटती संख्या को देखते हुए राजस्थान के राज्य पशु का दर्जा दिया था, जिसकी घोषणा 19 सितम्बर 2014 को बीकानेर में की गई थी। वैसे तो राजस्थान का राज्य पशु चिंकारा है, लेकिन ऊंट को भी विशेष स्थान दिया गया है। यदि हम ऊंटों की प्रमुख नस्लों की बात करें तो इनमें क्रमशः गोमठ ऊँट, नाचना ऊँट, जैसलमेरी ऊँट, अलवरी ऊँट, सिंधी ऊँट, कच्छी ऊँट और बीकानेरी ऊँट को शामिल किया जा सकता है।राजस्थान के लोकदेवता पाबूजी को 'ऊंटो का देवता' भी कहते है और ऊंट के बीमार होने पर पाबूजी की पूजा की जाती है। राजस्थान के बहुत से गांवों में पाबूजी के थान(मंदिर) देखने को मिलते हैं।

वैसे तो राजस्थान के हरेक गांवों में ऊंट देखने को मिल जाते हैं लेकिन आजकल चारे के अभाव, पहले की तुलना में गांवों में आजकल जगह की कमी(आधुनिकता के कारण), गांवों का शनैः शनैः शहर में तब्दील होना,पानी की कमी, चरागाहों का अभाव, खेती में आधुनिक तकनीक के साथ ट्रैक्टर, थ्रेसर, मशीनों का अधिकाधिक प्रयोग आदि के कारण ऊंट पालने की ओर ग्रामीणों का रूझान निरंतर कम हो रहा है। वैसे, राजस्थान में ऊँट पालने के लिए रेबारी और देबासी जाति प्रसिद्ध है। लेकिन पहले ऊंट हरेक गांव-घरों, खेत-खलिहान में दिखते थे, आजकल धीरे धीरे कम हो गये हैं।

आखिर ! भ्रष्टाचार पर समाज की स्व-आरोपित चुप्पी क्यों ?

डॉ. चक्रपाल सिंह

भारतीय उद्योगपति श्री गौतम अडानी पर हिन्डनबर्ग की रिपोर्ट आने के बाद भारतीय राजनीति में भूकंप सा आ गया है। छींका टूटने के इंतजार में बैठे विपक्षी दल व उनके नेता भ्रष्टाचार के नाम पर अपने अपने दरबों से बाहर आ गए हैं। विपक्ष की आक्रामकता देखते बनती है। सत्ता पक्ष एवं विपक्ष के हठधर्मी व्यवहार के चलते संसद का बजट सत्र शोर शराबे की भेंट चढ़ चुका है। बजट सत्र समाप्ति के बाद राजनीतिज्ञ सड़कों पर हैं। स्थिति ये है कि सत्ता पक्ष और विपक्ष में रानीतिक भ्रष्टाचार को लेकर आरोप-प्रत्यारोपों की झड़ी लगी हुई है। चूंकि यह वर्ष कई राज्यों में चुनावी मौसम का है, अतः इस बेईमान! मौसम में इन राज्यों में अवसरवादी नेताओं का इस दल से उस दल में जाने का सिलसिला शुरू हो चुका है। इन तमाम किंतु परंतु के बीच सवाल उठता है कि किसी आर्थिक, नैतिक एवं राजनैतिक भ्रष्टाचार के समाधान का क्या यही लोकतांत्रिक तरीका शेष बचा है कि कोई किसी की भी न सुने ? लोकतंत्र के पवित्र मंदिर को शोर-शराबे के अड्डे में बदल दिया जाए। आखिर ! इसके लिए जिम्मेदार कौन है ? सही अर्थों में आज बहस का मुद्दा यह नहीं है कि राष्ट्रव्यापी आर्थिक, नैतिक एवं राजनैतिक भ्रष्टाचार के लिए दोषी कौन है, कौन नहीं है। भ्रष्टाचार दलगत है या व्यवस्था जनित है? प्रश्न ये भी नहीं है कि किसने, कितना, कब और कैसे भ्रष्टाचार किया? सवाल यहाँ ये भी नहीं है कि कांग्रेस, संयुक्त मोर्चा या राजग में किसने कम ज्यादा भ्रष्टाचार किया? प्रश्न भारतीय उद्योगपति श्री गौतम अडानी के मामले का भी नहीं है। आज असल मुद्दा तो ये है कि 75 वर्षों में हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था एवं प्रणाली में ऐसा क्या परिवर्तित हो गया, जिसने भारतीय समाज में भ्रष्टाचार को सहज स्वीकृति प्रदान कर दी ? भ्रष्टाचार का खेल पूरी बेशर्मी के साथ खुल्लम खुल्ला खेला जाने लगा। भ्रष्ट लोगों को शर्म से लाल होने के बजाय, भ्रष्टाचारी पूरी आन, बान और शान से भारतीय राजनैतिक पटल पर ही नहीं समाज में भी गर्व से सिर उठाए देखे जाने लगे। समाज में इन्हें हेय दृष्टि से देखने की बजाए सम्मान की नज़रों से देखे जाने लगा। हालात ये हैं कि आज कोई सही को सही, गलत को गलत बोलने के लिए तैयार नहीं है। आखिर भ्रष्टाचार के मुद्दे पर समाज की यह स्व-आरोपित चुप्पी क्यों ? इस चुप्पी का अर्थ क्या है? किसी तार्किक निष्कर्ष तक पहुँचने से पूर्व उन राजनैतिक स्थितियों एवं परिस्थितियों पर नजर डालना अधिक प्रासंगिक होगा, जिन्होंने भ्रष्टाचार एवं भ्रष्टता को वर्तमान सामाजिक एवं राजनैतिक प्रतिष्ठा का प्रतीक बनाया है।

लोकतांत्रिक शासन प्रणाली में जनता द्वारा चुने हुए लोग जनप्रतिनिधि कहलाते हैं।ये जनप्रतिनिधि विभिन्न राजनीतिक दलों से संबंधित होते हैं। जिसका सदन में बहुमत होता है, उसी की सरकार बनती है। 1975 तक देश में एक दलीय सरकार रही। उस समय भी भ्रष्टाचार एवं घोटालों का भंडाफोड़ होता था। विपक्ष अपनी पूरी सामर्थ्य के अनुसार विरोध करता था। कभी कभी इस विरोध के शिकार तत्कालीन सरकार के मंत्री हुए। वर्ष 1977 में राजनैतिक स्थितियों एवं परिस्थितियों में परिवर्तन आया और जनता परिवार जिसमें वर्तमान भाजपा तथा उसके आज के सहयोगी दल भी थे, ने सरकार बनाई। तीन कनौजिया तेरह चूल्हे वाले जनता परिवार में आपसी खींचतान के चलते पुनः कांग्रेस सत्ता में आई। कांग्रेस के अंदर से ही घोटालों के उजागर होने का सिलसिला शुरू हुआ, तो सरकार के धराशायी होने तक नहीं रुका। पुनः मोर्चा सरकार बनी, फिर बिगड़ी, फिर बनी, बार-बार सरकार बनने बिगड़ने का असर यह हुआ की एक-एक करके सभी छोटे बड़े राजनैतिक दलों एवं उनके नेताओं को सत्ता का स्वाद लग गया। जिसने भारतीय लोकतंत्र में सत्ता की जोंकें पैदा करने का काम किया। सिद्धांत मरे या विचार, निष्ठाएं बदलें या फिर दल, हमें सत्ता से काम, इनका राजनीतिक चरित्र बन गया। इनकी सारी निष्ठाएं सत्ता तक सीमित हो गईं। बिना किसी शर्म लिहाज के सत्ता के लिए सिद्धांत, विचार एवं पार्टी को कपड़ों की तरह बदले जाने का सिलसिला शुरू हो गया। यह सब जनता के भले के नाम पर किया गया। जनप्रतिनिधियों की समाज एवं राष्ट्र के प्रति प्रतिबद्धता व नैतिक मूल्यों में ह्रास की प्रक्रिया यहीं से शुरू होती है। इस तरह सत्ता के अंतःपुर में प्राप्त होने वाले राजसुख एवं यहाँ घटित होने वाले काले-सफेद कारनामों के संभावित ठिकानों की जानकारी लगभग सभी राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय दलों के नेताओं को प्राप्त हो गई। परिणाम स्वरूप भ्रष्टाचार व घोटाले उजागर होने की घटनाएं बढ़ गई। वो बात अलग है कि अलग अलग सरकारों में यह भिन्न भिन्न रूपों में सामने आया। अतः सत्ता से विचलन इनके लिए असहनीय होने लगा। यहाँ तक कि सामाजिक न्याय की अवधारणा को भी इन्होंने अपने अपने राजनैतिक स्वार्थों हेतु मंडल और कमंडल की लड़ाई में तब्दील कर दिया, जिसने जनता को इतना भ्रमित कर दिया कि वह अपने सारे नागरिक अधिकार एवं सुविधाएं भूलकर आरक्षित और गैर-आरक्षित खेमों में बुरी तरह बंट गई, जिसने जनता की तटस्थ सोच एवं उसके सामाजिक व्यवहार को बुरी तरह प्रभावित किया। आज यही वजह है कि गंभीर से गंभीर स्पष्ट मुद्दों पर भी ये बटे हुए लोग अपने अपने भाग्य विधाता ! दल एवं नेता के रुख एवं पसंद के अनुसार प्रतिक्रिया व्यक्त करते देखे जाते हैं। हैरत तो तब होती है, जब अपने आप को पढ़ा लिखा विचारमान कहने वाले लोग वर्तमान भ्रष्टाचार एवं भ्रष्टाचारी पर अपनी तटस्थ प्रक्रिया देने की जगह भूत के भ्रष्टाचार के नाम पर कुतर्कों के सहारे वर्त्तमान भ्रष्टाचार को जायज ठहराने लग जाते हैं। यह जानते समझते हुए भी कि राजनीति के वर्तमान दौर में पक्ष-विपक्ष में कोई मूलभूत अंतर नहीं रहा है। सत्ता का स्वाद हर राजनीतिक दल की जीभ को लग चुका है। सत्ता किसी भी दल की हो, इसका मूल चरित्र एक सा ही होता है। अंतर सिर्फ भ्रष्टाचार के समय एवं तौर तरीकों का होता है। इस तरह राजनैतिक झूठ एवं फरेब ने लोगों की सोच को हताशा, निराशा एवं कुंठा में बदल दिया। सामाजिक तौर पर बंटी हुई जनता की मनोवैज्ञानिक स्थिति का लाभ उठाते हुए राजनीतिज्ञों ने सत्ता का खेल खेलना शुरू कर दिया। जिसमें धर्म, क्षेत्र, भाषा तथा जातियों को सत्ता के मोहरों की तरह पूरी बेशर्मी के साथ दांव पर लगाया जाने लगा। इस खेल में खिलाड़ी वही रहे, लेकिन इनके पाले एवं भूमिकाएं गिरगिट की तरह रंग बदलती गईं। जो एक दूसरे को गाली की भाषा में बात करते थे, सत्ता के लिए एक दूसरे से गले मिलने लग गए। सत्ता के लिए सभी दलगत, विचारगत एवं सिद्धांतगत सीमाओं के परे कोई भी किसी से भी समझौता करने के लिए तैयार हो गया। जिसका भाषागत, जातिगत, धार्मिक तथा क्षेत्रीयता का समीकरण सही बैठ गया, वह सत्ता में आ गया। अब तक ये इस रहस्य को भली भांति जान व समझ चुके थे कि निर्बाध राजनैतिक सत्ता के लिए इनके अपने आर्थिक पक्ष का मजबूत होना पहली शर्त है। अतः अपने अपने लिए किसी भी कीमत पर मजबूत आर्थिक किला तैयार करना इन नेताओं की प्राथमिकता बन गया, जिसने तमाम नए-नए भ्रष्टाचार के तरीकों एवं घोटालों को जन्म दिया। यहाँ तक आते आते इनकी राजनीतिक रीड की हड्डी के जोड़ घिसकर इतने लचीले व चिकने हो गए कि किसी भी समय किसी भी दशा में किसी के साथ आसानी से समायोजित किया जा सके।

कैसा हो देश के धनी असरदार लोगों का लाइफ स्टाइल

आर.के. सिन्हा

इंफोसिस के फाउंडर एन.नारायण मूर्ति जब भी बोलते हैं तो उसे सबको सुनना ही पड़ता है। वे अपनी बात बेखौफ अंदाज में रखते हैं। उन्होंने पिछले दिनों इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट अहमदाबाद (आईआईएम-ए) के 58वां वार्षिक दीक्षांत समारोह में कहा कि कोरपोरेट लीडर्स को अपनी सैलरी लेते हुए संयम बरतना चाहिए। उनका लाइफ स्टाइल भी बहुत खर्चीला नहीं होना चाहिए। उनका कहना था कि जिस देश में अब भी खासी गरीबी है , वहां पर उद्योगपतियों को एक तरह से अपने व्यवहार से उदाहरण पेश करना चाहिए। नारायणमूर्ति जी की बात पर गौर तो किया ही जाना चाहिए। मुझे याद है कि भारतरत्न अटल बिहारी बाजपेयी के प्रधानमॅत्रित्व काल में जब मैं मानव सॅसाधन और विज्ञान एवॅं प्राद्योगिकी मॅत्रालय में सलाहकार था, नारायणमूर्ति जी आई० आई० एम० , अहमदाबाद के अध्यक्ष थे और कई विषयों पर मॅत्रालय से अलग विचारों के लिये विवादों में भी आ जाते थे! पर, वे अपनी बात मजबूती से रखते थे और कौन क्या सोच रहा है, इसकी परवाह नहीं करते थे! यह कहना सही होगा कि हमारे यहां के अमीरों का लाइफ स्टाइल किसी राजा महाराज जैसा रहने लगा है। ये शादी ब्याह के अवसरों पर या फिर अपने घरों को खरीदने में सैकड़ों करोड़ रुपये फूंक देते हैं, जिसकी कोई जरूरत नहीं होती है। माइक्रोसाफ्ट के फाउंडर चेयरमेन बिल गेट्स से अधिक धनी कौन होगा। पर उनका जीवन सादगी भरा है। वे कमाए हुए धन के बड़े भाग का उपयोग लोक कल्याण के लिए करते हैं। इधर आनंद महिन्द्रा जैसे उद्योगपति भी हैं। महिन्द्रा एंड महिन्द्रा समूह के चेयरमेन आनंद महिन्द्रा अपनी पुत्री का विवाह सादगी के साथ करते हैं। उनके विवाह समारोह में तीन-चार दर्जन लोग रहते हैं। ये ही होना भी चाहिए। नारायणमूर्ति का लाइफ स्टाइल भी बहुत सादगी भरा है। वे अपने अरबों रुपयों के घर में नहीं रहते। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री श्रषि सुनक के ससुर नारायणमूर्ति जी की पत्नी सुधा जी को भी आप कोई बहुत महंगी साड़ी पहने हुए नहीं दिखेंगीं । दोनों पति-पत्नी लोक कल्याण के कार्यों में लग रहते हैं। रतन टाटा भी धन नहीं फूंकते। इस बीच, ये निश्चित रूप से विचारणीय मसला है कि किसी कंपनी के सीईओ को कितनी सैलरी मिले? सीईओ अपनी कंपनी का कप्तान होता है। तो क्या इस लिए उसे अपनी कंपनी के बाकी कर्मियों की अपेक्षा कई गुना अधिक पगार मिले ? क्या कंपनी के कर्मियों का उसे बुलंदियों में लेकर जाने में कोई रोल नहीं होता? क्या सिर्फ सीईओ ही अपनी कंपनी की सफलता का श्रेय ले ले? सीईओ को भारी-भरकम पगार मिलती रहे, इसके पक्ष में एक तर्क भी दिया जाता है। कहा जाता है किचूंकि वह अपनी मेहनत से शिखर पर पहुंचता है, इसलिए मोटी पगार पाना उसका हक बनता है। ? कुछ साल पहले देश की एक प्रमुख टायर कंपनी के सीईओ की पगार पर बवाल मचा था। उसने अपनी सालाना सैलरी में दस फीसद तक की वृद्धि कर ली हालांकि उसकी कंपनी का मुनाफा विगत वर्षों की तुलना में घट रहा था। अब एक सवाल? क्या कोई कर्मी खराब प्रदर्शन करने के बाद भी अपनी वेतन में मोटी वृद्धि की उम्मीद कर सकता है? नहीं। ये ही सवाल उस टायर कंपनी के सीईओ से क्यों नहीं पूछा जाता? जब देश में करीब पौन अरब आबादी एक लाख रुपये सालाना रुपये से कम पर गुजर -बसर करती हो तब ऐसी बर्बर पगार-विषमता को कैसे न्यायपूर्ण ठहराया माना जा सकता है? सरकार किसी भी दल या गठबंधन की रहे, क्या इतनी वीभत्स पूजीवादी व्यवस्था को झेलना चाहिए? आर्थिक उदारीकरण के पश्चात सैलरी में गुणात्मक सुधार हुआ है।

सरकारी और निजी क्षेत्र की कंपनियों में काम करने वालों की सैलरी अब सम्मानजनक हो चुकी है। पर सैलरी में अंतर काफी बढ़ा है। इस स्थिति के कारण कर्मियों में तनाव और आपस में एक-दूसरे के प्रति अविश्वास और वैमनस्थ का भाव भी बढ़ा है। ये तो तस्वीर का एक पहलू था। दूसरा पहलू ये भी है कि हमारे यहां सफल उद्यमियों को लेकर समाज के एक वर्ग की बड़ी नेगेटिव राय रहती है। देख लीजिए कि आजकल देश के दो महत्वपूर्ण औद्योगिक घरानों के पीछे अकारण सोशल मीडिया पड़ा रहता है। यहां पर बात रिलायंस और अडानी समूहों की हो रही है। रिलायंस इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड (आरआईएल) में ऊर्जा, पेट्रोकेमिकल, कपड़ा, प्राकृतिक संसाधन, खुदरा व्यापार और दूरसंचार के क्षेत्र में देश व्यापी बड़ा कारोबार करती है I रिलायंस भारत की सबसे अधिक लाभ कमाने वाली कंपनियों में से एक है। इसका अर्थ यह हुआ कि रिलायंस के लाखों शेयर होल्डर भी उस लाभ के भागीदार हैंI इसमें लाखों पेशेवर काम भी करते हैं। लगभग सभी की तनख्वाह इतनी अधिक होती है कि सभी टैक्स देते हैं। अब बात कर लें अडानी समूह की भी। कुछ समय पहले, हिंडनबर्ग ने अडानी समूह पर एक रिपोर्ट जारी की जिसमें आरोप लगाया गया कि समूह स्टॉक हेरफेर और लेखा धोखाधड़ी में शामिल है। इस रिपोर्ट के आने के बाद हमारा सोशल मीडिया अडानी के पीछे इस तरह से पड़ गया मानो उसने कोई अपराध किया हो।

अभी तो उस पर कोई अपराध साबित नहीं हुआ है। पर इससे किसी को कोई मतलब भी नहीं है। फिलहाल अडानी समूह की कंपनियों के शेयर धूल में मिल गए हैं। गौतम अदानी पहली पीढ़ी के उद्यमी है। उन्हे जबर्दस्ती खलनायक बना दिया गया है। ये नकारात्मकता बढ़ती ही जा रही है। थोड़ा पीछे चलते हैं। यूपीए सरकार के दौर में कुमार मंगलम बिड़ला समूह के अध्यक्ष आदित्य बिड़ला पर कोलगेट में एफआईआर ही दर्ज हो गई थी। बिड़ला का भारत के कॉरपोरेट जगत में टाटा ग्रुप के पुराण पुरुष रतन टाटा, महिन्द्रा एंड महिन्द्रा के प्रमुख आनंद महिन्द्रा, एचडीएफसी बैंक के चेयरमेन दीपक पारेख के जैसा ही स्थान है। इससे पहले कभी कुमार मंगलम बिड़ला का नाम किसी विवाद में नहीं आया था। इसलिए उनके खिलाफ सीबीआई की तरफ से चार्जशीट दायर करने से हड़कंप मच गया था। अगर हम अपने देश के उजली छवि वाले कॉरपोरेट जगत के दिग्गजों पर मिथ्या आरोप लगाएँगे या फिर उन पर एफआईआर दर्ज करवाएँगे तो समझ लें कि दुनियाभर में भारतीय कारोबारियों की गलत छवि ही जाएगी।

खैर, अब कुमार मंगलम बिड़ला को हाल ही पद्म पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। वे इस सम्मान के हकदार हैं। कुल मिलाकर बात ये है कि एक तरफ तो एन. नारायणमूर्ति की सलाह पर देश के बड़े कारोबारियों और धनी लोगों को अमल करना होगा। दूसरा, देश को अपने उद्योग जगत की सफल हस्तियों का सम्मान करना भी सीखना होगा।

वरिष्ठी गरिष्ठी व्यंग्यकारा

रेखा शाह आरबी

हमने भले चार-पांच व्यंग ही लिखें, लेकिन मैं अपने आप को वरिष्ठ गरिष्ठ व्यंग्य लेखक मानती हूं। क्योंकि आजकल मनवाने का जमाना है और उसकी शुरुआत पहले स्वयं से करनी पड़ती है । तब जाकर पूरा जमाना आप को मानता है ।और कोई माने या ना माने यह उनकी मर्जी और जो नहीं मानते है ना माने मेरी बला से ।यह उनकी तकलीफ है मेरी नहीं... मेरा मानना है अपना मूल्यांकन स्वयं करना चाहिए दूसरों से मूल्यांकन करवाने वाला और दाद पाने की इच्छा रखने वाला निरा बेवकूफ होता हैं। आपने वह कहावत तो सुनी होगी ₹अपना हाथ जगन्नाथ₹ तो मैंने अपनी पीठ खुद थपथपा ली है और अपने आप को सम्मानित भी कर लिया है।इस तरह दूसरे की महत्ता ही समाप्त कर दिया है अब वरिष्ठ लोग अपनी वरिष्ठता गरिष्ठता कृपया अपने पास रखिए। और मैंने सब को अपने वरिष्ठ गरिष्ठ व्यंग लेखक होने का मनवाने के लिए मनाने का ठेका नहीं ले कर बैठे हैं । हां जब मुझे पुरस्कार की इच्छा जागृत होगी तब सबको मनाने और समझाने का कार्यक्रम होगा ।और तब की तब देखी जाएगी अभी मेरा अच्छे से गुजारा चल रहा है। और वैसे भी साहित्य मे एक नाम के हजारों पुरस्कार हैं .. तो मैं तू न सही और सही .. वाला कांसेप्ट भी अपना सकती हूं। इसलिए ज्यादा वरिष्ठ लोगों को चौड़ा नहीं होना चाहिए कि उनके अभाव में मुझे कोई पुरस्कार नहीं मिल सकता है अतः वरिष्ठों भाव देने का कोई विचार नहीं है।

और तब तक मैं इन प्रपंच में नहीं फंसना चाहती तब तक भाड़ में जाए। यह कथित वरिष्ठ व्यंग कार अपने आप को समझने वाले भी सर्वप्रथम अपने आप वरिष्ठ गरिष्ठ समझने की शुरुआत जनता से पहले उन्होंने स्वयं की होगी। अपने नाम के आगे वरिष्ठ लगाते लगाते वरिष्ठ हो गए और अपने साहित्य को गरिष्ठ बनाते गए हैं। तो मैंने भी बस यही तो करना है धीरे-धीरे अन्य तो यूं ही मान जाएंगे आजकल योग्यता कौन देखता है आपने भेड़ चाल का नाम तो सुना होगा बस थोड़ी सी समझदारी दिखाते हुए मुझे इसका फायदा उठाना है। मेरा रचना कर्म करना उतना जरूरी नहीं है जितना हर दूसरे तीसरे दिन पुस्तक विमोचन समारोह, हिंदी उत्थान के कार्यक्रम में भाग लेना, हफ्ते में चार यंत्र तंत्र जुगाड़ करके पुस्तके निकलवाना, इन सब पर ध्यान देना जरूरी है। अपने आप को बड़ा व्यंग कार बनाने के लिए। बहुत जल्द हो सकता है कोई व्यंग का ग्रुप बना लु, जिसकी सर्वे सर्वा एडमिन अध्यक्ष मैं स्वयं रहूंगी हो सकता है कोई पुरस्कार देना भी प्रारंभ कर दूं, जिसमें मैं सबसे पहले अपने आपको वरीयता दूंगी । उसके बाद सहयोग राशि देने वाले अन्य को दिया जाएगा। तो आप भी हमारे आलतू फालतू व्यंग ग्रुप को ज्वाइन कीजिए। आपको भी उच्च व्यंग कार बनने के संपूर्ण अवसर मिलेंगे। जहां आप का विकास होने की भले ही गारंटी ना हो लेकिन अपन का विकास भरपूर होगा।

ब्रिटिश इतिहास की सबसे शर्मनाक घटना जालियाँवाला बाग जघन्य हत्याकांड

13 अप्रैल 1699 के दिन सिखों के दसवें और अंतिम गुरु गोविंद सिंह ने खालसा पंथ की स्थापना की थी। इसीलिए इस दिन बैसाखी नामक पर्वपंजाब, हरियाणा और आस-पास के प्रदेशों में धूमधाम के साथ सबसे बड़े त्योहारके रूप में मनाया जाता है। सिख इसे सामूहिक जन्मदिवस के रूप में मनाते हैं। 13 अप्रैल 1919 को भी बैसाखी का दिन था, औरपूरा भारत अपना प्रमुख त्यौहार बैसाखी मना रहा था।भारत के पंजाब प्रान्त के अमृतसर में भी13 अप्रैल 1919 कोबैसाखी के दिन सैंकड़ों वर्षों से लगते आ रहे एक मेले में हज़ारों लोग दूर-दूर से हरमन्दिर साहिब गुरुदुवारे में गुरुजी के दर्शन करने और बैसाखी का त्यौहार मनाने पहुंचे थे।स्वर्ण मन्दिर के निकटअवस्थित जालियांवाला बाग में भी बहुत सारे बच्चे-बूढ़े, महिलाएं इकट्ठे हो प्रसन्नतापूर्वक बैसाखी मना रहे थे। लेकिन बैसाखी मना रहे लोगों पर रौलेट एक्ट का विरोध करने के लिए एकत्रितहोने का आरोप लगाकर जनरल डायर नामक एक ब्रिटिश अधिकारी ने अकारण ही गोलियाँ चलवा दीं, जिसमें चार सौसे अधिक व्यक्तियों की मृत्यु हो गई थी और दो हजार से अधिक लोग घायल हो गए थे। अंग्रेजों के द्वारा सभा की भीड़ में गोली चालन कर अकारण ही नृशंस रूप से चार सौ से अधिक भारतीयों को गोली मार हत्या कर देने और दो हजार से अधिक लोगों को घायल कर देने की घटना ने भारतीय मानस को व्यापक रूप से प्रभावित किया। अंग्रेजों के प्रति भारतीयों का मन घृणा से भर गया, और वे विदेशी शासन से मुक्ति के लिए हर सम्भव प्रयास करने को तैयार होने लगे।इतिहासकारों के अनुसारभारतीय स्वाधीनता संग्राम की सघर्ष कथा, घटनाएँ, आंदोलन, जनश्रुति, किम्बदन्ति तो अनन्त हैं, परन्तु यदि किसी एक घटना ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम पर सबसे अधिक प्रभाव डाला था, तो वह घटना जालियाँवाला बाग जघन्य हत्याकांड ही था, जो भारत में ब्रिटिश शासन के अंत की शुरुआत बनी।यही कारण है कि इस घटना कोभारतीय इतिहास में जालियांवाला बाग जघन्य हत्याकांड के नाम से स्मरण किया जाता है, और प्रतिवर्ष 13 अप्रैल के दिन को भारतीय जालियांवाला बाग़ स्मृति दिवस के रूप में स्मरण कर ब्रिटिश शासकों को कोसते हुए इस जघन्य हत्याकांड में मृत्यु को प्राप्त लोगों को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं।और अब तो यह कार्य ब्रिटिश भी अमृतसर पहुंचकर करने लगे हैं।अर्थात इसे सर्वस्वीकार्यता मिलने लगी है।यही कारण है कि 1997 में महारानी एलिज़ाबेथजालियाँवाला बाग में बने शहीद स्मारक पर मृतकों को श्रद्धांजलि देने के लिए आने को विवश हुई थी। और 2013 में ब्रिटिश प्रधानमंत्री डेविड कैमरॉन भी इस स्मारक पर आकर विजिटर्स बुक में इस जघन्य हत्याकांड के विषय में -ब्रिटिश इतिहास की यह एक शर्मनाक घटना थी। लिखने को बाध्य हुए। उल्लेखनीय है कि ईस्वी सन 1914-1918 में हुएप्रथम विश्व युद्ध में भारतीय नेताओं और जनता ने खुल कर ब्रिटिश सरकार का साथ दिया था। इस युद्ध में 13 लाख भारतीय सैनिक और सेवक यूरोप, अफ़्रीका और मिडल ईस्ट में ब्रिटिशसरकार की तरफ़ से तैनात किए गए थे, जिनमें से 43,000 भारतीय सैनिक युद्ध में वीरगति को प्राप्त हुए थे। युद्ध समाप्त होने पर भारतीय नेता और जनता ब्रिटिश सरकार से सहयोग और नरमी के रवैये की उम्मीद कर रहे थे, परन्तु लोगों की भावना के विपरीत ब्रिटिश सरकार ने मॉण्टेगूचेम्सफ़ोर्ड सुधार लागू कर दिए।प्रथम विश्व युद्ध के समय पंजाब के कुछ क्षेत्र में हो रहे अंग्रेजोंके विरोध को भारत प्रतिरक्षा विधान 1915लागू कर कुचल दिया गया था। उसके बाद 1918 में एक ब्रिटिश जज सिडनी रॉलेट की अध्यक्षता में भारत मेंविशेषकर पंजाब और बंगाल में हो रहे ब्रिटिश सरकारके विरोध को सहायता देने वाले विदेशी शक्तियोंकी पहचान हेतु अध्ययन के लिएएक सेडीशन समिति नियुक्त की गई थी। इस सेडीशन समिति के सुझावों के अनुसार भारत के स्वाधीनता संग्राम के आंदोलनों पर रोक लगाने के लिए भारत प्रतिरक्षा विधान 1915का विस्तार कर पूरे भारत में रॉलेट एक्ट लागू किया गया था। इस रॉलेट एक्ट के अंतर्गत प्रेस पर सेंसरशिप लगा सकने,, नेताओं को बिना मुकदमें के जेल में रखने, लोगों को बिना वारण्ट के गिरफ़्तार करने, उन पर विशेष ट्रिब्यूनलों और बंद कमरों में बिना जवाबदेही दिए हुए मुकदमा चला सकने जैसे और अधिक अधिकार ब्रिटिश सरकार को प्राप्त हो गए थे। इसके विरोध में पूरा भारत उठ खड़ा हुआ था, और देश भर में लोग गिरफ्तारियां दे रहे थे। इस समय तक मोहनदास करमचंद गाँधी का दक्षिण अफ्रीका से भारत आगमन हो चुका था, और धीरे-धीरे उनकी लोकप्रियता बढ़ने लगी थी। उन्होंने भी रोलेट एक्ट का विरोध करने का आह्वान किया। जिसके कारण विरोध की गति और तीव्र हुई, जिसे कुचलने के लिए ब्रिटिश सरकार ने अनेक नेताओं और जनता को रोलेट एक्ट के अंतर्गत गिरफ़्तार कर लिया, और कड़ी सजाएँ दीं। इससे जनता का आक्रोश बढ़ा और लोगों ने रेल और डाकतार-संचार सेवाओं को बाधित कर दिया। अप्रैल के पहले सप्ताह में ही आंदोलनअपने चरम पर पहुँच रहा था।

-अशोक "प्रवृद्ध"

आंगन में नारियल का पेड़ क्या सुख देता है

हिन्दू धर्म में नारियल का पेड़ बहुत ही शुभ माना जाता है। इसे श्रीफल कहते हैं। श्रीफल अर्थात माता लक्ष्मी को यह फल पसंद है। दक्षिण भारत में नारियल पूर्णिमा नाम से पर्व मनाया जाता है। मंदिर में नारियल फोड़ना या चढ़ाने का रिवाज है। आओ जानते हैं कि यदि नारियल का वृक्ष घर में लगाया तो क्या होगा फायदा।

1. यदि नौकरी या व्यापार में मनचाही सफलता नहीं मिल रही है तो आंगन में नारियल का पेड़ लगाना चाहिए।

2. यदि आप कर्ज में डूबे हैं और कर्ज से मुक्ति चाहते हैं तो आंगन में नारियल का पेड़ लगाना चाहिए।

3. आपके मन में सुख और समृद्धि की कामना है तो आंगन में नारियल का पेड़ लगाना चाहिए।

4. नारियल के पेड़ को वास्तु के अनुसार आंगन की उचित दिशा में लगाना चाहिए अन्यथा नुकसान हो सकता है।

5. नारियल के कई ज्योतिष उपाय भी बताए जाते हैं।

6. नारियल के कई धार्मिक और मांगलिक उपयोग भी होते हैं।

7. नारियल पानी, खोपरा आदि सभी सेहत के लिए फायदेमंद हैं। यह कई तरह के रोगों में लाभदायक है। नारियल में प्रोटीन, विटामिन, मिनरल्स, पोटेशियम, फाइबर, कैल्शियम, मैग्नीशियम और खनिज तत्व प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं।

8. पानीदार एक नारियल लें और उसे अपने ऊपर से 21 बार वारें। वारने के बाद उसे किसी देवस्थान पर जाकर अग्नि में जला दें। ऐसा परिवार के जिस सदस्य पर संकट हो उसके ऊपर से वारें। उक्त उपाय किसी मंगलवार या शनिवार को करना चाहिए। 5 शनिवार ऐसा करने से जीवन में अचानक आए कष्ट से छुटकारा मिलेगा। यदि किसी सदस्य की सेहत खराब है तो ऊसके लिए यह ऊपाय उत्तम है।

9. नारियल फल को खाकर आप भूख मिटा सकते हैं। पानी को पीकर प्यास मिटा सकते हैं। नारियल फल को जलाकर आप कुछ पका सकते हैं या उजाला कर सकते हैं। नारियल की छाल या जटा से आप रस्सी या चटाई बना सकते हैं।

10. इससे घरों के पाट अर्थात बर्तन भी बनाए जाते हैं। नारिलय की लकड़ी से आप चाहे तो फर्निचर भी बना सकते हो। इसके पत्तों से से पंखे, टोकरियां, चटाइयां आदि बनती हैं। नारियल की जटा से ब्रश और थैले भी बनाए जा सकते हैं। नारियल की छाल या जटा को गद्दों में भी बरा जाता है। नारियल से नारियल का तेल भी बनता है। इस तेल के कई उपयोग होते हैं।

11. नारियल की लकड़ी, छाल और फल की खोल को मिलाकर झोपड़ी भी बनाई जा सकती है। नारियल की छाल या जटा से खस की टाट जैसी टाट भी बनाकर गर्मी से बचने के लिए दरवाजे या खिड़कियों में पर्दे की तरह लगा सकते हैं।

घर में पक्षी ने बनाया है घोंसला शुभ-अशुभ संकेत

कई पक्षी ऐसे हैं जो वृक्ष की बजाए घर या छत आदि जगहों पर घोंसला बनाकर रहते हैं। उनमें से कुछ तो किसी के घर में ही घोंसला बनाना पसंद करते हैं। इनमें में कुछ ऐसे पक्षी हैं जिनका घर में घोंसला बनाना शुभ होता है और कुछ ऐसे हैं जिनका घर में घोंसला बनाना अशुभ माना जाता है। आओ जानते हैं इस संबंध में रोचक जानकारी।

गोरैया चिड़िया : यह पक्षी यूं तो अपना घोंसला किसी पेड़ पर या किसी ऐसे ऊंचे स्थान पर बनाता है जहां पर किसी की नजर न पड़े, लेकिन यदि यह घर में बनाले तो समझो बहुत ही शुभ है। यह सकारात्मकता का सूचक है। इससे घर में सुख, शांति और समृद्धि आती है।

कबूतर : कबूतर पेड़ पर रहना पसंद नहीं करता है यह अक्सर ऊंची इमारतों के छज्जे या किसी खंडहर में रहना पसंद करते हैं, लेकिन यदि यह घर में घोंसला बना ले तो इसे शुभ नहीं माना जाता है। इसका मतलब यह कि यह अशुभ भी नहीं है क्योंकि इसका मिलाजुला असर होता है।

मधुमक्खी : मधुमक्खी का छत्ता भी घर में रहना अशुभ माना जाता है। यह किसी घटना दुर्घटना का कारण बन सकता है।

ततैया : ततैया का छत्ता भी घर में रहना अशुभ माना जाता है. पहले धुआं करके बाद में इसे बहुत ही सावधानी से हटाया जा सकता है।

चमगादड़ : चमगादड़ का घर में आना ही अशुभ माना जाता है। यदि यह घर में ही डेरा जमा ले तो यह खतरे की निशानी है। इसे तुरंत ही घर से बाहर कर दें।

मुर्गा : मुर्गे का घोंसला बनाना शुभ माना जाता है। इसे घर में खुशी आती है और भाग्य में वृद्धि होती है। कई प्रकार के संकट दूर होते हैं।

चीटियां : घर में काली चींटियों का घोंसला बनाना शुभ लेकिन लाल का बनाना अशुभ माना जाता है।

राशि के अनुसार पर्स में रखें यह चीज आ जाएंगे अच्छे दिन

पर्स जिसमें हम रुपये पैसे के साथ ही, कार्ड और अन्य जरूरी सामान रखते हैं। पर्स कई प्रकार का होता है। जेब में रखने वाला पर्स अक्सर पुरुषों के पास होता है। पर्स में जो कुछ भी रखें वह सोच समझकर ही रखें क्योंकि इससे नुकसान भी हो सकता है। पहले जान लेते हैं कि राशियों के अनुसार आप अपने पर्स में क्या रख सकते हैं जिससे आपके अच्छे दिन शुरू हो जाएं।

मेष राशि : आपके लिए लाल रंग या इसे जुड़े रंग का पर्स शुभ रहेगा। इसमें आप थोड़ी सी दूर्वा रखें।

वृषभ राशि : आपके लिए सफेद या क्रीम रंग का पर्स शुभ माना जा सकता है। आप इसमें अखंडित चावल रख सकते हैं।

मिथुन राशि : आप हरे या इससे मिलते जुलते या ग्रे रंगा का पर्स रखे सकते हैं। इसमें आप चंदन का छोटा सा टूकड़ा रख सकते हैं।

कर्क राशि : आप भी क्रीम या सफेद रंग का पर्स रख सकते हैं जोकि आपके लिए शुभ है। इसमें आप हल्दी की गांठ रखें।

सिंह राशि : आप लाल भुरे रंग का पर्स रखते हैं तो यह शुभ होगा और इसमें आप शनि का छल्ला रखें।

कन्या राशि : आप हरे या इससे मिलते जुलते रंग का पर्स रख सकते हैं जो कि आपके लिए शुभ होगा। इसमें आप नीले रंग का रूमाल रखें।

तुला राशि : आपके लिए सफेद या क्रीम रंग का पर्स शुभ माना जा सकता है। इसमें आप पीले रंग की शुभ वस्तु रख सकते हैं जैसे सोना, पीतल आदि।

वृश्चिक राशि : आप हल्के लाल, भूरे या ग्रे रंग का पर्स रख सकते हैं। इस पर्स में आप तांबे की कोई वस्तु रखें।

धनु राशि : आप पीले या लाल रंग का पर्स रख सकते हैं। इस पर्स में चांदी की कोई वस्तु रखें।

मकर राशि : आपके लिए काले या ग्रे रंग का पर्स शुभ रहेगा। इसमें आप सुगंध की कोई वस्तु रखें।

कुंभ राशि : आपके लिए काले या भूरे रंग का पर्स रखना शुभ होगा, जिसमें आप पीले रंग की शुभ वस्तु रख सकते हैं जैसे सोना, पीतल आदि।

मीन राशि : आप पीले या क्रीम रंग का पर्स रख सकते हैं। इसमें आप चंदन की लकड़ी रखें।

कालाष्टमी व्रत कल ?

काल भैरव पूजा से दूर होंगे रोग, कष्ट और ग्रह दोष, जान लें शुभ समय

हिंदू कैलेंडर का दूसरा माह वैशाख 7 अप्रैल से शुरू हो चुका है। वैशाख माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को मासिक कालाष्टमी व्रत रखा जाएगा। इस दिन रुद्रावतार काल भैरव की पूजा की जाती है। काल भैरव को तंत्र-मंत्र का देवता मानते हैं। मंत्रों की सिद्धि और उनकी साधना निशिता मुहूर्त में की जाती है।

काल भैरव का स्वरूप बड़ा ही भयावह है, उनका एक मात्र बटुक भैरव स्वरूप ही सौम्य है। जहां-जहां पर शक्तिपीठ हैं, वहां-वहां पर काल भैरव भी उपस्थित हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, काल भैरव देवी की सुरक्षा में रहते हैं। काशी के ज्योतिषाचार्य वैशाख मासिक कालाष्टमी व्रत कब है और पूजा का मुहूर्त क्या है?

वैशाख कालाष्टमी व्रत 2023 तिथि मुहूर्त

पंचांग के अनुसार, इस बार वैशाख माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि 13 अप्रैल दिन गुरुवार को प्रातः 03 बजकर 44 मिनट पर शुरू हो रही है। इस तिथि का समापन 14 अप्रैल को 01:34 एएम पर हो रहा है। काल भैरव की पूजा निशिता मुहूर्त में होती है, इसलिए अष्टमी तिथि की निशिता मुहूर्त 13 अप्रैल को है। ऐसे में वैशाख की मासिक कालाष्टमी 13 अप्रैल को है।

शिव और सिद्ध योग में कालाष्टमी व्रत

13 अप्रैल को कालाष्टमी व्रत के दिन दो शुभ योग शिव और सिद्ध बने हैं। उस दिन शिव योग प्रातःकाल से लेकर दोपहर 12 बजकर 34 मिनट तक है। उसके बाद से सिद्ध योग प्रारंभ हो जाएगा, जो अगले दिन सुबह तक है। ये दोनों ही योग पूजा पाठ की दृषि से शुभ हैं। शिव योग साधना के लिए अच्छा माना जाता है।

कालाष्टमी निशिता पूजा मुहूर्त 2023

कालाष्टमी व्रत की निशिता पूजा का शुभ मुहूर्त रात 11 बजकर 59 मिनट से देर रात 12 बजकर 44 मिनट तक है। इस मुहूर्त में आप काल भैरव की पूजा कर सकते हैं। इसके अलावा दिन में भी पूजा कर सकते हैं।

तुलसी में लगी मंजरी से करें सरल उपाय

हिंदू धर्म में कई ऐसे पेड़-पौधे हैं, जिन्हें बेहद पवित्र माना जाता है। इन्हीं पेड़-पौधों में से एक है तुलसी का पौधा। तुलसी के पौधे का जितना धार्मिक महत्व है, उतना ही वैज्ञानिक महत्व भी है। तुलसी का आयुर्वेद में भी उपयोग किया जाता है। हिंदू धर्म में प्रत्येक घर में प्रतिदिन तुलसी की पूजा की जाती है और उसमें जल अर्पित किया जाता है। इसके अलावा, तुलसी के पत्ते कई तरह की बीमारियों में भी फायदेमंद होते हैं, लेकिन यह बात बहुत कम लोगों को पता है कि तुलसी के पौधे में मंजरी आ जाए तो वह आपके लिए कितनी फायदेमंद साबित हो सकती है। दिल्ली निवासी की ज्योतिष आचार्य पंडित आलोक पाण्डया बता रहे हैं, सुखी जीवन व्यतीत करने के लिए तुलसी के पौधे की मंजरी के कुछ उपायों के बारे में।

-ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, तुलसी के पौधे में मंजरी निकलना शुभ होता है। धार्मिक मान्यताएं हैं कि तुलसी भगवान विष्णु को अति प्रिय है, भगवान विष्णु की पूजा में तुलसी का खासतौर से उपयोग किया जाता है। ऐसे में यदि आप तुलसी के पत्तों के साथ-साथ तुलसी की मंजरी भी भगवान विष्णु को अर्पित करते हैं, तो रुका हुआ धन वापस आने की संभावनाएं बढ़ जाती हैं। इसके अलावा आय में भी बढ़ोत्तरी होती है।

-आज के दौर में सुखी जीवन जीने के लिए हर व्यक्ति धन प्राप्ति की इच्छा रखता है। तो यदि आप भी धन लाभ या धन प्राप्ति की इच्छा रखते हैं। तो तुलसी की मंजरी को लाल रंग के कपड़े में बांधकर उसे अपने घर की तिजोरी में रख दें। मान्यता है कि ऐसा करने से माता लक्ष्मी की कृपा सदैव बनी रहती है।

-हिंदू धर्म में गंगा जल को तुलसी की तरह ही पवित्र माना जाता है। ऐसे में यदि गंगाजल और तुलसी की मंजरी को मिलाकर घर की उत्तर दिशा में रखें और इस जल को रोजाना पूरे घर में छिड़कें, तो घर में नकारात्मक ऊर्जा का वास नहीं रहेगा और घर की आर्थिक स्थिति भी मजबूत होगी।

-मान्यता है कि माता लक्ष्मी की पूजा करते समय तुलसी की मंजरी को पूजन सामग्री में शामिल करना बहुत शुभ होता है। माता लक्ष्मी को शुक्रवार के दिन तुलसी की मंजरी आवश्यक रूप से अर्पित करनी चाहिए। ऐसा करने से मां लक्ष्मी की कृपा सदैव बनी रहती है, और घर में धन आगमन होता है।

कलयुग का सबसे बड़ा चमत्कार कहलाता है गजानन का मंदिर

हम बात कर रहे हैं मध्यप्रदेश के देवास के ग्राम नागदा में अतिप्राचीन श्री सिद्धि विनायक गणेश मंदिर के बारे में जिसका का इतिहास अपने आप में खास है। महाभारत कालीन इस मंदिर के बारे में बताया जाता है ये करीबन 5 हज़ार साल से भी अधिक प्राचीन है। इस मंदिर सिद्ध स्थलों में गिना जाता है। गजानन के इस चमत्कारिक मंदिर से कई मान्यताएं जुड़ी हुई है। जिसमें से एक के अनुसार इसकी स्थापना महाभारत काल में राजा परीक्षित द्वारा की थी तथा पांडव भी यहां पूजन के लिए आया करते थे।

इसके अलावा बताया जाता है कि जंगलों के बीचो बीच स्थित मंदिर के बारे में एक मान्यता ये भी है कि भक्तों द्वारा यहां मांगी गई मुराद जरूर पूरी होती है।

आपकी जानकारी के लिए बता दें श्री सिद्धि विनायक गणेश मंदिर में गणपति बप्पा की स्वयंभू प्रतिमा स्थापित है, जिसके दर्शनों के लिए लोग रोज़ाना दूर दूर से आते हैं। भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की गणेश चतुर्थी के यहां बप्पा के भक्तों जोरों-शोरो से इनकी पूजा करते दिखाई देते हैं। इसके अलावा यहां एक प्राचीन जल कुंड स्थित है जिसके बारे में मान्यता है कि मंदिर के सामने बने इस कुंड में पानी भी कभी खत्म नहीं होता। इसका पानी इतना सिद्ध है कि वहां आने वाला हर रोगी व्यक्ति अपने बड़े से बड़े रोगों से छुटकारा पाता है।

गणेश मंदिर में स्थित कुंड का पानी कुष्ठ रोगों तक को दूर करने की क्षमता रखता है। हज़ारों हज़ार साल पुराने इस मंदिर की ख्याति दूर दूर तक फैली है। वहीं यहां आने वाले भक्त मनोकामना के साथ साथ इसके इतिहास को जानने यहां पहुंचते हैं। तथा कुंड के पानी में स्नान करके अपने कष्टों व रोगों से मुक्ति पाते हैं।

वीयफएक्स से एब्स बनाने के दावों पर सलमान ने शर्ट के बटन खोलकर दिखाई बॉडी, बोले- ये असली हैं

सलमान खान की फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' का ट्रेलर सोमवार को रिलीज किया गया। इस मौके पर मेकर्स ने भव्य लॉन्च इवेंट रखा, जहां फिल्म की पूरी स्टारकास्ट पहुंची। इस दौरान भाईजान ने शर्टलेस होकर उन लोगों का मुंह बंद कर दिया, जिनका मानना था कि उनके एब्स वीयफएक्स के जरिए बनाए जाते हैं। दरअसल, सोशल मीडिया पर सलमान खान का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वो अपनी शर्ट के बटन खोलते है और वहां मौजूद सभी लोगों को अपने एब्स दिखाते हैं। सलमान जैसे ही शर्ट के बटन खोलना शुरू की, लोग तालियां और सीटियां बजाने लगे। सलमान ने इवेंट के दौरान कहा- 'सबको लगता है कि फिल्म में वीयफएक्स का कमाल है, लेकिन ये असली है। अभी चार

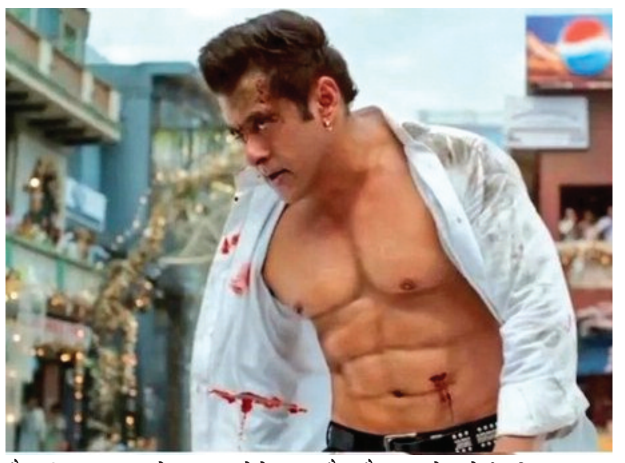

है, फिर चार से छह होंगे।' भाईजान की ये बात सुनकर वहां मौजूद लोग तालियां बजाते हैं।

यूजर्स ने वीडियो पर जमकर किए रिएक्ट

भाईजान के इस वीडियो पर यूजर्स जमकर रिएक्ट कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा- भाई अपने एब्स पब्लिक में दिखा रहे हैं। यह पूरी तरह से ओरिजिनल है और इसमें कोई वीयफएक्स नहीं है। दूसरे फैन ने लिखा- 'मैं भाईजान के एब्स लाइव देखे, ये वकाई असली हैं।'

तीसरे यूजर ने लिखा- '57 की उम्र में किसी भी एक्टर के पास इतनी हिम्मत नहीं है कि पब्लिक इवेंट में फैंस के कहने पर एब्स दिखाए, ये मात्र मेगास्टार सलमान ही कर सकते हैं। किसी को ट्रोल करने में क्या ही जाता है। इस उम्र में अगर कोई इतना मेंटेन कर सके, उसे तब बोलना चाहिए।'

किसी का भाई किसी की जान के ट्रेलर को मिले मिक्स रिस्पॉन्स

किसी का भाई किसी की जान के ट्रेलर को ऑडियंस से मिक्स रिस्पॉन्स मिल रहा है। एक तरफ सलमान के फैंस 4 साल बाद उनके कमबैक को लेकर एक्साइटेड हैं और फिल्म के साउथ फील की तारीफ कर रहे हैं। वहीं कई लोग ऐसे भी हैं, जिन्हें ट्रेलर में कुछ भी नया नहीं लगा।

फिल्म 21 अप्रैल 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसमें शहनाज गिल, सिद्धार्थ निगम, जस्सी गिल, पलक तिवारी, जगपति बाबू, वेंकटेश दग्गूबाती, बॉक्सर विजेंद्र सिंह, भूमिका चावला समेत कई बेहतरीन एक्टर भूमिकाओं में हैं।

मैं पिछला कुछ भी भूलना नहीं चाहती मुझे जिंदगी ने सबक सिखाया है : सामंथा

हाल ही में सामंथा रूथ प्रभु ने अपनी अपकमिंग फिल्म 'शाकुंतलम' के बारे में मीडिया से बात की। फिल्म के प्रमोशन इवेंट के दौरान सामंथा ने बताया कि उन्होंने अपनी जिंदगी से काफी कुछ सीखा है और ऐसा कुछ नहीं है जो वो बदलना चाहती हैं।

मैंने जिंदगी में काफी-कुछ सीखा है- सामंथा

दरअसल, 'शाकुंतलम' फिल्म में राजा दुष्यंत का करैक्टर कुछ समय के लिए शकुंतला को भूल जाता है। इवेंट के दौरान सामंथा से पूछा गया कि फिल्म की कहानी की तरह अगर आपको अपनी जिंदगी से कुछ भूलना हो तो आप किस चीज को भुला देना चाहेंगी ? जब उनसे ये सवाल पूछा गया तो सामंथा ने सीधे पूछ लिया कि क्या आप ये सवाल मेरे रिलेशनशिप को लेकर पूछ रहे हैं ? फिर उनसे कहा गया कि आप भूलने के लिए कोई भी चीज चुन सकती हैं, जरूरी नहीं कि सिर्फ रिलेशनशिप की ही बात हो।

इस पर सामंथा ने कहा कि ऐसा कुछ नहीं है जो वो भुलाना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि उनकी जिंदगी के हर एक्सपीरियंस ने उन्हें कुछ न कुछ सिखाया है। बीते दिनों सामंथा ने अपने एक्स हस्बैंड नागा चैतन्य से डाइवोर्स और अपनी जिंदगी के सबसे मुश्किल दौर से गुजरने के बारे में खुलकर बात की थी।

सामंथा ने आगे कहा- लेकिन मैं इससे ज्यादा कुछ नहीं कह सकती। मैं इस सवाल का जवाब देकर मुश्किल में नहीं पड़ना चाहती। मैं हर चीज हमेशा याद रखना चाहती हूं, हर चीज ने मुझे कुछ न कुछ सीखाया है।

सामंथा और नागा चैतन्य ने शादी के चार साल बाद एक-दूसरे से डिवोर्स लिया। इनके डाइवोर्स की वजह साफ नहीं है। हालांकि, कॉफी विद करण सीजन 7 में सामंथा ने बताया था कि उनके बीच काफी प्रॉब्लम थी।

कालिदास के प्ले 'अभिज्ञानमशाकुंतलम' पर बेस्ड है फिल्म

फिलहाल, सामंथा अपनी अपकमिंग फिल्म 'शाकुंतलम' के प्रमोशन में बिजी हैं।14 अप्रैल को 'शाकुंतलम' बिग स्क्रीन पर रिलीज होगी। इससे पहले ये फिल्म नवंबर 2022 में रिलीज होनी थी लेकिन इसे फरवरी 2023 तक टाल दिया गया। सामंथा और देव के अलावा फिल्म में सचिन खेडेकर, कबीर बेदी, अदिति बालन और जीशु सेनगुप्ता भी नजर आएंगे। फिल्म की कहानी 'महाभारत' के कैरेक्टर और कालिदास के प्ले 'अभिज्ञानमशाकुंतलम' पर बेस्ड है।

ड्रग केस से आर्यन खान को बचाने में जूही चावला ने निभाई थी अहम भूमिका, अब जाकर राज से हटाया पर्दा

जूही चावला और शाहरुख खान ने 90 के दशक में डर, फिर भी दिल है हिंदुस्तानी, पहेली और डुप्लीकेट समेत कई बेहतरीन फिल्में दी हैं। इन दोनों की दोस्ती उसी दौर से आज तक बरकरार है। वहीं, अब जूही ने शाहरुख संग अपनी बॉन्डिंग पर चुप्पी तोड़ी है। साथ ही आर्यन खान के ड्रग केस में अपने सहयोग पर भी चर्चा करती नजर आई हैं।

जूही चावला ने यह साफ किया है कि भले ही उनकी नियमित रूप से शाहरुख खान संग मुलाकात नहीं हो पाती है, लेकिन जब ड्रग केस में आर्यन खान के लिए समर्थन की जरूरत थी तो वह उनके साथ थीं। इतना ही नहीं ड्रग केस में आर्यन को जमानत दिलाने में भी जूही ने अहम भूमिका निभाई थी। जमानत की शर्तों के लिए एक ऐसे व्यक्ति की जरूरत थी जो आर्यन की गारंटी ले। इस बुरे दौर में जूही ने गारंटी ली और मुसीबत के समय में अपने दोस्त शाहरुख के परिवार के लिए मसीहा बनकर उभरीं।

जूही चावला शाहरुख खान के बेटे आर्यन को जमानत दिलाने के लिए मुंबई सेशन कोर्ट में मौजूद थीं, जहां उन्होंने 1 लाख रुपये के मुचलके पर हस्ताक्षर किया और आर्यन की जमानत ली। इसका मतलब यह था कि अगर आर्यन पैसे का भुगतान करने में विफल रहते हैं तो जूही कानूनी रूप से जिम्मेदार होंगी।

जूही चावला ने एक मीडिया संस्थान से बात करते हुए इस मुद्दे पर कहा, 'हमें नहीं पता था कि यह आ रहा था, लेकिन यह सब उस क्षण पर आ गया जब मैं मदद कर सकती थी। मैंने सोचा कि यह मेरे लिए सही काम था - उसके लिए वहां रहना।' जैसा की आप जानते हैं कि जूही चावला और शाहरुख खान 90 के दशक की फेमस ऑन-स्क्रीन जोड़ी थे। दोनों के पास साल 2007 से साथ में एक आईपीएल टीम भी है, जिसका नाम केकेआर है।

क्या 'पुष्पा 2' में सामंथा रुथ प्रभु फिर करेंगी 'ऊ अंटावा' जैसा आइटम नंबर?

सामंथा रुथ प्रभु ने 'पुष्पाः द राइज' में अपने आइटम नंबर 'ऊ अंटावा' से खूब सुर्खियां बटोरीं। यह गाना आज भी जमकर देखा और सुना जाता है। लेकिन क्या वह 'पुष्पा 2' यानी 'पुष्पाः द रूल' में ऐसा कुछ धमाल मचाएंगी? जब से अल्लू अर्जुन की फिल्म का टीजर वीडियो आया है, सोशल मीडिया पर धमाका मचा हुआ है और हर किसी के जेहन में सामंथा को लेकर यही सवाल है। लेकिन अब एक इंटरव्यू में 'शाकुंलतम' एक्ट्रेस ने साफ कर दिया है कि वह अभी तक 'पुष्पा 2' का हिस्सा नहीं हैं।

अल्लू अर्जुन की 'पुष्पा 2' की शूटिंग पिछले नवंबर में शुरू हुई थी। साल 2021 में रिलीज हुई 'पुष्पा' के सीक्वल का हर किसी को बेसब्री से इंतजार है। फिल्म के दूसरे भाग में अल्लू अर्जुन और फहाद फासिल लीड रोल में नजर आएंगे। सीक्वल फिल्म की कहानी इन्हीं दोनों के टक्कर पर बेस्ड होगी। यही नहीं, फिल्म में रश्मिका मंदाना के रोल की भी पुष्टि हो चुकी है और वह फिर से श्रीवल्ली की भूमिका में नजर आएंगी। लेकिन सामंथा की एंट्री को लेकर अभी तक सिर्फ कयासों का दौर जारी था।

सामंथा बोलीं- मैं 'पुष्पा 2' में कोई गाना नहीं कर रही हूं

सामंथा रुथ प्रभु ने अब एक इंटरव्यू में इस ओर चुप्पी तोड़ी है। एक्ट्रेस अपनी अपकमिंग फिल्म 'शाकुंतलम' के प्रमोशन में बिजी हैं। सामंथा से पूछा गया कि क्या वह 'पुष्पा 2' का हिस्सा बनने जा रही हैं? इस पर जवाब देते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि नहीं, वह अभी तक फिल्म का हिस्सा नहीं हैं। इंटरव्यू के दौरान सामंथा से कहा गया कि 'पुष्पा' में उन्हें खूब पसंद किया गया, इस पर सामंथा ने बीच में ही रोकते हुए कहा, 'यदि आप मुझसे यह पूछना चाह रहे हैं कि मैं फिल्म के सीक्वल में हूं या नहीं, तो मेरा जवाब नहीं है। मैं इस फिल्म में कोई गाना नहीं कर रही हूं।'

17 साल पुरानी एफआईआर को रद्द करने की गुहार लगाई; राखी सावंत को जबरदस्ती किस कर फंसे थे

मीका के वकील का कहना है कि उन्होंने और राखी ने मिलकर विवाद को सुलझा दिया है, इसलिए इस मामले को अब रद्द करना चाहते हैं। सिंगर मीका सिंह ने राखी सावंत द्वारा दर्ज छेड़छाड़ की शिकायत को रद्द करने के लिए बॉम्बे हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। मीका के वकील का कहना है कि उन्होंने और राखी ने मिलकर सुलह कर ली है, इसलिए इस मामले को अब रद्द करना चाहते हैं।

उधर राखी के वकील का कहना है कि वो भी इस मामले को सुलझाना चाहते हैं, इसलिए उन्होंने इसके लिए एक हलफनामा भी तैयार कराया था। हालांकि अब वो हलफनामा हाईकोर्ट के रजिस्ट्री विभाग में कहीं खो गया है। कोर्ट का निर्देश है कि राखी को अगले हफ्ते तक एक फ्रेश हलफनामा तैयार करना पड़ेगा जिससे कि आगे की कार्यवाही पूरी की जा सके।

'यफआईआर को अब रद्द करने में कोई समस्या नहीं'

राखी के वकील आयुष पासबोला ने जस्टिस एएस गडकरी और पीडी नाइक की बेंच के सामने कहा, 'वो (राखी) अपने प्रोफेशनल वर्क में बिजी हैं, लेकिन दोनों ने ये विवाद सुलझा लिया है। इसलिए उनके द्वारा जो FIR दर्ज की गई थी, उसे रद्द करने में कोई दिक्कत नहीं है।'

'17 साल पुराना है मामला, अब दोनों दोस्त हैं'

वहीं मीका सिंह की वकील फाल्गुनी ब्रह्मभट का कहना है कि ये मामला 17 साल से अधर में पड़ा हुआ है। मीका के खिलाफ चार्जशीट भी दायर हो चुकी है, लेकिन आरोप अभी भी तय किए जाने बाकी है। हालांकि दोनों अब दोस्त बन गए हैं, और मुद्दों को सुलझा लिया है।'

2006 में मीका सिंह ने राखी को जबरदस्ती किस किया था

2006 में मीका सिंह ने अपने जन्मदिन पर राखी को सरेआम किस कर लिया था। इस घटना पर काफी बवाल मचा था। राखी की शिकायत पर मीका पर आईपीसी की धारा 354 (छेड़छाड़) और 323 (असॉल्ट) के तहत केस दर्ज किया गया था। इस घटना के बाद मीका लापता हो गए थे। बाद में उन्हें अरेस्ट किया गया फिर जमानत पर छोड़ दिया गया था।

2006 में किसिंग कंट्रोवर्सी के चलते सुर्खियों में आए मीका सिंह और राखी सावंत बुधवार को मुंबई में एक साथ नजर आए। लेकिन इन दोनों ने बहुत बड़ी भूल की, वो यह कि कोरोना काल में दोनों ही बिना मास्क लगाए पैपराजी के बीच रहे। इतना नहीं, पिछली सारी दुश्मनी भुला कर दोनों गले भी लगे और एक-दूसरे की तारीफ भी करते दिखे। राखी ने तो मीका के पैर भी छुए।

पवन कल्याण जल्द मचाएंगे 'वकील साब 2' से धमाल, निर्देशक वेणु श्रीराम ने किया ऐलान

साउथ सुपरस्टार पवन कल्याण की फिल्म 'वकील साब' तो आप सभी को याद ही होगी। यह अमिताभ बच्चन और तापसी पन्नू स्टारर हिंदी फिल्म 'पिंक' का तेलुगू रीमेक थी। इस फिल्म का निर्देशन वेणु श्रीराम ने किया था। वहीं, अब 'वकील साब' के सीक्वल की घोषणा कर दी गई है, जिससे पवन कल्याण के फैंस में खुशी की लहर है। इस सीक्वल से भी पवन कल्याण और वेणु श्रीराम की जोड़ी बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने के लिए उतरेगी।

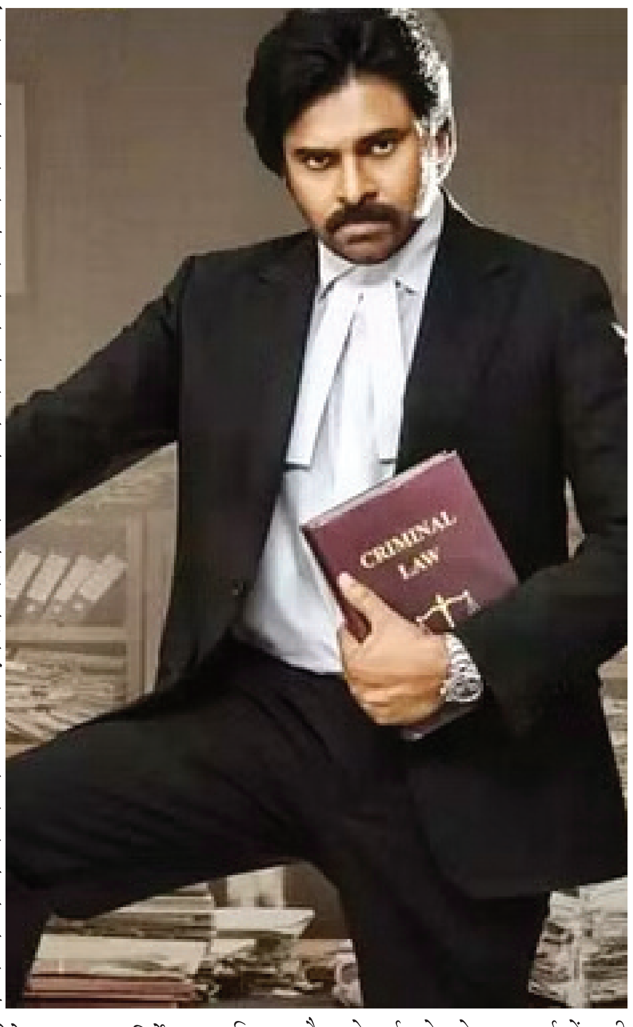

ट्विटर पर ट्रेंड हुआ 'वकील साब 2'

'वकील साब' ने बीते नौ अप्रैल को अपनी रिलीज के दो साल पूरे कर लिए। इस अवसर का जश्न मनाने के लिए फैंस ने ट्वीटर का सहारा लिया, जिसमें निर्देशक वेणु श्रीराम भी हिस्सा लेते नजर आए। निर्देशक ने खुलासा किया कि 'वकील साब 2' पर वर्तमान में काम जारी है। वह फिलहाल इस फिल्म का स्क्रीनप्ले लिखने में व्यस्त हैं। यह अपडेट मिलते ही फैंस खुश हो उठे और उन्होंने मूवी को लेकर इतना ट्वीट कर दिया कि 'वकील साब 2' ट्विटर पर ट्रेंड होने लगा।

निर्देशक वेणु श्रीराम ने यह भी एलान किया कि उनकी दो साल पुरानी फिल्म 'वकील साब' वापस से सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी। मूवी में पवन कल्याण, निवेथा थॉमस, अंजलि, अनन्या नगल्ला, प्रकाश राज और श्रुति हासन जैसे सितारे हैं। तेलुगू वर्जन का स्क्रीनप्ले संयुक्त रूप से एच विनोथ और रितेश शाह ने लिखा है। मेकर्स ने तेलुगू दर्शकों की संवेदनाओं के अनुसार कहानी में कुछ बदलाव भी किए हैं।

पवन कल्याण का वर्कफ्रंट

वहीं, पवन कल्याण इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'उस्ताद भगत सिंह' की शूटिंग में व्यस्त हैं। फिल्म का निर्देशन हरीश शंकर कर रहे हैं। इस मूवी में पवन कल्याण को वापस से पुलिस अधिकारी की भूमिका में देखा जाएगा। रिपोर्ट्स तो यह भी हैं कि पवन कल्याण की 'उस्ताद भगत सिंह' सलमान खान की फिल्म 'दबंग-3' का रीमेक है। हालांकि, अब तक इस रिपोर्ट की आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं हो सकी है।

'किसी का भाई किसी की जान' की स्टारकास्ट को मिली इतनी फीस, कैमियो रोल के लिए राम चरण ने लिए 3 करोड

सलमान खान इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म किसी का भाई किसी की जान को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। बीते दिन इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ है। लोगों को ट्रेलर खूब पसंद आ रहा है। फिल्म के ट्रेलर में सलमान खान का एक्शन और रोमांटिक दोनों अवतार देखने को मिला है। यह फिल्म एक लव स्टोरी है, इसमें सलमान खान और पूजा हेगड़े की कहानी देखने को मिलेगी। इस फिल्म की स्टारकास्ट बहुत लंबी है। तो चलिए जानते हैं कि किसी का भाई किसी की जान के लिए सितारों ने कितनी फीस ली है।

सलमान खान 50 करोड

फरहाद सामजी के निर्देशन में बनी इस फिल्म के मुख्य हीरो सलमान खान हैं। इस फिल्म के लिए सलमान ने 50 करोड़ रुपये चार्ज किए हैं। हालांकि अभी तक इस बारे में कोई आधिकारिक खुलासा नहीं हुआ है।

पूजा हेगड़े 5 करोड

इस फिल्म में सलमान खान की प्रेमिका बनी पूजा हेगड़े भी अभिनेता के विपरीत मुख्य भूमिका में नजर आने वाली हैं। कहा जा रहा है कि फीमेल अभिनेत्रियों में उन्हें सबसे ज्यादा फीस मिली है। खबरों के अनुसार पूजा हेगड़े ने इस फिल्म के लिए पांच करोड़ रुपये फीस ली है।

राम चरण 3 करोड

इस फिल्म में राम चरण कैमियो रोल में नजर आने वाले हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, राम चरण ने एक झलक के लिए 3 करोड़ रुपये चार्ज किए हैं। बता दें कि हिंदी फिल्म में राम चरण का यह पहला डेब्यू है।

वेंकटेश

कहा जा रहा है कि यह फिल्म साउथ फिल्म वीरम का हिंदी रीमेक है। हालांकि वह फिल्म 45 करोड़ रुपये के बजट में बनी थी और यहां तो सलमान खान ने अकेले इस फिल्म के लिए 50 करोड़ रुपये चार्ज किए हैं। साउथ अभिनेता वेंकटेश की बात करें तो उन्होंने किसी का भाई किसी की जान के लिए 50 लाख रुपये चार्ज किए हैं।

शहनाज गिल और राघव जुयाल

किसी का भाई किसी की जान शहनाज गिल की पहली हिंदी फिल्म है। हालांकि, इससे पहले वह पंजाबी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। इस फिल्म के लिए शहनाज गिल को 50 लाख रुपये फीस मिली है, वहीं राघव जुयाल को 70 लाख रुपये मिलने की खबर है।

एयरपोर्ट पर स्पॉट हुईं अमीषा पटेल : अब बस 'गदर-2' में आपको देखने का इंतजार

अमीषा पटेल को मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया, इससे जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। वीडियो में अमीषा ऑल ब्लैक लुक में काफी गॉर्जियस लग रही हैं। एयरपोर्ट पर उन्होंने ब्लैक टॉप- ब्लैक पैंट के साथ ब्लैक जैकेट पहना है। इस लुक को उन्होंने पिंक बैग और व्हाइट शूज के साथ कम्पलीट किया।

एयरपोर्ट पर पैपराजी से की बातचीत

एयरपोर्ट पर अमीषा को देख पैपराजी ने कहा- 'अब बस गदर 2 का इंतजार है। आपको सकीना के रोल में देखना है', जिसपर अमीषा मुस्कुराते हुए बोलीं- और तारा सिंह को?' पैपराजी ने कहा, 'उनको तो देखेंगे ही, पर आपको स्पेशली देखेंगे।' अमीषा ने मीडिया वालों का शुक्रिया अदा करते हुए पूछा, 'क्या उम्मीद हैं फिल्म से?' पैपराजी ने जवाब में कहा, 'उम्मीद तो है फिल्म ब्लॉकबस्टर होगी।'

फैंस ने मलाइका अरोड़ा से की तुलना

सोशल मीडिया पर इस वीडियो के सामने आते ही फैंस ने अमीषा की फिटनेस देख उनकी तुलना मलाइका अरोड़ा से की हैं। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, इस उम्र में भी कितनी फिट हैं' , तो वहीं दूसरे यूजर ने कमेंट कर लिखा, 'मलाइका को इतना फिट बोलते हो क्या अमीषा किसी से कम हैं'।

22 साल बाद आएगा फिल्म का दूसरा पार्ट

बता दें, गदर 2 की शूटिंग पूरी हो चुकी है। फिल्म में सनी देओल और अमीषा पटेल जहां तारा और सकीना के रोल में नजर आएंगे, वहीं उत्कर्ष शर्मा उनके बेटे जीते के रोल में दिखेंगे। फिल्म की कहानी 1954 से 1971 के बीच की कहानी दिखाई जाएगी,

जहां से पहला पार्ट खत्म हुआ था।

इसी पीरियड में भारत-पाकिस्तान के बीच 1971 के युद्ध को भी दिखाया जाएगा। फिल्म में कई सारे ट्विस्ट और धमाकेदार एक्शन सीन्स होंगे। रिलीज डेट की बात करे तो ये फिल्म 11 अगस्त, 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

प्याज का रस लगाने से क्या वास्तव में नए बाल आ सकते हैं?

बालों के झड़ने और गंजापन की समस्या युवाओं में तेजी से बढ़ती हुई देखी जा रही है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, गड़बड़ लाइफस्टाइल और आहार में पौष्टिकता की कमी के कारण लोगों में इस तरह की दिक्कतें अधिक देखी जा रही हैं। बालों को झड़ने से रोकने और दोबारा बालों के विकास को बढ़ाने का दावा करने वाले कई कॉस्मेटिक उत्पाद बिक रहे हैं, पर क्या इनसे लाभ मिलता है। इस बीच बालों को स्वस्थ रखने के लिए प्याज का रस लगाने के उपाय को लेकर काफी चर्चा है। कहा जा रहा है कि प्रभावित हिस्से में रोजाना प्याज के रस से मालिश करने से न सिर्फ बालों का टूटना बंद होता है साथ ही नए बाल भी आते हैं।

क्या वास्तव में बालों के लिए प्याज का रस इतना असरदार है? क्या इससे वैश्विक स्तर पर बढ़ रही बालों की समस्या में लाभ पाया जा सकता है? आइए इस बारे में विस्तार से समझते हैं।

प्याज के रस के लाभ

अमेरिकन एकेडमी ऑफ डर्मेटोलॉजी के अनुसार, पुरुषों और महिलाओं दोनों में बाल झड़ने की स्थिति काफी सामान्य है। बालों के पतले होने या झड़ने का सबसे आम कारण वंशानुगत स्थिति है जिसे एंड्रोजेनेटिक एलोपेसिया कहा जाता है। इसके अलावा कुछ दवाओं के साइड इफेक्ट या हार्मोनल समस्याओं के कारण भी बाल झड़ सकते हैं। मेडिकल रिपोर्ट्स में दावा किया जाता रहा है कि प्याज का रस बालों की कई समस्याओं जैसे- एलोपीसिया, स्कैल्प में खुजली या सूखापन को दूर करने, बालों का झड़ना रोकने, रूसी, समय से पहले बाल सफेद होना और नए बालों के ग्रोथ में मदद कर सकती है।

क्या प्याज का रस वास्तव में प्रभावी है?

वैसे तो बालों को फिर से उगाने के लिए प्याज के रस के उपयोग पर व्यापक शोध नहीं किया गया है। हालांकि जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी में प्रकाशित छोटे अध्ययन से संकेत मिलता है कि स्कैल्प पर प्याज का रस लगाने से कुछ लोगों में बालों को फिर से उगाने में मदद मिल सकती है। अध्ययन में ऐसे प्रतिभागी शामिल थे जिन्हें एलोपेसिया एरीटा था, जिसमें पैच में बाल झड़ने लगते हैं। शोधकर्ताओं ने पाया कि दिन में दो बार प्याज के रस का उपयोग करने के 2 सप्ताह बाद बालों का विकास शुरू हुआ। लगभग 74 प्रतिशत प्रतिभागियों में 4 सप्ताह के बाद कुछ बाल फिर से उग आए थे और 6 सप्ताह में लगभग 87 प्रतिशत ने बालों के फिर से उगने का अनुभव किया।

कैसे काम करता है प्याज का रस?

अध्ययनकर्ताओं का कहना है, बालों में प्याज का रस लगाने से जड़ों को पोषक तत्व प्राप्त होते हैं जिससे बालों की मजबूती में सुधार हो सकता है। ये बालों के टूटने और पतले होने को भी कम कर सकता है। प्याज का रस बालों को फिर से बढ़ने में कैसे मदद करता है, इसके पीछे इसमें मौजूद डायट्री सल्फर को कारण माना जाता है। एंजाइम और प्रोटीन के पर्याप्त उत्पादन के लिए सल्फर की आवश्यकता होती है। प्याज के रस में मौजूद सल्फर बालों को बढ़ाने के लिए आवश्यक पोषण प्रदान कर सकता है।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, कुछ लोगों को बालों के विकास और कंडीशनिंग के लिए प्याज के रस के उपयोग से लाभ मिल सकती है, पर सभी के लिए यह फायदेमंद हो ऐसा आवश्यक नहीं है। इसके अलावा प्याज के रस के इस्तेमाल से बहुत तेजी से बाल नहीं उगते हैं। इसके सकारात्मक परिणाम के लिए कई हफ्तों का समय भी लग सकता है, परिणाम मिलें ही यह भी जरूरी नहीं है। बालों के झड़ने के कारण और उसके आधार पर उपचार के तरीकों के बारे में जानने के लिए किसी त्वचा रोग विशेषज्ञ की मदद लें।

कहीं तीसरे शख्स के कारण रिश्ते में दरार तो नहीं आ रही है?

पहले के दौर में शादी को जन्मों का बंधन माना जाता था। हालांकि वक्त के साथ रिश्ते में अलगाव को पति और पत्नी ने स्वीकार करना शुरू कर दिया और किन्हीं कारणों से रिश्ते में दरार आने पर तलाक का रास्ता अपनाया जाने लगा। तलाक के लिए भारत के फैमिली कोर्ट में कई मामले आते हैं। लेकिन पिछले कुछ समय से तलाक के जो केस आ रहे हैं, उसमें ये देखने को मिला कि अधिकतर तलाक के लिए पति या पत्नी से ज्यादा उनके बेस्ट फ्रेंड रुचि ले रहे हैं। दोस्त के प्रोत्साहन देने पर कपल के बीच अलगाव हो रहे हैं। इससे पता चलता है कि तलाक की एक वजह पति और पत्नी के बीच किसी तीसरे का आना हो सकता है। यह तीसरा परिवार का कोई सदस्य, बॉस, दोस्त या एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर हो सकता है। आमतौर पर एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर के मामले भी बढ़ रहे हैं जो तलाक के लिए कपल को कोर्ट तक पहुंचा देते हैं। कई बार कपल के बीच कोई तीसरा शख्स आ जाता है, जो रिश्ते में दरार की वजह बनने लगता है लेकिन इस बात को पति-पत्नी समझ ही नहीं पाते। जब उनके बीच का विवाद गंभीर होने लगता है तब जाकर उन्हें इसका अहसास होता है। ऐसे में आपके रिश्ते में कोई तीसरा शख्स आ रहा है, कुछ तरीकों से इसका पता लगाकर रिश्ते को सुधार सकते हैं।

बदलती आदतें

जब पति या पत्नी में से किसी की आदत बदलने लगे तो साथी को समझ जाना चाहिए कि उनके पार्टनर का दिल बदल रहा है। किसी तीसरे शख्स के लिए पार्टनर खुद को बदलने लगता है, तब वह तीसरा शख्स आपके रिश्ते में दूरी ला सकता है।

घर से दूरी

काम के लिए घर से जल्दी ऑफिस निकलना और देर से घर लौटना आम बात है लेकिन जब पार्टनर रोज ही घर से दूर रहने के लिए जल्दी निकल जाए और देर तक वापस न लौटे तो समझ जाना चाहिए कि वह अपना वक्त किसी तीसरे को दे रहे हैं।

गैरमौजूदगी

जब रिलेशनशिप में किसी तीसरे की एंट्री हो जाती है तो बार-बार पार्टनर काम के बहाने बिजनेस ट्रिप पर जाने लगते हैं। वह किसी फैमिली प्रोग्राम या छुट्टी के दिन घर पर मौजूद नहीं रहते हैं। वह अक्सर ओवरटाइम करते हैं और पार्टनर के साथ वक्त नहीं बिताते हैं।

सोशल मीडिया अकाउंट शेयर न करना

अगर आपका पार्टनर आपको अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एड नहीं करता या अपने अकाउंट को आपसे छुपाकर रखता है तो समझ जाएं कि आप दोनों के रिश्ते में कोई तीसरा आ गया है, जिसके बारे में पार्टनर छुपा रहा है। अक्सर लोग सीक्रेट अकाउंट भी बना लेते हैं, जिसकी भनक वो पार्टनर को देना नहीं चाहते। इसके अलावा पार्टनर अपना फोन छुपाकर रखते हैं।

अंडे के छिलके से आसान हो जाते हैं घर के कई काम, फेंकने के बजाय ऐसे करें इस्तेमाल

यदि आपसे पूछा जाए कि आप अंडे के छिलकों का क्या करते हैं? तो आप में से ज्यादातर लोग कहेंगे कि कूड़ेदान में फेंक देते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं, ऐसा करके आप कितने सारे फायदों को पाने से रह जा रहे हैं। जी हां अंडे के छिलकों के बहुत सारे अलग-अलग उपयोग हैं। इसलिए उन्हें कूड़ेदान में फेंकने के बजाय अच्छे से साफ करके रख लें, और रसोई से लेकर बगीचे तक कई तरह के कामों में इसका इस्तेमाल करें। यहां आप अंडे के छिलके से होने वाले ऐसे ही जबरदस्त कामों को डिटेल में पढ़ सकते हैं।

मिट्टी को उपजाऊ बनाता है

अंडे के छिलके में कैल्शियम मौजूद होता है। ऐसे में इसे कुटकर मिट्टी में मिलाने से उपजाऊपन बढ़ जाता है। यह विशेष रूप से टमाटर और मिर्च जैसी सब्जियों के लिए मददगार होती है, जिसमें फल लगते ही अपने आप सड़ने लगते हैं।

पौधों को कीड़ों से बचाता है

अंडे के छिलके नेचुरल पेस्टीसाइड के रूप में काम करते हैं। इसकी मदद से आप पौधे और बगीचे का कीट पतंगों से बचा सकते हैं। इसके लिए आपको केवल अंडे के छिलके को सुखाने के बाद पीसकर पाउडर बनाना है, और गार्डन में छिड़कना है। ऐसा करने से मौजूद सारे कीट कुछ समय में खत्म हो जाएंगे।

बॉटल और वास को साफ करने में मददगार

लंबे आकार वाले फूलदान और बॉटल को अंदर साफ करना बहुत मुश्किल होता है। ऐसे में अंडे के छिलके इसमें मददगार साबित हो सकते हैं। इसके लिए पानी या सिरके के साथ अंडे के छिलके को तोड़कर मिश्रण तैयार कर लें। अब इसे बोतल में डालकर कुछ समय तक अच्छी तरह से हिलाएं। ऐसा करने से तली में जमी सारी गंदगी साफ हो जाती है।

अंडे के छिलके से चमकाएं जले बर्तन

हालांकि अंडे के छिलके बहुत ठोस नहीं होते हैं, लेकिन बर्तनों पर लगे जिद्दी दाग होते हैं, वे पके हुए जमी हुई मैल को साफ करने के लिए पर्याप्त अपघर्षक भी होते हैं। इन्हें थोड़े से साबुन के पानी में मिलाएं और स्क्रबिंग पर लग जाएं।

कपड़ों में सफेदी को लाता है

कुछ लोग कहते हैं कि यदि आप अपने कपड़े धोने में एक जाल बैग में कुछ गोले फेंकते हैं, तो आपके गोरों का ग्रे रंग गायब हो जाएगा।

कैरी की चटनी को बनाने का आसान तरीका

गर्मियों का मौसम आते ही आम और आम से बनी चीजों का ख्याल जहन में आने लगता है। अगर बात करें कच्चे आम की तो इसे कैरी कहा जाता है। भारत में कैरी की चटनी काफी मन से खाई जाती है। इस मौसम में ये ना सिर्फ स्वादिष्ट लगती है बल्कि इसे खाने से कई तरह के फायदे भी होते हैं।

कैरी की चटनी को खाने के बाद पाचन से जुड़ी समस्याएं दूर होती हैं। इसके साथ ही ये आपके शरीर की इम्यूनिटी को भी मजबूत करने में मददगार होती है। अगर आप इसे लंच में या स्नैक्स के साथ परोसेंगी तो खाने का स्वाद भी कई गुना बढ़ जाएगा। आज की खबर में हम आपको कैरी की चटनी बनाना सिखाएंगे, ताकि आप भी आसान तरीके से इसे बनाकर तारीफ बटोर पाएं। इसे बनाना बेहद ही आसान हैं तो आइए देर ना करते हुए आपको कैरी की चटनी बनाना सिखाते हैं।

कैरी की चटनी बनाने के लिए सामग्री

कैरी (कच्चे आम) – 2
हरा धनिया – 200 ग्राम
हरी मिर्च – 5-6
लहसुन – 7-8 कली (वैकल्पिक)
भुना जीरा – 1/2 टी स्पून
नारियल के टुकड़े – 2
नींबू रस – 1 टी स्पून
चीनी – 1 टी स्पून
नमक – स्वादानुसार
पानी – जरूरत के अनुसार

विधि : कैरी की चटनी बनाना काफी आसान है। इसके लिए सबसे पहले कैरी को अच्छे से धो लें। अब इसे सूती कपड़े में बांध कर अच्छे से सुखा लें। सुखाने के बाद इसे छीलकर कैरी के छोटे-छोटे टुकड़े काट लें। इसके बाद हरे धनिए मिर्च और लहसुन को भी धो कर काट लें। अब इसे पीसने के लिए एक जार में ये सारा सामान डाल दें। इसके साथ ही भुना जीरा, नारियल के टुकड़े, 1 चम्मच चीनी, स्वादानुसार नमक और 1 चम्मच नींबू का रस डालें। इस जार को बंद करके एक बार मिक्सी चला दें।

घर पर ऐसे बनाएं ब्राइडल फेस पैक

शादी का दिन हर लड़की के लिए खास होता है। शादी के दिन सबसे सुंदर दिखने के लिए पहले से तैयारी करना जरूरी है। डेड स्किन, पिंपल्स के दाग, एक्सेस ऑयल, ओपन पोर्स जैसी स्किन प्रॉब्लम्स से छुटकारा पाने के लिए शादी से कुछ दिन पहले से प्री-ब्राइडल फेस पैक लगाना शुरू कर दें। किस स्किन टाइप के लिए कौन सा फेस पैक सही है बता रही हैं ब्यूटी एक्सपर्ट।

फेस पैक लगाने से पहले करें ये तैयारी

बालों को पीछे की ओर, चेहरे से दूर बांध लें।

स्किन को अच्छी तरह से साफ कर लें।

फेस पैक लगाने के लिए एक फ्लैट, चौड़े ब्रश का इस्तेमाल करें।

आंखों के आसपास की संवेदनशील त्वचा और होंठों पर कोई भी पैक न लगाएं।

पैक के सूखने तक इसे चेहरे पर लगा रहने दें।

फेस पैक को पानी से धो कर हटा दें।

ऐसे आएगा स्किन पर ग्लो

स्किन पर ग्लो लाने के लिए चोकर, बेसन, दही, शहद, अंडा (वैकल्पिक), बादाम पाउडर मिलाकर पेस्ट बना लें। बादाम को पीसने से पहले पानी में भिगो दें, ताकि छिलका उतर जाए। इसके बाद बादाम को ओवन या धूप में अच्छी तरह से सुखा लें। पीसकर एक जार में रख लें। ड्राई स्किन के लिए 3 चम्मच चोकर, एक चम्मच बादाम पाउडर, एक चम्मच शहद, दही और अंडे की जर्दी लें। सबको मिलाकर पेस्ट बना लें। गाढ़ा पेस्ट बनाने के लिए दही या दूध मिला सकते हैं। ऑयली स्किन के लिए 2 चम्मच चोकर, एक चम्मच बेसन, एक चम्मच बादाम पाउडर और एक चम्मच शहद, दही और अंडे का सफेद भाग लें। एक साथ मिलाकर पेस्ट बनाएं और चेहरे पर लगाएं। सूखने पर धो लें। इस पैक को हफ्ते में दो या तीन बार लगाएं। पैक को होंठों और आंखों के आसपास न लगाएं। सूखने पर या 15 मिनट बाद सादे पानी से धो लें।

स्किन टाइप के अनुसार लगाएं फेस पैक

स्किन पर दाग-धब्बे हैं तो हर्बल फेस पैक लगाएं। इसके लिए दही, शहद और अंडे की सफेदी के साथ मिलाकर फेस पैक बनाएं। इसे चेहरे पर लगाएं और सूखने पर धो लें।

ऑयली स्किन या पिंपल्स, एक्ने और रैश वाली स्किन पर ऑयली और एमोलिएंट युक्त नरिशिंग पैक नहीं लगाना चाहिए। यदि यह एक ऐसा पैक है जो हटाने से पहले सूख जाना चाहिए, तो इसे पहले पानी से गीला कर लें।

फिर खूब पानी से चेहरे को अच्छी तरह से धो कर साफ कर लें। ऑयली स्किन पर मुल्तानी मिट्टी लगाएं और सूखने पर पानी से अच्छी तरह धो लें, ताकि ओपन पोर्स बंद न हो जाएं। फेस पैक लगाने से पहले चेहरा साफ कर लें।

माइक्रोवेव में भूल से भी न करें इन फूड्स आइटम को गर्म, मिनट भर में फट पड़ेगा बम की तरह माइक्रोवेव

क्या आप उनमें से हैं जो हर छोटी या बड़ी चीज को गर्म करने या पकाने के लिए माइक्रोवेव का इस्तेमाल करते हैं ? तो आपको अपनी इस आदत को सुधारने की जरूरत है। हालांकि इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि माइक्रोवेव ने किचन में सहुलियत को बढ़ा दिया है। इसे यूज करना कुकिंग स्टोव से ज्यादा आसान होता है। यह स्मार्ट उपकरण न केवल भोजन को गर्म करता है, बल्कि कुकिंग और बेकिंग भी करता है। लेकिन इसे इस्तेमाल करते समय बहुत सावधानी रखने की जरूरत होती है। दरअसल, ऐसे कई फुड्स आइटम है, जिन्हें इसमें रखने से विस्फोट होने का खतरा होता है। यहां हम आपको ऐसी ही 5 चीजों के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें गलती से भी माइक्रोवेव में नहीं रखना चाहिए।

अंडा

माइक्रोवेव ओवन में उबला हुआ बिना छिला अंडे या कच्चा अंडे को रखने की गलती कभी नहीं करनी चाहिए। क्योंकि अंडे को इसमें छिलके समेत रखने से तुरंत विस्फोट हो सकता है और एक बड़ी गड़बड़ी पैदा हो सकती है और कुछ मामलों में उपकरण को नुकसान भी हो सकता है।

टोमेटो सॉस

टोमेटो सॉस को माइक्रोवेव ओवन में गर्म करने से अक्सर विस्फोट और इसके उबाल से करंट लगने का खतरा होता है। दरअसल, टमाटर सॉस को गर्म करने के लिए आवश्यक तापमान आमतौर पर उच्च होता है, जिससे भाप बनता है और इसके बहुत अधिक होने पर फटने का खतरा होता है।

पानी

कई लोगों को माइक्रोवेव में पानी गर्म करना सुविधाजनक लगता है क्योंकि यह केतली या गैस स्टोव की तुलना में इसे तेजी से गर्म करता है। लेकिन यह कभी-कभी खतरों का कारण बन सकता है क्योंकि पानी को गर्म करने के दौरान कोई बुलबुला नहीं बनता है, जिससे छलकने का खतरा बढ़ सकता है और खतरनाक दुर्घटनाएं हो सकती हैं।

मिर्च

मिर्च Capsaicin नामक यौगिक से भरपूर होती है, जो इसे तीखा स्वाद देता है। माइक्रोवेव के अंदर मिर्च को गर्म करने से अत्यधिक भाप पैदा होता है। इसके प्रेशर से कई बार माइक्रोवेव के दरवाजे के खुलने का खतरा रहता है। जिससे धुआं तुरंत नाक, आंखों और श्वसन नली में खुश सकता है।

प्रोसेस्ड मीट

बेकन, हॉट डॉग, लंच मीट और सॉसेज को स्टोव पर पकाया जाना चाहिए, माइक्रोवेव में नहीं।

क्योंकि इन प्रोसेस्ड मांस फूड को गर्म करने से कोलेस्ट्रॉल ऑक्सीकरण उत्पादों का निर्माण होता है। जिससे सूजन, धमनियों में जमाव समेत कई तरह के स्वास्थ्य संबंधी परेशानी होने का खतरा होता है।

लगातार सातवें दिन शेयर बाजार में हरियाली; सेंसेक्स 311 अंक चढ़ा, निफ्टी 17700 के पार

नई दिल्ली, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। घरेलू शेयर बाजार लगातार सातवें दिन हरे निशान पर बंद हुआ। मंगलवार को सेंसेक्स 311.21 (0.52%) अंकों की बढ़त के साथ 60,157.72 अंकों के लेवल पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर, निफ्टी 98.25 (0.56%) अंकों की बढ़त के साथ 17,722.30 अंकों के लेवल पर बंद हुआ। मंगलवार के कारोबारी सेशन के दौरान टाटा स्टील के शेयरों में तीन प्रतिशत जबकि आईटीसी के शेयरों में 2 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। इस दौरान निफ्टी शुरुआती कारोबार में पिछले एक महीने के उच्चतम स्तर को छूता दिखा।

एक बार चल रहा काम पूरा हो जाने के बाद

श्रीनगर-जम्मूयात्रा का समय 3 घंटे होगा : गडकरी

जम्मू, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को कहा कि जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर चल रहे काम के पूरा होने के बाद यात्रा का समय घटकर सिर्फ तीन घंटे रह जाएगा। गडकरी ने रामबन जिले के बनिहाल कस्बे में संवाददाताओं से कहा कि रामबन और बनिहाल के बीच 45 किलोमीटर के दायरे में पांच सुरंगें बनेंगी, जबकि इनमें से एक का उद्घाटन हो चुका है। मंत्री ने आगे कहा कि एक बार सभी सुरंगें पूरी हो जाने के बाद श्रीनगर-जम्मू राजमार्ग पर यात्रा का समय घटकर तीन घंटे हो जाएगा। आज, हमने एक सुरंग पर सफलता हासिल की है और अगले तीन को अगले साल मार्च तक पूरा कर लिया जाएगा। पांचवीं सुरंग थोड़ी कठिन है और इसमें थोड़ा अधिक समय लग सकता है। राजमार्ग पर एक रिसॉर्ट भी बनाया जाएगा जहां कश्मीरी हस्तशिल्प का प्रदर्शन किया जाएगा। एक बार राजमार्ग और सुरंगें तैयार हो जाने के बाद, सड़क कटरा और अंत में दिल्ली से जुड़ जाएगी। इस तरह, जम्मू-कश्मीर देश के बाकी हिस्सों से जुड़ जाएगा। हमारा लक्ष्य है कि श्रीनगर से जम्मू की दूरी तीन घंटे में, कटरा से दिल्ली की दूरी छह घंटे में और दिल्ली से श्रीनगर की दूरी आठ घंटे में तय की जाएगी। बेहतर सड़कें जम्मू-कश्मीर केंद्रशासित प्रदेश के सामाजिक-आर्थिक विकास में मदद करेंगी और पर्यटन के माध्यम से बहुत सारे रोजगार पैदा करेंगी। आगे कहा कि जम्मू और श्रीनगर के बीच तीन कॉरिडोर 35,000 करोड़ रुपये की लागत से बनाए जा रहे हैं। इसके तहत जम्मू से उधमपुर-रामबन-बनिहाल और आगे श्रीनगर तक के पहले कॉरिडोर में श्रीनगर से बनिहाल तक का सेक्शन शामिल है। 250 किलोमीटर लंबाई की यह 4 लेन सड़क 16 हजार करोड़ रुपये की लागत से बनाई जा रही है। इसमें से 210 किमी के रूट को 4 लेन का पूरा कर लिया गया है, जिसमें 21.5 किमी की 10 सुरंगें शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि इस क्षेत्र में संभावित भूस्खलन पर काबू पाने के लिए भू-तकनीकी और भूवैज्ञानिक जांच के आधार पर इस सड़क को 4 लेन का डिजाइन किया गया है। जम्मू और श्रीनगर के बीच यात्रा को सुरक्षित और सुचारू बनाने के लिए क्रैश बैरियर और अन्य सड़क सुरक्षा उपाय भी किए गए हैं।

जलवायु परिवर्तन का कोष उपलब्ध ही नहीं कराया'

सीतारमण ने पश्चिमी देशों की खिंचाई की

नई दिल्ली, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जलवायु परिवर्तन जुड़ें कार्यो का उद्देश्यों हासिल करने के लिए धन उपलब्ध नहीं कराने के मसले पर पश्चिम देशों की खिंचाई की है। उन्होंने कहा कि भारत अपने पैसे से ही जलवायु परिवर्तन प्रति की अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा कर रहा है। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन के खिलाफ अपनी लड़ाई में भारत बेहद महत्वाकांक्षी तरीके से राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित लक्ष्यों के साथ आगे बढ़ रहा है।

हम जलवायु परिवर्तन के प्रति अपनी प्रतिबद्धताओं को स्वयं के पैसे से पूरा कर रहेः सीतारमण

सीतारमण ने सोमवार को कहा, हमने सीओपी21 और फिर सीओपी26 में जो प्रतिबद्धताएं तय कीं उन पर तय मापदंडों के तहत काम कर रहे हैं, जिन पर यूएनएफसीसीसी (जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन) में सभी सहमत हुए थे। इसलिए हम राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित प्रतिबद्धताओं के रास्ते पर आगे बढ़ेंगे। मुझे यह बताते हुए काफी खुशी हो रही है कि भारत ने पेरिस में की गई अपनी सीओपी21 प्रतिबद्धताओं को बड़े पैमाने पर अपने स्वयं के पैसों से ही पूरा किया है।''

वित्त मंत्री का आरोप- वादा करने के बावजूद कोष का नहीं किया गया वितरण

उन्होंने कहा, कोष (जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए) है, लेकिन उपलब्ध नहीं है। वादा किया गया, लेकिन इसका वितरण नहीं किया गया। हम जिस एक अरब की बात करते आए हैं, उस पर कुछ नहीं हुआ। यह कुछ ऐसा हो सकता है जिसके बारे में कई देश बोलना चाहेंगे और मैं इसे अपनी सूची में रखूंगी। वित्त मंत्री सीतारमण ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि मौजूदा समय में चिंता प्रति व्यक्ति उत्सर्जन क्या है इस बात की है। इसके बारे में में बात की जा रही है, यह वास्तव में कुछ देशों को नुकसान पहुंचा रहा है।

भारत का ध्यान अब लोगों को कुशल बनाने, डिजिटलीकरण पर हैः सीतारमण

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने वाशिंगटन दौरे पर कहा कि देश के सारे लोगों तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचाने के अपने लक्ष्य को भारत ने लगभग हासिल कर लिया है और अब ध्यान उन्हें कुशल बनाने और डिजिटलीकरण पर है। ऐसा होने से लोगों के जीवनयापन में सुगमता और पारदर्शिता आएगी। सीतारमण ने अमेरिका के विचार समूह 'पीटरसन इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल इकोनॉमिक्स' में कहा कि सरकार गरीब लोगों को मूलभूत सुविधाएं मुहैया कराकर सशक्त बनाना चाहती है। उन्होंने कहा, बुनियादी सुविधाएं देने के लिहाज से हमने अपने लक्ष्य को लगभग प्राप्त कर लिया है।

भारत सरकार देश के गरीबों को सुविधाओं से लैस करना चाहती हैः वित्त मंत्री

वित्त मंत्री ने कहा कि भारत सरकार देश के गरीबों को सुविधाओं से लैस करना चाहती है। उन्होंने कहा, ₹हम चाहते हैं कि उन्हें रहने के लिए पक्के घर दिए जाएं, पाइप के जरिए पेयजल उन तक पहुंचे, बिजली हो, अच्छी सड़कें हो...सिर्फ गांव तक ही नहीं बल्कि गांवों की गलियों तक भी अच्छी सड़कें हों जो नजदीकी राजमार्ग से जोड़ी जा सकें, अच्छी परिवहन सुविधा तक लोगों की पहुंच हो, वित्तीय समावेशन हो जिससे घर के प्रत्येक सदस्य का बैंक में खाता खुले और उन्हें हर लाभ सीधे उनके खाते में मिल सके।'' उन्होंने कहा, इस लिहाज से हम परिपूर्णता की ओर बढ़ रहे हैं।

भारत में सरकार का ध्यान अब लोगों को कुशल बनाने परः निर्मला सीतारमण

वित्त मंत्री ने कहा कि हमारा ध्यान अब लोगों को कुशल बनाने पर है। उन्होंने कहा, ''अब हम लोगों को कुशल बनाने के प्रयास कर रहे हैं। देशभर में अब कौशल केंद्र हैं। कौशल का स्तर हर व्यक्ति के लिए अलग होता है। इससे व्यापारों और निजी क्षेत्र के उद्यमियों को भी जोड़ा जा रहा है ताकि जो लोग प्रशिक्षण पा रहे हैं और व्यवसाय जिस तरह के प्रशिक्षित लोग चाहते हैं उनके बीच संपर्क बन सके।'' सीतारमण ने कहा कि भारत का डिजिटलीकरण का कार्यक्रम भी तेजी से चल रहा है, इसके दायरे में स्वास्थ्य, शिक्षा और वित्तीय लेनदेन आ गए हैं।

मुंबई-दिल्ली को मिलेगा पहला ऐपल स्टोर

अंबानी के मॉल में 18 को ओपनिंग; सीईओ टिम कुक भी आएंगे, पीएम मोदी से मिलेंगे

नई दिल्ली, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत में पहली बार टेक कंपनी एपल के दो स्टोर खुलने जा रहे हैं। कंपनी का पहला फ्लैगशिप रिटेल स्टोर मुंबई में 18 अप्रैल को खुलेगा और दूसरा दिल्ली में 20 अप्रैल को ओपन होगा। मुंबई वाला स्टोर रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी के जियो वर्ल्ड ड्राइव मॉल में खोला जाएगा।

ये मॉल मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में है। वहीं दूसरा स्टोर दिल्ली के साकेत में खुलेगा। स्टोर ओपनिंग के लिए एपल के सीईओ टिम कुक भारत आ सकते हैं। एपल साकेत के लिए बैरिकेड को आज सुबह रिवील किया गया। इसमें एक यूनीक डिजाइन है जो दिल्ली के कई गेट से इंस्पायर है। वहीं मुंबई के आउटलेट की डिजाइन शहर की आइकॉनिक 'काली-पीली' टैक्सियों से इंस्पायर है। ये 20,000 स्क्वायर से ज्यादा के एरिया में 3 फ्लोर में फैला होगा। इसका हर महीने का किराया 42 लाख रुपए है। कंपनी ने सिक्योरिटी डिपॉजिट के तौर में छह महीने का किराया 2.52 करोड़ रुपए का जमा किया है। इसमें हर 3 साल में 15% की बढ़ोतरी की जाएगी। इन स्टोर्स में कंपनी के कई प्रोडक्ट्स और सर्विसेज एक ही प्लेटफॉर्म पर मिलेंगे। स्टोर में ग्राहक अपने एपल डिवाइसेज एक्सचेंज कर सकेंगे। उन्हें 'जीनियस बार' का ऑप्शन भी मिलेगा। इसमें एक्सपर्ट सर्विस और सपोर्ट दिया जाता है।

टिम कुक ने 2020 में की थी स्टोर की घोषणा

कोविड-19 महामारी के कारण भारत में एपल स्टोर्स के लॉन्च में देरी हुई है। 2020 में एपल की ऐनुअल शेयरहोल्डर्स मीटिंग के दौरान सीईओ टिम कुक ने कहा था कि वे नहीं चाहते कि भारत में 'कोई और हमारे लिए ब्रांड चलाए।' लेकिन 2021 में स्टोर खोलने का एपल का प्लान महामारी के कारण पटरी से उतर गया था।

बेहतरीन कस्टमर एक्सपीरियंस देने के लिए फेमस

सालों से एपल के रिटेल पार्टनर बड़े और छोटे भारतीय शहरों में थर्ड-पार्टी स्टोर चला रहे हैं, लेकिन वैसा एक्पीरियंस नहीं दे पा रहे जैसा कि न्यूयॉर्क के 5th एवेन्यू, लंदन की रीजेंट स्ट्रीट या सिंगापुर के मरीना बे में मिलता है।

एपल के स्टोर दुनिया के कुछ सबसे सक्सेसफुल रिटेल आउटलेट हैं और बेहद फायदेमंद हैं। एपल के को-फाउंडर स्टीव जॉब्स ने 2001 में वर्जीनिया में पहला एपल स्टोर खोला था। तब कई लोगों ने उनके फेल होने की भविष्यवाणी की थी, लेकिन कंपनी के स्टोर खोलने की रणनीति बेहद सफल रही। एपल के अब 500 से ज्यादा रिटेल स्टोर हैं, जिनमें से ज्यादातर अमेरिका में हैं, इसके बाद चीन का नंबर है।टिम कुक साल 2016 में भारत आए थे।

सोना-चांदी में जबरदस्त उछाल

जानिए कितना महंगा मिलेगा आज गोल्ड और सिल्वर

नई दिल्ली, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। देश में सोना और चांदी आज जोरदार उछाल के साथ दिखाई दे रहे हैं। कल जहां सोने और चांदी में बड़ी गिरावट नजर आई थी वहीं आज ये फिर ऊंचे स्तर पर जा रही हैं। इस तरह सोना और चांदी के दाम में पिछले दिनों बड़ा उतार चढ़ाव देखा जा रहा है। सोना और चांदी दोनों कीमती मेटल्स ज्यादा मांग के कारण ऊपरी दायरे में कारोबार कर रही हैं।

आज कैसे हैं सोने और चांदी के दाम

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज एमसीएक्स पर सोना आज हरे निशान में बना हुआ है। यहां सोना 372 रुपये की उछाल के साथ 60390 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट पर है। सोने में ऊपर की तरफ 60408 रुपये के स्तर देखे गए थे और आज नीचे में ये 60170 रुपये के लेवल तक गया था। आज सोने में आधा फीसदी से ज्यादा का उछाल देखा गया है। सोने के ये दाम इसके जून वायदा के लिए हैं।

चांदी की कैसी है चमक

चमकीली धातु चांदी के लिए आज तेजी का दिन है और ये 568 रुपये से ज्यादा की बढ़त के साथ 0.76 फीसदी ऊपर है। चांदी में आज 74891 रुपये प्रति किलो के रेट देखे जा रहे हैं। ऊपर की तरफ आज चांदी में 74925 रुपये तक के लेवल आए थे। नीचे की तरफ चांदी 74622 रुपये तक गिरी थी। चांदी के ये दाम इसके मई वायदा के लिए हैं।

चार प्रमुख महानगरों में जानें सोने और चांदी के दाम

दिल्ली में आज सोने के दाम 330 रुपये की बढ़त के साथ 60910 रुपये प्रति ग्राम पर हैं।मुंबई में आज सोने के दाम 330 रुपये की बढ़त के साथ 60760 रुपये प्रति ग्राम पर हैं।

चेन्नई में आज सोने के दाम 320 रुपये की बढ़त के साथ 61420 रुपये प्रति ग्राम पर हैं।कोलकाता में आज सोने के दाम 330 रुपये की मजबूती के साथ 60760 रुपये प्रति 10 ग्राम पर है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज सोने के दाम

कॉमैक्स पर सोना 10 डॉलर प्रति औंस यानी 0.50 फीसदी की उछाल देखा जा रहा है। ये 2014.05 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा है। चांदी के दाम आज 0.90 फीसदी चढ़कर अंतरराष्ट्रीय बाजार में कारोबार कर रहे हैं। चांदी आज 25.135 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड कर रही है।

दो सप्ताह में छह फीसदी बढ़ गई चीनी की कीमत

गन्ना किसानों को समय पर भुगतान में मिलेगी मदद

नई दिल्ली, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। गन्ने का उत्पादन कम होने से पिछले दो हफ्ते में चीनी के दाम छह फीसदी तक बढ़ गए हैं। थोक ग्राहकों की लगातार मांग से आगे भी इनकी कीमतों में और तेजी का अनुमान है। इससे गन्ना किसानों को समय पर भुगतान करने में मदद मिलेगी। रिपोर्ट के मुताबिक, चीनी की कीमतों में तेजी से इस क्षेत्र की कंपनियों का लाभ सुधर सकता है। इनमें धामपुर, रेणुका सुगर, बलरामपुर चीनी, डालमिया भारत और द्वारिकेश जैसी कंपनियां हैं। इससे ये कंपनियां समय पर किसानों का बकाया भुगतान कर सकेंगी। रिपोर्ट के मुताबिक, महाराष्ट्र के चीनी उत्पादन अनुमान में कटौती की गई है। 30 सितंबर को समाप्त होने वाले विपणन वर्ष 2022-23 में यह राज्य 1.05 करोड़ टन चीनी उत्पादन कर सकता है। पहले अनुमान 1.37 करोड़ टन का था। ट्रेडर्स और मिल मालिकों ने सरकार से अपील की है कि अरहर दाल के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को बढ़ाया जाए, ताकि किसान इसका ज्यादा-से-ज्यादा उत्पादन कर सकें। इस साल अरहर दाल के उत्पादन में गिरावट आई है। दाल मिल एसोसिएशन के अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल का कहना है कि पिछले महीने अरहर और उड़द दाल की कीमतों में 8-10 फीसदी की बढ़ोतरी देखने को मिली थी। उसके बाद इसकी कीमतों में गिरावट आई है। अरहर दाल का एमएसपी मूंग दाल से भी कम है।

उपभोक्ता उत्पादों पर बीआईएस प्रमाणपत्र लागू करें राज्यः केंद्र

केंद्र ने राज्य सरकारों को उपभोक्ता उत्पादों पर भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) प्रमाणीकरण लागू करने का निर्देश दिया है।

कर्मचारियों के डीए हाइक के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट में अगली सुनवाई 24 अप्रैल को

नई दिल्ली, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के सरकारी कर्मचारियों और पेंशनर्स को 7वें वित्त आयोग यानी के लिहाज से महंगाई भत्ता के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका पर सुनवाई हुई है। इस मामले में अगली सुनवाई 24 अप्रैल यानी सोमवार को होगी। उधर, राजधानी के जंतर मंतर पर डीए बढ़ोतरी को लेकर धरना चल रहा है।

केंद्र सरकार की दर से डीए बकाया के अलावा अस्थाई कर्मियों को नियमित करने और रिक्त पदों पर पारदर्शी तरीके से भर्ती की मांग को लेकर प्रदर्शन जारी हैं।आंदोलनकारियों का कहना था कि इतने कम समय में अध्यक्ष से मिलने का समय मिलना संभव नहीं है इसलिए प्रतिनियुक्ति ई-मेल से दी जाएगी। आंदोलनकारियों की आज प्रतिनियुक्ति उपाध्यक्ष जगदीप धनखड़ को सौंपी जानी है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के बाहर होने से उनके मंत्रालय की भी प्रतिनियुक्ति की जाएगी।

कोर्ट पहुंचा ट्विटर से हटाए गए ऑफिसर्स

एक्स सीईओ पराग अग्रवाल समेत 3 एग्जीक्यूटिव ने ट्विटर के खिलाफ दायर किया मुकदमा

नई दिल्ली, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। पिछले साल अक्टूबर महीने में एलन मस्क ने ट्विटर खरीदने के बाद कंपनी के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर (सीईओ) पराग अग्रवाल, चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर (सीएफओ) नेड सेगल और लीगल अफेयर्स एंड पॉलिसी चीफ विजया गड्डे को कंपनी से हटा दिया था। यही तीनों पूर्व एग्जीक्यूटिव्स ने सोमवार को माइक्रोब्लॉगिंग साइट ट्विटर के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। इस मुकदमें के जरिए कंपनी से निकाले जाने के बाद की गई मुकदमेबाजी, जांच और पूर्व नौकरियों से संबंधित हुई पूछताछ के खर्चों को रीएंबर्स करने की मांग की है।पराग अग्रवाल, नेड सेगल और विजया गड्डे ने इस मुकदमें के जरिए दावा किया है कि कंपनी पर उनका 1 मिलियन डॉलर (करीब 8.21 करोड़) से अधिक बकाया है। यह पैसा ट्विटर को देना ही होगा क्योंकि ट्विटर इन पैसों के पेमेंट के लिए कानूनी रूप से बाध्य है।

जांच एजेंसियों का कर रहे सहयोग

न्यूज एजेंसी के अनुसार, कोर्ट फाइलिंग में यूएस सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन (एसईसी) और यूएस डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस (डीओजे) के द्वारा की गई पूछताछ से विभिन्न संबंधित कई खर्चों के बारे में बताया गया है। हालांकि, इसमें यह साफ नहीं किया गया है कि यह पूछताछ और जांच अभी चल रही है या पूरी हो चुकी है। कोर्ट के डॉक्यूमेंट्स के अनुसार, पराग अग्रवाल और उस समय के सीएफओ नेड सेगल ने पिछले साल यूएस सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन में गवाही दी थी और लगातार फेडरल अथॉरिटीज के साथ इंगेज हो रहे हैं।यूएस सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन इस बात की एलन मस्क ने ट्विटर के शेयर्स को खरीदते समय सिक्योरिटीज रूल्स का पालन किया था या फिर नहीं किया था।

नवंबर 2021 में सीईओ बने थे पराग अग्रवाल

बता दें कि जैक डोर्सी ने 29 नवंबर 2021 में ट्विटर के सीईओ पद से इस्तीफा दिया था, जिसके बाद पराग अग्रवाल को कंपनी का सीईओ बनाया गया था।

पराग सीईओ बनने से पहले ट्विटर के चीफ टेक्नोलॉजी ऑफिसर थे।साल 2021 में उन्हें सैलरी और दूसरे भत्तों के रूप में 3.04 करोड़ डॉलर मिले थे।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मीन	में	मीन... 04-37	बजे
चंद्र-	धनु	में	मेष-- 06-14	बजे
मंगल	मिथुन	में	वृष-- 08-00	बजे
बुध-	मेष	में	मिथुन.. 10-00	बजे
गुरु-	मीन	में	कर्क... 12-11	बजे
शुक्र-	वृष	में	सिंह... 14-24	बजे
शनि-	कुंभ	में	कन्या.. 16-31	बजे
राहु-	मेष	में	तुला 18-36	बजे
केतु-	तुला	में	वृश्चिक. 20-46	बजे
			धनु..... 23-00	बजे
			मकर.. 01-04	बजे
			कुंभ... 02-56	बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत् **-1945,** सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- बसंत
महावीर निर्वाण संवत् **-2548,**हिजरी सन् **-1444**
कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426876**
कलियुग संवत् **-5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885124**

सूर्योदय- 06-06
सूर्य अस्त- 18-27

दिशाशूल -- उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- सप्तमी - **03 -44** तक उपरान्त अष्टमी
मास - वैशाख कृष्ण पक्ष , बुधवार **April 12**
नक्षत्र - मूल - **11 -58** - तक उपरान्त पूर्वाषाढा
योग - परिघ - **15 - 18** - तक उप - शिव
करण- विष्टि - **16 - 44** - तक उप- बव
विशेषः- श्री मूलकदास जं.
व्रत -त्योहार - भद्रा-**16 -44** तक

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 12:17 से 13:50 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ.	06:06 - 07:37	शुभ	उत्पात	18:27 - 19:57	अशुभ
अमृत	07:37 - 09:10	शुभ	शुभ	19:57 - 21:23	शुभ
काल	09:10 - 10:44	अशुभ	अमृत	21:23 - 22:50	शुभ
शुभ.	10:44 - 12:17	शुभ	चंचल	22:50 - 00:17	शुभ
रोग	12:17 - 13:50	अशुभ	रोग	00:17 - 01:43	अशुभ
उत्पात	13:50 - 15:24	अशुभ	काल	01:43 - 03:10	अशुभ
चंचल	15:24 - 16:57	शुभ	लाभ	03:10 - 04:37	शुभ
लाभ	16:57 - 18:27	शुभ	उत्पात	04:37 - 06:06	अशुभ

आपका राशिफल

मेष — चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,
एक संतुष्ट जीवन के लिए अपनी मानसिक दृढ़ता में सुधार करें। पैसों से जुड़ा कोई मामला आज सुलझ सकता है और आपको आर्थिक लाभ हो सकता है। आज आप जिस समारोह में शामिल होंगे उसमें नई मित्रता विकसित होगी। अगर आप अपने समूह में घूमते-फिरते हैं, तो आप किसी ख़ास की नज़रों में आ सकते हैं।

वृष — ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
यदि आवश्यक हो तो निवारक दवाएं लें, क्योंकि आपकी प्रतिरोधक क्षमता कम होगी। कोई पुरानी बीमारी आज आपको परेशान कर सकती है, जिसके चलते आपको अस्पताल के चक्कर लगाने पड़ सकते हैं और काफी धन खर्च होने की भी संभावना है। अपने घर में सद्भाव लाने के लिए तालमेल से काम करें।

मिथुन — का, की, कू, घ, ड, झ, के, को, हा,
फ़ायदेमंद दिन है और आप किसी लंबी बीमारी से राहत पा सकते हैं। अगर आप शादीशुदा हैं तो आज अपने बच्चों का विशेष ध्यान रखें, क्योंकि उनकी सेहत बिगड़ने के आसार हैं। परिणामस्वरूप उनके स्वास्थ्य पर आपको काफी धन खर्च करना पड़ सकता है। ज़िद्दी व्यवहार न करें- क्योंकि आप आसानी से दूसरों को नाराज़ कर देंगे।

कर्क — ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
बाहरी गतिविधियों से आपको लाभ होगा। एक दृढ़ जीवन शैली में प्यार करना और हमेशा सुरक्षा के बारे में चिंता करना आपके शारीरिक और मानसिक विकास को बाधित करेगा। यह आपको एक नर्वस व्यक्ति भी बना देगा। पैसों के मामले में ग्रहों की स्थिति आज आपके लिए अनुकूल नहीं लग रही है। इसलिए अपने पैसे को सुरक्षित रखें।

सिंह — मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
जब आप अपनी लंबी बीमारी से लड़ते हैं तो यह समझें कि आत्म-विश्वास वीरता का सार है। आज के दिन आपको पैसों से जुड़ी समस्या आ सकती है और अपने पिता या पिता तुल्य व्यक्ति से सुझाव मांग सकते हैं। कोई शुभ समाचार मिलने की संभावना है, जो न केवल आपको बल्कि आपके परिवार को भी रोमांचित करेगा।

कन्या — टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ट, पे ,पो,
लंबे समय से जीवन में चल रहे तनाव और तनाव से आपको राहत मिलेगी। उन्हें स्थायी रूप से दूर रखने के लिए अपनी जीवन शैली को बदलने का सही समय है। जो लोग दूध उद्योग से जुड़े हैं उन्हें आज आर्थिक लाभ होने की संभावना है। घर पर आपके बच्चे आपके सामने कोई ऐसी स्थिति पेश करेंगे।

तुला — रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
अपनी ऊर्जा वापस पाने के लिए पूरा आराम करें। अपने लिए धन संचय करने का आपका विचार आज पूरा हो सकता है। आज आप उचित बचत करने में सफल रहेंगे। अपने परिवार को उचित समय दें। उन्हें महसूस होने दें कि आप उनकी परवाह करते हैं। उनके साथ अपना क्वालिटी टाइम स्पेंड करें। शिकायत का कोई मौका न दें।

वृश्चिक — लो,ना,नी, ने,नू, या, यी ,यू,
अपने झगड़ालू व्यवहार पर क़ाबू रखें, क्योंकि इससे आपका रिश्ता हमेशा के लिए बिगड़ सकता है। आप खुले दिमाग को बढ़ावा देकर और किसी के प्रति पूर्वाग्रहों को दूर करके इस पर काबू पा सकते हैं। परिवार के छोटे सदस्यों का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है, जिससे आपको स्थिति को संभालना होगा और काफी धन खर्च करना होगा।

धनु — ये, यो,य, मी, मू धा ,फा, ढा, मे
आपका एनर्जी लेवल हाई रहेगा। ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्च करने और संदिग्ध वित्तीय योजनाओं से बचें। परिवार के किसी सदस्य के व्यवहार से आप परेशान रह सकते हैं। आपको उनसे बात करने की जरूरत है। प्यार एक ऐसा एहसास है जिसे महसूस किया जाता है और अपने प्रिय के साथ साझा किया जाता है।

मकर — मो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, ग, गी
अपने स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए पुनः आरंभ करने का सबसे अच्छा दिन। जिन लोगों ने पहले अपना धन निवेश किया था आज उस निवेश का लाभ मिलने की संभावना है। परिवार के सदस्यों के साथ सुकून के कुछ पल बिताएं। अपने मामलों में यथार्थवादी बनने की कोशिश करें। आज का दिन हाई परफॉर्मेंस और हाई प्रोफाइल का है।

कुंभ — गू, गे ,गो, सा, सि, सू, से, सो, द,
डर आपकी खुशियों को बर्बाद कर सकता है। आपको यह समझने की आवश्यकता है कि यह हमारे अपने विचारों और कल्पना का उत्पाद है। यह सहजता को मारता है-जीने के आनंद को मिटा देता है और हमारी दक्षता को बाधित करता है-इसलिए बेहतर होगा कि इसे कली में ही काट लें, इससे पहले कि यह आपको कायर बना दे।

मीन — दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
तनाव दूर करने के लिए कोई सुखदायक संगीत सुनें। कारोबारी कामकाज के सिलसिले में दूसरे राज्य का दौरा कर सकते हैं, जहां उनका बेवजह का खर्चा होगा। अपने रिश्तेदारों और दोस्तों को अपने वित्त का प्रबंधन न करने दें या आप जल्द ही अपना बजट पार कर सकते हैं।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

गुमनाम है दुनिया की सबसे ताकतवर कंपनी का नाम!

चिप वॉर में चीन के खिलाफ सबसे बड़ा हथियार एएसएमएल कंपनी जो अपना प्रचार नहीं करती

नई दिल्ली, 11 अप्रैल (एक्सक्लूसिव डेस्क)। अगर आपसे पूछा जाए कि दुनिया की सबसे ताकतवर कंपनी कौन सी है? जवाब में गूगल, माइक्रोसॉफ्ट और मेटा से लेकर अमेजन और टेस्ला तक का नाम आएगा।

लेकिन अगर हम कहें कि दुनिया की सबसे ताकतवर कंपनी का नाम आपने शायद ही सुना होगा। ये है नीदरलैंड्स की कंपनी एडवांस्ड सेमीकंडक्टर मटेरियल लिथोग्राफी (एएसएमएल) नहीं सुना ना नाम!

लेकिन ये कंपनी आपके जीवन के हर उस हिस्से जुड़ी है जहां आप इलेक्ट्रॉनिक सर्किट का इस्तेमाल करने वाले किसी भी डिवाइस का इस्तेमाल करते हैं।

आज आपके हाथ के मोबाइल से लेकर स्पेस सैटेलाइट और जंग की मिसाइल तक हर चीज डिजिटल चिप से कंट्रोल होती है। चिप बनाने वाली तो कई कंपनियां दुनिया में हैं। मगर ये चिप जिस मशीन के जरिये बनती है, वो मशीन बनाने वाली दुनिया में सिर्फ एक ही कंपनी है। यानी दुनिया अगर चिप पर निर्भर है तो चिप की मैन्युफैक्चरिंग को यही एक कंपनी कंट्रोल कर सकती है।

इस कंपनी की ताकत का अंदाजा इसी से लगाइए कि चीन के खिलाफ अमेरिका का सबसे ताजा हथियार एएसएमएल ही है।

इसी साल जनवरी में अमेरिका, जापान और नीदरलैंड्स ने एक समझौता किया है। इसके तहत ये तय किया गया है कि चीन को एडवांस्ड डिजिटल चिप बनाने के लिए कोई मदद नहीं दी जाएगी।

अमेरिका और जापान के इस समझौते में शामिल होने का मतलब है कि चिप की टेक्नोलॉजी और कच्चा माल मिलना चीन के लिए मुश्किल हो जाएगा। मगर नीदरलैंड्स के इस समझौते में शामिल होने का सीधा मतलब ये है कि चीन को चिप बनाने की मशीनें ही नहीं मिलेंगी।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के दौर में दुनिया का हर देश इलेक्ट्रानिक सेमीकंडक्टर चिप्स के बाजार को कंट्रोल करना चाहता है। इस ताकत को समझते हुए ही भारत में भी सरकार ने सेमीकंडक्टर्स इंडस्ट्री स्थापित करने के लिए नई योजनाएं शुरू की हैं।

क्या है दुनिया में चल रहे चिप वॉर की हकीकत और कैसे एक कंपनी के हाथों में केंद्रित है इतनी ताकत जो भविष्य में पूरी दुनिया को कंट्रोल कर सकती है।

पहले समझिए, चिप के पीछे इतनी मारामारी क्यों मची है

सेमीकंडक्टर चिप का बाजार आपकी सोच से कहीं ज्यादा फैला हुआ है। दरअसल, ऐसी कोई भी चीज जो किसी इलेक्ट्रॉनिक सर्किट पर चल रही हो, उसे सेमीकंडक्टर चिप की जरूरत होती है।

इसमें फ्रिज, टीवी, ओवन, टोस्टर, वॉशिंग मशीन जैसे घरेलू उपकरणों से लेकर स्मार्टफोन, गाड़ियां, स्पेस सैटेलाइट, मिसाइल्स और कई तरह की मैन्युफैक्चरिंग मशीनें शामिल हैं।

आज हर इंडस्ट्री में ऑटोमेशन पर जोर है। इस ऑटोमेशन के लिए जिन मशीनों को इस्तेमाल किया जाता है वो सेमीकंडक्टर चिप्स पर ही चलती हैं।

यानी जो भी इन चिप्स के बाजार को नियंत्रित करेगा वही कंज्यूमर गुड्स से लेकर रक्षा, स्पेस और हर तरह की मैन्युफैक्चरिंग को कंट्रोल करेगा।

ये चिप्स भी आकार और काम के हिसाब से अलग-अलग होती हैं। हालांकि फिर भी ये चिप्स इतनी छोटी होती हैं कि इनकी मोटाई 1 मिलीमीटर के 10 लाखवें हिस्से यानी नैनोमीटर (एनएम) में मापी जाती है।

अब समझिए, क्या है चिप वॉर

चीन चाहता है पूरी सप्लाई चेन पर कब्जा, अमेरिका की वजह से खतरे में आई चीन की चिप इंडस्ट्री

चीन ने पूरी दुनिया को सस्ते इलेक्ट्रॉनिक उपकरण दिए हैं। इस बाजार पर उसका अभी दबदबा कायम है। मगर इसे बनाए रखने के लिए उसे बड़ी मात्रा में सेमीकंडक्टर चिप्स की जरूरत है।

चीन की जरूरत को इस तरह समझिए कि चीन हर साल जितना कच्चा तेल (इम्पोर्ट) आयात करता है, उससे कहीं ज्यादा चिप्स का आयात करता है।

ये चिप वॉर तब शुरू हुई जब राष्ट्रपति बनने के बाद शी जिनपिंग ने चीन को चिप मैन्युफैक्चरिंग में आत्मनिर्भर बनाने की कवायद शुरू कर दी।

सेमीकंडक्टर चिप्स की टेक्नोलॉजी अमेरिकी वैज्ञानिकों की देन है। मगर चिप्स की मैन्युफैक्चरिंग हमेशा से ही बड़े पैमाने पर ताइवान, जापान और यूरोप में होती रही है।

चीन ने चिप मैन्युफैक्चरिंग शुरू तो की है, लेकिन अभी तक वो 28 एनएम से बड़े चिप ही बना पाता है, जिनका इस्तेमाल गाड़ियों और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में होता है। इन्हें लेगेसी चिप्स कहते हैं।

दुनिया के 9% लेगेसी चिप्स चीन में ही बनते हैं। चीन के इन बढ़ते कदमों की वजह से ही अमेरिका को चिंता है कि अगर वो 14 एनएम और इससे छोटी एडवांस्ड चिप्स भी बनाने लगा तो बाजार में उसकी बढ़त बहुत ज्यादा हो जाएगी।

चीन के खिलाफ अमेरिका का सबसे बड़ा हथियार एएसएमएल

चीन को चिप वॉर में हराने के लिए अमेरिका के सबसे बड़े हथियार के तौर पर एएसएमएल सामने आया है।

ये कंपनी लिथोग्राफी मशीन्स बनाती हैं। यानी चिप की प्रिंटिंग करती हैं। खास बात ये है कि लिथोग्राफी मशीन्स पूरी दुनिया में सिर्फ यही कंपनी बनाती है। अगर ये कंपनी मशीन्स की सप्लाई रोक दे तो दुनिया की कोई भी कंपनी सेमीकंडक्टर चिप बना ही नहीं पाएगी। चिप मैन्युफैक्चरिंग कंपनियां चिप डिजाइन करती हैं और फिर उनकी डिजाइन के हिसाब से एएसएमएल की मशीन उसे प्रिंट करती है।

एएसएमएल अपनी तकनीक को हर साल अपग्रेड करती जाती है, ऐसे में बड़ी कंपनियों को लगातार अपनी मशीन्स को अपग्रेड करने की जरूरत पड़ती है। हालिया समझौते के बाद

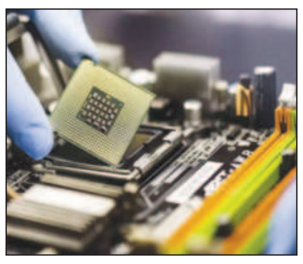

एएसएमएल अब चीन की चिप मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों को लिथोग्राफी मशीन्स नहीं बेच पाएगी। ऐसे में चीन का चिप प्रोडक्शन सिर्फ उन लेगेसी चिप्स तक सीमित हो जाएगा जिनका प्रोडक्शन वो आज कर रहा है।

समझिए, एएसएमएल में ऐसा क्या है जो वो चीन को भी घुटनों पर लाने में सक्षम है

1984 में नीदरलैंड्स के आइनधोवेन नामक शहर में फिलिप्स कंपनी के एक शेड में एएसएमएल कंपनी की शुरुआत हुई थी। हालांकि, उस समय तक सेमीकंडक्टर चिप्स की न तो डिमांड बहुत ज्यादा थी और ना ही इस तकनीक का बहुत ज्यादा विकास हुआ था।

1993 में आईबीएम कंपनी ने दुनिया के सबसे शक्तिशाली कंप्यूटर आईबीएम-360 लोगों के सामने पेश किया। ये सुपर कंप्यूटर एएसएमएल के पीएएस-5500 प्लेटफॉर्म पर बनी चिप से चलता था। उसी दौर में एएसएमएल ने इस बाजार पर अपना कब्जा करने की तैयारी कर ली थी। कंपनी का उद्देश्य तो सिर्फ चिप मैन्युफैक्चरिंग के बाजार को खुद पर निर्भर करना था, लेकिन जिस तेजी से दुनिया की निर्भरता चिप पर बढ़ी, ये कंपनी दुनिया की सबसे ताकतवर कंपनी बन गई। आज ग्रॉस रेवेन्यू के मामले में दुनिया की 100 सबसे बड़ी कंपनियों में एएसएमएल 32वें नंबर पर है। जबकि शेयर वैल्यू के हिसाब से ये दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी कंपनी है।

लेकिन उसकी खासियत ये है कि वो ग्रॉस रेवेन्यू या शेयर वैल्यू में दुनिया की टॉप कंपनी को भी घुटनों पर ला सकती है।

क्या है एएसएमएल की ताकत

लिथोग्राफी के काम में उतरना इतना महंगा कि कोई कंपनी अब ये नहीं करना चाहती

एएसएमएल पिछले 21 साल से सिर्फ चिप प्रिंटिंग का काम करती है। दुनिया की हर छोटी से बड़ी टेक कंपनी उस पर निर्भर है।

ताइवाइन की टीएसएमसी, कोरिया की सैमसंग और अमेरिका की इंटेल और माइक्रॉन कंपनियां मिलकर दुनिया का करीब 90% चिप मैन्युफैक्चर करती हैं। लेकिन ये सभी लिथोग्राफी के लिए एएसएमएल पर निर्भर हैं।

किताब 'चिप वारःद फाइट रद वर्लड्स मोस्ट क्रिटिकल टेक्नोलॉजी' में लेखक क्रिस मिलर कहते हैं कि अब टेक्नोलॉजी की दुनिया की हर कंपनी अपने स्पेसिफिक फील्ड में ही ज्यादा से ज्यादा रिसर्च में जुटी है। अगर कोई कंपनी आज लिथोग्राफी में उतरना भी चाहे तो उसे इंफ्रास्ट्रक्चर और रिसर्च पर लाखों करोड़ रुपए खर्च करने पड़ेंगे। इतने खर्च के बाद भी ये गारंटी नहीं है कि वो सफल हो जाए।

अगर तकनीक बनाने में कोई सफल हो भी जाए तो कच्चा माल जुटाना एक अलग चुनौती होगी। इस काम के लिए जरूरी सारा कच्चा माल अभी एएसएमएल ही खरीद लेती है। यानी सिर्फ नई तकनीक ही नहीं, कच्चे माल का विकल्प भी तलाशना होगा।

यही वजह है कि बड़ी टेक कंपनियां इस क्षेत्र में निवेश के बजाय एएसएमएल पर ही निर्भर रहती हैं।

बौखलाया चीन तोड़ सकता है लेगेसी चिप्स का बाजार

अमेरिका के भूतपूर्व डिप्टी राष्ट्रीय रक्षा सलाहकार मैट पोटिंगर ने साल 2022 के अंत में बयान दिया कि चीन दुनिया का 9% लेगेसी चिप बनाता है। वो ऐसे चिप्स का इतना प्रोडक्शन कर सकता है की अंतरराष्ट्रीय बाजार में चिप्स के दाम टूट जाए और प्रतिद्वंदी कंपनियां बर्बाद हो जाएं।

सोलर पैनल्स और 5जी के क्षेत्र में चीन ऐसे कदम उठा चुका है। इस शीत युद्ध में भारत को लाभ हो सकता है। भारत चिप्स डिजाइनिंग में काफी आगे है। लेकिन चिप मैन्युफैक्चरिंग में जिस तरीके का जल समेत अन्य संसाधन प्रबंधन की आवश्यकता है वैसा अनुभव जुटाने में भारत को समय लग सकता है। चिप्स में जो भी देश पिछड़ेगा वो फिर उबर नहीं पाएगा।

बिरनपुर के पास पिता-पुत्र के शव मिले

सीएम ने हिंसा में मारे गए युवक के परिजनों को 10 लाख और नौकरी देने का किया ऐलान

बेमेतरा, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। बेमेतरा के बिरनपुर से लगे हुए कोरवाय गांव में पिता-पुत्र के शव मिले हैं। इनके सिर पर चोट के निशान है, लिहाजा माना जा रहा है कि यह हत्या का मामला है। वहीं सीएम भूपेश बघेल ने हिंसा में मारे गए युवक के परिजनों के लिए 10 लाख रुपए मुआवजे का ऐलान किया है, साथ ही पीड़ित परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की भी घोषणा की है। छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ के पदाधिकारियों की मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री ने ये फैसला लिया। समाज के प्रदेश अध्यक्ष टहल सिंह साहू और अन्य पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की थी। मुख्यमंत्री ने कमिश्नर के नेतृत्व में उच्च स्तरीय प्रशासकीय जांच के निर्देश दिए, जो एक हफ्ते में अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। इसके साथ ही सीएम ने प्रदेशवासियों से शांति और सद्भावना बनाए रखने की अपील भी की है।

घटनास्थल से 7 किलोमीटर दूर मिले दो और शव

इस इलाके में पिछले तीन दिन से दो समुदायों के बीच तनाव चल रहा है। इसके बाद पूरे क्षेत्र को छावनी में बदल दिया गया है। गांवों में आना-जाना रोक दिया गया है और गली-गली में बैरिकेडिंग है। शनिवार को 2 समुदायों के बीच हुई हिंसक झड़प में जहां 23 साल के भुनेश्वर साहू की हत्या हुई, वहीं से 7 किलोमीटर की दूरी पर दो और शव बरामद किए गए हैं। दोनों बाप-बेटे हैं।

एसपी इंदिरा कल्याण ऐलसेला ने इसकी पुष्टि कर दी है। मामला साजा थाना क्षेत्र का है। एसपी ने दोनों की हत्या की आशंका जताई है। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए बेमेतरा भेजा गया है। इधर मंगलवार को भी गांव में तनावपूर्ण हालात को देखते हुए सुरक्षा बढ़ा दी गई है। 10 किलोमीटर के रेंज में पुलिस जवान तैनात हैं।

बिरनपुर में तनाव के माहौल के बाद पुलिस ने दो दिन से लोगों को बाहर निकलने से मना किया था। पुलिस ने गांव की बाहर की तरफ रहने वालों को भी गांव में ही बुला लिया था और उन्हें एक साथ रखा था। लेकिन इसके बावजूद 55 साल का रहीम और उसका 35 साल का बेटा ईदुल मोहम्मद बकरी चराने जंगल की ओर चले गए थे। वहां उनकी हत्या हुई है।

बिरनपुर गांव में 1000 पुलिस जवानों को तैनात किया गया है। गांव की गलियों में भी आज बैरिकेडिंग कर दी गई है। एक-एक गली में पुलिस जवानों को तैनात किया गया है। पूरा गांव छावनी में तब्दील हो गया है। घटना स्थल से पल-पल की रिपोर्ट दे रहे हैं। 5 जिलों यानि बेमेतरा, दुर्ग, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, राजनांदगांव और कवर्धा के पुलिस अधीक्षक मौके पर मौजूद हैं। बिलासपुर के एडिशनल एसपी राहुल देव भी बेमेतरा में मौजूद हैं।

बिरनपुर गांव को पुलिस ने सील कर दिया है। यहां धारा 144 तो लागू है ही, साथ ही अब बाहर से किसी को आने-जाने की अनुमति नहीं है। यहां तक कि जनप्रतिनिधियों और मीडिया पर भी पाबंदी लगा दी गई है। गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है। युवक की हत्या के मामले में पुलिस ने 11 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों के नाम निजामुद्दीन खान, रशीद खान, मुख्तार खान, अकबर खान, अब्दुल खान, नवाब खान, अयूब खान, शफीक मोहम्मद, बशीर खान, जलील खान और जनाब खान हैं।

इधर बेमेतरा में हिंसक घटना और एक युवक की हत्या के विरोध में सोमवार को छत्तीसगढ़ बंद किया गया। साजा से बिरनपुर पहुंचने के बाद बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव गिरफ्तार कर लिए गए। वे पीड़ित परिवार से मुलाकात करने पहुंचे थे, लेकिन इससे पहले वे अरेस्ट हो गए। गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने कहा है कि बिरनपुर की घटना के बाद स्थिति को नियंत्रण में ले लिया गया है। हत्या करने वाले 11 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और एक आरोपी की तलाश में पुलिस जुटी हुई है।

बंद के दौरान जिस बिरनपुर गांव में घटना हुई थी, वहां उग्र हुई भीड़ ने एक मकान को आग लगा दी। इस दौरान मकान के भीतर ब्लास्ट हो गया। तोड़फोड़ करने पर उतारू भीड़ को संभालने के लिए दुर्ग रेंज के आईजी आनंद छाबड़ा सहित कई पुलिस अफसर-जवान यहां थे। इसी समय ब्लास्ट हुआ।

बेमेतरा जिले के बिरनपुर गांव में शनिवार को 2 स्कूली छात्रों के बीच रास्ते में साइकिल चलाते समय कट मारने को लेकर विवाद हुआ था। इस दौरान एक युवक ने छात्र के हाथ पर कांच की बोतल तोड़ दी। जिसके कारण उसका हाथ फ्रैक्चर हो गया। इस घटना की जानकारी बच्चों के घरों तक पहुंची, तो दोनों पक्षों के लोगों के बीच मारपीट होने लगी। इस बीच दूसरे पक्ष के लोगों ने तलवार से 22 साल के युवक भुनेश्वर साहू की हत्या कर दी थी। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे साजा थाने के एसआई बीआर ठाकुर पर भी भीड़ ने हमला कर दिया।

बॉलीवुड सिंगर हेमा सरदेसाई बोलीं

सरकार और नक्सलियों के बीच मुझे समझौता करवाने का मौका मिलेगा तो जरूर करवाऊंगी, धर्मांतरण को बताया गलत

जगदलपुर, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। बॉलीवुड की मशहूर सिंगर हेमा सरदेसाई ने सरकार और नक्सलियों के बीच समझौता करवाने अपनी दिलचस्पी दिखाई है। उन्होंने कहा कि, इस काम के लिए जब भी सरकार को मेरी जरूरत हो तो मैं यह काम जरूर करूंगी। उन्होंने बस्तर में हो रहे धर्मांतरण को लेकर कहा कि, बाइबिल में ऐसा कहीं नहीं लिखा है कि आप किसी का जबरदस्ती धर्म परिवर्तन करवाएं। यदि यहां ऐसा हो रहा है तो यह एक तरह का प्रोपोगंडा है।

दरअसल, हेमा सरदेसाई 2 दिन पहले छत्तीसगढ़ के सुकमा में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचीं थीं। मंगलवार को वे जगदलपुर आईं हैं। बस्तर राज परिवार के सदस्य कमलचंद भंजदेव से उन्होंने मुलाकात की। बस्तर से जुड़ी संस्कृति और परंपराओं को उन्होंने करीब से देखा। कमलचंद भंजदेव से बस्तर के इतिहास के बारे में जाना। साथ ही उन्होंने यहां मीडिया से भी बातचीत की।

हेमा सरदेसाई ने कहा कि, मैंने बस्तर की आदिवासी महिलाओं से मुलाकात की। बाहर की तड़क-भड़क दुनिया में रहने वाले लोगों की तुलना बस्तर के आदिवासियों का स्वभाव दिल को छू गया। बस्तर की संस्कृति, खान-पान, पहनावा, यहां का रहन-सहन बहुत खूबसूरत है। उन्होंने कहा कि, आदिवासी महिलाओं ने मेरे साथ गाना गाया। मुझे बहुत अच्छा लगा। उनका मैंने वीडियो भी बनाया है। हेमा ने मीडिया के सामने चक दे इंडिया का गाना भी गया।

90 के दशक और अब की सिंगिंग में की तुलना

हेमा सरदेसाई 1990 के दशक की मशहूर गायिका हैं। जब उनसे पूछा गया कि उस समय और आज के समय की सिंगिंग की यदि तुलना की जाए तो इसमें क्या फर्क नजर आता है? जिसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि, पहले के गानों में भावनाएं होती थी। आज के गानों में जो लोगों को मनोरंजन चाहिए वो होता है। बदलते वक्त के साथ लोगों की सोच और जरूरतें भी बदलती है।

हेमा सरदेसाई ने अमिताभ बच्चन की बागवान फिल्म, शाहरुख खान की चक दे इंडिया और सलमान खान की बीवी नंबर 1 जैसी सुपरहिट फिल्मों में गाना गाया है। हेमा एक भारतीय पार्श्व गायिका और गीतकार हैं।

वे भारत के गोवा राज्य की रहने वाली हैं, उनका जन्म मुंबई में हुआ था। उन्हें 1997 में सपने , बीवी नंबर 1 और जानम समझा करो जैसी फिल्मों के गानों से प्रसिद्धि मिली थी।

अगले चार दिनों में पांच डिग्री से ज्यादा बढ़ेगा तापमान

रांची, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। राज्य में गर्मी बढ़ रही है राजधानी रांची के तापमान में भी बढ़ोतरी दर्ज की गयी है। संभावना जताई जा रही है कि अगले दो से चार दिनों में झारखंड का तापमान चार से पांच डिग्री बढ़ सकता है। मौसम विभाग ने साफ कर दिया है कि अभी गर्मी से किसी तरह की राहत नहीं मिलेगी। तापमान में हो रही बढ़ोतरी का असर दिखने लगा है। इस साल के आंकड़े देखें तो गर्मी का रिकार्ड टूट सकता है क्योंकि मध्य अप्रैल में ही रांची का तापमान 35 के पार जा रहा है। मौसम विभाग ने बताया है कि अगले तीन से चार दिनों में ही राजधानी रांची का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। न्यूनतम तापमान भी 25 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच सकता है। अभी राजधानी रांची का तापमान लगभग 35 डिग्री सेल्सियस के आसपास है। जमशेदपुर में अभी तापमान में और बढ़त होने की संभावना है इस वक्त यहां का अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेसि के आसपास है।

'हिंदू समाज के खिलाफ षड्यंत्र कर रही सरकार'

बिरनपुर की घटना पर बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बोले-छत्तीसगढ़ को तालिबान बनाने की कोशिश हो रही है

रायपुर, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। बिरनपुर हिंसा के मामले को लेकर प्रदेश में जमकर सियासत हो रही है। घटना को लेकर बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव का बड़ा बयान सामने आया है। साव ने राज्य सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा है कि छत्तीसगढ़ को तालिबान बनाने की कोशिश हो रही है और सरकार हिंदू समाज के खिलाफ षड्यंत्र कर रही है। अरुण साव ने कहा कि बिरनपुर की घटना अत्यंत हृदय विदारक है। इसकी जितनी निंदा की जाए वह कम है। वहां युवक की मौत पर कांग्रेस के किसी नेता ने श्रद्धांजलि तक नहीं दी है। कैबिनेट मंत्री अमरजीत भगत के सूरजपुर में दिए बयान पर पलटवार करते हुए साव ने कहा कि ये उनके लिए छोटी घटना हो सकती है, लेकिन जिस मां-बाप ने अपने 22 साल के बच्चे को खोया है उनके लिए यह जीवन की सबसे बड़ी घटना है। ऐसी घटना के खिलाफ हम

असंवेदनशील नहीं हो सकते। हम उनके परिवार के साथ खड़े हैं। यह जो तुष्टिकरण की राजनीति चल रही है। इसके खिलाफ पूरी ताकत से लड़ेंगे। बिरनपुर हिंसा के मामले को लेकर बीजेपी लगातार सरकार पर हमलावर है। इस घटना में बुलाए गए बंद के दौरान कई बीजेपी नेताओं के खिलाफ मामले भी दर्ज किए गए हैं। इसके बाद के प्रदर्शन की रणनीति तैयार करने के लिए मंगलवार को बीजेपी प्रदेश मुख्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में पार्टी के पदाधिकारी और जिला अध्यक्षों की बैठक चल रही है। जिसमें आने वाले दिनों में पार्टी के प्रदर्शन और कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की जाएगी। बैठक को लेकर अरुण साव ने कहा कि हमारी पार्टी के कुछ अभियान चल रहे हैं। कुछ कार्यक्रम चल रहे हैं।

बूथ सशक्तिकरण अभियान चलाये जा रहे हैं। सामाजिक न्याय सप्ताह 6 अप्रैल से लेकर 14 अप्रैल यानी पार्टी के स्थापना दिवस से डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती तक इन्हीं कार्यक्रमों की समीक्षा की जाएगी।

सचिवालय घेराव में भाजपा नेताओं पर लाठीचार्ज

भाजपा नेताओं ने की पत्थरबाजी, फेंके पानी के बोतल, बैरिकेडिंग के पास जमे कार्यकर्ता

रांची, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। भाजपा का झारखंड सचिवालय घेराव के दौरान जमकर बवाल हुआ। सुरक्षा बलों ने पहले ही बैरिकेडिंग कर रखी थी जिसे भाजपा नेताओं ने विरोध प्रदर्शन करते हुए पार करने की कोशिश की। इस दौरान पुलिस ने उन्हें रोकना चाहा तो कार्यकर्ता नहीं मानें। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए वाटर कैनन छोड़े गये। इसके बाद पुलिस ने हल्के बल का प्रयोग किया है। लाठीचार्ज में कुछ कार्यकर्ताओं के घायल होने की भी खबर है। भाजपा नेताओं की तरफ से भी पत्थरबाजी और पानी के बोतल फेंकने की खबर है। सुरक्षा बलों ने कुछ नेताओं को भी गिरफ्तार किया है जिनमें विधायक बिरंची नारायण शामिल हैं। फिलहाल कार्यकर्ता बैरिकेडिंग के इस तरह जमे हैं और वहीं से नारेबाजी कर रहे हैं। प्रदेश अध्यक्ष

दीपक प्रकाश ने कहा, जब सरकार डर जातsी है जनता की उम्मीदों पर खरा नहीं उतर पाती है तब वह हिंसा का सहारा लेती है आज इस आंदोलन को रोकने की कोशिश की गई है वह किसी व्यक्ति का आंदोलन नहीं है बल्कि इस राज्य की जनता का आंदोलन है और आने वाले दिनों में यह भी देखने को मिलेगा की जनता क्या चाहती है हेमंत सोरेन की सरकार बेईमानों की सरकार है लुटेरों की सरकार है सरकार ने शायद ही कोई ऐसा नागरिक हो जिसे ठगने का काम ना किया हो यहां अधिकारी से पदाधिकारी तक करप्ट हैं वह ने कहा जिस युवक का साथ लेकर उसमें सरकार बनाया 500000 रोजगार देने की बात की वह सब धरा का धरा रह गया हेमंत सोरेन की सरकार ने युवाओं को ठगा अब जनता बताएगी सच्चाई की जीत होती है उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि आज आपने जिस तरह की एकजुटता दिखाई है हमारा आंदोलन सफल हुआ है हमारा संघर्ष लंबा रहेगा और तब तक रहेगा जब तक हम सरकार नहीं बदल देंगे। बाबूलाल मरांडी ने कहा, प्रशासन का जो रवैया रहा है उसका आंदोलन में वह आंदोलित करने का रहा है आज इस एकजुटता से यह स्पष्ट हो गया है कि हम साथ हैं आज जो पानी कैनन छोड़े जाए आंसू गैस के गोले छोड़े गए इनसे घबराने की जरूरत नहीं है उन्होंने कहा कि यह संघर्ष अभी शुरू हुआ है और संघर्ष तब तक करना है जब तक हेमंत सोरेन की सरकार को उखाड़ ना भेजें उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आप उग्र ना हो 1 दिन ऐसा भी आएगा।

माओवादियों की साजिश से जुड़े मामले में 14 स्थानों पर छापेमारी

रांची, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने झारखंड के 14 स्थानों पर छापेमारी की कार्रवाई की है। इस दौरान एक व्यक्ति को गिरफ्तार भी किया गया है। कार्रवाई पिछले साल झारखंड में सुरक्षा बलों पर हमला करने की माओवादियों की साजिश से जुड़े मामले में की गई है। एनआईए के एक प्रवक्ता ने बताया कि लोहरदगा में नौ और लातेहार जिले में पांच स्थानों पर संदिग्धों के परिसर पर छापे मारे गए हैं। उन्होंने बताया कि छापों के दौरान एक देसी पिस्तौल के साथ छह कारतूस, एक मैगजीन, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और वित्तीय लेनदेन तथा संपत्ति से जुड़े दस्तावेज भी बरामद किए गए हैं। लोहरदगा में एक स्थान से झारखंड के चकला गांव के निवासी साजन कुमार को गिरफ्तार किया गया है। प्रवक्ता ने बताया कि कुमार संदिग्ध राजू कुमार उर्फ राजू साव के स्वामित्व वाले राजू ब्रिक्स नाम के ईंट भट्ठे में मुंशी के तौर पर काम करता था।

चीन के बाद अमेरिका ने शुरू किया युद्धाभ्यास

सबसे बड़ी ड्रिल में यूएस-फिलीपींस के 17 हजार सैनिक शामिल होंगे, साउथ-चाइना सी में होगी लाइव फायर

थाइपी, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। ताइवान के पास चीन की मिलिट्री ड्रिल खत्म होने के अगले ही दिन मंगलवार को अमेरिका और फिलीपींस ने अपना अब तक का सबसे बड़ा युद्धाभ्यास शुरू कर दिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस युद्धाभ्यास में साउथ चाइना सी में डूबे एक जहाज पर लाइव फायरिंग की एक्सरसाइज भी की जाएगी।

युद्धाभ्यास में 17 हजार सैनिक हिस्सा लेंगे। इसमें 12,200 अमेरिकी और 5,400 सैनिक फिलीपींस के होंगे। इस मिलिट्री ड्रिल को बालिकतान नाम दिया गया है। फिलीपींस की भाषा में इसका मतलब कंधे से कंधा मिलाकर चलना होता है। ये ड्रिल 28 अप्रैल तक जारी रहेंगी।

ताइवान से 300 किलोमीटर दूर होगी ड्रिल

फिलीपींस की जिस लुजोन आईलैंड पर ये ड्रिल हो रही है वो ताइवान से सिर्फ 300 किलोमीटर की दूरी पर है। बालिकतान पर बात करते हुए लेफ्टिनेंट कर्नल डेनियल हुवाने ने कहा कि इससे दोनों सेनाओं को अपनी जंग की तैयारी और मिलिट्री ऑपरेशन की तकनीक दिखाने का मौका

फिलीपींस- अमेरिका की सेना के बीच हो रहे युद्धाभ्यास की तस्वीर है

मिलेगा।

एक तरफ जहां फिलीपींस इस मिलिट्री ड्रिल को देश की सुरक्षा के लिए अहम बता रही है, वहीं फिलीपींस की कम्युनिस्ट पार्टी ने युद्धाभ्यास के खिलाफ अमेरिकी ऐंबैसी के सामने प्रदर्शन किया है। जिन्हें हिरासत में ले लिया गया।

पैट्रियट मिसाइलों का इस्तेमाल करेगा अमेरिका

फ्रांस 24 की रिपोर्ट्स के मुताबिक अमेरिका फिलीपींस में ड्रिल के दौरान पैट्रियट मिसाइलों और हिमरास रॉकेट सिस्टम का भी इस्तेमाल करेगा। पहले दोनों देशों की सेनाएं ताइवान के दक्षिणी छोर से 355 किलोमीटर की दूरी पर लाइव फायरिंग करने वाली थीं, जिसे बाद में बदल दिया गया।

लाइव फायरिंग के लिए अब स्कारबोरो शोल नाम से 300 किलोमीटर दूर एक जगह को चुना है। दरअसल, फिलीपींस की स्कारबोरो शोल पर 2012 में चीन ने कब्जा कर लिया था। इसके खिलाफ फिलीपींस ने द हेग में परमानेंट आर्बिटरेशन कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। कोर्ट ने फिलीपींस के हक में अपना फैसला सुनाया था। इसे चीन ने मानने से खारिज कर दिया था।

ताइवान के पास अब भी मौजूद चीन के वॉर प्लेन

ताइवान की मिलिट्री का कहना है कि युद्धाभ्यास खत्म करने के बाद भी चीन के वॉर प्लेन ताइवान के पास से हट नहीं रहे हैं। मंगलवार को चीन की पीपल्स लिबरेशन आर्मी के 91 एयरक्राफ्ट और 12 नेवी के जहाजों को ट्रैक किया गया है। इनमें से 54 एयरक्राफ्ट तो ताइवान की मीडियन लाइन में भी घुसे ।

चीन की इस हरकत पर ताइवान की राष्ट्रपति ने गैर जिम्मेदार और क्षेत्रीय सुरक्षा को खतरे में डालने वाला बताया है। अपने अमेरिकी दौरे का बचाव करते हुए साई इंग वेन ने कहा कि दोस्ताना संबंध वाले देशों में विजिट का चलन काफी पुराना है। इसमें कुछ भड़काऊ नहीं था।

अमेरिका के केंटुकी में फायरिंग: 6 लोगों की मौत- 8 घायल

गवर्नर बोले- लोगों की सलामती के लिए दुआ करें

लुइसविले, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका के केंटुकी राज्य में सोमवार को फायरिंग हुई। 6 लोगों के मारे जाने की खबर है। 8 घायल हैं। घटना लुइसविले शहर में हुई। पुलिस के मुताबिक- एक हमलावर ने अंधाधुंध फायरिंग की है। कुछ खबरों में कहा गया है कि हमलावर भी मारा जा चुका है।

पुलिस ने कहा कि ऑपरेशन जारी है। इससे ज्यादा जानकारी अभी नहीं दी जा सकती। केंटुकी के गवर्नर एंडी बेशेर ने कहा- मैं खुद घटनास्थल पर जा रहा हूं। यह वक्त लोगों की सलामती के लिए दुआ करने का है।

इंडियाना राज्य से लगी है सीमा

लुइसविले केंटुकी का बॉर्डर डिस्ट्रिक्ट है। इसकी सीमा इंडियाना राज्य से लगी है। इस इलाके में 2021 में भी फायरिंग हुई थी, तब 4 लोगों की मौत हो गई थी। मारे गए चारों लोग माइग्रेंट वर्कर थे।

एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, अब तक 6 घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया है। इनमें दो पुलिस अफसर हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति के उत्तरी आयरलैंड दौरे से पहले भड़की हिंसा

नकाबपोश ने पुलिस वाहनों पर किया हमला

वाशिंगटन, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन की उत्तरी आयरलैंड के यात्रा से एक दिन पहले, लंदनडेरी में हिंसा भड़क उठी। दरअसल, कुछ नकाबपोश लोगों ने पुलिस की वाहन पर पेट्रोल बमों और अन्य वस्तुओं से हमला किया। यह हिंसा गुड फ्राइडे शांति समझौते का विरोध करने वाली परेड के दौरान हुआ।

लंदनडेरी में हुए हिंसा में चार आयरिश युवाओं को पुलिस वाहन पर पेट्रोल फेंकने के दौरान पकड़ लिया गया। जब तक युवक को पुलिस ने पकड़ा, तब तक वाहन के एक तरफ आग लग चुकी थी। इस आग की वजह से भीड़ तितर-बितर हो गई। पुलिस के जानकारी के अनुसार कोई भी घायल नहीं हुआ है। मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि बाइडन मंगलवार को उत्तरी आयरलैंड पहुंचेंगे। उनकी यह चार दिवसीय यात्रा गुड फ्राइडे समझौते की 25वीं वर्षगांठ के साथ होगी। व्हाइट हाउस ने पिछले हफ्ते ही इस बात की पुष्टि की थी। डेरी शहर और स्ट्राबेन क्षेत्र के मुख्य अधीक्षक कमांडर निगेल गोडार्ड ने बताया कि जो भी हुआ और जो भी नजारें यहां देखने को मिला वह वाकई में बेहद निराशाजनक है। उन्होंने कहा- हमारे अफसरों के ऊपर होने वाला यह एक मूर्खता और लापरवाही वाला हमला था। उन्होंने बताया कि पुलिस को सबूत और फुटेज मिल चुका है, जिसकी आतंकवाद अधिनियम 2000 के तहत संभावित अपराधों की जांच के हिस्से के रूप में समीक्षा की जाएगी। बाइडन मंगलवार को बेलफास्ट पहुंचेंगे और अगले तीन दिनों के लिए आयरलैंड जाने से पहले बुधवार को बेलफास्ट विश्वविद्यालय में भाषण देंगे। यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब उत्तरी आयरलैंड में तीन दशकों के सांप्रदायिक रक्तपात को समाप्त करने वाले गुड फ्राइडे समझौते पर हस्ताक्षर के 25 साल पूरे हो गए हैं। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता ने बताया कि यूएस के राष्ट्रपति जो बाइडन काफी समय' के लिए आयरलैंड द्वीप का दौरा करने को लेकर 'बहुत उत्साहित' हैं। उनके उत्तरी आयरलैंड पहुंचने पर ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक अपने स्थानीय राजनेताओं से मिलने के साथ राष्ट्रपति बिडेन का स्वागत करेंगे।

'पेंटागन से लीक हुए दस्तावेज राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा'

वॉशिंगटन, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के केंद्र पेंटागन से लीक हुए गुप्त दस्तावेजों का मसला अब बाइडन प्रशासन के गले की फांस बनता जा रहा है। सोमवार को पेंटागन के अधिकारियों ने यह माना कि इन डॉक्यूमेंट्स का लीक होना अमेरिकी की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा करता है। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले ही पेंटागन ने कहा था कि यूक्रेन युद्ध से जुड़े उसके कई दस्तावेज लीक हो गए हैं। इसे लेकर विभाग ने जांच भी बिठाई है। बताया गया है कि इस मामले की जांच अमेरिका के न्याय मंत्रालय की ओर से की जा रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, जो दस्तावेज लीक हुए हैं, वे सिर्फ रूस और यूक्रेन युद्ध से ही नहीं जुड़े हैं, बल्कि अमेरिका की आंतरिक सुरक्षा और अमेरिका के साथी देशों के बारे में भी अति-संवेदनशील जानकारी वाले हैं।

मुस्लिमों के खिलाफ हिंसा पर यूएस में बोलीं सीतारमण

कहा- ऐसा होता तो क्या उनकी आबादी बढ़ती, पाकिस्तान में तो अल्पसंख्यक हर दिन घट रहे

वॉशिंगटन, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को भारत में मुस्लिमों के खिलाफ हिंसा के मुद्दे पर बयान दिया। वित्त मंत्री ने कहा कि यह राय ऐसे लोगों ने बनाई है, जो भारत आए ही नहीं हैं। अगर भारत में मुस्लिमों के खिलाफ हिंसा होती तो क्या उनकी आबादी इतनी बढ़ती। भारत में दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी मुस्लिम आबादी रहती है।

निर्मला सीतारमण वॉशिंगटन में पीटरसन इंस्टिट्यूट फॉर इंटरनेशनल इकोनॉमिक्स (पीआईआईई) में भारत में इकोनॉमिक ग्रोथ के मुद्दे पर बोल रही थीं।

मुस्लिम, हिंसा और अल्पसंख्यकों के मुद्दे पर सीतारमण के 5 जवाब

भारत आएं और देखें यहां क्या हो रहा है

पीआईआईई के अध्यक्ष एडम एस पोसेन ने सवाल पूछा था कि भारत को लेकर बनी कुछ राय निवेश को प्रभावित कर रही है। इस पर सीतारमण ने कहा, इसका जवाब उन निवेशकों से मिल सकता है, जो भारत आ रहे हैं और आते जा रहे हैं। अगर कोई इन्वेस्टमेंट चाहता है तो मैं सिर्फ इतना ही कहना चाहूंगी कि आएं और देखें कि भारत में क्या हो रहा है। ऐसे लोगों की राय ना सुनें जो कभी भारत की धरती पर आए ही नहीं और ऐसी रिपोर्ट बनाने लगे।

भारत में दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी मुस्लिम आबादी

पोसेन ने निर्मला सीतारमण से पूछा कि पश्चिमी मीडिया में ये खबरें बहुत तेजी से आ रही हैं कि विपक्षी सांसद अपनी सदस्यता खो रहे हैं और भारत में मुस्लिम अल्पसंख्यक हिंसा का शिकार हो रहे हैं। इस पर सीतारमण ने कहा, दुनिया में मुस्लिमों की दूसरी सबसे बड़ी आबादी भारत में रहती है। ज्यादातर रिपोर्ट्स इसी बारे में हैं कि भारत में

मुस्लिमों की जिंदगी मुश्किल है या सरकार की मदद से उसे मुश्किल बना दिया गया है।

अगर ऐसी कोई राय है या फिर इसमें कोई वास्तविकता है तो मैं पूछना चाहूंगी कि अगर ऐसा वाकई हो रहा होता तो जितने मुस्लिम 1947 में थे, उसके बाद उनकी आबादी इतनी बढ़ती?

पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों की हालत बदतर हो रही

उन्होंने कहा, पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों की हालत लगातार बदतर हो रही है। वो हर दिन घटते जा रहे हैं। उन पर छोटे-छोटे आरोप लगाए जाते हैं और इनमें मौत की सजा तक दे दी जाती है। ज्यादातर केस में ईशनिंदा कानूनी निजी दुश्मनी निकालने का जरिया बन गया है। पीड़ितों को तुरंत अपराधी ठहरा दिया जाता है। न सही तरह से जांच होती है और ना ही कोर्ट में केस चलाया जाता है।

पाकिस्तान ने कहा था अल्पसंख्यकों की रक्षा करेगा, वो मारे जा रहे हैं

उन्होंने कहा, जब भारत में विभाजन हुआ, तब पाकिस्तान भी बना। पाकिस्तान ने खुद को इस्लामिक देश घोषित किया, लेकिन यह भी कहा कि अल्पसंख्यकों की रक्षा की जाएगी। आज वहां हर अल्पसंख्यक समुदाय की संख्या घटती जा रही है। उन्हें पाकिस्तान में मारा जा रहा है। कुछ मुस्लिम वर्ग भी हैं, जिन्हें वहां मारा जा रहा है।

मुहाजिर, शिया और हर वो वर्ग जिसने मुख्यधारा को नहीं अपनाया, उनके खिलाफ वहां हिंसा हो रही है। वहीं, आप भारत में देखेंगे कि मुस्लिम अपना व्यापार कर रहे हैं, उनके बच्चों को शिक्षा मिल रही है। सरकार उन्हें फैलोशिप दे रही है।

ऐसी रिपोर्ट लिखने वाले भारत आएं और अपनी बात साबित करें

वित्त मंत्री बोलीं, अगर पूरे भारत में मुस्लिमों के खिलाफ हिंसा हो रही होती तो वो प्रभावित होते। साफ हो जाता है कि यह एक झूठा बयान है। इस बात पर कि यह भारत सरकार की खामी है तो मैं कहूंगी कि 2014 से आज के बीच क्या आबादी घटी है? क्या किसी एक समुदाय में मौतों का आंकड़ा बहुत ज्यादा बढ़ गया है? ऐसी रिपोर्ट लिखने वालों को मैं भारत बुलाना चाहूंगी कि आएं और अपनी बात को साबित करें।

ड्रोन्स के जरिए अवैध हथियारों की सप्लाई की चुनौती का सामना कर रहा भारत

बैठक में भारत ने पाक को घेरा

न्यूयॉर्क, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र में भारत की प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने सोमवार को पाकिस्तान पर बिना नाम लिए जमकर हमला बोला। यूएन में अवैध हथियारों और सैन्य उपकरणों के लेनदेन की रोकथाम को लेकर जारी बहस में उन्होंने सीधे तौर पर पाकिस्तान को घेर लिया। कंबोज ने कहा कि भारत बॉर्डर पार से ड्रोन्स के जरिए हथियारों की अवैध सप्लाई की चुनौती का सामना कर रहा है।

यूएन में भारत की स्थायी प्रतिनिधि ने पाकिस्तान पर निशाना साधते हुए कहा, कुछ देश, जो अवैध हथियारों के अप्रसार की साथ लिए हुए हैं और आतंकवादियों के साथ गठबंधन किए हैं, उन्हें इन गलत हरकतों के लिए जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। कंबोज ने कहा कि हथियारों और सैन्य उपकरणों का अवैध तौर पर निर्यात अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन है, जिससे भू-राजनीतिक तनाव भी पनप सकता है और इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

ज्वालामुखी विस्फोट, 20 किमी ऊपर उठा धुआं

राख का बादल 400किमी लंबा, 10000 साल में 60 बार ये ज्वालामुखी फटा

मास्को, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। रूस का सबसे एक्टिव ज्वालामुखी मंगलवार को 16 साल के बाद फटा गया। शिवेल्चु नाम के इस ज्वालामुखी के फटने से उठा धुएं का गुब्बार 20 किलोमीटर की ऊंचाई तक गया। जिससे रूस के कामाच्का पेनिनसुला में काफी समय तक एयर ट्रैफिक को बंद रखना पड़ा।

रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक ज्वालामुखी के फटने से उड़ी राख पश्चिम में 400 किलोमीटर और दक्षिण में 270 किलोमीटर तक फैल गई। वहीं इससे उठा धुंआ 1 लाख 8 हजार स्क्वेयर किलोमीटर में फैला, जो अभी भी फैलता जा रहा है। वोल्केनो फटने के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं।

10 हजार साल में केवल 60 बार फटा है ये वोल्केनो

ज्वालामुखी के असर से लोगों को बचाने के लिए स्थानीय प्रशासन ने 6 हजार किलोमीटर तक के इलाके के सभी स्कूलों को

बंद कर दिया। लोगों को भी घरों में रहने की सलाह दी गई। रशियन एकेडमी ऑफ साइंस की रिपोर्ट के मुताबिक ये ज्वालामुखी पिछले 10 हजार सालों में केवल 60 बार ही फटा है।

इससे आस-पास के इलाके में 8.5 इंच की राख की परत जम गई। मंगलवार से पहले ये ज्वालामुखी 2007 में फटा था। जिस चोटी पर ये ज्वालामुखी है, वो 2800 मीटर की ऊंचाई पर है।

ज्वालामुखी फटने की प्रक्रिया एक साल पहले शुरू हुई

कामाच्का जियोफिजिकल सर्वे के डायरेक्टर ने बताया कि ये ज्वालामुखी एक साल पहले से ही फटने की तैयारी कर रहा था। ये अभी कुछ शांत हुआ है। उनके मुताबिक 6,800 किलोमीटर तक के इलाके में लोगों को घरों के अंदर ही रहने के निर्देश दिए गए थे। आस-पास के इलाके की बिजली सप्लाई भी बंद कर दी गई थी।

ज्वालामुखी क्या होता है?

ज्वालामुखी धरती की सतह पर मौजूद प्राकृतिक दरारें होती हैं। इनसे होकर धरती के आंतरिक भाग से पिघला हुआ पदार्थ जैसे मैग्मा, लावा, राख आदि विस्फोट के साथ बाहर निकलते हैं। ज्वालामुखी पृथ्वी पर मौजूद 7 टेक्टोनिक प्लेट्स और 28 सब टेक्टोनिक प्लेट्स के आपस में टकराने के कारण बनते हैं। दुनिया का सबसे एक्टिव ज्वालामुखी माउंट एटना इटली में है।

अमेरिका में खत्म हुआ कोरोना की वजह से लगा राष्ट्रीय आपातकाल

तीन साल पहले ट्रंप शासन में हुआ था लागू

वॉशिंगटन, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिकी सरकार ने देश में लागू कोविड पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी और नेशनल इमरजेंसी को खत्म करने का एलान किया है। बाइडन प्रशासन ने इसी साल जनवरी में एलान किया था कि वह कोरोना महामारी के हालात और मामलों की समीक्षा करने के बाद 11 मई से देश में राष्ट्रीय आपातकाल खत्म कर देगा। हालांकि, इससे एक महीने पहले ही राष्ट्रपति ने इमरजेंसी हटाने का एलान कर दिया। अमेरिका में यह आपातकाल पिछले तीन वर्षों से लागू था। इसे कोरोनावायरस संक्रमण के केस मिलने के बाद जनवरी 2020 में डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की ओर से लागू किया गया था।

राष्ट्रपति जो बाइडन ने किए प्रस्ताव पर हस्ताक्षर

व्हाइट हाउस की प्रेस रिलीज में कहा गया कि 10 अप्रैल 2023 को राष्ट्रपति बाइडन ने एक प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किया, जिससे कोरोना वायरस महामारी के मद्देनजर लगाए गए राष्ट्रीय आपातकाल को खत्म किया जा रहा है। जिस प्रस्ताव पर बाइडन ने हस्ताक्षर किया है, उसे हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स के सांसद पल गोसर की ओर से पेश किया गया था और सदन में इसके पक्ष में 229 वोट पड़े थे, जबकि खिलाफ में 197 वोट होने की वजह से इसे पास कर दिया गया था। सीनेट में भी इस प्रस्ताव को 68-23 के अंतर से पास करा लिया गया था। बाइडन की ओर से नए प्रस्ताव पर हस्ताक्षर के बाद अब जो कानून लागू हुआ है, उसके तहत अमेरिका में राष्ट्रीय आपातकाल और सार्वजनिक स्वास्थ्य इमरजेंसी भी खत्म हो गई है। हालांकि, इसका अमेरिका की आव्रजन नीति और छात्रों के कर्ज को खत्म करने की योजना पर क्या असर पड़ेगा, इसकी जानकारी अभी साफ नहीं

है।

हर 90 दिन में बढ़ाया जा रहा था राष्ट्रीय आपातकाल

बता दें कि अमेरिका में कोविड इमरजेंसी लागू होने के बाद हर 90 दिनों पर उसे बढ़ाया जा रहा था। इस तरह जैसे अमेरिका में कोरोना के नए वैरिएंट का असर दिख रहा था, वैसे ही हेल्थ इमरजेंसी को विस्तार दिया जा रहा था। कोविड के हालात सामान्य हैं और स्थिति नियंत्रण में है तो अमेरिका सरकार ने इमरजेंसी खत्म करने का फैसला किया है। सरकार ने जनवरी में इमरजेंसी को तीन महीने बाद खत्म करने के पीछे का तर्क बताते हुए कहा था कि इससे अस्पतालों को समय मिल जाएगा कि वह अपने पेमेंट्स आदि को क्लीयर कर लें। बयान में कहा गया है कि अगर तुरंत इमरजेंसी खत्म कर दी जाती तो इससे कई अस्पतालों को नुकसान उठाना पड़ता। अस्पतालों की सुधरती स्थिति और कोरोना केसों की समीक्षा के बाद बाइडन प्रशासन ने इस आपातकाल को एक महीने पहले अप्रैल में ही खत्म कर लिया। व्हाइट हाउस अब अमेरिका में कोरोना वैक्सीन को निजी सेक्टर को सौंपने की तैयारी कर रहा है। अभी तक वैक्सीन का खर्च सरकार द्वारा उठाया जा रहा था लेकिन अब मॉडर्ना और फाइजर जैसी वैक्सीन के लिए लोगों को 130 डॉलर प्रति वैक्सीन की दर से खर्च करने पड़ सकते हैं।

तोशाखाना केस में चुनाव आयोग की सुनवाई की अर्जी खारिज

इमरान के वकील बोले- इलेक्शन कमीशन भेदभाव कर रहा, 29 अप्रैल को होगी सुनवाई

इस्लामाबाद, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को इस्लामाबाद कोर्ट से राहत मिल गई है। कोर्ट ने तोशाखाना केस में सुनवाई 29 अप्रैल तक टाल दी है। जियो न्यूज के मुताबिक, पाकिस्तान के चुनाव आयोग ने मामले में जल्द सुनवाई करने के लिए अर्जी लगाई थी। इमरान के वकील ने कहा- चुनाव आयोग खान को लेकर भेदभाव करता है। जल्द सुनवाई की कोई जरूरत नहीं है। इससे सिर्फ संसाधनों की बर्बादी होगी। वकील ख्वाजा हैरिस ने कहा- इमरान की पार्टी पीटीआई पर पहले से कई केस चल रहे हैं। ऐसे में हमें भी तैयारी करने के लिए समय चाहिए। हम पहले निर्धारित तारीख 29 अप्रैल के हिसाब से ही सुनवाई की तैयारी कर रहे थे। तारीख बदलने से हम इमरान का पक्ष नहीं रख पाएंगे। तोशाखाना मामले में पहले 30 मार्च को सुनवाई होनी थी, लेकिन वकीलों की हड़ताल को देखते इसे टाल दिया गया था।

ताजपोशी के बाद सुनहरे रथ की सवारी करेंगे किंग चार्ल्स

शाही काफिले का रूट छोटा किया, पहली बार किंग के क्राउन का इमोजी जारी

लंदन, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। ब्रिटेन में 6 मई को किंग चार्ल्स और क्वीन कैमिला की ताजपोशी को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। चार्ल्स और कैमिला बकिंघम पैलेस से एक काले रंग के डायमंड जुबली स्टेट कोच रथ में बैठकर वेस्टमिनस्टर ऐबे पहुंचेंगे। हालांकि, इस दौरान उनका काफिला पिछली बार(एलिजाबेथ की ताजपोशी) की तुलना में छोटा रास्ता अपनाएगा। बकिंघम पैलेस ने बताया कि किंग एक साधारण समारोह चाहते हैं जिसमें मॉडर्न टच हो।

वेस्टमिनस्टर पहुंचने से पहले

किंग और क्वीन का काफिला 2 किलोमीटर का सफर तय करेगा। इस दौरान वे एडमायरैलिटी आर्च, ट्राफलगर स्क्वायर, चार्ल्स-1 के स्टैच्यू और संसद होते हुए 11 बजे ताजपोशी के लिए पहुंचेंगे। सेरेमनी के बाद किंग-क्वीन 260 साल पुराने गोल्ड स्टेट कोच चैरियट में बैठकर वापस पैलेस जाएंगे। ब्रिटेन में 70 साल बाद हो रहे ताजपोशी समारोह के लिए एक खास इमोजी भी जारी किया गया है। ये सोशल मीडिया के दौर में पहली ताजपोशी को दर्शा रहा है। इमोजी में एक क्राउन बना हुआ है जो सेंट एडवर्ड के ताज से प्रेरित है। चार्ल्स को ताजपोशी के वक्त यही ताज पहनाया जाएगा। सेरेमनी के जरिए किंग दिखाना चाहते हैं कि ब्रिटेन में अभी भी राजशाही का महत्व है। हालांकि उन्होंने पूरे कार्यक्रम को 1953 में हुई क्वीन एलिजाबेथ की सेरेमनी से छोटा रखने वाले हैं। कैंटरबरी के आर्चबिशप जस्टिन वेल्बी समारोह आयोजित करेंगे। इस दौरान किंग को सेंट एडवर्ड क्राउन पहनाया जाएगा। इसका फ्रेम 2.2 किलो सोने से बनाया गया है। इसमें नीलम, गार्नेट, पुखराज सहित कई कीमती पत्थर जड़े हुए हैं। इसके अलावा इसमें एक बैंगनी रंग के मखमल के कपड़े की कैप और एर्माइन बैंड लगा हुआ है। 1953 में क्वीन एलिजाबेथ ने भी अपने राज्याभिषेक के दौरान इसी ताज को पहना था। इसके बाद इसे टावर ऑफ लंदन में रख दिया गया था।

हालांकि, सदियों से इस्तेमाल हो रहे ज्यादातर रॉयल चिह्न इस समारोह का हिस्सा होंगे। इनमें 5 प्रतीकात्मक तलवारें, 2 सेप्टर, सोवरिन रिंग ऑफ सैफायर और रूबी क्रॉस सेट डायमंड शामिल होंगे। ताजपोशी के दौरान कैमिला को क्वीन मैरी का ताज पहनाया जाएगा, जिसे हाल ही में रेनोवेट किया गया है।

सचिन पायलट का अनशन 5 घंटे में खत्म

सालभर से सीएम से भ्रष्टाचार पर एक्शन की मांग कर रहा था, संघर्ष जारी रहेगा

जयपुर, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट का अपनी ही सरकार के खिलाफ एक दिन का अनशन 5 घंटे में खत्म हो गया है। करीब पौने 4 बजे पायलट के समर्थकों ने मिठाई खिलाकर अनशन तुड़वाया। अनशन के बाद पायलट ने कहा कि मैंने सिर्फ करप्शन पर कार्रवाई के उद्देश्य के लिए अनशन रखा था। यदि कोई बात संगठन की होती तो मैं संगठन से बात करता। साल भर से मैं मुख्यमंत्री से मांग कर रहा था।

पायलट ने कहा कि करप्शन के खिलाफ हमारी जीरो टॉलरेंस की पॉलिसी रही है तो कार्रवाई भी होनी चाहिए। मुझे उम्मीद है कि कार्रवाई जरूर होगी। करप्शन के खिलाफ हमारा संघर्ष जारी रहेगा, हम चाहते हैं कि देश और प्रदेश में स्वच्छ राजनीति हो। पायलट भाजपा की सीएम वसुंधरा राजे के शासन में हुए घोटालों की जांच की मांग को लेकर सीएम गहलोत सरकार के खिलाफ अनशन पर बैठे थे। वे सुबह अपने समर्थकों के साथ यहां पहुंचे। ऐसा कहा जा रहा था कि वे कोई अलग पॉलिटिकल लाइन ले सकते हैं, लेकिन अभी तक उन्होंने ऐसी कोई घोषणा नहीं की है। इधर, पायलट के अनशन शुरू होने के बाद राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एक वीडियो मैसेज जारी कर एक बार फिर मिशन 2030 की बात दोहराई। उन्होंने कहा- मैंने तय किया है कि 2030 तक राजस्थान को देश का नंबर वन राज्य बनाना है। पायलट के अनशन के बीच मिशन 2030 की बात दोहराने के भी सियासी मायने निकाले जा रहे हैं। सचिन पायलट के अनशन को लेकर दिल्ली में पवन खेड़ा ने कहा कि इस मुद्दे पर महासचिव जयराम रमेश शाम को बयान जारी करेंगे।

कांग्रेस, राहुल-सोनिया पोस्टर से गायब

धरनास्थल पर लगे पोस्टरों में न राहुल-सोनिया का फोटो लगाया गया, ना ही कांग्रेस का सिंबल। केवल महात्मा गांधी की फोटो लगाई गई। उधर, प्रदेश कांग्रेस प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने जयपुर दौरा रद्द कर दिया। वे पायलट से बातचीत करने के लिए आज दोपहर बाद जयपुर पहुंचने वाले थे। अब वह बुधवार को जयपुर आ सकते हैं। उन्होंने कल पायलट की कार्रवाई को पार्टी विरोधी बताया था।

पायलट ने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में अनशन की घोषणा की थी। आज के धरना में प्रदेश भर से उनके समर्थक जयपुर पहुंचे। इससे पहले पायलट गुट के नेताओं और विधायकों ने चुनिंदा समर्थकों को जयपुर पहुंचने का मैसेज भेजा था। कांग्रेस राज में अपनी ही सरकार के खिलाफ अनशन का हाल के दो दशक में यह पहला मौका था। गौरतलब है कि 9 अप्रैल को पायलट ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा था कि हमने वसुंधरा सरकार पर करीब 45 हजार करोड़ के भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे और वादा किया था कि सरकार में आने पर इनकी जांच कर कार्रवाई करेंगे, लेकिन सवा चार साल बीतने के बाद भी सरकार ने कोई कार्रवाई नहीं की। मैंने दो बार मुख्यमंत्री गहलोत को इस संबंध में चिट्ठी लिखी, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला, इसलिए कार्रवाई की मांग को लेकर मैं अनशन पर बैठ रहा हूं।

रामलाल -कार्रवाई से डर गए पायलट

जयपुर, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश मुख्य प्रवक्ता एवं विधायक रामलाल शर्मा ने कहा कि सचिन पायलट का अनशन इसलिए वसुंधरा राजे पर है क्योंकि उनको पता है कि अगर वो सरकार के ऊपर आरोप लगाएंगे तो उनके ऊपर अनुशासनात्मक कार्रवाई हो सकती है।

अपनी पार्टी के अंदर चल रही कलह को दबाने के लिए और उसके ऊपर होने वाली अनुशासनात्मक कार्रवाई से बचने के लिए इस तरीके का मिथ्या आरोप लगाने का काम सचिन पायलट कर रहे हैं। सचिन पायलट को भारतीय जनता पार्टी की सलाह है कि वह अपने घर को संभालने का काम करें। आपके विधायक और मंत्री किस तरीके से भ्रष्टाचार के आखंड के अंदर डूबे हुए हैं। उसके ऊपर न सिर्फ जनता ही आरोप लगा रही है, बल्कि आप के विधायक भी आरोप लगा रहे हैं। अगर आप उनकी जांच की मांग भी सरकार से करें तो ही ज्यादा बेहतर रहेगा। जनता को गुमराह करने की आवश्यकता नहीं है।

पायलट के आरोपों में झलक रही माताजी की हार की बेचैनी

अनशन पर बीजेपी विधायक कालीचरण बोले

जयपुर, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। पिछली बीजेपी की वसुंधरा सरकार के भ्रष्टाचार और घोटालों के खिलाफ अपनी ही गहलोत सरकार के खिलाफ अनशन कर रहे सचिन पायलट कांग्रेस सरकार और बीजेपी दोनों के निशाने पर हैं। सचिन पायलट ने प्रेसवार्ता में अशोक गहलोत और वसुंधरा राजे में गठजोड़ और मिलीभगत के सवाल खड़े किए, तो दोनों ही पार्टियां पायलट पर बरस पड़ी हैं।

पिछली वसुंधरा सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे और मौजूदा विधानसभा में मालवीय नगर से बीजेपी विधायक कालीचरण सराफ ने कहा कि सचिन पायलट को कांग्रेस मुख्यमंत्री नहीं बना रही है, इस खीज में उन्होंने पूर्व वसुंधरा सरकार पर अनर्गल आरोप लगाए हैं।

सराफ बोले- साल 2003 के विधानसभा चुनाव में सचिन पायलट की माताजी रमा पायलट को झालावाड़ के झालरापाटन से वसुंधरा राजे ने हराया था। उस हार की बेचैनी पायलट के आरोपों में साफ झलक रही है। वैसे भी सचिन पायलट यूपी के रहने वाले हैं, जिन्हें यह नहीं पता कि अशोक गहलोत ने 2008 में मुख्यमंत्री बनते ही पिछली वसुंधरा सरकार के खिलाफ माथुर आयोग बनाया था। लोकायुक्त से भी जांच करवाई थी, लेकिन जांच में कुछ नहीं निकला।

कांग्रेस के आम कार्यकर्ता को ऐसे लोगों से दूरी बना लेनी चाहिए

दूसरी ओर प्रदेश की गहलोत सरकार में राजस्व मंत्री रामलाल जाट ने मीडिया से सचिन पायलट और उनके समर्थक मंत्री हेमाराम चौधरी का नाम लिए बगैर निशाना साधते हुए कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पानी रोकने के लिए एक हाथ से दीवार बनाते हैं, लेकिन जो सीएम पद के दावेदार हैं, वो गलत स्टेटमेंट देकर दोनों हाथों से उस दीवार को गिराने का काम करते हैं। कांग्रेस के आम कार्यकर्ता को ऐसे लोगों से दूरी बना लेनी चाहिए, तभी कांग्रेस चुनाव जीत सकेगी। रामलाल जाट बोले- मैं तो इतना कह सकता हूं कि गहलोत सरकार ईमानदारी से काम कर रही है।

नगर पालिका ईओ और पार्षद पति के बीच मारपीट

राजीव कॉलोनी में अतिक्रमण हटाने को लेकर हुआ विवाद, केस दर्ज

बूंदी, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। हिंडोली-नैनवां से विधायक और राज्यमंत्री अशोक चांदना के दौरे से एक दिन पहले जिले के नैनवां कस्बे में अतिक्रमण हटाने को लेकर नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी (ईओ) और कांग्रेसी पार्षद के पति साजिद शैरा के बीच पुलिस की मौजूदगी में जमकर मारपीट और हाथापाई हुई है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

जानकारी के मुताबिक सोमवार को नैनवा नगरपालिका के अधिशासी अधिकारी मुकेश नागर दलबल के साथ राजीव कॉलोनी कच्ची बस्ती में अतिक्रमण हटाने गए थे। यहां पार्षद महिला अजीजा बानों ने इसका विरोध किया। महिला पार्षद का कहना था कि कस्बे में और भी कई जगह बड़े-बड़े प्रभावशाली लोगों ने अतिक्रमण कर रखे हैं, जिन्हें पालिका प्रशासन खुद खड़े रहकर करवाता है। पहले ऐसे अवैध निर्माणों को तोड़ा जाए। उन्होंने अतिक्रमण कार्रवाई को भेदभाव पूर्ण बताते हुए कहा कि यह गरीबों के साथ अन्याय है क्षेत्र में झोपड़ी और कच्चे मकान बनाकर रहने वाले गरीबों के मकान तोड़े जा रहे हैं।

इस दरमियान पार्षद पति बीच में आ गए, पार्षद पति ने भी अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई का विरोध करते हुए नगर पालिका ईओ को धमकाते हुए कहा कि मुझे पता है तुम गाड़ी में चलते हो, अकेले चलते हो...ध्यान रख लेना। यह सुनते ही नगर पालिका ईओ मुकेश नागर आपा खो बैठे और उन्होंने पार्षद पति का गिरेबान पकड़कर थप्पड़ जड़ते हुए मारपीट शुरू कर दी। इस बीच पुलिस और मौजूद लोगों ने किसी तरह बीच बचाओ कर पार्षद पति और ईओ को अलग किया।

'आप' प्रभारी विनय मिश्रा बोले

गहलोत-वसुंधरा गठबंधन को उजागर कर रहे नौजवान का साथ दे जनता

जयपुर, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। पूर्व डिप्टी सीएम और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष रहे सचिन पायलट के पिछली वसुंधरा सरकार के भ्रष्टाचार और घोटालों की जांच की मांग पर अपनी ही गहलोत सरकार के खिलाफ आवाज़ उठाने पर सियासत में उबाल आ गया है। पायलट के अनशन करने पर तीसरी शक्ति के रूप में उभरने की कोशिश कर रही आम आदमी पार्टी पायलट के समर्थन में आ गई है।

राजस्थान की जनता को उनका साथ देना चाहिए

आम आदमी पार्टी के राजस्थान प्रदेश प्रभारी और दिल्ली से विधायक विनय मिश्रा ने ट्वीट कर लिखा कि आज अगर राजस्थान को किसी ने लूटा है, तो वो वसुंधरा और अशोक गहलोत का अटूट गठबंधन है। जिसके कारण राजस्थान पर देश में सबसे ज्यादा पांच लाख करोड़ का कर्ज है। मैं इस बात को हमेशा से कहता आ रहा हूं कि कांग्रेस और भाजपा का अटूट गठबंधन है। अब तो खुद इनके नेता कह रहे हैं की गहलोत जी और वसुंधरा जी मिलकर सरकार बना रहे हैं। ये बेहद गंभीर मामला है।

बेहद भयावह भी है। आज राजस्थान की जनता को ठगा जा रहा है। मैं राजस्थान की जनता से आग्रह करता हूं आज एक पढ़े- लिखे नौजवान सचिन पायलट जी इनके गठबंधन को उजागर कर रहे हैं, तो राजस्थान की जनता को उनका साथ देना चाहिए।

सचिन को आप का ऑफर, सीएम फेस बनाने को तैयार

सूत्र बताते हैं कि आम आदमी पार्टी काफी लंबे समय से सचिन पायलट को आप में आने का न्योता देती रही है। पिछले दिनों दिल्ली में आम आदमी पार्टी की ओर से सचिन पायलट को आप में आने पर 2023 विधानसभा चुनाव के लिए सीएम फेस बनाने का ऑफर दिया गया है। इसीलिए आम आदमी पार्टी खुलकर सचिन पायलट के समर्थन में बयान भी दे रही है। आप पार्टी दिल्ली और पंजाब जीत के बाद राजस्थान में विधानसभा चुनाव मजबूती के साथ लड़ना चाहती है, लेकिन राजस्थान में पार्टी के पास कोई मजबूत और जाना पहचाना स्थानीय नेतृत्व नहीं है। इसलिए स्थानीय नेतृत्व की तलाश में जुटी पार्टी को सचिन पायलट से बेहतर कोई चेहरा प्रदेश में नजर नहीं आ रहा है।

आदमी पार्टी को राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा

केंद्रीय चुनाव आयोग ने आम आदमी पार्टी को राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा दे दिया है। अरविंद केजरीवाल आज देशभर में आप कार्यकर्ताओं को लाइव संबोधित करेंगे। सिर्फ 10 सालो में आप को राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा मिल गया है, पार्टी इसे उपलब्धि मानकर चल रही है। आप के प्रदेश प्रभारी विनय मिश्रा ने इस उपलब्धि पर भी आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं को शुभकामनाएं दी हैं।

अजमेर में फिर दिखा तेंदुआ, बस्ती वालों का दावा 2 बकरियों को मारा

पास ही स्कूल में पढ़ते हैं 300 बच्चे

अजमेर, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। अजमेर के तारागढ़ पर फिर तेंदुआ दिखा है। बस्ती के लोगों का दावा है कि तेंदुए ने दो बकरियों को मार डाला। तारागढ़ बस्ती के लोगों ने एक वीडियो शेयर किया है। इसमें तेंदुआ मकान की दीवार पर बैठक दिखाई दे रहा है। सैयद हफीज अली ने बताया कि सुबह 6 बजे तेंदुए का मूवमेंट था। रोजा इमाम हुसैन की जियारत करने गए बस्ती के कुछ बच्चों ने रेलवे बंगले के पास स्थित महबूब के मकान की दीवार पर तेंदुए को बैठे हुए देखा गया है। इसका वीडियो बनाया, वही जारी किया है। तेंदुए ने सैयद असरार हुसैन की दो बकरियों को भी मार डाला। लोगों का कहना है कि जिस मकान पर तेंदुआ बैठा था उसके पास ही एक स्कूल संचालित होता है। वहां से प्रति दिन करीब 300 स्टूडेंट्स पढ़ते हैं। तेंदुए से इन बच्चों को भी खतरा होने की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता है। हफीज अली ने बताया कि पूर्व में एडीएम सिटी को इस संबंध में अवगत कराया जा चुका है। तारागढ़ विकास समिति के पदाधिकारियों व सदस्यों ने वन विभाग के आला अफसरों से भी मामले की शिकायत की है।

थ्रेसर में फंसा युवक, सिर और गर्दन के टुकड़े हुए

भिवाड़ी, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। अलवर में थ्रेसर में युवक के फंसने से वह दो टुकड़ों में कट गया। महज 10 सेकेंड में ही उसके शरीर के दो हिस्से हो गए। उसकी गर्दन शरीर से अलग होकर मशीन में फंस गई, जबकि बाकी का शरीर बाहर रह गया। घटना अलवर के कोटकासिम थाना क्षेत्र के कादैया गांव की सोमवार रात डेढ़ बजे की है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव के टुकड़ों को पोटली में बांध कोटकासिम सीएचसी (सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र) ले गई।

मृतकों के घर पहुंचे लोकसभा स्पीकर बिरला, जताई संवेदना

कोटा, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सोमवार को इटावा क्षेत्र में बड़ौद दुखांतिका पीड़ितों के घर जाकर संवेदना व्यक्त की। उन्होंने हादसे में घायलों की कुशलक्षेम भी पूछी। विगत दिनों रामनवमी जुलूस के दौरान अखाड़ेबाजों का चक्कर विद्युत तारों में उलझ गया था। उसे निकलने के प्रयास में करंट फैल गया और तीन युवकों की मृत्यु हो गई थी जबकि चार युवक घायल हो गए थे।

हादसे की जानकारी मिलने पर स्पीकर बिरला ने उसी समय दिल्ली से फोन पर कोटा जिला प्रशासन के अधिकारियों से तुरन्त राहत कार्यों के लिए कहा था। तीन दिवसीय प्रवास पर कोटा आने के बाद बिरला सोमवार को बड़ौद पहुंचे और मृतक महेंद्र यादव, दिवेश और ललित प्रजापति के घर जाकर उनके परिजनों को ढांढस हैं। सामाजिक कार्यकर्ताओं से कहा कि वे मृतकों के परिजनों को सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ दिलवाने में सहायता करें। स्पीकर बिरला हादसे में घायल हुए युवकों के घर भी गए। वहां हादसे के कारणों तथा उन्हें पहुंची क्षति की जानकारी ली। उन्हें आश्वस्त किया कि उनके उपचार की बेहतर व्यवस्था की जाएगी। यदि आवश्यकता हुई तो बड़े केंद्र पर भी उपचार करवाया जाएगा।

गैंगस्टर-हत्या के केस के लिए राजस्थान में स्पेशल टीम बनेगी

जयपुर, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान में आए दिन हो रही फायरिंग की घटनाओं और क्राइम के मामले सामने आने के बाद पुलिस की एक स्पेशल टीम बनने जा रही है। जो हत्या, हिंसक घटनाओं, आए दिन फायरिंग कर रहे गैंगस्टर और माइनर से रेप जैसे मामलों में तुरंत एक्शन मोड में आएगी। इसका नाम होगा क्विक इन्वेस्टिगेशन डिस्पोजल टीम। इसकी घोषणा सीएम अशोक गहलोत ने बजट सत्र के दौरान की थी।

एडिशनल एसपी (प्रभारी) और इंस्पेक्टर (सह प्रभारी) इस टीम की कमान संभालेंगे। पुलिस मुख्यालय की क्राइम ब्रांच हर हर जिले में टीम बनाएगी। जो 7 दिन और 24 घंटे काम करेगी। DGP उमेश मिश्रा के निर्देश के बाद प्रदेश के सभी जिलों में स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम बनाने की कवायद पुलिस मुख्यालय की क्राइम ब्रांच ने शुरू कर दी है।

कैसे काम करेगी टीम

क्राइम ब्रांच के डीआईजी राहुल प्रकाश ने बताया- प्रदेश में होने वाले अति संवेदनशील क्राइम में तुरंत और सटीक जांच के लिए क्विक इन्वेस्टिगेशन डिस्पोजल टीम बनाई जा रही है। हर जिले में यह टीम 7 दिन और 24 घंटे काम करेंगी। टीम 3 शिफ्टों में 8-8 घंटे की ड्यूटी देकर आपराधिक घटना की जांच करेगी। टेक्निकल और मौके पर मिले सभी सबूत जुटाएगी। जो कम से कम समय में जांच पूरी करेगी। इससे गंभीर क्राइम में दोषी सबूतों की कमी की वजह से छुट न सके। उसे सख्त से सख्त सजा मिले।

सियासी घमासान के बीच मुख्यमंत्री ने बुलाई कैबिनेट बैठक

सभी को उपस्थित होने के निर्देश

जयपुर, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान में चल रही सियासी घमासान के बीच मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बुधवार को कैबिनेट की बैठक बुलाई है, जिसमें सभी को बैठक में उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं। कैबिनेट की बैठक के तुरंत बाद मंत्री परिषद की बैठक होगी, जिसके बाद मंत्री प्रेस को बैठक के विषय में ब्रीफ करेंगे।

कैबिनेट की बैठक के एजेंडे के बारे में अभी कोई जानकारी नहीं दी गई है। सूत्र बता रहे हैं कि बैठक में नए जिलों को लेकर चर्चा हो सकती है और नई घोषणाओं की भी संभावना है। बैठक में बजट से संबंधित चर्चा भी होगी और साथ ही सचिन पायलट के अनशन पर भी चर्चा होने की संभावना है। आगे की रणनीति के विषय में भी मुख्यमंत्री गहलोत मंत्रिमंडल के साथ चर्चा कर सकते हैं।

राजस्थान शासन सचिवालय में शीघ्रलिपिक के 123 नवीन पद क्रिएट, सीएम गहलोत ने प्रस्ताव को दी मंजूरी

जयपुर, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। सीएम अशोक गहलोत ने शीघ्रलिपिक के कुल 164 पदों पर सीधी भर्ती के लिए कार्मिक विभाग को अर्थना भिजवाने की स्वीकृति भी दी है। इनमें 123 नए पदों सहित 41 वैकेंट पद शामिल हैं। मुख्यमंत्री के इस निर्णय से शासन सचिवालय में सरकारी काम सुचारू रूप से हो सकेगा। साथ ही युवाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। शीघ्रलिपिक के 123 नवीन पदों के अस्थाई सृजन की सहमति उनके पदोन्नति प्राप्त कर लेने तक प्रदान की गई है।

एक दिन और जेल में रहेगी निलंबित एएसपी दिव्या मित्तल

अजमेर, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। 2 करोड़ की रिश्वत मामले में निलंबित एसओजी की एएसपी दिव्या मित्तल 1 दिन और जेल में रहेंगी। मंगलवार को सरकार द्वारा राजकीय अवकाश घोषित करने के कारण कोर्ट बंद रहा। इसके चलते सेंट्रल जेल से रिहा करने के दस्तावेज तैयार नहीं हुए। अब दिव्या मित्तल को बुधवार को जेल से रिहा किया जाएगा।

आरोपी दिव्या मित्तल के एडवोकेट भगवान सिंह चौहान ने बताया- एनडीपीएस कोर्ट के न्यायाधीश द्वारा सोमवार को दिव्या मित्तल को जमानत दी गई थी। मंगलवार को उनकी जमानत होनी थी, लेकिन सरकार के द्वारा राजकीय अवकाश घोषित होने के कारण आज कोर्ट बंद रहे। कोट बंद होने के कारण जेल से रिहा करने के दस्तावेज तैयार नहीं हुए। इसके चलते आज उन्हें जेल से रिहा नहीं किया जाएगा। बुधवार को कोर्ट खुलने पर जमानती दस्तावेज तैयार होने के बाद उन्हें जेल से रिहा किया जाएगा। राजस्थान सरकार के द्वारा सोमवार देर रात तबादला सूची जारी की गई। इस लिस्ट में एनडीपीएस मामले में दिव्या मित्तल को गिरफ्तार करने वाले जांच अधिकारी कमल सिंह तंवर का नाम है। तंवर का ट्रांसफर जोधपुर पीटीसी कमांडेंट में किया गया है।

कल हुई थी जमानत

निलंबित एएसपी दिव्या मित्तल की जमानत के मामले में सोमवार को अजमेर की एनडीपीएस कोर्ट में सुनवाई हुई थी। जज के द्वारा दिव्या मित्तल के एडवोकेट के तर्कों से सहमत होते हुए मित्तल को जमानत दी गई थी। एडवोकेट चौहान ने बताया- मित्तल को गिरफ्तार करने के बाद 4 अप्रैल को एनडीपीएस कोर्ट में पेश किया गया था। पहले दिन जज की ओर से जांच अधिकारी तंवर को मौखिक फटकार लगाई गई थी। जज ने कहा था कि सारे अपराध जमानती हैं। 59(3) की पालना अभी तक नहीं की गई है, न तो लिखित परिवाद पेश हुआ है। न ही स्टेट गवर्नमेंट की पूर्व अनुमति ली गई। सोमवार को हुई सुनवाई में भी जज ने टिप्पणी करते हुए कहा- आज तक कोई लिखित शिकायत (परिवाद) एसओजी की ओर से नहीं पेश नहीं की गई। न ही राज्य सरकार से पूर्व अनुमति पेश की गई है।

यह है एनडीपीएस 59 एक्ट

एडवोकेट भगवान सिंह चौहान ने बताया- 59(1) जमानती अपराध है। 59(2) में दिव्या मित्तल से कुछ बरामदगी नहीं हुई है। इसलिए यह धारा लागू नहीं होती है। 59(3) में आरोपी (दिव्या) के खिलाफ प्राइवेट लिखित शिकायत देनी होती है।

राज्यपाल कलराज मिश्र ने किया कलाकारों का अभिनंदन

जयपुर, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। राज्यपाल कलराज मिश्र से मंगलवार को राजभवन में देश के विभिन्न भागों से आए ख्यातनाम कलाकारों और बड़ौदा यूनिवर्सिटी के कला प्राध्यापकों और विद्यार्थियों ने मुलाकात की। राज्यपाल मिश्र ने कलाकारों से संवाद करते हुए कहा कि कलाएं मन को रंजित ही नहीं करती बल्कि जीवन जीने की उदात्त दृष्टि देती है। उन्होंने विभिन्न कलाओं के अंतर्संबंधों की चर्चा करते हुए कहा कि सभी कलाएं एक दूसरे से घुलकर ही पूर्णता को प्राप्त करती है। राज्यपाल ने जयपुर में राष्ट्रीय धातु की मूर्तिकला सिंपोजियम को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि मूर्तिकला में भारत आरंभ से ही बहुत समृद्ध रहा है। संस्कृति के आलोक में कलाकार मूर्ति कला के नए आयाम गढ़े।

बेरोजगार युवाओं के लिए अपनी लड़ाई तेज करेगी भाजपा : एनवीएसएस

हैदराबाद, 11 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य भाजपा के उपाध्यक्ष एनवीएसएस प्रभाकर ने कहा कि 15 अप्रैल को वारंगल में "बेरोजगार युवा मार्च" के शुभारंभ के साथ पार्टी राज्य में बेरोजगार युवाओं के समर्थन में अपनी लड़ाई तेज करेगी। यहां राज्य पार्टी मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रभाकर ने कहा कि 30 लाख बेरोजगार युवा नौकरी की अधिसूचना और सरकारी नौकरी पाने का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन बीआरएस सरकार ने योजनाबद्ध तरीके से प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रश्नपत्रों को लीक करने का सहारा लिया ताकि भर्तियों में देरी हो। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने आरोप लगाया और केसीआर सरकार पर प्रश्नपत्रों को लीक करने और विपक्षी दलों को दोष देने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि पार्टी 10 जिलों में बेरोजगार युवा मार्च का आयोजन करेगी और दूसरा मार्च 18 अप्रैल को महबूबनगर जिले में होगा।

मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के मंत्री बेटे केटीआर को "लीक मास्टर" बताते हुए प्रभाकर ने केटीआर को टीएसपीएससी के प्रश्नपत्र के लीक होने के लिए जिम्मेदार ठहराया और उन्हें कैबिनेट से बर्खास्त करने की मांग की क्योंकि यह सरकार बेरोजगारों के भविष्य और छात्रों के जीवन के साथ खिलवाड़ कर रही है। उन्होंने इस साजिश के पीछे "अदृश्य ताकतों" का पता लगाने के लिए "पेपर लीक" मुद्दे की उच्च न्यायालय के सिटिंग जज द्वारा जांच की पार्टी की मांग को भी दोहराया।

तेलंगाना आंदोलन का समर्थन करने वाले और अपने प्राणों की आहुति देने वाले बेरोजगार युवाओं को सरकारी नौकरी देने में मुख्यमंत्री केसीआर की कोई ईमानदारी नहीं है। प्रभाकर ने आरोप लगाया कि केसीआर केवल दो तरफा रणनीति पर व्यस्त है कि कैसे अपनी बेटी एमएलसी के. कविता को दिल्ली शराब घोटाले से और उनके मंत्री बेटे केटीआर को "पेपर लीक" से बचाया जाए। उन्होंने कहा कि राज्य में प्रशासन ठप है क्योंकि ऐसा लगता है कि लोगों की समस्याओं को दूर करने के लिए कोई सरकार नहीं है। उप्पल के पूर्व विधायक ने किया खुलासा, हस्ताक्षर के लिए सीएम केसीआर के फार्महाउस में 12000 फाइलों का ढेर पड़ी हैं।

ओमान के राजा का परिवार तेलुगु राज्यों का दौरा करेगा

हैदराबाद, 11 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। डब्ल्यूटीआईटीसी (विश्व तेलुगु सूचना प्रौद्योगिकी परिषद) ने ओमान के राजा के छोटे बेटे हिज हाइनेस अल सैय्यद फिरास फातिक को परिषद का संरक्षक सदस्य नियुक्त किया है। यह नियुक्ति मंगलवार को संदीप कुमार मक्थाला के नेतृत्व में डब्ल्यूटीआईटीसी प्रतिनिधिमंडल के ओमान दौरे के दौरान की गई। यात्रा के दौरान, प्रतिनिधिमंडल ने ओमान और तेलुगु राज्यों के बीच सहयोग पर चर्चा करने के लिए महामहिम से मुलाकात की। चर्चा में निवेश के अवसर, ओमान में व्यापार नीतियां और आईटी और आईटीईएस क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी विनिमय पहल शामिल हैं। प्रतिनिधिमंडल के नेता सुदीप कुमार मकथाला ने महामहिम को नियुक्ति पत्र सौंपा, औपचारिक रूप से उन्हें डब्ल्यूटीआईटीसी के संरक्षक सदस्य के रूप में नियुक्त किया। प्रतिनिधिमंडल ने मस्कट और सोहर श्रम शिविरों में कठिनाइयों का सामना कर रहे तेलुगू लोगों से मुलाकात की। डब्ल्यूटीआईटीसी के अध्यक्ष सुदीप कुमार मकथाला ने कहा, "हम महामहिम अल सैय्यद फिरास फातिक से मिलकर खुश हैं और ओमान और तेलुगू राज्यों के बीच सहयोग की अपार संभावनाओं पर चर्चा की।

देश में कुपोषण को मिटाने को प्रमुख लक्ष्य बनाएं नवोदित कृषि वैज्ञानिक : डॉ. गुप्ता

कृषि अनुसंधान सेवा के 112वें फाउंडेशन कोर्स का शुभारंभ

हैदराबाद, 11 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। 112वें फोकार्स (फाउंडेशन कोर्स फॉर एग्रीकल्चरल रिसर्च सर्विस) के उद्घाटन के दौरान नार्म में परिवीक्षाधीन कृषि वैज्ञानिकों को संबोधित करते हुए विशिष्ट अतिथि विश्व खाद्य पुरस्कार विजेता पद्मश्री डॉ. एम. वी. गुप्ता ने कहा कि देश में कुपोषण और भूख का उन्मूलन नवोदित कृषि वैज्ञानिकों का प्रमुख लक्ष्य होना चाहिए। खाद्य सुरक्षा बनाए रखने के महत्व पर जोर देते हुए, उन्होंने परिवीक्षाधीनों को भारत में कृषि क्षेत्र के सतत विकास की जिम्मेदारी निभाने की सलाह दी। डॉ. गुप्ता ने संसाधनों और वित्त के बावजूद कृषि और संबद्ध क्षेत्रों की मांगों को पूरा करने के लिए सैद्धांतिक अनुसंधान के बजाय मांग आधारित अनुसंधान की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने वैज्ञानिकों को कम लागत वाली तकनीकों और प्रकाशनों के साथ मिलकर प्रभाव-संचालित अनुसंधान के माध्यम से राष्ट्र के लिए एक योगदानकर्ता बनने के लिए प्रोत्साहित किया। अंत में, उन्होंने वैज्ञानिकों को अनुसंधान में दोहराव को खत्म करने के लिए विविध विषयों और हितधारकों के साथ अधिक संवादात्मक होने का सुझाव दिया और इस प्रकार राष्ट्र के समग्र विकास में बहुत महत्व दिया।

ओल्ड बोइनपल्ली में चंडी यज्ञ का आयोजन

हैदराबाद, 11 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बैशाख मास की पंचमी तिथि पर पूज्य आसाराम बापू के जन्म दिवस के पावन अवसर पर समस्त देश और बापू भक्तों के सुरक्षा और स्वास्थ के लिए चंडी यज्ञ का आयोजन आसाराम बापू के भक्त सुंदर अग्रवाल के बोइनपल्ली निवास पर दुर्गा सप्तसती के प्रथम चरित, मध्यम चरित और उत्तम चरित के श्लोकों से किया गया। वृंदावन के यज्ञाचार्य पूज्य प्रमोद कृष्ण शास्त्री एवम सहयोगी आचार्यों ने विधि विधान से पंच प्रधान पूजन गौ पूजा, पितर पूजा के बाद यजमानों से संकल्प लेकर समस्त सनातनियों के कल्याण हेतु चंडी यज्ञ करवाया। यज्ञ के मुख्य यजमान सुंदर अग्रवाल, ऊषा अग्रवाल, गोपाल अग्रवाल, हिमांशु अग्रवाल, योगेश अग्रवाल, रीना अग्रवाल, अथर्व अग्रवाल आदि के अलावा सर्वदलीय गौरक्षा मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर जयपाल सिंह नयाल ने भी भाग लिया।

वनस्थलीपुरम में हनुमान चालीसा पाठ आयोजन संपन्न

हैदराबाद, 11 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। वनस्थलीपुरम सत्संग सेवा समिति के सदस्य सुरेश गोयल परिवार द्वारा 5 दिवसीय हनुमान चालीसा पाठ आयोजन राम मंदिर वनस्थलीपुरम में हुआ। आज आयोजित समापन कार्यक्रम में करीब 250 लोगों के लिए भंडारा का आयोजन किया गया। इस शुभ अवसर पर सुरेश गोयल, मीना गोयल, नरसिंह गोयल, मोनिका गोयल, विशेष अतिथि उत्तर भारती नागरिक संघ के अध्यक्ष एन.के. सिंह, वनस्थलीपुरम सत्संग सेवा समिति के अध्यक्ष तुलसीराम बंसल, रमेश काबरा, मनोहर सिंह, राजकुमार पांडे, महेश गिडवानी, जेबी गर्ग, पद्मनाभम, महेंद्र रेड्डी, छोटू मिस्त्री, पी. सुरेश, राजेंद्र तिवारी के अलावा काफी सांख्य में पुरुष और महिलायें भी उपस्थित हुए।

हिन्दी महाविद्यालय समिति की कार्यकारिणी में बदलाव

लक्ष्मीनिवास शर्मा नये अध्यक्ष व शील कुमार जैन नये मानद मंत्री

हैदराबाद, 11 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हिन्दी महाविद्यालय समिति के पदाधिकरियों के पदों में बदलाव हुआ है। वर्तमान अध्यक्ष कमलनारायण अग्रवाल द्वारा स्वास्थ्यगत कारणों से अध्यक्ष पद से त्याग पत्र देने पर हिन्दी महाविद्यालय समिति के अध्यक्ष एवं मानद मंत्री के पदों पर क्रमशः सीए लक्ष्मीनिवास शर्मा एवं शील कुमार जैन निर्वाचित हुए। आज जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में इस आशय की सूचना दी गई। अध्यक्ष कमलनारायण अग्रवाल ने अपने त्याग पत्र में कहा कि अनुभवी एवं कर्मठ लक्ष्मीनिवास शर्मा को अध्यक्ष पद पर आसीन करने से हिन्दी महाविद्यालय का चहुंमुखी विकास होगा। उन्होंने अपने त्यागपत्र के माध्यम से कार्यकारिणी स्टॉफ के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। कमलनारायण अग्रवाल के आग्रहानुसार लक्ष्मीनिवास शर्माजी को समिति के अध्यक्ष के रूप में निर्वाचित घोषित किया गया। युवा एवं कर्मठ समाजसेवी शील कुमार जैन को मानद मंत्री के रूप में निर्वाचित एवं पदासीन किया गया। लक्ष्मीनिवास शर्मा ने अध्यक्ष पद पर आसीन होने के बाद कार्यकारिणी सदस्यों एवं पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि हिन्दी महाविद्यालय के सर्वांगीण विकास के लिए समिति के अध्यक्ष एवं सहमंत्री को भी कुछ समितियों का निरीक्षण एवं देखभाल करना चाहिए एवं कार्यकारिणी सदस्यों को भी कुछ कमेटियों का संयोजक बनाकर कार्य को प्रगति प्रदान करनी चाहिए। अध्यक्ष लक्ष्मीनिवास शर्मा ने इस आशय से एक रूप रेखा भी समिति के सम्मुख प्रस्तुत की। उन्होंने नैक एवं एटानॉमी टीम के समक्ष पूर्ण तैयारी से प्रसतुतिकरण पर बल दिया। हिन्दी महाविद्यालय को सूचारू रूप से चलाने के लिए एसओपी की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि लगभग 8 एसओपी तैयार किए गए है, जिन्हें शैक्षणिक वर्ष 2023-24 से लागू किया जाएगा। नर्व निर्वाचित मानद मंत्री शील कुमार जैन ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि हिन्दी महाविद्यालय को जिस सुचारू रूप से प्रगति पथर पर लेकर जा रहे हैं उसमें वे अपनी योग्यता एवं सामर्थ्य के अनुसार सहयोग प्रदान करेंगे।

सरकारी बीसी हॉस्टल में मनी ज्योतिराव फुले की जयंती

हैदराबाद, 11 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। महात्मा ज्योतिराव फुले की 196वीं जयंती के अवसर पर सरकारी बीसी बॉयज हॉस्टल, लालदरवाजा में आयोजित कार्यक्रम में युवा कांग्रेस के पूर्व प्रवक्ता एसपी क्रांति कुमार ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर बोलते हुए क्रांति कुमार ने भारत में लड़कियों की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए ज्योतिराव फुले की उल्लेखनीय सेवाओं को याद किया और कहा कि उन्हें प्रथम महात्मा कहा जाता था और वह एक महान समाज सुधारक और एक महान सामाजिक कार्यकर्ता थे। इस अवसर पर यूथ कांग्रेस के नेता जी.नवीन कुमार, बी.वेंकटेश, मोक्षित, छात्रावास के छात्र अभिराम, शिव कुमार, मनोज सहित अन्य ने भाग लिया।

उन्नति महिला मंडल, चप्पल बाजार द्वारा नगर में बढती गर्मी के मद्देनजर छांछ वितरित की गई। अवसर पर मंडल की शकुंतला जाजू, संगीता मालू, सुनीता चांडक, सीमा चांडक, नेहा लोया, अन्नपूर्णा अग्रवाल, संगीता चांडक, निर्मल डाढ़, संगीता सारडा, उर्मिला धूत, मंगला बंग, अर्चना सोनी, सबिता काबरा, वंदना अट्टल, स्नेहा राठी, पिंकी परवाल, पूजा पंसारी, विजेता जाजू, मेघा जाजू ने भाग लिया।

ज्योति राव फुले की जयंती पर गौलीगुडा बीएसएनएल कार्यालय में फुले के चित्र पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए विधायक टी. राजा सिंह, जामबाग पार्षद राकेश जायसवाल, पांडु यादव, नंदू कुमार, मयूर, अनिल, रामकृष्ण व अन्य।

ज्योति राव फुले की 196वीं जयंती पर रवींद्र भारती में ज्योति राव फुले युवा मंच के सदस्य जी. नरेश, के.एम. गुरुचरण का सनमान करते हुए जाजुला श्रीनिवास।

केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय हिंदी सलाहकार समिति के सदस्य मनोनीत होने पर प्रो. चंद्रदेव कवडे का सम्मान

हैदराबाद, 11 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद में सभा के अध्यक्ष प्रो. चंद्रदेव कवडे का पर्यटन मंत्रालय में हिंदी सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में मनोनीत किए गए हैं। इस उपलक्ष्य में आंध्र प्रदेश हिंदी प्रचार सभा के अध्यक्ष डॉ. चोंगालक्ष्मुन्नायुडु, श्रीमती चोंगा रमा देवी, हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के प्रधानमंत्री शेक गैबुवली, महाराष्ट्र हिंदी प्रचार सभा के मंत्री डॉ. नारायण वाकळे, आंध्र प्रदेश हिंदी प्रचार सभा के संयुक्त मंत्री हाजीवली तथा सभा कार्यकर्ता संघ की ओर से प्रो. चंद्रदेव कवडे जी का सम्मान किया गया। इससे पूर्व वे रेल मंत्रालय में हिंदी सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में सेवाएँ दे चुकें हैं। वे अखिल भारतीय हिंदी संस्था संघ, नई दिल्ली के उपाध्यक्ष के रूप में भी सेवाएँ दे रहे हैं। इस संदर्भ में सभा के प्रधानमंत्री शेक गैबुवली ने कहा कि प्रो. कवडेजी का पर्यटन मंत्रालय द्वारा हिंदी सलाहकार समिति में मनोनीत किया जाना सभा के लिए गौरव की बात है। इस अवसर पर सभा के परीक्षा मंत्री प्रो. सुरेश पुरी, संचालन समिति सदस्य बी. चक्रपाणि, के. वेंकटेश्वर, रजिस्ट्रार नामदेव वाघमोड, कार्यकर्ता संघ के मंत्री सी. शिवलिंगम एवं सभा के समस्त कार्यकर्ता आदि उपस्थित थे।

जुक्कल विधायक हनमंत शिंदे ने मुख्यमंत्री सहयता निधि चेक का वितरण किया। इस अवसर पर सरपंच सुरेश, मंडल विकास अध्यक्ष वागमारे लक्ष्मीबाई, मदनूर सोसायटी अध्यक्ष श्रीनिवास पाटील आथद ने भाग लिया।

काचीगुडा में बजरंग सेना तेलंगाना राज्य कार्यालय का शुभारंभ अवसर पर उपस्थित सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष रनबीर पटेरिया, महासचिव अशोक शर्मा, रघुनंदन शर्मा, राष्ट्रीय समन्वयक रामशंकर मिश्रा, राजस्थान के अध्यक्ष मनदीप सिंह, तेलंगाना बजरंग सेना अध्यक्ष शिवप्रसाद, उपाध्यक्ष एनआर लक्ष्मण राव, रजनी, सूर्य शुक्ला व अन्य।

स्व. पंडित गंगाराम स्मारक मंच द्वारा सम्मान समारोह आयोजित

हैदराबाद, 11 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। स्वतंत्रता सेनानी पण्डित गंगाराम स्मारक मंच द्वारा आर्य कन्या विद्यालय हाई स्कूल, कंदास्वामी लेन, हनुमान टेकडी, सुलतान बाजार में प्रो. चंद्रदेव कवडे, सुरेश पुरी, शेक गैबुवली व डॉ. अनन्त काबरा का सम्मान कार्यक्रम अयोजित किया गया। मंच को यह जानकर बहुत प्रसन्नता हुई और गर्व का अनुभव किया, भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय ने हिन्दी सलाहकार समिति में प्रो चंद्रदेव कवडे, अध्यक्ष, हिन्दी प्रचार सभा, हैदराबाद और डॉ. अनन्त काबरा, दक्षिण भारत के प्रसिद्ध कवि, लेखक, एवं साहित्यकार को मनोनित किया है। इस अवसर पर, शेक गैबुवली, नव निर्वाचित प्रधानमंत्री, हिन्दी प्रचार सभा, हैदराबाद और सुरेश पुरी, परीक्षा मंत्री, हिन्दी प्रचार सभा, हैदराबाद का भी सम्मान किया गया। गंगाराम स्मारक मंच के डॉ. प्रताप रुद्र, डॉ. धर्मतेजा और प्रेमचंद्र मनोत, रणधीर सिंह, श्रीमती विभा भारती, अशोक कुमार श्रीवास्तव, कृष्ण कुमार गुप्ता, अनिल कुमार कौशिक आदि ने भाग लिया। प्रदीप जाजू, मंच के कोषाध्यक्ष ने बैठक सफल बनाने में बहुत अधिकक परिश्रम किया। गंगाराम स्मारक मंच के मंत्री श्रुतिकांत भारती ने बैठक का सफल संचालन किया। चैयरमैन भक्त राम ने धन्यवाद व्यक्त किया।

केंद्रीय हिंदी सलाहकार समिति के गैर-सरकारी सदस्य के रूप में नियुक्ति होन के बाद राज्यसभा सदस्य डॉ. के. लक्ष्मण से मुलाकात करते हुए शिक्षाविद सुशील कुमार शर्मा, सी.के.शंकर राव व अन्य।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

सुप्रीम कोर्ट ने ...

कोर्ट ने कमेटी से अपनी सुविधा के हिसाब से काम शुरू करने और 31 अगस्त तक वेरिफिकेशन की रिपोर्ट देने को कहा है। कोर्ट ने सभी यूनिवर्सिटी को भी ये निर्देश दिए हैं कि वकीलों की डिग्री के वेरिफिकेशन के लिए कोई शुल्क न लिया जाए।

बता दें कि चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस जेबी पारदीवाला की पीठ ने वकीलों के सत्यापन की प्रक्रिया में आने वाली परेशानियों को ध्यान में रखते हुए यह आदेश दिया है। पीठ ने अपने आदेश में कहा, न्यायिक प्रक्रिया तक पहुंच उन व्यक्तियों को नहीं दी जा सकती है जो वकील होने का दावा करते हैं, लेकिन उनके पास वास्तविक शैक्षणिक योग्यता या डिग्री नहीं है।

पीठ ने वकीलों की संख्या को लेकर कहा, अभी लगभग 25.70 लाख वकील होने का अनुमान है। बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक 25.70 लाख वकीलों में से लगभग 7.55 लाख के फॉर्म वेरिफिकेशन के लिए मिले थे। साथ ही 1.99 लाख सीनियर और ऑन-रिकॉर्ड एडवोकेट्स के फॉर्म काउंसिल के पास हैं।

जबरदस्ती चुप कराना ...

किसानों की आय को 2022 तक दोगुना करने के अपने वादे को पूरा करने में नाकाम होने के बाद पीएम बड़े आराम से चुप हो गए हैं। लेकिन बढ़ते खर्च और फसल की घटती कीमत वाली उनकी समस्या आज बनी हुई है।

वित्त मंत्री ने अपनी बजट की स्पीच में बेरोजगारी और महंगाई का नाम भी नहीं लिया, जैसे कि ये समस्याएं हैं ही नहीं। उनकी ये चुप्पी उन लोगों के किस काम की है, जो रोजाना दूध, सब्जी, तेल और गैस भी नहीं खरीद पाते हैं। ये चुप्पी उस युवा के किस काम की है जो अब तक की सर्वाधिक बेरोजगारी दर से जूझ रहा है। चीन के साथ बॉर्डर के मसले पर हमने देखा है कि कैसे पीएम मोदी चीनी घुसपैठ को नकारते रहे हैं, सरकार इस मामले में संसद में चर्चा को रोकती आई है और विदेश मंत्री ने हार मान लेने वाला रवैया अपना लिया है।

सोनिया ने कहा कि भाजपा और आरएसएस के लोगों ने देश में जिस नफरत और हिंसा को बढ़ावा दिया था, वह अब बढ़ती जा रही है और पीएम इसे नजरअंदाज कर रहे हैं। उन्होंने एक बार भी शांति या सौहार्द्र बनाए रखने की बात नहीं कही है या दोषियों पर लगाम कसने के लिए कोई कार्रवाई नहीं की है, ऐसे में उन्हें सजा मिलना तो दूर की बात है।

धार्मिक त्यौहार अब खुशी और उत्सव का पर्व नहीं रह गए हैं, बल्कि दूसरों को डराने और परेशान करने का मौका बनकर रह गए हैं।

आईपीएल 2023 : हार के बाद फॉफ डुप्लेसी को मिली बड़ी सजा

लगा 12 लाख का जुर्माना

खेल डेस्क, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल के 15वें मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स ने आरसीबी को रोमाचंक अंदाज में 1 विकेट से हरा दिया। इस मुकाबले में सबकुछ देखने को मिला। यह मैच कभी आरसीबी तो कभी लखनऊ के पाले में जाता दिखा, लेकिन आखिर में केएल राहुल की टीम ने आखिरी गेंद पर 1 रन दौड़कर बाजी मार ली। इस हार के बाद आरसीबी के कप्तान फॉफ डुप्लेसी पर 12 साल रुपए का जुर्माना लगा है।

दरअसल, आरसीबी के कप्तान को मैच में स्लो ओवर रेट का दोषी पाया गया है। टीम ने समय से अपने 20 ओवर नहीं पूरे किए थे। इसलिए कप्तान पर 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। नियमों के तहत अगर दूसरी बार आरसीबी को स्लो ओवर रेट का दोषी पाया जाता है तो कप्तान पर 24 लाख रुपये का जुर्माना लगेगा।

आईपीएल ने इस मामले में एक प्रेस रिलीज भी जारी की है, जिसमें बताया गया है कि "रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर पर लखनऊ सुपरजाइंट्स के खिलाफ सोमवार को बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले गए आईपीएल मैच के दौरान धीमी ओवर गति के लिए जुर्माना लगाया गया है। धीमी ओवर गति से जुड़ी आईपीएल की आचार संहिता के तहत टीम का इस सीजन में यह पहला अपराध है और इसलिए कप्तान फाफ डुप्लेसी पर 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है।'

अगर मैच की बात करें तो बैंगलोर ने 20 ओवर 2 विकेट खोकर 212 रनों का पहाड़ जैसा टारगेट सेट किया था। इसका पीछा करने आई लखनऊ की शुरूआत खराब रही और टीम ने 30 रनों के अंदर ही अपने तीन विकेट गंवा दिए थे।

एक वक्त ऐसा लगा कि ये मुकाबला लखनऊ हार जाएगी, लेकिन निकोलस पूरन ने 19 गेंदों पर 4 चौके और 7 छक्के की मदद से 62 रन ठोक मैच का रूख पलट दिया। इस मुकाबले की मैच की आखिरी गेंद पर भी खूब ड्रामा हुआ। आखिरी बॉल पर 1 रन चाहिए था, लेकिन गेदंबाज हर्षल पटेल रवि विश्नोई को नॉन स्ट्राइक एंड पर रन आउट नहीं कर पाए। बॉल दिनेश कार्तिक के हाथों से फिसल गई और लखनऊ बाई के रूप में जीत का रन लेकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

छह साल बाद फिर शुरू होगी हॉकी इंडिया लीग

2024 मार्च में हो सकता है अगला सीजन

खेल डेस्क, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। हॉकी इंडिया के सूत्रों का कहना है कि हम जल्द से जल्द लीग शुरू करना चाहते हैं, लेकिन अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) के अगले वर्ष फरवरी तक लीग के लिए खाली समय नहीं है।

छह वर्षों से बंद पड़ी हॉकी इंडिया लीग अगले वर्ष की शुरुआत में होने की उम्मीद है। हॉकी इंडिया ने लीग के लिए व्यवसायिक और विपणन साझीदारों की घोषणा कर दी है। आर्थिक कारणों के कारण लीग 2017 में बंद हो गई थी, लेकिन अब हॉकी इंडिया लीग को शुरू करने के लिए नए साझीदारों को जोड़ने में जुटी है।

हॉकी इंडिया के सूत्रों का कहना है कि हम जल्द से जल्द लीग शुरू करना चाहते हैं, लेकिन अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) के अगले वर्ष फरवरी तक लीग के लिए खाली समय नहीं है। तब तक हमारे पास लीग शुरू कराने के लिए काफी समय है। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की का कहना है कि उन्हें आज काफी राहत महसूस हो रही है, क्योंकि हॉकी इंडिया लीग शुरू कराना उनकी उच्च प्राथमिकता में है। अगले साल मार्च के महीन में

यह लीग हो सकती है, क्योंकि फरवरी तक समय नहीं है। मार्च में भी समय नहीं मिलने पर आने वाले महीनों में इसका आयोजन किया जा सकता है। यह लीग 2013 में शुरु हुई थी और इसके अब तक पांच सीजन हुए हैं। रांची की टीम दो बार खिताब जीत चुकी है। हालांकि, 2013 में पहला सीजन जीतने वाली टीम रांची रिन्होज अब लीग से हट चुकी है और 2015 में रांची रेज ने खिताब जीता था। 2014 में दिल्ली, 2016 में पंजाब और 2017 में कलिंगा की टीम ने खिताब अपने नाम किया।

हम देख रहे आईपीएल का सबसे हाई स्कोरिंग सीजन

14 मैचों में 8.86 का रहा रन रेट, 2018 का रिकॉर्ड टूटा

मुंबई, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल-16 के 14 मुकाबले पूरे हो चुके हैं। यानी लगभग 1/5 हिस्सा टूर्नामेंट का खत्म हो चुका है। इस दौरान जो ट्रेंड्स सामने आए हैं, उनके मुताबिक मौजूदा सीजन हाईएस्ट स्कोरिंग संस्करण बनने की राह पर है। शुरुआती 14 मैचों में इस साल 8.86 रन प्रति ओवर बन रहे हैं। इसने 2018 के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है, जब पहले 14 मैचों में प्रति ओवर 8.64 रन बन रहे थे।

साथ ही, मौजूदा सीजन में पावरप्ले भी टीमों के लिए ऐतिहासिक साबित हो रहा है। साल 2023 में टीमें पावरप्ले में 8.16 रन प्रति ओवर बना रही हैं, जो कि आईपीएल इतिहास में सबसे ज्यादा है। इसके अलावा पहले बैटिंग करने वाली टीमों ने पारी के कुल 28.7% रन सिर्फ पावरप्ले में बनाए हैं। यह आंकड़ा सीजन 2018 के बराबर है और संयुक्त रूप से दूसरा सबसे ज्यादा है। सिर्फ 2009 में टीमों ने पावरप्ले में इससे ज्यादा रन स्कोर किए थे।

100 रन का आंकड़ा टीमें इस बार सबसे जल्दी पा रहीं

28 पारियों में से 9 में टीमें 100 रन तक मात्र 12 ओवर में पहुंच गईं। ऐसा पहली बार हुआ है। 2018 के पहले 14 मैच के बाद टीमें 7 बार 12 ओवर के भीतर 100 रन तक पहुंची थी। राजस्थान ने सीजन में 100 रन का आंकड़ा हैदराबाद के खिलाफ 7.4 ओवर में पा लिया था। टीम 10 ओवर बैटिंग के बाद औसतन 88.1 रन बना रही हैं, जो कि 2018 (84.1 रन) से ज्यादा है।

पहली पारी का औसत स्कोर 181, 8 बार 190+ बन चुके

190+ का स्कोर जीत की गारंटी बन रहा है। 14 मैच की पहली पारियों में 8 बार 190+ रन बने हैं। सिर्फ केकेआर ही यह स्कोर गुजरात के खिलाफ चेज कर पाई है। पहली पारी में औसतन 181 रन बन रहे हैं। 190 से कम का स्कोर एक बार भी डिफेंड नहीं हो पाया। सबसे बड़ा स्कोर सीएसके (217) और सबसे छोटा (121) हैदराबाद के नाम है।

बडोनी का सिक्स वाला हिट-विकेट

15 बॉल में पूरन की फिफ्टी; डु प्लेसिस ने इस सीजन का सबसे लंबा छक्का लगाया

बेंगलुरु, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग में सोमवार के रोमांचक मुकाबले में लखनऊ सुपरजायंट्स ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 1 विकेट से हरा दिया। पहली पारी में फाफ डु प्लेसिस, विराट कोहली और ग्लेन मैक्सवेल ने फिफ्टी लगाई। दूसरी पारी में मार्कस स्टोइनिस और निकोलस पूरन की पारियों के दम पर एलएसजी ने मुकाबला जीत लिया।

बेंगलुरु के कप्तान फाफ डु प्लेसिस ने इस सीजन का सबसे लंबा छक्का लगाया। गेंद 115 मीटर दूर छत पर जा गिरी। निकोलस पूरन ने 15 बॉल में फिफ्टी लगाई और 19वें ओवर में छक्का लगाकर आयुष बडोनी हिट विकेट हो गए। वहीं, हर्षल पटेल नॉन स्ट्राइकर को रन आउट नहीं कर मैच जीतने का मौका गंवा बैठे। मुकाबले के ऐसे ही टॉप मोमेंट्स इस खबर में हम जानेंगे। मैच रिपोर्ट पढ़ने के लिए यहां क्लिक करें...

डु प्लेसिस ने 115 मीटर का छक्का मारा

पहली पारी में 15वें ओवर की चौथी बॉल रवि बिश्नोई ने शॉर्ट पिच फेंकी। फाफ डु प्लेसिस ने बैकफुट पर मिड विकेट की ओर बड़ा शॉट खेला। बॉल स्टेडियम से बाहर ही चली गई। रीप्ले में नजर आया कि यह छक्का 115 मीटर लंबा था, जो इस सीजन का सबसे लंबा छक्का है।

17वें ओवर में लखनऊ ने लिया इम्पैक्ट प्लेयर

पहली पारी में 16 ओवर खत्म होने के बाद लखनऊ ने इम्पैक्ट प्लेयर रूल का यूज किया। टीम ने बॉलर अमित मिश्रा की जगह बैटर आयुष बडोनी को शामिल किया। हालंकि नियमानुसार 14वें ओवर से पहले इंपैक्ट प्लेयर का इस्तेमाल कर सकते हैं या इससे पहले इसकी जानकारी दे सकते हैं।

सिराज ने मेयर्स को बोल्ड किया

पहली पारी में 212 रन का विशाल टारगेट बोर्ड पर लगाने के बाद बेंगलुरु को मोहम्मद सिराज ने अच्छी शुरुआत दिलाई। उन्होंने पहले ही ओवर में तीसरी गेंद इन स्विंग शॉर्ट ऑफ लेंथ फेंकी। काइल मेयर्स बैकफुट पंच करने गए, लेकिन बॉल उनके बैट से लग कर स्टंप्स में चली गई। मेयर्स ने पिछले 3 मैचों में अच्छा प्रदर्शन किया था, लेकिन बेंगलुरु के खिलाफ शून्य पर बोल्ड हो गए।

अनुष्का शर्मा मैच देखने पहुंचीं

आरसीबी के पूर्व कप्तान विराट कोहली की पत्नी और बॉलीवुड एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा बेंगलुरु-लखनऊ का मैच देखने चिन्नास्वामी स्टेडियम पहुंची। बेंगलुरु रोमांचक मुकाबले में एक रन से हार गई। अनुष्का अक्सर टीम इंडिया के मैच देखने के लिए भी स्टेडियम में पहुंचती हैं।

निकोलस पूरन ने लगाई सीजन की फास्टेस्ट फिफ्टी

213 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी लखनऊ ने एक वक्त तक 105 रन पर 5 विकेट गंवा दिए थे। फिर बैटिंग करने आए निकोलस पूरन ने 15 बॉल में फिफ्टी लगाकर आरसीबी के मुंह से लगभग मैच छीन लिया। वह 17वें ओवर की आखिरी गेंद पर आउट हुए। इस वक्त एलएसजी को 18 गेंद में महज 24 रन की जरूरत थी। पूरन की फिफ्टी आईपीएल के इस सीजन की फास्टेस्ट फिफ्टी है।

बडोनी ने सिक्स मारा, पर उसी शॉट पर हिट-विकेट हो गए

एलएसजी को 8 बॉल में 7 रन की जरूरत थी। तभी इम्पैक्ट प्लेयर आयुष बडोनी ने स्कूप शॉट खेला। बॉल बाउंड्री के पार चली गई, लेकिन बडोनी का बैट स्टंप्स से लग गया। इस तरह वह हिट-विकेट हो गए और टीम को 7 बॉल में 7 रन की जरूरत पड़ी। बडोनी ने 24 बॉल पर 30 रन बनाए।

आखिरी बॉल पर चाहिए थे एक रन, आरसीबी के हर्षल भी चूके और कार्तिक भी

20वें ओवर की आखिरी बॉल पर एलएसजी को 1 रन की जरूरत थी और उनका एक ही विकेट बचा था। आरसीबी के हर्षल पटेल ने मांकडिंग की कोशिश की, लेकिन बॉल स्टंप्स से नहीं लगी। उन्होंने थ्रो किया, लेकिन मांकडिंग में थ्रो से विकेट नहीं मिलता। अंपायर ने इस डेड बॉल करार दिया और नॉन-स्ट्राइकर एंड पर रवि बिश्नोई रन आउट होने से बच गए।

हर्षल ने फिर स्लोअर यॉर्कर गेंद फेंकी। आवेश खान बॉल मिस कर गए। विकेटकीपर दिनेश कार्तिक के हाथ में बॉल नहीं आई और बिश्नोई ने एक रन पूरा कर लिया।

भारतीय क्रिकेट के घरेलू सीजन 2023-24 के शेड्यूल की घोषणा

दलीप ट्रॉफी 28 जून से, अगले साल 5 जनवरी से होगा रणजी ट्रॉफी का आगाज

खेल डेस्क, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट के 2023-24 घरेलू सत्र की शुरुआत दलीप ट्राफी टूर्नामेंट के साथ होगी जो 28 जून से शुरू होगा। जबकि प्रमुख रणजी ट्राफी का आयोजन अगले साल पांच जनवरी से होगा। दलीप ट्रॉफी छह जोनल टीमों के बीच खेली जाएगी। उसके बाद देवधर ट्रॉफी (लिस्ट ए) 24 जुलाई से 3 अगस्त, ईरानी कप 1 से 5 अक्टूबर, सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 16 अक्टूबर से 6 नवंबर और विजय हजारे ट्रॉफी 23 नवंबर से 15 दिसंबर तक खेली जाएगी।

70 दिन तक खेले जाएंगे रणजी ट्रॉफी के मुकाबले

रणजी ट्रॉफी पुरुषों के सीनियर वर्ग में सीजन का आखिरी टूर्नामेंट होगा। यह टूर्नामेंट 70 दिन तक चलेगा। इसके एलीट ग्रुप के लीग चरण के मैच 5 जनवरी से 19 फरवरी के बीच खेले जाएंगे जबकि नॉक-आउट राउंड 23 फरवरी से 14 मार्च तक होगा। प्लेट ग्रुप के लीग मैच 5 जनवरी

भारतीय क्रिकेट के घरेलू सीजन का शेड्यूल (2023-24)

टूर्नामेंट	कब से कब
दलीप ट्रॉफी	28 जून से 16 जुलाई
देवधर ट्रॉफी	24 जुलाई से 3 अगस्त
ईरानी कप	1-5 अक्टूबर
सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी	16 अक्टूबर से 6 नवंबर
विजय हजारे ट्रॉफी	23 नवंबर-15 दिसंबर
रणजी ट्रॉफी	5 जनवरी, 2024 से 14 मार्च

से 5 फरवरी के बीच जबकि नॉक-आउट राउंड 9 से 22 फरवरी तक खेला जाएगा।

हर बार की तरह इस बार भी एलीट वर्ग में चार ग्रुप होंगे। जिसमें हर ग्रुप में आठ-आठ टीमें होंगी जिसमें से हर ग्रुप की शीर्ष की दो-दो टीमें क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। प्लेट वर्ग में एक ही ग्रुप होगा और इसमें छह टीमें होगी और इसमें से टॉप चार टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। प्लेट ग्रुप के फाइनल में पहुंचने वाली दोनों टीमें आगामी सीजन (2024-25) में एलीट ग्रुप में शामिल होंगी।

सीनियर महिला सीजन की शुरुआत 19 अक्टूबर से

सीनियर महिला सीजन की शुरुआत राष्ट्रीय टी-20 चैंपियनशिप के साथ होगी। यह 19 अक्टूबर से 9 नवंबर के बीच खेली जाएगी। इसके बाद इंटर जोनल टी-20 ट्रॉफी 24 नवंबर से 4 दिसंबर तक खेली जाएगी। इसके बाद सीनियर महिला वनडे ट्रॉफी 4 से 26 जनवरी के बीच आयोजित होगी।

सीनियर महिला टी-20 ट्रॉफी और वनडे ट्रॉफी में पांच ग्रुप होंगे। इसके दो में आठ-आठ टीमें और तीन ग्रुप में सात-सात टीमें होंगी। पांच ग्रुप में से हर टीम की टॉप दो टीमें नॉकआउट के लिए क्वालीफाई करेंगी।

टाइटल रेस में आर्सेनल को झटका

लिवरपूल के खिलाफ 2-0 से आगे होने पर भी नहीं मिली जीत

खेल डेस्क, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। कोच मिकेल अर्टेटा की टीम अब दूसरे स्थान पर चल रही मैनचेस्टर सिटी से सिर्फ छह अंक आगे रह गई है। उसने सिटी से एक मैच ज्यादा भी खेले हैं। आर्सेनल के 30 मैचों में 73 अंक हैं। वहीं, मैनचेस्टर सिटी के 29 मुकाबलों में 67 अंक हैं।

इंग्लिश प्रीमियर लीग में टाइटल जीतने की रेस में सबसे आगे चल रही आर्सेनल की टीम को बड़ा झटका लगा है। उसे लिवरपूर के खिलाफ रविवार (नौ अप्रैल) को ड्रॉ से संतोष करना पड़ा। लिवरपूल के होमग्राउंड एनफील्ड स्टेडियम में आर्सेनल ने 2-0 की लीड हासिल कर सकी थी। इसके बावजूद उसे जीत नहीं मिली। लिवरपूल ने शानदार वापसी करते हुए दो गोल दागे और मैच को 2-2 से बराबर रहा।

कोच मिकेल अर्टेटा की टीम अब दूसरे स्थान पर चल रही मैनचेस्टर सिटी से सिर्फ छह अंक आगे रह गई है। उसने सिटी से एक मैच ज्यादा भी खेले हैं। आर्सेनल के 30 मैचों में 73 अंक हैं। वहीं, मैनचेस्टर सिटी के 29 मुकाबलों में 67 अंक हैं। आर्सेनल के आठ मैच बचे हैं। इसमें से एक मुकाबला मैनचेस्टर सिटी के खिलाफ भी होगा। यह मैच सिटी के होमग्राउंड एतिहाद स्टेडियम में खेला जाएगा।

आर्सेनल के मैच में गैब्रियल मार्टिनेली ने आठवें और गैब्रियल जेसुस ने 28वें मिनट में गोल किया। लिवरपूल ने हाफटाइम से वापसी की। दिग्गज खिलाड़ी मोहम्मद सालाह ने 42वें मिनट में गोल कर स्कोर के अंतर को कम किया। हाफटाइम के ठीक लिवरपूल का आक्रमण जारी रहा। सब्सीट्यूट खिलाड़ी के रूप में ब्राजील के रोबर्टो फिर्मिनो ने 87वें मिनट में गोल कर आर्सेनल को बड़ा झटका दे दिया। लिवरपूल ने मैच में 2-2 की बराबरी कर ली। इसके बाद दोनों टीमें एक भी गोल नहीं कर सकीं और मुकाबला ड्रॉ पर समाप्त हुआ।

आर्सेनल को अभी बाकी बचे आठ मैचों में 16 अप्रैल को वेस्ट हैम, 22 अप्रैल को साउथम्पटन, 27 अप्रैल को मैनचेस्टर सिटी, 29 अप्रैल को चेल्सी, सात मई के न्यूकैसल, 14 मई को ब्राइटन, 20 मई को नॉटिंघम फॉरेस्ट और 28 मई को वूल्व्स के खिलाफ खेलना है। इनमें से मैनचेस्टर सिटी, चेल्सी और न्यूकैसल के खिलाफ होने वाले उसके मुकाबले काफी अहम होंगे। इन तीन मैचों में अगर आर्सेनल को जीत मिलती है तो खिताब जीतने की राह आसान हो जाएगी।

हिमाचल का युवक रातोंरात बना लखपति

ड्रीम-11 पर बनाई शानदार टीम, सेकेंड रैंक लेकर जीते 10 लाख रुपए

सुंदरनगर, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश का एक युवक रातोंरात लखपति बन गया। उसकी ऐसी लॉटरी लगी कि झटके में उसके खाते में 10 लाख रुपए आ गए। इससे युवक के परिवार में जश्न का माहौल है। युवक को भी अपनी किस्मत चमकने पर भरोसा नहीं हो रहा, लेकिन यह सच है और ऐसा वाकई में हुआ है।

पिछले 1 साल से टीम बना रहा कॉलेज स्टूडेंट

दरअसल, मंडी जिले के सुंदरनगर के फागला निवासी मोहित ड्रीम-11 में मैच खेलकर लखपति बने हैं। मोहित ने रविवार को सनराइजर्स हैदराबाद और किंग्स इलेवन पंजाब के बीच खेले मैच से पहले 39 रुपए लगा कर एक बेहतरीन टीम बनाई।

सामाजिक कार्यों में खर्च की जाएगी राशि

मैच समाप्त होने के बाद मोहित दूसरे रैंक पर रहा, जिससे उसके अकाउंट में 10 लाख रुपए की राशि आ गई। टैक्स कटने के बाद मोहित के खाते में 7 लाख की राशि आ गई है। मोहित सुंदरनगर के महाराजा लक्ष्मण सेन स्मारक महाविद्यालय का छात्र है। 20 साल की उम्र में ही मोहित ने 10 लाख जीतकर रिकॉर्ड बनाया है। मोहित ने बताया कि वह पिछले करीब एक साल से ड्रीम-11 में टीम बनाकर खेल रहा है और अब आगे भी खेलता रहेगा। मोहित ने बताया कि वह इस राशि को नेक व सामाजिक कार्य में खर्च करेगा।

पंजाब किंग्स के कप्तान धवन को हुआ प्यार

कहा- पुरानी चीजों को भुलाकर फिर से आगे बढ़ना चाहता हूं, फैन ने पूछा शादी कब करोगे?

मुंबई, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब किंग्स की कप्तानी का जिम्मा संभाल रहे शिखर धवन ने कबूला कि उन्हें प्यार हो गया है। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वहीं फैंस पूछ रहे हैं कि शादी कब करोगे?

इस वीडियो में गब्बर स्वीकार कर रहे हैं कि उनकी जिंदगी में प्यार की एंट्री हो चुकी है और अब वह एक कमिटेड रिश्ते में हैं। इतना ही नहीं वह यह भी कहते दिख रहे हैं कि वह इस रिश्ते से काफी खुश हैं। वह यह भी कह रहे हैं कि वह पुरानी चीजों को भुलाकर फिर से आगे बढ़ना चाहते हैं।

ऐसे में यह अंदाजा लगाया जा रहा है कि गब्बर में किसी लड़की से रिश्ते की बात कर रहे हैं। शिखर वीडियो बनाने वाले से यह भी कह दिख रहे हैं कि क्या तुम वीडियो बना रहे हो? वीडियो वायरल होने के बाद शिखर धवन का कोई बयान नहीं आया है।

2020 में शिखर की पहली पत्नी आयशा ने अलग होने का किया था ऐलान

दरअसल शिखर की पहली पत्नी आयशा ने साल 2020 में अलग होने का ऐलान किया था और दोनों के बीच तलाक का केस अभी चल रहा है। शिखर ने हाल ही में एक टीवी चैनल पर दिए इंटरव्यू में आयाश मुखर्जी से तलाक पर पूछे गए सवाल पर कहा था कि शादी टूटने में गलती रही है। तलाक का मुद्दा अभी कोर्ट में है। शादी नहीं चल पाई इसमें फेल हुआ।

उन्होंने यह भी कहा था कि फेल इसलिए हुआ क्योंकि मुझे उस फील्ड का अंदाजा नहीं था। अब अगर वह दोबारा शादी करते हैं तो उनके पास ज्यादा अनुभव होगा।

पंजाब किंग्स ने जीते हैं दो मैच

पंजाब किंग्स ने शिखर धवन की कप्तानी में खेले अब तक 3 मैचों में से 2 मैच जीते हैं और एक मैच में हार का सामना करना पड़ा है। हालांकि, वह 2 मैच जीतने के बाद अभी पॉइंट टेबल में छठे स्थान पर है। पंजाब के अलावा राजस्थान, चेन्नई, लखनऊ और कोलकाता भी दो-दो मैच जीते हैं। उनके भी दो-दो पॉइंट है। रनरेट की वजह से ये टीमें पॉइंट टेबल में पंजाब से आगे हैं।

शिखर धवन टॉप पर

आईपीएल के 16वें सीजन में अभी शिखर धवन रन बनाने में टॉप पर हैं। तीन मैचों में 225 की औसत से 225 रन बनाए हैं। 2 बार वह नॉटआउट रहे हैं। वहीं 2 हाफ सेंचुरी भी जड़ चुके हैं। दूसरे स्थान पर ऋतुराज गायकवाड हैं। उन्होंने 3 मैचों में 94.50 की औसत से 189 रन बनाए हैं। वहीं तीसरे स्थान पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान फाफ डु प्लेसिस हैं। उन्होंने 87.50 की औसत से रन बनाए हैं।

राष्ट्र का विकास उसके स्वास्थ्य सूचकांक पर निर्भर : केंद्रीय मंत्री

तिरुपति, 11 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। केन्द्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि स्वास्थ्य देखभाल और शिक्षा देश के विकास में दो महत्वपूर्ण घटक हैं और स्वास्थ्य सूचकांक एक राष्ट्र के विकास को तय करता है। केंद्रीय मंत्री अपने परिवार और काफिले के साथ मंगलवार को तिरुमला में श्री वेंकटेश्वर स्वामी के मंदिर में पूजा-अर्चना करने के बाद टीटीडी द्वारा संचालित श्री पद्मावती चिल्ड्रेन्स हार्ट सेंटर और बीआईआरआरडी आँर्थो हॉस्पिटल गए। टीटीडी के ईओ एवी धर्म रेड्डी और एसपीएचसीसी के निदेशक डॉ श्रीनाथ रेड्डी ने उन्हें विभिन्न वार्डों में ले गए जहां शिशुओं और बच्चों का उनके हृदय रोगों के लिए इलाज किया जा रहा है। मंत्री ने कैथलैब, आईसीयू आदि का दौरा किया और मरीज के माता-पिता से बातचीत की। उन्होंने टीटीडी द्वारा शिशुओं और बच्चों को मुफ्त में दिल की सर्जरी करके दी जा रही सेवा पर बहुत प्रसन्नता व्यक्त की। बाद में उन्होंने बीआईआरआरडी आँर्थो अस्पताल का भी दौरा किया, जहां जरूरतमंदों को घुटने के जोड़ और आँखों से संबंधित बीमारियों का नि:शुल्क इलाज किया जा रहा है। मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, उन्होंने कहा, इन दो-टीटीडी संचालित अस्पतालों में सेवाएं प्रशंसनीय हैं और विशेष रूप से बाल चिकित्सा केंद्र त्रुटिहीन है। मैंने अभी कुछ दिनों के, महीनों के शिशुओं को देखा था, जिनका अस्पताल में समर्पित डॉक्टरों और पैरा मेडिकल स्टाफ की टीम द्वारा सफलतापूर्वक इलाज किया गया था, जो शिशुओं को नया जीवन दे रहे थे। मैं टीटीडी को भी इस तरह की अद्भुत शुरुआत के लिए बधाई देता हूं। उन्होंने कहा, मुझे बताया गया है कि कोविड के कठिन समय में भी, टीटीडी द्वारा संचालित बीआईआरआरडी अस्पताल ने कोविड केयर सेंटर के रूप में काम किया है और कई लोगों का इलाज किया है, जो प्रशंसा के पात्र हैं! आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में हमने देश में नए सिरे से हेल्थ केयर सेंटर का पुनर्निर्माण किया। भारत कोविड महामारी के दौरान पूरी दुनिया के लिए एक रोल मॉडल के रूप में खड़ा था और आज हमारे द्वारा 224 करोड़ से अधिक टीकाकरण का निर्माण किया जा रहा है। मैं एक बार फिर टीटीडी और डॉक्टरों की पूरी टीम को चिकित्सा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में उनकी सेवाओं के लिए तहे दिल से बधाई देता हूं और पीडियाट्रिक कार्डियक सेंटर निश्चित रूप से पूरे देश में एक रोल मॉडल अस्पताल बनेगा। इस अवसर पर जेईओ सदा भार्गवी, ईई कृष्णा रेड्डी, एसपीएचसीसी से डॉ गणपति और डॉ राममूर्ति, डॉ प्रदीप, डॉ वेणुगोपाल सहित बीआईआरआरडी के डॉक्टर भी उपस्थित थे।

सिंगरेनी कोलियरीज टीम ने वैजाग स्टील प्लांट का दौरा किया

विशाखापत्तनम, 11 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में सिंगरेनी कोलियरीज के अधिकारियों की एक टीम ने मंगलवार को राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल) - विशाखापत्तनम स्टील प्लांट का दौरा किया, जो तेलंगाना सरकार के स्टील प्लांट में एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट की बोली में भाग लेने के निर्णय के परिणामस्वरूप आया है। टीम बोली की व्यवहार्यता का अध्ययन कर रही है। हालांकि आरआईएनएल के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक अतुल भट्ट दिल्ली में हैं, लेकिन टीम को विपणन विभाग के शीर्ष अधिकारियों के साथ बातचीत करते देखा गया। इस बीच, उक्कु परिरक्षण पोराटा समिति ने ईओआई बोली में भाग लेने के लिए सिंगरेनी कोलियरीज के निदेशकों की यात्रा का स्वागत किया।

अनुमति के बिना चल रहे निजी अस्पतालों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज करें : हरीश

संगारेड्डी, 11 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। स्वास्थ्य मंत्री टी. हरीश रावने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को अनिवार्य अनुमति के बिना चल रहे निजी अस्पतालों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने का निर्देश दिया। मंगलवार को जिला परिषद आम सभा की बैठक के दौरान, जब एक जेडपीटीसी सदस्य ने एक निजी अस्पताल के बारे में सवाल उठाया, जो नारायणखेड़ में सरकारी अस्पताल के ठीक सामने खुला था, तो मंत्री ने जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. गायत्री को ऐसे अस्पतालों पर छापेमारी करने का निर्देश दिया और उन पर कार्रवाई शुरू करने को कहा। राव ने अधिकारियों से डॉक्टरों की अनुमति और योग्यता की जांच के लिए नियमित रूप से निजी अस्पतालों और क्लीनिकों का

निरीक्षण करने को कहा।

तेलंगाना 200 नई '108' एंबुलेंस खरीदेगा

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार 3 लाख किलोमीटर से अधिक दूरी तक चलने वाली पुरानी एंबुलेंस को बदलने के लिए 200 नई '108' एंबुलेंस खरीदेगी। मंगलवार को जिला परिषद की बैठक के दौरान, मुनिपल्ली एमपीपी शैलजा द्वारा अपने मंडल में पुरानी एम्बुलेंस को बदलने का आग्रह करने के अनुरोध के जवाब में, स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि उन्होंने '108' एम्बुलेंस सेवाओं पर हैदराबादमें समीक्षा बैठक की। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग ने पहले ही 200 नई एंबुलेंस का ऑर्डर दे दिया है, उन्होंने कहा कि नई '108' एंबुलेंस को 45 दिनों के भीतर सेवा में लगाया जाएगा। मंत्री ने कहा कि उन्होंने 200 एंबुलेंस की पहचान की है जिन्होंने तेलंगाना में 3 लाख किलोमीटर से अधिक की यात्रा की है। मंत्री ने संगारेड्डी में महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती समारोह में भी भाग लिया।

तेलंगाना व आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्रियों ने ज्योतिराव फुले को श्रद्धांजलि दी

हैदराबाद, 11 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव और आंध्र प्रदेश के उनके समकक्ष वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी ने मंगलवार को सामाजिक वैज्ञानिक और दार्शनिक महात्मा ज्योतिराव गोविंदा राव फुले को उनकी 197 वीं जयंती पर श्रद्धांजलि दी। सीएम चंद्रशेखर राव ने कहा कि वर्चस्ववादी मूल्यों के खिलाफ लड़ाई और सभी क्षेत्रों में समानता के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित करने वाले ज्योतिराव फुले की आकांक्षाएं और कार्य आज भी वर्तमान पीढ़ियों के लिए प्रेरणा हैं। उन्होंने कहा कि जाति और लैंगिक भेदभाव के खिलाफ दलितों, आदिवासी और पिछड़े समुदायों के उत्थान के उद्देश्य से ज्योतिबा फुले ने लगभग 200 साल पहले गतिविधियों को शुरू किया था। सीएम ने कहा कि ज्योतिबा फुले द्वारा अपनाए गए सामाजिक समानता के मार्ग ने उस समय के भारतीय समाज में पारंपरिक सामाजिक मूल्यों और व्यवस्थाओं में आमूल परिवर्तन लाने का मार्ग प्रशस्त किया। उन्होंने कहा कि फुले की कार्य योजना ने महिलाओं और दलितों और पिछड़े समुदायों को गुणात्मक परिवर्तन के लिए लड़ने के लिए प्रोत्साहित किया। सीएम ने याद दिलाया कि डॉ बाबासाहेब अंबेडकर ने खुद महात्मा फुले को अपना 'गुरु' घोषित किया था। उन्होंने कहा कि ज्योतिबा फुले जैसे महान लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए राज्य सरकार अपनी प्राथमिकता के अनुसार विकास और कल्याणकारी कार्यक्रमों को लागू कर रही है। उन्हीं की प्रेरणा से राज्य सरकार 'विकास भेद का प्रतिकारक है' की नीति पर चलकर कमजोर वर्गों के विकास की दिशा में कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा लागू की गई विकास और कल्याणकारी योजनाओं से तेलंगाना में दलितों, आदिवासियों, कमजोर वर्गों और महिलाओं ने सामाजिक-राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक पहलुओं में अच्छे परिणाम हासिल किए हैं और सामाजिक समानता की दिशा में आगे बढ़े हैं। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी ने कहा कि फुले एक महान व्यक्ति थे जिन्होंने दलितों के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने उन्हें आधुनिक भारत में सामाजिक न्याय और महिला सशक्तिकरण आंदोलनों का अग्रणी कहा। उन्होंने कहा कि फुले का मानना था कि शिक्षा से ही विकास और न्याय संभव है। जगन मोहन रेड्डी ने कहा, "उनका रास्ता हमारी यात्रा है।" आंध्र प्रदेश के राज्यपाल एस. अब्दुल नजीर ने भी फुले को उनकी जयंती पर याद किया। राज्यपाल ने कहा कि फुले सभी लोगों के लिए समान अधिकारों के समर्थक थे और उन्हें उनके सामाजिक-सांस्कृतिक सुधारों और महिलाओं की शिक्षा और सशक्तिकरण में उनके योगदान के लिए याद किया जाता है।

आदित्य ठाकरे और केटीआर ने हैदराबाद में टी-हब में इनोवेशन पर चर्चा की

हैदराबाद, 11 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री आदित्य ठाकरे ने मंगलवार को हैदराबाद में टी-हब का दौरा किया और आईटी मंत्री केटी रामाराव से मुलाकात की। अपनी यात्रा के दौरान, ठाकरे और उनकी टीम ने टी-हब में स्टार्टअप्स और इनोवेशन का निरीक्षण किया। ठाकरे ने टी-हब में स्टार्टअप्स, अन्वेषकों और विचारकों के लिए अपनी प्रशंसा व्यक्त करते हुए उन्हें अद्भुत बताया। उन्होंने यह भी टिप्पणी की कि मंत्री केटीआर के साथ बैठक हमेशा अद्भुत और उत्साहजनक रही। दोनों मंत्रियों ने सामान्य हित के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की, जिसमें स्थिरता, शहरीकरण, प्रौद्योगिकी और देश के विकास में उनकी भूमिका शामिल है। केटीआर ने पिछले साल दावोस में अपनी आखिरी मुलाकात के बाद आदित्य ठाकरे से फिर से मिलने पर खुशी जताई। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि भविष्य में और बैठकें आयोजित की जानी चाहिए।

यासंगी धान की खरीदी के लिए सरकार प्रतिबद्ध : नलगोंडा विधायक

नलगोंडा, 11 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। नलगोंडा के विधायक कंचेरला भूपाल रेड्डी ने मंगलवार को कहा कि राज्य सरकार राज्य में किसानों द्वारा उत्पादित धान के हर दाने को खरीदने के लिए प्रतिबद्ध है। यहां अरजला भावी गांव में एक धान खरीद केंद्र का उद्घाटन करते हुए, भूपाल रेड्डी ने कहा कि सिंचाई सुविधाओं में सुधार, 24 घंटे मुफ्त बिजली की आपूर्ति और रैतु बंधु के तहत निवेश सहायता के कारण धान का उत्पादन बढ़ा है। हालांकि केंद्र ने जानबूझकर राज्य से धान की खरीद बंद कर दी थी, मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने किसानों के हितों की रक्षा के लिए किसानों से धान की खरीद जारी रखने का फैसला किया है।

राज्यपाल को विधेयकों को लंबित रखने का कोई अधिकार नहीं : जगदीश

सूर्यापेट, 11 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। ऊर्जा मंत्री जी. जगदीश रेड्डी ने मंगलवार को कहा कि राज्यपाल तमिलिसाई सौंदरराजन को विधान सभा द्वारा पारित विधेयकों को लंबित रखने का कोई अधिकार नहीं है। यहां मीडिया से बात करते हुए, जगदीश रेड्डी ने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार गैर-भाजपा शासित राज्यों में राज्यपाल प्रणाली का दुरुपयोग करके कल्याणकारी योजनाओं में बाधा उत्पन्न करने की कोशिश कर रही है। राज्यपाल ने बजट सत्र के लिए विधानसभा और विधान परिषद की संयुक्त बैठक में अपने भाषण के दौरान राज्य सरकार की प्रशंसा की है, लेकिन राजभवन से उनकी हरकतें उनके कहे का खंडन कर रही है। उन्होंने राज्यपाल द्वारा विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों में देरी करने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए पूछा कि क्या वह राज्यपाल की तरह काम कर रही हैं या भाजपा नेता के रूप में। उन्होंने कहा कि अगर राज्य सरकार ने बिलों के संबंध में संविधान के मूल सिद्धांतों का उल्लंघन किया है, तो केवल सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ के पास ऐसे बिलों को रोकने की शक्ति है।

उन्होंने याद दिलाया कि तमिलनाडु सरकार ने विधायी निकायों द्वारा पारित विधेयकों को मंजूरी देने के लिए राज्यपाल के लिए समय सीमा तय करने के लिए, विधानसभा में एक प्रस्ताव पारित किया है।

तेलंगाना में 'सामान्य से कम' मानसून की बारिश होने की संभावना : आईएमडी

हैदराबाद, 11 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भारत मौसम विज्ञान विभाग-हैदराबाद (आईएमडी-एच) ने इस साल तेलंगाना में सामान्य से कम दक्षिण-पश्चिम मानसून की बारिश की भविष्यवाणी की है। हालांकि मानसून का मौसम कम से कम दो महीने दूर है, आईएमडी ने विभिन्न वैश्विक जलवायु पूर्वानुमान केंद्रों से युग्मित वैश्विक जलवायु मॉडल (सीजीसीएम) के आधार पर मल्टी-मॉडल एन्सेम्बल (एमएमई) पूर्वानुमान प्रणाली का

उपयोग करके अपने अपेक्षित प्रदर्शन का प्रारंभिक संकेत प्रदान किया है।

तेलंगाना अपनी वार्षिक वर्षा का अधिकांश भाग मानसून के मौसम में प्राप्त करता है, जो आमतौर पर जून में शुरू होता है और सितंबर तक रहता है। आईएमडी ने कहा है कि वे इस वर्ष के लिए अद्यतन मानसून पूर्वानुमान मई 2023 के अंतिम सप्ताह में उपलब्ध कराएंगे, जो मौसम के शुरू होने से ठीक पहले होगा। यह अद्यतन पूर्वानुमान कथित तौर पर अपेक्षित वर्षा पैटर्न की स्पष्ट तस्वीर प्रदान करता है और किसानों और अन्य हितधारकों को मौसम के लिए बेहतर तैयारी करने में मदद करेगा।

भारी मात्रा में गांजा के साथ सात गिरफ्तार

हैदराबाद, 11 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सिटी की बहादुरपुरा पुलिस के साथ हैदराबाद नारकोटिक एन्फोर्समेंट विंग की टीम ने चार गांजा आपूर्तिकर्ताओं, एक ट्रांसपोर्टर और दो विक्रेताओं को गिरफ्तार किया। आरोपियों को गांजा के साथ बहादुरपुरा थाना सीमा, हैदराबाद के तहत पाया गया। इनके पाससे कुल 80 किलोग्राम गांजा, 6 सेल फोन और एक वाहन मिला है। गिरफ्तार आरोपियों में गांजा आपूर्तिकर्ता पांगी पंडन्ना, कोर्रा सीताराम, कोर्रा सुब्बन्ना, पांगी कृष्ण मूर्ति, गांजा ट्रांसपोर्टर तेजावत कोटेश, गांजा बेचने वाले राकेश सिंह, बजरंग शामिल है।

पुलिस के अनुसार मुख्य आरोपी तेजावत कोटेश वारंगल जिले के महबूबाबाद का रहने वाला है। शुरुआत में वर्ष 2018 में वह बस में सिलेरू, आंध्र प्रदेश की यात्रा करता था और थोड़ी मात्रा में गांजा खरीदता था और धूलपेट विक्रेताओं को आपूर्ति करता था। वर्ष 2022 में उन्होंने एक अशोक लीलैंड ऑटो ट्रॉली खरीदी, गांजा छुपाने के लिए कुछ छिपे हुए केबिन बनाकर ट्रॉली को संशोधित किया। उसने पांगी पंडन्ना, कोर्रा सीताराम, कोर्रा सुब्बन्ना, पांगी कृष्ण मूर्ति से गांजा खरीदना शुरू किया।

इसके बाद राकेश सिंह, बजरंग, नाला शंकर, शीला बाई और अन्य लोगों तक पहुंचा रहा था। विश्वसनीय सूचना पर, नारकोटिक्स एन्फोर्समेंट विंग ने बहादुरपुरा थाने के साथ मिलकर बहादुरपुरा थाने की सीमा के तहत आरोपियों व्यक्तियों को पकड़ा।

एसएससी प्रश्नपत्र लीक मामले में तीन आरोपियों को जमानत

हैदराबाद, 11 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। काजीपेट जूनियर सिविल जज कोर्ट ने मंगलवार को एसएससी प्रश्न पत्र लीक मामले में तीन आरोपियों को सशर्त जमानत दे दी है। तीनों को 20-20 हजार रुपये की जमानत राशि जमा करने को कहा गया। पुलिस की हिरासत याचिका भी कोर्ट ने खारिज कर दी।

तीनों आरोपियों बी. प्रशांत, जी. महेश और एम. शिव गणेश को 5 अप्रैल को रिमांड पर लिया गया और करीमनगर जेल भेज दिया गया। अदालत ने मंगलवार को भाजपा कानूनी प्रकोष्ठ द्वारा दायर जमानत याचिका पर सुनवाई की और आदेश जारी किए। खबरों के मुताबिक, बीजेपी के वरिष्ठ नेता रावुला किशन ने तीनों आरोपियों के लिए अदालती औपचारिकताओं को पूरा किया और आदेश की कॉपी जमा करने और जमानत पर रिहा करने के लिए करीमनगर जेल गए।

एनएमसी खम्मम सरकारी मेडिकल कॉलेज के लिए हरी झंडी

हैदराबाद, 11 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) ने सोमवार को अकादमिक 2023-24 के लिए खम्मम में सरकारी मेडिकल कॉलेज की अनुमति दे दी है। इसके साथ ही एक सप्ताह के भीतर तेलंगाना के तीन मेडिकल कॉलेजों को आगामी शैक्षणिक वर्ष से अपने शैक्षणिक सत्र शुरू करने के लिए एनएमसी की मंजूरी मिल गई है। एनएमसी ने 2023-24 से खम्मम में सरकारी मेडिकल कॉलेज में 100 एमबीबीएस सीटों की अनुमति दी है। पिछले हफ्ते, चिकित्सा शिक्षा के लिए राष्ट्रीय नियामक प्राधिकरण ने अकादमिक वर्ष 2023-24 के लिए कामारेड्डी और कोमाराम भीम आसिफाबाद जिलों में दो नए मेडिकल कॉलेज शुरू करने के लिए अपनी हरी झंडी दे दी थी। एनएमसी ने कामारेड्डी और कोमाराम भीम आसिफाबाद में एमबीबीएस की 100-100 सीटों की अनुमति दी थी। कुल मिलाकर, तेलंगाना सरकार आगामी 2023-24 शैक्षणिक वर्ष के लिए 9 मेडिकल कॉलेजों का विकास कर रही है, जिनमें से एनएमसी ने तीन के लिए हरी झंडी दे दी है। शेष 6 मेडिकल कॉलेज राजन्ना सिरसिला, विकाराबाद, करीमनगर, जयशंकर भूपलपल्ली, जनगांव और निर्मल में खुल रहे हैं।

तिरुमला में पांच दिनों तक मनेगी हनुमान जयंती

परायणम और यज्ञम में भाग लेने के लिए 60 वैदिक विद्वान

तिरुपति, 11 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। टीटीडी ईओ श्री एवी धर्मा रेड्डी ने कहा कि तिरुमाला में हनुमान जयंती उत्सव 14 मई से 18 मई तक पांच दिनों तक मनाया जाएगा। मंगलवार को तिरुपति में प्रशासनिक भवन में टीटीडी ईओ के चैंबर में आयोजित एक समीक्षा बैठक के दौरान, उन्होंने वैदिक संस्थानों, एसवीबीसी, इंजीनियरिंग, मंदिर, अन्नप्रसादम आदि सहित विभिन्न विभागों के संबंधित अधिकारियों को आगामी मेगा के लिए आवश्यक व्यवस्था करने का निर्देश दिया। ईओ ने कहा, इन पांच दिनों के दौरान, प्रसिद्ध विद्वान श्री हनुमान के जन्म, आध्यात्मिक रूप से बल्कि वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी प्रवचन देंगे। उन्होंने धर्मगिरि वेद विज्ञान पीठम के प्रधानाचार्य श्री केएसएस अवधानी को पंडितों के लिए व्यवस्था करने का निर्देश दिया, जो तिरुमाला में पीठम में अखंड परायणम के साथ-साथ यागम का प्रतिपादन करेंगे। उन्होंने उनसे धर्मगिरि के अलावा एसवी वैदिक विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एसवी उच्च वैदिक

अध्ययन के वैदिक विद्वानों को शामिल करने के लिए भी कहा। बाद में ईओ ने इंजीनियरिंग अधिकारियों को आवश्यक व्यवस्था करने और जीएम ट्रांसपोर्ट को आमंत्रितों के परिवहन की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। अखंड परायणम 16 मई को सुबह 6 बजे शुरू होगा और रात करीब 11 बजे बिना किसी रुकावट के लगभग 18 घंटे तक चलेगा। सुंदरकांड से कुल 2872 श्लोकों का पाठ 11 वैदिक पंडितों के एक समूह द्वारा किया जाएगा, जो लगभग 150 श्लोकों के एक चक्र के पूरा होने के बाद रोटेशन पर होंगे। वैश्विक भक्तों के लिए कार्यक्रम का सीधा प्रसारण एसवीबीसी पर किया जाएगा। अन्नामाचार्य, दास साहित्य, एचडीपीपी परियोजना कलाकारों द्वारा हर दिन भक्तिपूर्ण सांस्कृतिक कार्यक्रम तिरुमाला में अंजनाद्री आकाश गंगा और नाडा नीराजनम प्लेटफॉर्म पर आध्यात्मिक तरंगों में भक्तों का मनोरंजन करेंगे। स्वास्थ्य और शिक्षा के लिए जेईओ श्रीमती सदा भार्गवी, तिरुमाला मंदिर के मुख्य पुजारी वेणुगोपाल दीक्षितुलु, सीईओ एसवीबीसी शनमुख कुमार, एसई 2 जगदीश रेड्डी, एसवीवीयू वीसी रानीसदाशिव मूर्ति, एनएसयू वीसी कृष्णमूर्ति, जीएम परिवहन शेषा रेड्डी, एचडीपीपी सचिव श्रीनिवासुलु, सभी धार्मिक परियोजना कार्यक्रम अधिकारी राजगोपाल, अन्नमाचार्य परियोजना निदेशक विभीषण शर्मा, प्रकाशन विशेष अधिकारी रामाराजु और अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

स्त्री शिक्षा के अग्रदूत थे महात्मा फुले : जिलाधिकारी

हैदराबाद, 11 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिले के जिलाधिकारी हरीश ने कहा कि महात्मा कमजोर वर्गों की उन्नति और स्त्री शिक्षा के अग्रदूत थे। ज्योतिबा फुले आज की पीढ़ी की आकांक्षाओं को प्रेरणा देने वाले हैं। मंगलवार को समाहरणालय में महात्मा ज्योतिबाफुले की 197 वीं जयंती के अवसर पर जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में जिलाधिकारी हरीश ने भाग लिया और ज्योति प्रज्वलित की। कार्यक्रम की शुरुआत महात्मा ज्योतिबा फुले के चित्र और प्रतिमा पर माल्यार्पण किया श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस मौके पर कलेक्टर ने कहा कि जातिगत भेदभाव के खिलाफ समाज के लिए, महात्मा ज्योतिबा फुले एक संघर्षशील, बहुजन दार्शनिक और सामाजिक दार्शनिक थे। उन्होंने ने भेद मिटाते हुए देश की अनेक सेवाएं की हैं। ज्योति राव फुले, दलित बहुजन महिला समुदायों के उत्थान के लिए उन्होंने कहा कि की गई गतिविधि उत्कृष्ट थी। वे अपनी सहचरी सावित्री बाई फुले के गुरु बन गए। सावित्री बाई ने अनेक स्त्रियों को शिक्षित बनाकर शिक्षा दी। सावित्रीबाई इतिहास की पहली महिला शिक्षिका बनीं। इस कार्यक्रम में जिला अपर समाहर्ता तिरुपति राव, जिला राजस्व अधिकारी हरिप्रिया, बीसी कल्याण अधिकारी उदय भास्कर, बीसी समुदाय के नेता आदि ने भाग लिया।

महिला ने खुद आग लगाकर आत्महत्या की कोशिश की

हैदराबाद, 11 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राजेंद्रनगर में मंगलवार सुबह एक महिला ने कथित तौर पर खुद को आग लगाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। पुलिस के अनुसार, महिला की अभी तक पहचान नहीं हो पाई है और उसकी उम्र लगभग 35 वर्ष है। महिला ने राजेंद्रनगर पुलिस थाने के तहत पीवीएनआर पिलर नंबर 133 अट्टापुर रोड के पास कथित तौर पर अपने शरीर पर ईंधन डाला और खुद को आग लगा ली। राजेंद्रनगर इंस्पेक्टर बी नागेंद्र बाबू ने कहा कि ऐसा लगता है कि उसका अपने पति के साथ कुछ अनबन चल रही है। सुबह स्थानीय लोगों ने उसे आग की लपटों में देख पुलिस को सूचना दी। पुलिसकर्मियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया और उसे उस्मानिया जनरल अस्पताल में भर्ती कराया। उसका जलने का इलाज चल रहा है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.